मवाहिबुर् रहमान

(रहमान ख़ुदा का उपहार)

MAWAHIBUR RAHMAN

लेखक
हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद, क़ादियानी
मसीह मौऊद व महदी मा'हूद अलैहिस्सलाम

मवाहिबुर् रहमान

(रहमान ख़ुदा का उपहार)

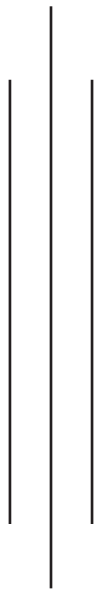

लेखक

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी

मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम

नाम पुस्तक	: मवाहिबुर् रहमान (रहमान ख़ुदा का उपहार)
लेखक	: हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम
अनुवाद व टाईप	: फ़रहत अहमद आचार्य
सेटिंग	: नईम उल हक़ कुरैशी मुरब्बी सिलसिला
संस्करण	: प्रथम संस्करण (हिन्दी) जनवरी 2021 ई०
संख्या	: 500
प्रकाशक	: नज़ारत नश्र-व-इशाअत, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब)
मुद्रक	: फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रेस, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब)

Name of book	: Mawahibur Rehman
Author	: Hazrat Mirza Ghulam Ahmad Qadiani Masih Mou'ud W Mahdi Mahood Alaihissalam
Translator & Type	: Farhat Ahmad Acharya
Setting	: Naeem Ul Haque Qureshi Murabbi Silsila
Edition	: 1st Edition (Hindi) January 2021
Quantity	: 500
Publisher	: Nazarat Nashr-o-Isha'at, Qadian, 143516 Distt. Gurdaspur, (Punjab)
Printed at	: Fazl-e-Umar Printing Press, Qadian 143516 Distt. Gurdaspur (Punjab)

प्रकाशक की ओर से

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी मा'हूद अलैहिस्सलाम द्वारा लिखित पुस्तक "**मवाहिबुर् रहमान**" का यह हिन्दी अनुवाद आदरणीय फ़रहत अहमद आचार्य (इंचार्ज हिन्दी डेस्क) ने किया है। तत्पश्चात आदरणीय शेख़ मुजाहिद अहमद शास्त्री (सदर रिव्यू कमेटी), आदरणीय फ़रहत अहमद आचार्य (इंचार्ज हिन्दी डेस्क), आदरणीय अली हसन एम. ए., आदरणीय मोहम्मद नसीरुल हक़ आचार्य, आदरणीय इब्नुल मेहदी एम. ए. और आदरणीय सय्यद मुहियुद्दीन फ़रीद एम.ए. ने इसका रिव्यू किया है। अल्लाह तआला इन सब को उत्तम प्रतिफल प्रदान करे।

इस पुस्तक को हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ (जमाअत अहमदिया के वर्तमान ख़लीफ़ा) की अनुमति से हिन्दी प्रथम संस्करण के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

विनीत

हाफ़िज़ मख़्दूम शरीफ़

नाज़िर नश्र व इशाअत क़ादियान

नोट

पुस्तक के अंत में पारिभाषिक शब्दावाली दी गई है पाठकगण उसकी सहायता से पुस्तक में प्रयोग किए गए इस्लामिक शब्दों को सरलतापूर्वक समझ सकते हैं।

लेखक परिचय

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी अलैहिस्सलाम

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम का जन्म 1835 ई० में हिन्दुस्तान के एक कस्बे क़ादियान में हुआ। आप अपनी प्रारंभिक आयु से ही ख़ुदा की उपासना, दुआओं, पवित्र क़ुरआन और अन्य धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में व्यस्त रहते थे। इस्लाम जो कि उस समय चारों ओर से आक्रमणों का शिकार हो रहा था, उसकी दयनीय अवस्था को देख कर आप अलैहिस्सलाम को अत्यंत दुख होता था। इस्लाम की प्रतिरक्षा और फिर उसकी शिक्षाओं को अपने रूप में संसार के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिए आपने 90 से अधिक पुस्तकें लिखीं और हज़ारों पत्र लिखे और बहुत से धार्मिक शास्त्रार्थ और मुनाज़रात किए। आपने बताया कि इस्लाम ही वह ज़िन्दा धर्म है जो मानवजाति का संबंध अपने वास्तविक सृष्टिकर्ता से पैदा कर सकता है और उसी के अनुसरण से मनुष्य व्यवहारिक तथा आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है।

छोटी आयु से ही आप सच्चे स्वप्न, कश्फ़ और इल्हाम से सुशोभित हुए। 1889 ई० में आपने ख़ुदा तआला के आदेशानुसार बैअत[1] लेने का सिलसिला प्रारंभ किया और एक पवित्र जमाअत की नींव रखी। इल्हाम व कलाम का सिलसिला दिन प्रति दिन बढ़ता गया और आपने ख़ुदा के आदेशानुसार यह घोषणा की कि आप अंतिम युग के वही सुधारक हैं जिस की भविष्यवाणियाँ संसार के समस्त धर्मों में भिन्न-भिन्न नामों से उपस्थित हैं।

आपने यह भी दावा किया कि आप वही मसीह मौऊद व महदी माहूद हैं जिसके आने की भविष्यवाणी आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने की थी। जमाअत अहमदिया अब तक संसार के 200 से अधिक देशों में स्थापित हो चुकी है।

---

1 **बैअत**- किसी नबी, रसूल, अवतार या पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना- अनुवादक

1908 ई० में जब आप का स्वर्गवास हुआ तो उसके पश्चात पवित्र क़ुरआन तथा आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की भविष्यवाणियों के अनुसार आपके आध्यात्मिक मिशन की पूर्णता हेतु खिलाफ़त का सिलसिला स्थापित हुआ। अत: इस समय हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ आप के पंचम ख़लीफ़ा और विश्वस्तरीय जमाअत अहमदिया के वर्तमान इमाम हैं।

पुस्तक परिचय

मवाहिबुर् रहमान

मिश्री अख़बार 'अल्लिवा' के एडिटर मुस्तफा कमाल पाशा को अंग्रेज़ी भाषा में एक विज्ञापन मिला जिसमें हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के दावे और आपके तथा आपके पूर्ण अनुयायियों के ताऊन (प्लेग) से सुरक्षित रहने से संबंधित ख़ुदा के वादे का वर्णन था और यह कि ख़ुदाई सुरक्षा के इस वादे के आधार पर आप ने फरमाया कि मुझे और मेरे घर में रहने वालों को ताऊन का टीका लगवाने की आवश्यकता नहीं। इस पर उस मिस्त्री अख़बार के एडिटर ने यह ऐतराज़ किया कि आप ने टीका की मनाही करके माध्यमों का त्याग किया है और दवा न करने का आधार भरोसे को ठहराया है और यह बात पवित्र क़ुरआन के विरुद्ध और आयत-

لا تلقوا بايد يكم الى التهلكة

के विपरीत है और भरोसे के भी विपरीत है। इस ऐतराज़ के उत्तर में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने अरबी भाषा में "मवाहिबुर रहमान" के नाम से एक पुस्तक लिखी जो जनवरी 1903 ईस्वी में प्रकाशित हुई। इस पुस्तक में उपरोक्त एडिटर के ऐतराज़ों का विस्तृत और तर्कपूर्ण उत्तर देते हुए अपनी आस्थाओं तथा जमाअत के लिए शिक्षा और उन निशानों का भी वर्णन किया है जो पिछले 3 सालों में प्रकट हुए थे। और आस्थाओं का वर्णन करते हुए आप ने फरमाया -

ومن عقايد نا ان عيسىٰ و يحيٰى قد وُلدا علىٰ طريق خرق العادة

अर्थात हमारी आस्थाओं में से यह भी है कि हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम और हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम विलक्षण रूप से पैदा हुए थे और हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के बिना बाप के जन्म तथा उसकी हिकमत का विस्तृत वर्णन करके अंत में यह निर्णय दिया कि विवेकवानों के निकट पवित्र क़ुरआन तथा इन्जील की गवाही की दृष्टि से दो में से एक बात मानने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं -

اما ان یقال انّ عیسٰی خلق من کلمة الله العلام او یقال و نعوذ بالله منه انه من الحرام

अर्थात या तो यह माना जाए कि हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम अल्लाह तआला के आदेश से पैदा हुए हैं या नाऊज़ुबिल्ला यह कहा जाए कि आपका जन्म अवैध था। और उन लोगों पर आपने आश्चर्य व्यक्त किया है जो हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के बिना बाप जन्म को मानने के लिए तैयार नहीं और यूसुफ के वीर्य से उसका जन्म मानते हैं। हालांकि उनका बिना बाप जन्म हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लिए एक निशानी के तौर पर था।

जलालुद्दीन शम्स

प्रथम संसकरण उर्दू के टाइटल का अनुवाद

هذا کتاب الّفته منْ تائید رَبّی المنّان۔ و واللّٰہ انّه منْ قوّة ربّی لا من قوة الانسان۔ وانّه لاٰیة عظیمة لمن فکّر و خاف الدّیّان

यह किताब है जिसे मैंने अपने उपकारी ख़ुदा की सहायता से लिखा है और ख़ुदा की क़सम यह मेरे प्रतिपालक ख़ुदा के सामर्थ्य से है, न कि किसी मनुष्य के सामर्थ्य से और यह नि:सन्देह हर उस व्यक्ति के लिए एक महान चमत्कार है जो सोच-विचार करे और प्रतिफल दिवस के मालिक से डरे।

وانی سمّیتهٗ

और मैंने इस का नाम रखा है

मवाहिबुर् रहमान

(रहमान ख़ुदा का उपहार)

وانا عبداللّٰہ الاحد غلام احمد عافانی اللّٰہ و اید و جعل قریتی هذه قادیان دارالاسلام و مهبط الملئکة الکرام

(آمین)

और मैं अद्वितीय ख़ुदा का विनम्र बन्दा ग़ुलाम अहमद हूँ। अल्लाह मुझे सलामत रखे और मेरा समर्थन करे तथा मेरी इस बस्ती क़ादियान को दारुल इस्लाम और फ़रिश्तों के उतरने का स्थान बना दे।

(आमीन)

प्रकाशित ज़िया-उल-इस्लाम प्रेस क़ादियान....

أُحَلِفُ بِاللّٰهِ كُلَّ مَنْ بلغتْه هذه الأوراقُ ان يُشيعوها فى جرائدِهم، و سيَجْزِيهم العَليم الخَلّاقُ

मैं हर उस व्यक्ति को अल्लाह की क़सम देता हूँ जिसे ये पृष्ठ पहुंचें कि वह इन को अपने अख़बार में प्रकाशित करे। सर्वज्ञ, स्रष्टा ख़ुदा उन्हें उत्तम प्रतिफल प्रदान करेगा।

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

नहमदुहू व नुसल्ली अला रसूलिहिल करीम

اللِّوَاء - وآيَةٌ مِّنَ السّمآء

अख़बार अल्लिवा और एक आकाशीय निशान

قد اعترض علينا صاحب اللواء، عفى الله عنه وغفر له خطأه الذى صدر منه من غير عزم الإيذاء. قال: وردَت إلينا نشرة باللغة الإنكليزية متضمنة آراء المسيح الذى ظهر فى بعض البلاد الهندية، و ادعى النبوة، و ادعى أنه هو عيسٰى ليجمع الناس علٰى دينٍ واحدٍ وليهديهم إلى سبيل التُّقٰى. وإنه زعم أنّ التطعيم ليس بمفيد للناس، واستدل بآية: قُلْ لَنْ يُّصِيْبَنا، فانظروا إلى سقم هذا القياس. ثم بعد ذالك قال صاحب اللواء

अल्लिवा अख़बार (मिस्र) के एडीटर (मुस्तफ़ा कामिल पाशा) ने हम पर ऐतराज़ किया है। अल्लाह उसे क्षमा करे और उसकी ग़लती को माफ़ फ़रमाए जो उस ने कष्ट पहुंचाने के उद्देश्य से नहीं की। वह कहता है कि हमें अंग्रेज़ी भाषा में एक पम्फ्लट प्राप्त हुआ है जो हिन्दुस्तान के एक इलाक़े में अवतरित होने वाले मसीह के विचारों पर आधारित है। उसने नुबुव्वत का दावा किया है और यह दावा किया है कि वह ही (वादा दिया गया) ईसा है ताकि वह लोगों को एक धर्म पर इकट्ठा करे और तक़्वा (संयम) के मार्ग की ओर उनका मार्ग-दर्शन करे तथा उसका यह भी विचार

: إن هـذا المدعـى يزعـم أن تـرك الدواء هـو منـاط التـوكل عـلى واهـب الشـفاء ـ وليس الأمـر كذالـك. فـإن الاتـكال عـلى الله تعـالى هـو العمـل بمقتضـى سـنّته، الـتى جـرت فى خليقتـه، وقـد أُمرنـا فى القـرآن أن نـدرَأ الامـراض والطواعـين بالمـداواة والمعالجـات، ولا نجـد فيـه شـيئا ممـا قـال هـذا الرجـل مـن الكلِـم الواهيـات. بـل الاتـكال بالمعـنى الذى يظـن هـذا المدعـى هـو عـدم الاتـكال فى الحقيقـة، فإنّـه خـروجٌ مـن السـنة الجارية الـمَحْسُوسَةِ المشـهودة فى عالَـم الخَلْـق، وخـلافٌ لآيـة: لَا تُلْقُوْا بِاَيْدِيْكُمْ اِلَى التَّهْلُكَةِ ـ هـذا مـا قـال صاحـب اللـواء ومـا تَظـنَّ، فالاسـف كل الاسـف عليـه أنـه

है कि (ताऊन अर्थात् प्लेग का) टीका लगवाना लोगों के लिए लाभप्रद नहीं और उसने आयत ✲ قُلْ لَنْ يُّصِيْبَنَا اِلَّا مَا كَتَبَ اللهُ لَنَا से सिद्ध करना चाहा है कि इस अनुमान के बोदेपन पर विचार करो। फिर इसके बाद अल्लिवा का एडीटर कहता है कि यह मुद्दई समझता है कि दवा का त्याग करना शिफ़ा देने वाले ख़ुदा पर भरोसे से सम्बद्ध है। हालांकि ऐसी कोई बात नहीं। क्योंकि अल्लाह तआला पर भरोसा उसकी उस सुन्नत की मांग पर अमल करना है जो उसकी सृष्टि में जारी है। और हमें क़ुर्आन में यह आदेश दिया गया है कि हम समस्त रोगों तथा ताऊनों का उपचार के द्वारा निवारण करें। और वे बोदे शब्द जो यह व्यक्ति कह रहा है उनमें से हम इस (क़ुर्आन) में कुछ भी नहीं पाते। बल्कि भरोसा इन अर्थों में जो यह मुद्दई समझता है, वह वास्तव में भरोसे का अभाव है। क्योंकि ऐसे अर्थ इस संसार में जारी, महसूस और मौजूद सुन्नत से बाहर और आयत-

✲ لَا تُلْقُوْا بِاَيْدِيْكُمْ اِلَى التَّهْلُكَةِ

✲ तू (उन से) कह दे कि हमें तो कोई संकट नहीं पहुंचेगा सिवाए उस के जो अल्लाह ने हमारे लिए लिख रखा है। (अत्तौब: 9/51)

✲ और स्वयं अपने आपको हलाक़त में न डालो। (अलबक़र:-2/196)

اعترض قبل أن يُفتّش و تَجنّٰى. و لما قرأتُ ما أشاعَ و أَمّلٰى، قُلْتُ: يا سبحان الله! ما هذا الكذب الذى على مِقْوَله جرَى؟ و إِنّى ما تفوهتُ قطُّ بهذا فكيف إلىّ هذا القول يُعزى؟ يطلبنى فى نياط و أنا على بساط، و يُبيّن ما فُهْتُ به بصورة أُخرٰى. فأقول: علٰى رِسْلِك يا فَتٰى. و لا تَعْزِنِى إلٰى قولٍ ما أتعزَّى. و مِن حُسْنِ خصائل المَرْءِ أن يُحقق و لا يعتمد علٰى كلّ ما يُروٰى. فاتق الله يا من يُجرّح جِلْدتى و يُشهّر مَنقصتى، و تعال أقصّ عليك قصّتى، و اسمع منى معذرتى، ثم اقض ما أنت قاض، و اخْطُ خطوة التقٰى، و اسلُكْ سبيل التقوى، و لا تَقْفُ ما ليس لك به علم و لا

के विपरीत हैं। यह है वह ऐतराज़ जो 'लिवा' के एडीटर ने किया और कुधारणा की। अफ़सोस सौ अफ़सोस! उस पर कि उसने जांच-पड़ताल करने से पूर्व ऐतराज़ किया और आरोप लगा दिया। जब मैंने उस निबन्ध को पढ़ा जो उसने लिखा और प्रकाशित किया तो मैंने कहा कि वाह सुब्हानल्लाह। कितना बड़ा झूठ है जो उसकी ज़बान से निकला। हालांकि मैंने तो कभी ऐसी बात नहीं कही, तो फिर यह बात मेरी ओर किस प्रकार सम्बद्ध हुई। वह मुझे बहुत दूर बियाबान (जंगल) में ढूंडता है हालांकि मैं तो सामने हूँ। और जो बात मैंने कही है वह उसे दूसरे रंग में वर्णन करता है। तो मैं कहता हूँ कि हे जवान! तनिक ठहर! और जो बात मैंने स्वयं अपनी ओर सम्बद्ध नहीं कि उसे मेरी ओर सम्बद्ध न कर और किसी व्यक्ति की अच्छी आदतों में से यह है कि वह जांच-पड़ताल करे और हर सुनी सुनाई बात पर विश्वास न करे। अत: हे वह जो मेरी खाल को ज़ख़्मी करता और मेरे बारे में काल्पनिक दोषों की प्रसिद्धि करता है अल्लाह से डर और आ। मैं तेरे सामने अपना क़िस्सा वर्णन करता हूँ। मुझ से मेरी आपत्ति सुन। फिर तू जो चाहे फ़ैसला कर और संयम के निशानों को अपना ले तथा संयम के मार्गों पर चल। और जिस चीज़ का तुझे ज्ञान नहीं उसके पीछे न लग और

تتبع الهوى۔

إنى امرؤ يكلّمنى ربّى، و يُعلّمنى من لّدُنه، و يحسن أدبى، و يوحى إلىّ رحمة منه، فأتّبع ما يُوحٰى، و ما كان لى أَنْ أترك سبيله و أَخْتارَ طُرقًا شَتّى۔ و كلّ ما قُلتُ قلت من أمره، و ما فعلت شيئًا عن أمرى، و ما افتريت علىٰ ربّى الاعلىٰ، و قد خاب من افترٰى۔ أتعجب من هذا؟ فلا تعجب من فعل القدير الذى خلق الارض و السّماوات العُلىٰ، و إنّه يفعل ما يشاء ، و لا يُسْأل عما قضٰى۔ و عندى منه شهادات كثيرة، و إنه أرى لِى آياتٍ كُبرٰى، و له أَسْرارٌ فى أنباء وحيه الذى رزقنى و رُموزٌ لا تُدركها عقول الورىٰ۔ فلا تُمارِنى فى ترك التطعيم، و لا تكن

लालच न कर।

नि:सन्देह मैं ऐसा व्यक्ति हूँ कि मेरा रब्ब मुझ से वार्तालाप करता है और स्वयं मुझे सिखाता है और मेरे अदब को निखारता है और अपनी रहमत (दया) से मुझ पर वह्यी उतारता है। अत: जो वह्यी होती है मैं उसका अनुकरण करता हूँ और मेरे लिए संभव नहीं कि मैं उस का मार्ग छोड़ दूं और विभिन्न मार्गों को ग्रहण करूँ। जो कुछ मैंने कहा है उसके आदेश से कहा है। अपनी ओर से मैंने कुछ नहीं किया। और मैंने अपने बुज़ुर्ग और श्रेष्ठ ख़ुदा पर इफ़्तिरा (झूठ गढ़ना) नहीं किया। और यह कि जिस ने इफ़्तिरा किया वह असफल हुआ। क्या तू इस पर आश्चर्य करता है? अत: तू उस सामर्थ्यवान ख़ुदा के कार्य पर आश्चर्य न कर जिसने पृथ्वी और बुलन्द आकाशों को पैदा किया। नि:सन्देह वह जो चाहता है वही करता है और जो करता है उसके बारे में उस से पूछा नहीं जाएगा। और मेरे पास उसकी ओर से बहुत सी गवाहियां मौजूद हैं। और उसने मेरे लिए बड़े-बड़े चमत्कार दिखाए हैं। उसकी वह्यी जो उसने मुझे प्रदान की है उसकी ख़बरों में उसके ऐसे रहस्य और इशारे हैं जिन को लोगों सृष्टि की बुद्धि नहीं समझ सकती। इसलिए तू टीका न लगवाने के बारे में मुझ से बहस

كمثل من أغفل الله قلبه فاتّخذ أسبابه إلٰهًا و كان أمره فُرُطًا. ولكلّ سببٍ إلٰى ربّنا المُنْتهٰى، ويَفْنى السبب بعد مراتب شتّٰى. ثم تأتى مرتبة الامر البحت لا يشار فيه إلى سبب ولا يومٰى، ويبقى الله وحده وتُقْطَع الاسباب وتُمحىٰ. وليس للاسباب إلّا خطواتٌ، ثم بَعْده قدرٌ بَحْتٌ لا يُدْرَك ولا يُرٰى، وخزائن مخفية لا تُحَدّ ولا تُحْصٰى، وبحرٌ لا ساحل له، ودَشْتٌ نَطّناطٌ لا يُمْسَح ولا يُطْوٰى. أعُطّلتِ القدرةُ البحتُ وبقى الاسباب؟ تلك إذا قسمة ضيزى! أَلا تعلم كيف خلق الله آدم وعيسٰى، وتتلو ذكرهما فى القرآن ثم تنسى؟ أنسيت قصة الكليم وفلق البحر العظيم، إذْ أَجاز البحر وأُغرِقَ فرعون

न कर और उस व्यक्ति की तरह न बन कि जिसके दिल को अल्लाह ने असावधान कर दिया तो उसने अपने माध्यमों को उपास्य बना लिया हो और उसका मामला सीमा से बाहर निकल गया हो। और प्रत्येक कारण का अन्त हमारा रब्ब है तथा कुछ पड़ावों के बाद कारण समाप्त हो जाता है। फिर उसके बाद शुद्ध मामले की श्रेणी आ जाया करती है जिसमें किसी कारण की ओर कोई संकेत या इशारा नहीं किया जा सकता और केवल एक मात्र व अद्वितीय ख़ुदा शेष रह जाता है और समस्त माध्यम काट दिए तथा मिटा दिए जाते हैं। माध्यम तो केवल कुछ क़दमों तक हैं फिर उसके बाद केवल शुद्ध क़ुदरत रह जाती है जिस का न तो बोध किया जा सकता है और न ही अवलोकन और गुप्त ख़ज़ाने हैं जिन की कोई सीमा और गणना नहीं और अथाह समुद्र है तथा ऐसा लम्बा चौड़ा जंगल है कि जिसे पार या तय नहीं किया जा सकता। क्या शुद्ध क़ुदरत निलंबित हो गई और केवल माध्यम शेष रह गए? फिर तो यह एक अन्यायपूर्ण विभाजन है। क्या तुझे मालूम नहीं कि अल्लाह ने आदम और ईसा को किस प्रकार पैदा किया। तू इन दोनों का वर्णन क़ुर्आन में पढ़ता है और फिर भूल जाता है। क्या तू मूसा कलीमुल्लाह का क़िस्सा और महान समुद्र का फटना

اللئيم؟ فبَيِّنْ لنا أى فُلْكٍ كان ركِبه موسٰى؟ وما قص الله هذه القصص عبثًا بل أودعها معارف عُظمٰى، لتَعلمُوا أَنّ قدرة الله ليستْ مُقيّدةً فى الْاَسباب، ولِيزداد إيمانكم وتفتح عيونكم وتنقطع عروق الارْتِيَاب، ولتعرفُوا أنّ ربّكم قديرٌ كاملٌ ما سُدَّ عليه باب من الابواب، ولا تنتهى قدرته ولا تبلٰى. ومن أنكر سعة قدرته وقيّدها بسببٍ لقلة فطنته فقد خرّ مِن ذُرَى الصدقِ وهوٰى، وكان خروره أصعب و أَدْهٰى. فلا تسُبّ الذين يتركون بعض الاسباب بأمر الله الوهّاب، ولا تُقيِّدْ سنن الله فى دائرةٍ أضيق وأغسٰى. اعلم أن الاسباب أصل عظيم للشرك الذى لا يُغْفَر، وأنها أقرب أبواب الشرك وأوسعها للذى لا

भूल गया है कि जब उस ने समुद्र को पार किया और लईम (कमीना) फ़िरऔन डुबो दिया गया। फिर हमें बता कि मूसा[अ] किस कश्ती (नौका) पर सवार हुआ था। अल्लाह तआला ने ये क़िस्से व्यर्थ में वर्णन नहीं किए अपितु इन में महान अध्यात्म ज्ञान धरोहर के तौर पर रखे हैं ताकि तुम्हें मालूम हो कि अल्लाह तआला की क़ुदरत माध्यमों के साथ प्रतिबंधित नहीं और ताकि उन से तुम्हारे ईमान में वृद्धि हो। और तुम्हारी आंखें खुलें और सन्देह एवं शंकाओं की रगें कट जाएं और ताकि तुम भली-भांति अवगत हो जाओ कि तुम्हारा रब्ब पूर्ण क़ुदरत रखता है और उस पर कोई दरवाज़ा भी बन्द नहीं और उसकी क़ुदरत का कोई अन्त नहीं और न वह समाप्त होती है। और जिसने उसकी क़ुदरत की विशालता से इन्कार किया और अपनी समझ की कमी के कारण उसे किसी कारण से प्रतिबंधित कर दिया तो वह निश्चित ही सच्चाई के उच्च शिखर से नीचे आ गिरा और मर गया। और उसका गिरना बड़ा कठिन और घातक है। इसलिए तू उन लोगों को बुरा-भला न कह जो वह्हाब (वदान्य) अल्लाह के आदेश से कुछ माध्यमों को त्याग देते हैं। और न ही तू अल्लाह के नियमों को संकीर्ण तथा अंधकारपूर्ण दायरे में क़ैद कर। तू जान ले कि माध्यम अक्षम्य शिर्क के

يحذر، و كم من قوم أهلكهم هذا الشرك وأردى، فصاروا كالطبعيّين والدهريّين، يضحكون على الدّين متصلفين ومستكبرين، كما تشاهد فى هذا الزمان وترىٰ. ولا نمنع من الإسباب على طريق الاعتدال، ولكن نمنع من الانهماك فيها والذهول عن الله الفعّال، ومَن تمايل عليها كل التمايل فقد طغٰى. ثم مع ذالك إن كان ترك الإسباب بتعليم من الله الحكيم، فهِىَ آية من آيات الله الجليل العظيم، وليس بقبيح عند العقل السليم، وقد سمعتَ أمثالها فيما مضٰى. واعلمْ أن لأولياء الله بعضَ أفعال لا تدركها العقول، ولا يعترض عليها إلا الجهول. أنسيت قصّة رفيق موسٰى وهى أكبر من قصّتى

लिए महान बुनियाद हैं। और ये माध्यम उस व्यक्ति के लिए जो सावधानी से काम नहीं करता शिर्क के दरवाज़ों के अधिक निकट तथा अधिक विशाल हैं। और बहुत सी ऐसी क़ौमें हैं जिन्हें इस शिर्क ने मारा और बर्बाद कर दिया। फिर वे नेचरियों और नास्तिकों के समान हो गए हैं जो डींगे मारते और अहंकार करते हुए धर्म का उपहास करते हैं जैसा कि तू इस युग में देख रहा है। और हम संतुलित रूप से माध्यमों को अपनाने से मना नहीं करते। परन्तु हम उन में पूर्ण रूप से तन्मय हो जाने और बिगड़े कामों को बनाने वाले ख़ुदा को भूल जाने से मना करते हैं। और हर वह व्यक्ति जो पूर्णतया इन माध्यमों पर झुका तो वह अवश्य ही उद्दण्ड हुआ। फिर उसके साथ ही यदि माध्यमों का त्याग ख़ुदा तआला की शिक्षा के अन्तर्गत ग्रहण किया है तो वह (त्याग करना) बुज़ुर्ग और श्रेष्ठतम ख़ुदा के निशानों में से एक निशान है। और यह एक सद्बुद्धि के नज़दीक बुरा नहीं और पहले वर्णन में तू उनके उदाहरण सुन चुका है और तू जान ले कि ख़ुदा के वलियों के कुछ कर्म ऐसे होते हैं कि अक़्लें उनको नहीं समझ सकतीं और उन पर एक मूर्ख और जाहिल ही ऐतराज़ करता है। क्या तू मूसा के साथी का क़िस्सा भूल गया? वह क़िस्सा जैसा कि वह किसी पर गुप्त

كما لا يَخْفَى؟ إنّه قتل نفسًا زكيّةً بغير نفس، ومُنِع فما انتهٰى، وخرَق السفينة وظُنّ أنه يُغرق أهلها وجاء شيئا إِمْرا. ثم هٰهنا نكتة لطيفة وهو أنّ الاسباب خُلقت للاولياء ، ولو لا وجودهم لبطلت خواص الاشياء، وما نفَع شيء من حيل الاطبّاء، وأنهم لاهل الارض كالشفعاء، وأن وجودهم حِرْزُهم، ولولا وجودهم لمات الناس كلّهم بالوباء. فليس الدواء فى نفسه شيئاً، بل يأتى الفضل من السّماء، كما قال لى ربّى فى وحيٍ منه: " لولا الإكرام لهلك المقام"، وإنّ فى ذالك لعبرة لمن يخشٰى. ثم جرت عادة الله أنّ بعض الناس يُبْتَلون بكَلِمِ أَوْلِيَائه ولا يتدبرون ولا يفهمون، ويُضل الله

नहीं मेरे क़िस्से से अधिक बड़ा है। क्योंकि उसने एक मासूम जान को जिसने किसी की जान नहीं ली थी, क़त्ल कर दिया था और जिससे उसे मना किया गया था न रुका और उसने नौका में छेद कर दिया और यह विश्वास कर लिया गया कि नौका वालों को डुबो देगा। और उसने एक अनोखा कार्य किया। फिर यहाँ एक सूक्ष्म रहस्य भी है और वह यह कि माध्यम वलियों के लिए ही पैदा किए गए हैं। और यदि उनका अस्तित्व न होता तो चीज़ों के गुण व्यर्थ हो जाते और तबीबों वैद्यों की (उपचार आदि की) कोशिशें बेफ़ायदा हो जातीं। और यह कि ख़ुदा के वली लोगों के लिए सिफ़ारिश करने वाले हैं और उनका अस्तित्व उनके लिए तावीज़ होता है। यदि उनका अस्तित्व न होता तो सब लोग संक्रामक रोग से मर जाते। तो दवा स्वयं में कोई चीज़ नहीं अपितु फ़ज़्ल तो आकाश से ही आता है। जैसा कि मेरे रब्ब ने अपनी वह्यी से मुझे कहा- "यदि मुझे तेरा पास न होता और तेरा सम्मान दृष्टिगत न होता तो मैं इस गांव को तबाह कर देता।" और नि:सन्देह इसमें हर डरने वाले के लिए सीख है। फिर यह अल्लाह की जारी सुन्नत भी है कि कुछ लोग उस के वलियों की बातों से आज़माए जाते हैं और वे विचार से काम नहीं लेते और समझते नहीं तथा अल्लाह उनके

بـهم كثـيرا، و يهـدى بـهم كثـيرا، و كذالـك قَـدَّر و قضٰـى. و لا يضلّـون إلا الذيـن فى قلوبـهم كـبرٌ فـهُمْ لكبرهـم ينطَحـون، و لا يخافـون يـوم الحسـاب، و يصـرّون علىٰ مـا يقولـون، و مـا لـهم بِـهِ علـم و لا يتّقـون، و يسـبّون رسـل ربـهم بغـير علـم و يعترضـون علىٰ قولـهم الاِخْفٰـى. و لا يُهْـدَونَ إلى نورهـم لِشـقْوةٍ سـبقت، و لذنـوب كثـرت، و لمعاصـى بلغـت إلى المنتهٰـى. فـلا يَـرون إلّا عيوبـهم و لا يُوفَّقـون، و يُغشّـى الله أبصارهـم لئـلّا يبصـروا، و يُصـمّ آذانـهم لئـلّا يسـمعوا، و يختـم علـى قلوبـهم لئـلا يفهمـوا، فينظـرون إليـهم و هـم لا يبصرون۔ ذالـك بمـا قدمـت أيديـهم و بمـا تمايلـوا عـلى الدنيـا، و داسـوا تحـت أقدامـهم دَار العُقْبٰى۔

माध्यम से बहुतों को गुमराह ठहराता और बहुतों को हिदायत देता है। और ऐसा ही उसने मुक़द्दर किया हुआ है। और गुमराह वही होते हैं जिन के दिलों में घमण्ड होता है। फिर वे अपने घमण्ड के कारण टक्करें मारते हैं और हिसाब के दिन से नहीं डरते तथा अपनी बातों पर आग्रह करते हैं। और न तो उन्हें उसका ज्ञान होता है और न ही वे संयम धारण करते हैं। वे अज्ञानता के कारण अपने रब्ब के भेजे हुओं को गालियां देते हैं और वे (नबियों) की बातों पर जिन की (वास्तविकता) उन पर छुपी होती है, ऐतराज़ करते हैं। और वे अपने पहले दुर्भाग्य और पापों की प्रचुरता के कारण और अपनी उन अवज्ञाओं के कारण जो चरम सीमा को पहुंच चुकी होती हैं उन (नबियों और वलियों) के अध्यात्म प्रकाश की ओर मार्ग नहीं पाते। तो वे उन (अल्लाह के वलियों) के दोषों के अतिरिक्त कुछ नहीं देखते तथा उन्हें सन्मार्ग प्राप्ति का सामर्थ्य नहीं दिया जाता और अल्लाह उनकी आँखों पर पर्दा डाल देता है ताकि वे न देख सकें। और उनके कानों को बहरा कर देता है ताकि वे सुन न सकें और उनके दिलों पर मुहर लगा देता है ताकि वे समझ न सकें। फिर वे ख़ुदा के उन वलियों को देखते हैं परन्तु उन्हें देख नहीं पाते इसका कारण उनके पहले कर्म हैं। और इस

يسبّون ولا يظلمون إلّا أنفسهم ويُبارِزون الله الاغنٰى. وإنّ سبُّهم إلّا حسرةٌ عليهم وحفرةٌ من النّار، فيقربون الحُفرة ظلمًا وطغوى، ومن دنا منها فقد تردّٰى. يقولون ما رأينا من آية وما رأينا من أمرٍ عجيب. يا سبحان الله! ما هذه الاكاذيب؟ ما لهم لا يخافون أيام الحسيب؟ وقد رأوا منّي أكثر من مائة ألفٍ آياتٍ وخوارقَ ومعجزاتٍ، فنَسِيَ كل منهم ما رأى. فكيف إذا سُئِلوا يوم القيامة وكُشِفَ ما كتموا، وأتوا ربّهم بنفسٍ تتعرّىٰ؟ وإنّ لعن الصادقين المرسلين ليس بِهَيِّنٍ، فسوف يرون ثمرة ما يبذرون، ويرون من أُخِذَ ومن نجىٰ. وإن الله يأتى ينقُص الارضَ من

कारण से भी कि वे दुनिया की ओर झुक गए और परलोक के घर को अपने पैरों तले रोंद डाला। वे गालियाँ देते हैं और अपने ही प्राणों पर ज़ुल्म करते हैं। और निस्पृह ख़ुदा से लड़ते हैं। और उनकी गाली गलौज स्वयं उनके लिए ही निराशा और अग्नि का गढ़ा है। अत: वे अत्याचार और उद्दण्डता के कारण अग्नि के गढ़े के निकट होते हैं। और जो उस गढ़े के निकट हुआ तो वह मर गया। वे कहते हैं कि हम ने कोई चमत्कार नहीं देखा और न ही हम ने कोई असाधारण बात देखी है। सुब्हान अल्लाह! क्या ही झूठी बातें हैं। इन्हें क्या हो गया है कि वे हिसाब लेने वाले ख़ुदा के दिनों से नहीं डरते। हालांकि उन्होंने एक लाख से अधिक मेरे निशान विलक्षणताएं और चमत्कार देखे। किन्तु उनमें से प्रत्येक व्यक्ति उस निशान को जो उसने देखा था भूल गया। तो क़यामत के दिन जब उन से उत्तर मांगा जाएगा उनका क्या हाल होगा और उस दिन जो उन्होंने छुपाया होगा उसे प्रकट कर दिया जाएगा। और वे अपने रब्ब के सामने नग्न हृदय के साथ उपस्थित होंगे। सच्चे रसूलों पर लानत करना कोई साधारण बात नहीं। फिर वे जो बो रहे हैं उसका फल शीघ्र पा लेंगे और देख लेंगे कि कौन पकड़ा गया और किसने मुक्ति पाई। और अल्लाह पृथ्वी को उसके किनारों

أطرافها، فيُري الفاسقين ما أرى في قرونٍ أُولٰى. وإن لحوم أوليائه مسمومة، فمن أكلها بالاغتياب والبهتان عليهم فقد دعا إليه الرّدٰى. وسيبدى السمّ آثاره، ولا يفلح الفاسق حيث أتى. وإن الله غيور لنفوسهم كما هو غيور لنفسه، فلا يترك من عادٰى، فانتظروا المدٰى وإنّ أشقى النّاس من عاداهم وإن أَسْعدَهم من وَالٰى. وإنّي والله من عنده، وهو لى قائم، فما رأيك أيها العزيز۔ أتقبل أَوْ تأبىٰ؟ وما أنكرنى إلّا الذى خاف الناسَ، أو كان من الذين يستكبرون، أَوْ ما فَكّر حَقَّ فكره، فتخلَّفَ مع الذين يتخلّفون، أو لم يصبر على ما ابتلاه به الله، فعثر وصار من الذين يهلكون۔ اَحَسِبَ النَّاسُ

से समेट लाएगा और पापियों को वह कुछ दिखाएगा जो पहले युगों के लोगों को दिखाया। और ख़ुदा के वलियों का मांस ज़हरीला होता है। तो जो भी उसे उनकी चुग़ली और इल्ज़ाम लगा कर खाएगा तो उसने स्वयं मौत को अपनी ओर बुलाया और वह ज़हर बहुत जल्द अपना प्रभाव प्रकट कर देगा और पापी जिधर से भी आएगा सफ़ल न होगा। और अल्लाह उन अस्तित्वों के लिए स्वाभिमान रखता है जैसा वह स्वयं अपने लिए स्वाभिमान रखता है। इसलिए जो उनसे शत्रुता करे वह उसे नहीं छोड़ता। अत: अंजाम की प्रतीक्षा करो। लोगों में सबसे अभागा वह है जो उन से शत्रुता करे और उनमें से बड़ा भाग्यशाली वह है जो उन से मित्रता करता है। और ख़ुदा की क़सम मैं उसकी ओर से हूँ और वह मेरे लिए खड़ा है। अत: हे प्रिय! तुम्हारा क्या विचार है? क्या तुम स्वीकार करोगे या इन्कार! और मेरा इन्कार केवल वही करता है जो लोगों से डरता है या फिर जो अहंकारी है। या फिर वह व्यक्ति जिसने यथायोग्य सोच-विचार नहीं किया और इस प्रकार वह पीछे रह जाने वाले लोगों में सम्मिलित हो गया या फिर वह जो अल्लाह की ओर से आने वाले आज़माइश पर सुदृढ़ नहीं रहा। तो उसने ठोकर खाई और मरने वालों में से हो

اَنْ يُّتْرَكُوْٓا اَنْ يَّقُوْلُوْٓا اٰمَنَّا وَ هُمْ لَا يُفْتَنُوْنَ وقد ردِف الابتلاء
نفوسَهم وأموالهم و أعراضهم، ليعلم الله أنهم كانوا يصدُقون
وما كانوا كحَطَبٍ يتشظى. ثُمّ اعلم أَيُّها العَزِيز، أنّي لستُ
كرجل يخالف الاسباب من تِلقاءِ نفسه ويسلك مسلك
الحمقٰى، بل أعلم أن رعاية الإسباب شيء لا يُترَك ولا يُلْغٰى إلا
بعد إيحاء الله الوهاب، وما كان لبشر أن يترك الاسباب من
غير وحى انجلٰى. فلا تعجَلْ علىّ من غير بصيرة، ولا تجعلنى
دَرِيّةً لرماحك وغرضًا لعائر يُرْمٰى. إنك لا تعلم دخيلة أمرى
وخَبِيْئَ باطنى، فليس لك أن تَـزْرِىَ قبل أَنْ تدرى، وكذالك
من السعداء يُرْجٰى. وقد أرسلنى ربّى الّذِى لا يترك المخلوق

गया। اَحَسِبَ النَّاسُ اَنْ يُّتْرَكُوْٓا اَنْ يَّقُوْلُوْٓا اٰمَنَّا وَ هُمْ لَا يُفْتَنُوْنَ
(अर्थात् क्या लोग यह गुमान कर बैठे हैं कि यह कहने पर कि हम ईमान ले आए वे छोड़ दिए जाएंगे और आज़माए नहीं जाएंगे। अन्कबूत- 29/30) और आज़माइश तो उनकी जानों, उनके मालों और उनके सम्मानों के पीछे भी लगी हुई है। ताकि अल्लाह जान ले कि वे सच्चे हैं और ईंधन की लकड़ी के समान नहीं हैं जो टुकड़े-टुकड़े हो जाए। फिर हे मेरे प्रिय! जान ले कि मैं उस मनुष्य जैसा नहीं जो माध्यमों के प्रयोग का अपनी व्यक्तिगत राय के अधीन विरोधी हो और मूर्खों के मार्ग पर चल रहा हो। अपितु मैं जानता हूँ कि माध्यमों से काम लेना ऐसी चीज़ है जिसे छोड़ा नहीं जा सकता और न उसे निरर्थक ठहराया जा सकता है। सिवाए वदान्य ख़ुदा की वह्यी के बाद ही। और किसी भी मनुष्य के लिए यह संभव नहीं कि वह माध्यमों के प्रयोग को रौशन वह्यी के बिना छोड़ सके। इसलिए विवेक के अभाव से मेरे बारे में जल्दी मत कर। और न ही मुझे अपने भालों का निशाना बना। और न ही व्यर्थ लक्ष्य तू मेरे मामले की सच्चाई और आन्तरिक रहस्य को नहीं जानता। तेरे लिए यह वैध नहीं कि कुछ जानने से पहले ही मेरे दोष ढूंढे, भाग्यशाली लोगों से ऐसी ही आशा रखी जाती है। और

سدی. و إنّی و اللّٰہِ صدوق و ما کُنْتُ أن أتمنّٰی، ففَکِّرْ و کذالك
من الکرام أتمنّٰی، ولا تجادِلْنی فی ترك التطعیم، وقُلْ رَبِّ زِدْنِیْ
عِلْمًا. و للّٰہِ تصرّفاتٌ فی مخلوقہ بالاسباب و من دون الاسباب
و یعلمها أولو النہٰی. بل ہذا کاللُّبّ و ذاك کالقشر، فلا تقنع
بالقشر کالقَدریّۃ، و اطلُبْ سرَّ أقدارہ لیُعْطٰی.

إنّ اللّٰہ یفعل ما یشاء، ولا تُدْرکہ الابْصار، ولا تحدّہ
الآراء، ولا یحتاج إلی مادۃٍ و ھَیُولٰی. و إنّہ قادرٌ علی أن یشفی
المرضی من غیر دواءٍ، و یخلق الوُلْدَ مِنْ غَیْرِ آباءٍ، و یُنْبِت
الزّرع مِنْ غَیْرِ أَنْ یُّسْقٰی. و ما کان لدواءٍ أن ینفع من غیر
أَمْر ربّنا الاعْلٰی. یودع التأثیرَ فیما یشاء، و ینزع عما

नि:सन्देह मेरे रब्ब ने मुझे भेजा है जो अपनी मख़्लूक़ (सृष्टि) को बेलगाम नहीं छोड़ता और ख़ुदा की क़सम मैं नि:सन्देह सच्चा हूँ और झूठ बोलने वाला नहीं। इसलिए सोच-विचार कर और मैं प्रतिष्ठित लोगों से यही आशा रखता हूँ। ताऊन का टीका छोड़ने के बारे में मुझ से बहस न कर और رَّبِّ زِدْنِی عِلْمًا "रब्बि ज़िदनी इल्मन" (हे मेरे रब्ब मेरे ज्ञान में वृद्धि कर) की दुआ कर और अल्लाह को माध्यमों के द्वारा और माध्यमों के बिना अपनी मख़्लूक़ में सामर्थ्य के साथ समस्त क़ुदरतें प्राप्त हैं और बुद्धिमान इस से भली-भांति परिचित हैं अपितु बिना माध्यम के प्रभुत्व मग़ज़ (सार) है और माध्यम के साथ प्रभुत्व एक छिलका है। तो कदरिया फ़िर्क़े की तरह छिलके पर सन्तोष न कर। हाँ अल्लाह की क़ुदरतों के रहस्य तलाश कर कि वे तुझे प्रदान किए जाएंगे।

अल्लाह जो चाहता है करता है। आँखें उस तक नहीं पहुँच सकतीं तथा रायें उसे सीमाबद्ध नहीं कर सकतीं और वह किसी तत्व और ढांचे का मुहताज नहीं। और वह रोगियों को दवा के बिना रोग मुक्त करने पर समर्थ है और बिना बाप औलाद पैदा करने और सिंचाई के बिना खेतियां उगाने पर भी समर्थ है। और हमारे महान श्रेष्ठतम ख़ुदा के आदेश के बिना कोई दवा

يشاء، وله الامر فى الارض والسّماوات العُلٰى. ومن لم يؤمن بتصرفّه التّام، ولم يعرف أمره الذى لم يَأْبَه ذرّةٌ من ذرّات الانام، فما قدَره حقّ قدره، وما عَرفَ شأنه وما اهتدىٰ. ومَن ذا الذى حَدَّ قوانينَ قُدرته، أو أحاط علمُه بِسُنّته؟ أتعلم ذالك الرجل على الارض أو تحت الثرٰى؟ أتقول كيفَ تُبْرَأُ الْمَرضٰى بغير دواءٍ.. ذالك أَمْرٌ بعيدٌ؟ وقد بَرَأَك الله ولم تكُ شَيْئًا، ثم يُفنى ثم يُعيد، وذاك فعلٌ قد جرٰى فيك فكيف عنه تحيد؟ فاتق الله ولا تُنكر قدرته العظمٰى. وإنّ الطاعُون تَرمى بشررٍ يُقعِص على المكان، فبأىّ دواءٍ يُرجى الامان؟ وإنّ الدواء ظنون، والظنّ لا يغنى من الحقّ

लाभ नहीं दे सकती। वह जिस चीज़ से चाहता है तासीर (प्रभाव) छीन लेता है। और पृथ्वी तथा ऊंचे आकाशों में उसी का आदेश चलता है। और जो मनुष्य उसके पूर्ण तसर्रुफ़ पर ईमान नहीं रखता और उसके उस आदेश से परिचित नहीं जिस से सृष्टि के कणों में से कोई कण अवज्ञा नहीं कर सकता तो ऐसे मनुष्य ने अल्लाह तआला की यथायोग्य क़द्र नहीं की और उसकी महानता को नहीं पहचाना और न हिदायत पाई। और कौन है जो उस के प्रकृति के नियमों को सीमित करे और अपने ज्ञान से अल्लाह की सुन्नत को परिधि में ले? क्या पृथ्वी के ऊपर या पृथ्वी के नीचे तू किसी ऐसे व्यक्ति को जानता है? क्या तू यह कहता है कि दवा के बिना रोगी किस प्रकार स्वस्थ हो सकते हैं और यह बात अनुमान से दूर है हालांकि अल्लाह ने तुझे पैदा किया। और तू कुछ चीज़ न था। फिर वह फ़ना करके दोबारा जीवित करेगा और यह कार्य तेरे अस्तित्व में जारी है तो तू इससे कैसे विमुख हो सकता है। इसलिए अल्लाह से डर और उसकी महान क़ुदरत का इन्कार न कर। और ताऊन ऐसी चिन्गारियां फेंकती है जो मौक़े पर मार देती है। हे जवानो! बताओ कि किस दवा से अमन और सलामती की आशा की जा सकती है? दवा तो

يـا فتيـان. أتذكـر التطعيـم؟ وإنّـه شيء لا يغـنى مـن لَهَـبٍ بسَـط جناحـه عـلى جميـع البـلدان، فمـا عندكـم مـن تدبـير يمنـع قضـاء السّـماء ويـردّ هـذا الثعبـان. وإنّهـا بليّـة تـرى القـوم منهـا صَرْعٰـى. وقـد ضـل الذيـن زعمـوا أنـهم أحصـوا سـنن الله وأنـهم بقوانينـه يحيطـون. سـبحانه وتعـالٰى عمـا يصِفـون! وإن هـم إلّا كَالعُمْـى أو أضَـلُّ سـبيلا. بـل الحـق أنّ سُـنّتهٗ أَرفـع مـن التَّحْدِيْـدِ والإِحْصَـاءِ، وله عـادات، فيخـرق بعـض عاٰداتـه للإحبّـاء والاتقيـاء، ويُبـدى لـهم مـا لا يُتصـور ولا يُـرٰى. ولـولا ذالـك لشَـقِىَ طُلّابُـه، ونُكِّـرَ جنابُـه، ومـات عُشّـاقه فى الحُجـبِ والغشـاءِ والعمٰـى - ووالله

एक गुमान वाली चीज़ है और गुमान की सच के सामने कोई वास्तविकता नहीं। क्या तू टीका लगवाने की बात करता है हालांकि टीका लगवाना उस भड़कती हुई अग्नि से जिसने समस्त इलाक़ों में अपने पर फैलाए हुए हैं बचा नहीं सकता। और तुम्हारे पास कोई भी ऐसा यत्न नहीं जो आकाशीय फ़ैसले को रोक सके और इस अजगर को दूर कर सके? यह वह संकट है जिस से तू क़ौम को पछाड़ खा कर गिरा हुआ देख रहा है। और वे लोग गुमराह हो गए हैं जो यह विचार करते हैं कि उन्होंने अल्लाह की सुन्नतों की गणना कर ली है और वे उसके क़ानूनों की हदबन्दी कर सकते हैं। जो वे करते हैं अल्लाह का अस्तित्व उससे पवित्र और श्रेष्ठतम है। वे अंधों जैसे हैं अपितु उन से भी अधिक पथभ्रष्ट। असल वास्तविकता यह है कि उस की सुन्नत सीमा और हिसाब से श्रेष्ठतर है और उसकी क़ुदरत के क़ानून हैं। अत: वह कुछ नियमों को अपने प्यारों और संयमियों के लिए विलक्षण निशान के तौर पर प्रकट करता है। और उनके लिए वह कुछ ज़ाहिर करता है जिस की कल्पना और अवलोकन नहीं किया जा सकता। और यदि ऐसा न होता तो उस के अभिलाषी असफल हो जाते और ख़ुदा तआला की हस्ती की पहचान

لولا خرق العادت لضاعت ثمرات العبادات، وَماتت عبادُه تحت مكائد أهل المعادات، ولصَار المنقطِعون خاسرين فى الدنيا والاٰخرٰى، ولضاعت نفوسُهم مِنَ الهِجْرَانِ، وماتوا وما لهم عينان، وما كان أحد كمثلهم أَشقٰى. وإنّ الله جَنّتهم وجُنّتهم، وإنهم تركوا له عيشهم وراحتهم، فكيف يترك الحِبّ مَن كان له؟ بل يسعى فضله إلى من مشٰى. والخلق عُمْىٌ كلّهم لا يعرفون أولياء ه، فيعرّفهم بآياتٍ يجلّيها كالضّحٰى. ولو لا ترك العادات.. فما معنى الآيات؟ ألا تُفكّرون يَا وُلْدَ المسلمين وأُمّةَ نبيِّنا المُصطفٰى عَلَيْهِ سَلَامُ اللّٰه إلٰى يوم تَرى النّاسَ

न होती और उसके प्रेमी ओट, पर्दे और अंधेपन में मर जाते। और ख़ुदा की क़सम यदि विलक्षण निशान न होते तो इबादतों के फल व्यर्थ हो जाते। और अल्लाह के बन्दे दुश्मनों के छलपूर्ण षड्यंत्रों के नीचे मर जाते। और संयमी लोग दुनिया तथा परलोक में हताश और हानि उठाने वाले हो जाते और जुदाई के कारण उनके प्राण नष्ट हो जाते और वे देखने वाली आँख के बिना ही मर जाते। और उन जैसा कोई भी दुर्भाग्यशाली न होता और नि:सन्देह अल्लाह ही उनकी जन्नत और ढाल है तथा उन्होंने उसी के लिए अपना ऐश-व-आराम त्याग दिया है। तो वह सच्चा दोस्त ऐसे व्यक्ति को जो पूर्णतया उसका हो जाए क्योंकर छोड़ दे अपितु जो उसकी ओर चल कर आता है उसका फ़ज़्ल (कृपा) उसकी ओर भागा चला जाता है और मख़्लूक़ तो सब की सब अंधी है। वह उसके वलियों को नहीं पहचानती। परन्तु वह ख़ुदा स्वयं उन्हें अपने प्रकाशमान दिन के समान चमकदार निशानों के साथ उनकी पहचान करवाता है। यदि आदतों का त्याग करना न हो तो निशान क्या मायने रखते हैं? हे इस्लाम के सुपुत्रो और हमारे नबी[स.] मुस्तफ़ा की उम्मत! अल्लाह की उन पर उस दिन तक सलामती हो जिस दिन तू लोगों को मदहोश पाएगा, हालांकि वे मदहोश नहीं होंगे। तुम क्यों सोच-विचार नहीं करते। नि:सन्देह हमारा मा'बूद

فیہ سُکارٰی ومَا ھم بسُکارٰی. وإنّ إلٰھُنَا إلٰہٌ واحِدٌ قَدِیمٌ أزَلِیٌّ، وقد کفَر مَنْ شَکَّ وبالسوء تَظَنَّی. ولکنہ مع ذالک یتجدّد لأصفیائہ، ویبرُز فی حُلَلٍ جدیدۃٍ لأولیائہ، کأنّہ إلٰہ آخرُ لا یَعْرِفہ أحَدٌ من الوَرٰی، فیفعَلُ لھم أفعالًا۔ لا یُری نظِیرُھا فی ھذہ الدنیا۔ ولا یخرق عادتہ إلا لِمَنْ خرَق عادتہ وتزکّیٰ، ولا ینزلُ لأحدٍ إلا لِمن نزل من مرکب الأمّارۃ ورَکِبَ الموتَ لابْتغاء الرضٰی، وخرّ علی حضرتہ وأحرق جذبات النفس ومحٰی. وإنّہ یُبدِّل عاداتہ للمُبدِّلین، ویتجدّد للمتجدّدین، ویھَب وجودًا جدیدا لمن فَنٰی. وھذا ھو المطلوب لکل مؤمن۔ومن لم یر

(उपास्य) अद्वितीय और एक है जो अजर और अमर है। जिसने इसमें सन्देह किया और बद्‌गुमानी की तो निःसन्देह वह काफ़िर हो गया। किन्तु इसके बावजूद वह अपने चुने हुए बन्दों के लिए नए रंग में और अपने वलियों के लिए ऐसे नवीन रूपों में प्रकट होता है कि जैसे वह एक और ही मा'बूद है जिसे मख़्लूक़ में से कोई भी नहीं पहचानता। फिर वह उनके लिए ऐसे-ऐसे काम कर दिखाता है कि जिस का इस दुनिया में कोई उदाहरण दिखाई नहीं देता। और वह केवल उसी व्यक्ति के लिए अपनी विलक्षणता दिखाता है जो उस की विलक्षणता के योग्य हो और पवित्र नफ़्स हो, और वह उसी के लिए उतरता है जो तामसिक वृत्ति की सवारी से नीचे उतरता और ख़ुदा की प्रसन्नता की खोज में मृत्यु पर सवार होता है और उसकी चौखट पर गिर जाता और अपनी तामसिक इच्छाओं को भस्म कर देता है। निःसन्देह वह (अल्लाह) परिवर्तन पैदा करने वालों के लिए अपनी आदतें परिवर्तित कर देता है और अपने अन्दर नवीन अस्तित्व पैदा करने वालों के लिए वह नया बन जाता है। और वह जो उसके मार्ग में फ़ना हो उसे एक नवीन अस्तित्व प्रदान करता है। और यही हर मोमिन का अभीष्ट है। और जिस ने उसके (विलक्षण

منه شيئا فما رأى۔ وإنه يتجلّى لِعبادِهِ المنقطعين بقُدرةٍ نادرةٍ، ويقوم لهم بعنايةٍ مُبتكرة، فيُرى لهم آياتٍ ما مَسَّها أحد وما دنٰى۔ وإذا أقبلوا عليه بتضرع وابتهال، سعى إليهم ونجّاهم من كلّ نكال ومِنْ كُلِّ مَن آذى۔ وإذا استفتَحوا بجُهْدهم وإقبالهم على الحضرة، قُضِيَ الأمْر لهم بخرق العادةِ، وخاب كلّ من آذاهم وما اتّقٰى۔ وكيف يستوى وليُّ الله وعدوّه۔ ألا ترى؟ الذين طحِنتهم رحى المحبّة، ودارت عليهم لِحِبّهم أنواعُ دَورِ المصيبة، فهم لا يُهْلكون۔ ولا يجمع الله عليهم موتين۔ موتٌ من يده وموتٌ من يد عدوّه۔ لئلّا يضحك الضاحكون، وكذالك

निशानों) में से अवलोकन न किया तो उसने कुछ न देखा और सब कुछ त्याग देने वाले अपने बन्दों के लिए विलक्षण क़ुदरत के साथ प्रकट होता है और वह नई अनुकम्पा के साथ उनके लिए खड़ा होता है और उनके लिए ऐसे चमत्कार दिखाता है कि जिन्हें न तो किसी ने स्पर्श किया और न उनके निकट गया। और जब वे ख़ुदा के औलिया पूर्ण गिड़गिड़ाहट और विनयपूर्वक उसकी ओर ध्यान देते हैं तो वह उनकी ओर दौड़ता हुआ आता है और उन्हें हर कष्ट तथा कष्ट पहुंचाने वाले से मुक्ति देता है। और वह जब अपनी पूरी कोशिश से और ख़ुदा की चौखट पर झुकते हुए विजय मांगते हैं तो विलक्षण तौर पर उन के पक्ष में फ़ैसला किया जाता है। और हर वह व्यक्ति जो उन्हें कष्ट दे और संयम धारण न करे तो वह हताश और घाटा उठाने वाला होता है। फिर अल्लाह का दोस्त और उसके दुश्मन क्योंकर बराबर हो सकते हैं। क्या तू नहीं देखता कि वे लोग जिन्हें प्रेम की चक्की ने पीस डाला हो और जिन पर अपने प्रियतम की मुहब्बत के कारण संकट के अनेक प्रकार के कई दौर आ चुके हों वे कभी हलाक नहीं किए जाते और अल्लाह उन पर दो मौतें इकट्ठी जमा नहीं करता। एक मौत अपने हाथ से और दूसरी मौत उस

مِـن بَـدْوِ خلـقِ العالـم قضـى۔ إنْ يُهْلِكـهم فـهم عبـاده۔ و إنْ ينصُرْهـم فمـا العـدوّ وعنـاده؟ و إنـه كتـب لـهم العـزّ و العُـلٰى. قـوم أخفيـاء تحـت ردائـه، لا يعرفـهم الخلـق مـن دون إدرائـهِ، واللّٰهُ يعـرفُ و يـرىٰ. فيقـوم لـهم كالشـاهدين، و يُـرى لـهم آيـاتٍ فى الارضـين، و يهـدى مـن يبتغـى الهـدٰى. و يتجـالد لـهم العـدا، و يخلـق لـهم أسـبابا لا يخلـق لغيرهـم، و يأمـر ملائكـه ليخدموهـم بإيصـال خيرهـم، فينصـر عبـده مـن حيـث لا يُحْتسـب و لا يُتظـنّى۔ أتلومـنى لـترك الاسـباب مـع أنـنى أُمـرتُ مـن ربّ الارباب۔ فـلا أعلـم عـلى مـا تلومنى۔ مـا لـك تُبصـر ثـم تتعامٰـى۔

(वली) के दुश्मन के हाथ से। ताकि फ़ब्ती उड़ाने वाले फ़ब्ती न उड़ाएं। सृष्टि के प्रारंभ से ही उसने यह फ़ैसला किया हुआ है। यदि वह उन्हें हलाक़ करे तो वे उस के ही बन्दे हैं और यदि वह उनकी सहायता करे तो दुश्मन और उसकी दुश्मनी की वास्तविकता ही क्या है। अल्लाह ने उन के लिए सम्मान और प्रतिष्ठा मुक़द्दर कर रखी है। ये वे लोग हैं जो उसकी चादर के नीचे छुपे हैं और उस (ख़ुदा) कि पहचान के बिना ख़ुदा की मख़्लूक़ उनसे परिचित नहीं हो सकती। अल्लाह उन्हें पहचानता और देखता है और गवाहों की तरह उनके लिए उठ खड़ा होता है और पृथ्वी के हर स्तर पर उनके लिए निशान दिखाता है और जो हिदायत का अभिलाषी हो उसका मार्ग-दर्शन करता है और उनके लिए दुश्मनों से युद्ध करता है और उनके लिए ऐसे सामान पैदा करता है जो उनके ग़ैरों के लिए पैदा नहीं करता और वह अपने फ़रिश्तों को आदेश देता है कि उन्हें भलाई पहुंचा कर उनकी सेवा करें। फिर वह अपने बन्दे की उन मार्गों से सहायता करता है जो उसके वहम और गुमान में भी नहीं होते। क्या तू मुझे माध्यमों (ताऊन का टीका) के त्यागने पर मलामत करता है बावजूद इसके कि मुझे समस्त रब्बों के रब्ब की ओर से ही इस का आदेश

وإنى ما أمنع الناس من التطعيم، ولا ينفع تركه إلّا إيّاىَ ومن اتبعنى بقلبٍ سليم، وعَمِلَ عملا صالحًا لرضى الرب الرحيم، وانسلخ من نفسه كما تنسلخ الحيّة من جلدها، وبَعُدَ مِن كل إثم وأثيم، أولئك الذين حُفظوا من هذا اللظى۔ أنسيتَ عجائب أمره تعالٰى فى خلقِ المسيح وحفظِ الكليم وخلقِ يَحْيٰى؟ أو تزعَمُ أن ربَّنا ليس بربٍّ كان فى قرونٍ أُولى؟ أتظنّ أنّ موسٰى عند عبوره من غير السفينة ألقى نفسه وقومه إلى التهلكة؟ ولا بد لك أَنْ تُؤمن بهذه الواقعة، وتقرّ بأنّ موسٰى ما ركب الفلك وما أوى إلى جَسْرٍ لرعاية الاسباب المعتادة العادية، وتَرَكَ محلّ الاٰمَنة وترَك سُنَن اللّٰهِ وعصَى. ففَكِّرْ أيها

दिया गया। मुझे नहीं मालूम कि तू मुझे किस आधार पर मलामत करता है। तुझे क्या हो गया है कि तू देखते हुए भी अंधा बन रहा है।

मैं लोगों को ताऊन का टीका लगवाने से नहीं रोकता। टीका न लगवाने का लाभ केवल मुझे और उन लोगों को पहुंचता है जिन्होंने नेक हृदय के साथ मेरा अनुकरण किया और रब्ब रहीम की रज़ामन्दी के लिए नेक कर्म किए और अपनी तामसिक इच्छाओं से इस प्रकार पृथक हो गए जिस प्रकार सांप अपनी केंचुली से बाहर आ जाता है और हर गुनाह और गुनाहगार से दूर हो गए। यही वे लोग हैं जो इस भड़कती हुई अग्नि से सुरक्षित हो गए। क्या तुम ने अल्लाह तआला के आदेश के उन चमत्कारों को भुला दिया है जो उसने मसीह की सृष्टि और कलीमुल्लाह (मूसा[अ.]) की सुरक्षा और यह्या की पैदायश के बारे में दिखाए या फिर तू सोचता है कि हमारा रब्ब वह रब्ब नहीं है जो पहली सदियों में था। क्या तू यह सोचता है कि मूसा ने कश्ती के बिना दरिया पार करते समय स्वयं को और अपनी क़ौम को तबाही में डाल दिया था। इसके अतिरिक्त तुम्हारे पास कोई उपाय नहीं कि तुम इस घटना पर ईमान लाओ और इस बात का इक़रार करो कि मूसा न तो कश्ती पर सवार

الذی سللتَ علیّ المُدٰی، ألیس ھذا محل الزرایۃ کما أنت علیّ تتزرّیٰ؟ أتعلم کم من سفائن جمَع موسٰی علی البَحر لرعایۃ الاسباب؟ فأَخْرِجْ لنا إن کنت قرأت فی الکتاب، ولا تَھِمْ فی وادی الھوی. ذالک ما عُلِّمْنا من کتاب اللّٰہ، فلا أَعْلم إلٰی أَین تتمشّی، ومِن أین تتلقّی. ما نَجِدُ فی صُحف اللّٰہ بیانک وما نَریٰ. أتعجب مِنْ آیات اللّٰہ، وکان اللّٰہ علی کلِّ شیءٍ مُقْتدِرا؟ أَلا تری أنّ نار الوباء مشتعلۃ، وموت الناس کالقلاص متتابعۃ، والطاعون فی الاقتناص لا یغادر ذَکرًا ولا أُنْثٰی؟ فلو کنتُ کذوبًا لاخذنی رُعب العقوبۃ، وما اجترأتُ علی مثل ھذا عند ھذہ الطوائف المخدوبۃ

हुआ और न उस ने सामान्य प्रचलित माध्यमों को दृष्टिगत रखने के लिए पुल पर कोई शरण ली और उसने अमन के स्थान को छोड़ दिया और ख़ुदा की सुन्नत को त्याग दिया तथा अवज्ञा की। अतः हे वह व्यक्ति जिसने मुझ पर छुरियां तानी हैं विचार कर! क्या (मूसा का) यह क़िस्सा ऐतराज़ के योग्य नहीं जैसा कि तुम ने मुझ पर ऐतराज़ किया है? तेरे ज्ञान में कितनी कश्तियां हैं जो हज़रत मूसा[अ.] ने माध्यमों से लाभ उठाने के लिए दरिया पर जमा की थीं? यदि तूने पवित्र क़ुर्आन में यह पढ़ा है तो हमारे सामने उस का सबूत प्रस्तुत कर। और लोभ-लालच की घाटी में न भटक। यह वह बात है जो हमने ख़ुदा की किताब से सीखी है। मुझे मालूम नहीं कि तू किधर जा रहा है और तूने कहाँ से सीखा है? तेरे बयान को हम अल्लाह की किताबों में मौजूद नहीं पाते और न देखते हैं। क्या अल्लाह के निशानों पर तू आश्चर्य करता है? हालांकि अल्लाह हर चीज़ पर क़ुदरत रखता है। क्या तू नहीं देखता कि वबा (संक्रामक रोग) की अग्नि भड़क रही है और लोगों की मौत पंक्तियों की पंक्तियां खड़ी ऊंटनियों की तरह घटित हो रही हैं और ताऊन शिकार करने में लगी हुई है। न किसी पुरुष को छोड़ती है और न स्त्री को। तो यदि मैं

والخليقة المشغوبة، ولو كنتُ متقوّلا ومزوّرا لإراءة الكرامة، ما كانت لى جرأة أن أتفوّه بكلمة عند قيام هذه القيامة۔ وإنّ غضب الله شديد ترتعد منه فرائص المَلاِ الاَعْلىٰ، وما كان لكاذب أَن يَفْتَرى عَلىٰ حضرةِ الكِبرياء، فى وقتٍ تُرْمَى النّار مِنَ السَّماءِ و يُقْعَص الناس على المَثْوى، و يُمسى إنسانٌ حيًّا و يصبحُ فإذا هو من الموتىٰ. أَعند هذا القعاص يُفتى العقل أَنْ يقوم أحد كالخَرّاص، و يفترى على قديرٍ يعلم و يرى؟ أليس العذاب قام أمام الاعين و شاع فى القُرَى؟ و دُعِىَ الناس من كل قوم لهذا القِرَى؟ و إنِّى بُشِّرتُ فِىْ هٰذِهِ الاَيّام مِن ّ ربّى الوهّاب، فآمنتُ بوعده و رَضِيت

झूठा होता तो दण्ड का रोब अनिवार्य तौर पर मुझ पर छा जाता और गिरोहों की तबाही और मख़्लूक़ की हलाकत के इस दौर में कभी ऐसा करने की हिम्मत न करता। यदि मैं करामत के प्रदर्शन के लिए इफ़्तिरा करने वाला तथा झूठ बोलने वाला होता तो मुझ में यह हिम्मत न होती कि (ताऊन) की इस क़यामत के फैलने के समय मैं कोई बात ज़बान पर लाता। नि:सन्देह अल्लाह का प्रकोप इतना तीव्र है कि मल-ए-आला (बड़े-बड़े फ़रिश्तों) भी उस से कंपकंपा उठते हैं और किसी झूठे की यह मजाल नहीं कि वह अल्लाह तआला पर इफ़्तिरा करे ऐसे समय में कि जब आकाश से अग्नि बरसाई जा रही हो और लोग उसी क्षण यकायक हलाक़ किए जा रहे हों और एक इन्सान शाम ढले ज़िन्दा हो और जब सुबह हो तो वह अचानक मुर्दों में सम्मिलित हो जाए। क्या ऐसी मौता-मौती के अवस्था में बुद्धि यह फ़त्वा दे सकती है कि कोई व्यक्ति एक झूठे के समान खड़ा रहे और क़दीर ख़ुदा के बारे में जो कि जानता तथा देखता है, झूठ गढ़े। क्या अज़ाब आँखों के सामने ही आरंभ नहीं हुआ और बस्तियों में फैल गया? और हर क़ौम के लोगों को इस मेहमानदारी की दावत दी गई और उन दिनों में मुझे मेरे

بترك الاسباب، وما كان لى أَن أَعصِىَ ربّى أو أشكّ فيما أَوحٰى. ولا أبالى قول الاعداءِ، فإن الارض لا تفعل شيئًا إلّا ما فُعِلَ فى السّماءِ. وإنّ مَعِىَ ربّى فما كان لى أن أفكر فكرا، وإنّه بشّرنى وقال: ''لا أُبقى لك فى المخزِيات ذكرًا''، وقال: ''يعصِمك الله من عنده''. وهو الولى الرحمٰن، وإنّ يُعْزَ حُسنٌ إلى سوادٍ فيتراءى الحُسنانِ. هذا ربّنا المُستعَان، فكيف نخاف بعده أهل العدوان؟ فلا تُعيّرنى علٰى ترك التطعيم، وإنَّ رَبّى بكلّ خَلقٍ عليمٌ. ألا تعلم ما جرى علٰى أُمّ موسٰى إِذْ أَلْقت طفلها فى البحر وقلبها تتشظّى، وآمنتْ بوعد ربّها وما وهَنتْ كمَنْ تظنّى؟ أتعلم بأىّ دواءٍ كان عيسٰى يبرء الاكمه

वदान्य ख़ुदा की ओर से ख़ुश ख़बरी दी गई। तो मैं उसके वादे पर ईमान लाया और माध्यमों को छोड़ने पर राज़ी हो गया। और यह मेरे लिए संभव नहीं कि मैं अपने रब्ब की अवज्ञा करूँ और जो वह्यी उसने की उस पर सन्देह करूँ। मुझे दुश्मनों की बातों की कोई परवाह नहीं, क्योंकि पृथ्वी कुछ नहीं कर सकती सिवाए इसके कि जो आकाश पर तय हो। नि:सन्देह मेरा रब्ब मेरे साथ है। मुझे चिन्ता ग्रस्त होने की कोई आवश्यकता नहीं। उसने मुझे ख़ुश ख़बरी दी और फ़रमाया- "मैं तेरे बारे में अपमानित करने वाली बातों का ज़िक्र तक नहीं छोड़ूंगा।" और फ़रमाया - "अल्लाह तेरी सुरक्षा अपनी ओर से करेगा और वही असीम दया करने वाला दोस्त है।" और यदि एक विशेषता अपमान से सम्बद्ध की जाएगी तो अल्लाह तआला दो विशेषताएं प्रकट कर देगा। यह हमारा रब्ब है जिस से मदद मांगी जाती है फिर इस के बाद हम दुश्मनों से क्यों डरें। इसलिए तू टीका न लगवाने पर ताना न दे। मेरा रब्ब हर पैदायश को ख़ूब जानता है। क्या तू नहीं जानता कि मूसा की माँ पर क्या गुज़री जब उसने अपने बेटे को नदी में डाल दिया और उस का दिल टुकड़े-टुकड़े हो रहा था। वह अपने रब्ब के वादे पर ईमान लाई और बद गुमानों की

والمبروص؟ فتصفَّحِ الفرقان والصحيحَينِ وأَرِنا النصوص، أو أَخْرِجْ لنا كتابًا آخر مِنْ كتُبٍ أُولىٰ. أتكفيكَ هذه الشواهد أو نأتيك بأمثالٍ أُخرىٰ؟ فَإِنْ فكّرتَ فيما تلوتُ عليك من الامثال ذكرا، فستعلم أنّك قد بلَغت منّى عُذْرا، هٰذا. وسأكشفُ علَيْكَ أمرًا لم تستطِعْ عليه صبرا.

तरह कमज़ोरी न दिखाई। क्या तुम जानते हो कि ईसा[अ.] किस दवाई से अंधों और कोढ़ के रोगियों को अच्छा करते थे? तो क़ुर्आन और सहीहैन (बुख़ारी-व-मुस्लिम) को पढ़ और हमें प्रमाण को दिखा। या पहले सहीफ़ों की कोई किताब हमें निकाल कर दिखा। क्या ये गवाह तेरे लिए पर्याप्त हैं या हम तेरे लिए और उदाहरण लाएं? फिर यदि तू ने इन उदाहरणों पर विचार किया जो मैंने वर्णन किए हैं तो तू जान लेगा कि मेरी ओर से हर उज्र तुम तक पहुंच चुका है (असल बात) यही है (जो मैंने वर्णन कर दी है) हाँ यद्यपि मैं उसके (अतिरिक्त) हाल की वास्तविकता तुझ पर प्रकट करूँगा जिस पर तुम सब्र न कर सके।

اَلْبَيَان الشّافِىْ فِىْ هٰذَا الْبَابِ وَتَفْصِيْل مَا ألجأنى إلىٰ ترك التَّطْعِيْم وَالتّوكّلِ عَلىٰ ربِّ الأَرْبَابِ

اِعلمْ أنّ موضوع أمرنا هذا هُو الدَّعْوى الّذى عرَضتُ على الناسِ، وقُلْتُ إنّى أنا المسيح الموعود والإمام المنتظر المعهود، حكّمنى الله لرفع اختلاف الامّة، احَكَم مقرركرده رفع وعَلَّمنى من لدنه لأدعو الناس على البصيرة. فما كان جوابهم إلا السبّ و الشّتم والفحشاءُ، والتكفير والتكذيب والإيذاء. وقد سَبُّونى بكل سبٍّ فما رددتُ عليهم جوابهم، وما عبَأتُ بمقالهم وخطابِهم، ولم يزل أمرُ شتمهم يزداد، ويشتعل

उस मामले के बारे में संतोषजनक बयान और वह विवरण जिस ने मुझे ताऊन का टीका न लगवाने और समस्त प्रतिपालकों के रब्ब पर भरोसा करने पर विवश किया।

तू जान ले कि हमारी इस बहस का विषय वह दावा है जिसे मैंने लोगों के सामने प्रस्तुत किया और मैंने कहा कि मैं ही वह मसीह मौऊद और इमाम मा'हूद हूँ जिस की प्रतीक्षा की जा रही थी। अल्लाह ने मुझे उम्मत का मतभेद दूर करने के लिए 'हकम' (निर्णायक) नियुक्त किया है और अपने पास से शिक्षा दी ताकि मैं लोगों को विवेक के साथ सत्य की दावत दूँ। परन्तु उनकी ओर से गाली-गलोज, बकवास करना, काफ़िर कहना, झुठलाना और कष्ट पहुंचाने के अतिरिक्त कोई उत्तर न था। उन्होंने मुझे हर प्रकार की गाली दी, परन्तु मैंने उन्हें उसका कोई उत्तर न दिया और उनकी बातों और उनकी वर्णन शैली की कोई

الفساد، ورأوا آياتٍ فكذّبوها، وآنسُوا علاماتٍ فأنكَرُوْهَا، وصالوا علىّ بمطاعنَ مفتريات، ومعائبَ مَنْحُوْتَاتٍ، وأَغرَوا زَمَعَ الناس علىّ للتوهين، ودعوا النصارى لتائيدهم وغيرهم من أعداء الدّين، وأَفْتَى علماؤهم لتكفيرنا، وتوالى الإشاعاتُ لتعييرنا، وقطَعَ العُلَقَ كلُّ مَن آخَا، ومُطِرْنا حتى صارت الارض سُوّاخَى، وضحِك علينا سفهاؤهم من غير علم وما اتّقوا خَلّاقهم، وكاد أن يشقّ ضحكهم أشداقَهم. ورقّصهم العلماء كقراد يُرقِّص قرده، ويضحِّك مَن عنده، فتبِعهم الحمقى كالمُحرّج ومشوا خلفهم كالاعرج خلف الاعرج. وما احتفل محفل وما انتفض مجلس إلّا باللّعن

परवाह न की। यद्यपि उन का गाली-गलोज कहने का सिलसिला निरन्तर बढ़ता ही चला गया और फ़साद के शोले उठते ही रहे। उन्होंने निशान देखे और फिर उन को झुठलाया और उन्होंने निशानों का अवलोकन किया परन्तु उन का इन्कार कर दिया। झूठे इल्ज़ामों और स्वयं निर्मित दोषों के साथ मुझ पर आक्रमणकारी हुए। मेरे अपमान के लिए कमीने और अधम लोगों को मेरे विरुद्ध भड़काया और ईसाइयों तथा उनके अतिरिक्त अन्य (इस्लाम) धर्म के दुश्मनों को अपने समर्थन के लिए दावत दी और उनके उलेमा ने हमारे कुफ़्र के फ़त्वे दिए और हमें मलामत का लक्ष्य बनाने के लिए निरन्तर प्रोपेगण्डा किया और हर भाई बन्धु ने अपना संबंध तोड़ दिया। और हम पर झूठे इल्ज़ाम की इतनी वर्षा बरसाई गई कि समस्त पृथ्वी दलदल बन गई। और उनके मूर्खों ने जहालत से हमारी फब्तियां उड़ाईं और अपने स्रष्टा ख़ुदा का भय न किया। निकट था कि उनके कहकहे उनकी बाछें फाड़ दें। उन के उलेमा ने उन्हें ऐसा नाच नचवाया जैसे मदारी अपने बन्दर को नचवाता है और अपने पास जमा होने वाले जमावड़े को हंसाता है। अत: मूर्ख लोग सिधाए हुए कुत्ते की तरह उन उलेमा का अनुकरण करते हैं और उनके पीछे ऐसे चलते हैं जैसे एक लंगड़ा दूसरे लंगड़े के पीछे

علىّ وعلى المبايعين، و تفسيقِ الصّالحين۔ وما اطّلعنا على حلقةٍ منهم إلا وجدناهم صخّابين ولاعنين۔ وإنا مع أتباعنا القلائل أوذينا من أفواجهم كل الإيذاء، وربما وَقَفْنا بين أنياب الموت مِن مكر تلك العلماء، وسُقْنا بهتانًا و ظلمًا إلى الحكّام، وأغرى المُكفّرون عَلَيْنَا طوائف زمعِ النّاس واللئام، ومكروا كل مكر لاستيصالنا ولإطفاء أنوار صدق مقالنا، وصُبّت علينا المصائب، وعادانا الحاضر والغائب، فما تزعزعنا وما اضْطَربنا، وانتظرنا النصر من القدير الّذى إليه أَنَبْنا. وفسّقونى وجهّلونى بالكذب والافتراء ، وبالغُوا فى السّبّ إلى الانتهاء، وإنى لاجبتهم بقولٍ حقٍّ لولا

चलता है। कोई महफ़िल आयोजित नहीं होती और कोई मज्लिस सम्पन्न नहीं होती परन्तु इस हालत में कि वे मुझ पर और मेरी बैअत करने वालों पर लानत डालते हैं और नेक लोगों को दुराचारी क़रार देते हैं और हमारे संज्ञान में उन का कोई वर्ग नहीं आया, हमने उन्हें शोर मचाने वाला और लानत डालने वाला ही पाया। उनकी फ़ौजों की ओर से हमें हमारे अल्पसंख्यक अनुयायियों सहित असीम श्रेणी का कष्ट दिया गया और कभी हमें इन उलेमा की मक्कारियों के कारण मौत के मुंह में जाना पड़ा। और इल्ज़ाम तथा अन्याय द्वारा हमें हाकिमों के पास खींच कर ले जाया गया और काफ़िर ठहराने वालों ने अत्यन्त अधम और कमीने लोगों के गिरोहों को हमारे विरुद्ध भड़काया और हमारा उन्मूलन करने और हमारी सच्चाई के प्रकाशों को बुझाने के लिए उन्होंने हर प्रकार के (अपवित्र) यत्न किए और हम पर संकट डाले गए और हर उपस्थित और ग़ायब ने हमारे साथ दुश्मनी की। परन्तु (ख़ुदा की कृपा से) न तो हम भयभीत हुए और न व्याकुल। और हम अपने रब्बे क़दीर की सहायता के प्रतीक्षक रहे जिसके सामने हम झुकते हैं। उन्होंने झूठ और इफ़्तिरा से मुझे पापी और जाहिल ठहराया और गालियां देने में चरम तक पहुँच गए। यदि मुझे निर्ल्लजता से स्वयं

صيانـة النّفـس مـن الفحشـاء۔
وسَعَوْا كلّ السعى لاِبْتَلٰى ببليّـة ويغيّر علىّ نعمـةٌ نلتُها من الرحمٰن، فخُذِلُوا فى كل موطنٍ ونكصوا علىٰ أعقابهم من الخذلان. وكلّما ألقوا على شبكةً خديعةٍ مخترعةٍ، فرّجها ربّى عنّى بفضل من لدنه ورحمةٍ، وكان آخر أمرهم أنهم جُعلوا أسفل السافلين، وانتصفنا مِن كل خصم مهين، مِن غير أن نرافع إلٰى اسفل السافلينك قضاة أو نتقدم إلى الحاكمين. وأرادوا ذلّتنا، فأصبنا رفعةً وذكرًا حسنًا، وأرادوا موتنا وأشاعوا فيه خبرا، فبشّرَنا ربّنا بثمانين سنة من العمر أو هو أكثر عددا، وأعطانا حِزبًا ووُلْدًا وسَكنا، وجعَل لنا سهولةً فى كلِّ أمرٍ، ونجّانا مِن كل غَمٍّ۔ وكنت فيهم كأنى أتخطّى الحيَواتِ أو

को बचाना अभीष्ट न होता तो मैं उन्हें सच्चा और खरा-खरा उत्तर देता।

उन्होंने पूरी-पूरी कोशिश की कि मैं संकट में डाला जाऊं और वह रहमत (दया) जो मैंने रहमान ख़ुदा से पाई है छिन जाए। परन्तु वे हर मैदान में असफल किए गए। और इस असफलता के कारण वे अपनी एड़ियों के बल फिर गए। उन्होंने जब भी मुझ पर अपना स्वयं निर्मित छल-प्रपंच का जाल डाला तो मेरे रब्ब ने अपनी कृपा और अपनी दया से मुझे उस से रिहाई प्रदान की और आख़िरकार उन्हें अस्फ़लुस्साफिलीन बना दिया गया। और हमने अपना केस (Case) क़ाज़ियों तक ले जाने और हाकिमों के सामने प्रस्तुत करने के बिना ही मान-हानि करने वाले दुश्मन से प्रतिशोध ले लिया। उन्होंने तो हमारा अपमान चाहा परन्तु हमें प्रतिष्ठा और नेकनामी प्राप्त हुई। और उन्होंने हमारी मौत की इच्छा की और इसके बारे में भविष्यवाणी भी प्रकाशित कर दी। परन्तु हमारे रब्ब ने अस्सी साल या इस से भी कुछ अधिक आयु पाने की हमें ख़ुशख़बरी दी और उसने हमें जमाअत, औलाद तथा सन्तुष्टि प्रदान की। और हमारे हर काम में आसानी रख दी और हमें हर संकट से बचाया। और मेरी हालत उन लोगों के मध्य ऐसी थी जैसे मैं

أمشي بين سباع الفلوات، فمشى ربي كخفيرٍ أمامي، ولازمني في تلك الموامي. فكيف أشكر ربّي الذي نجّاني من الآفات، على كلولي هذا حسرات. يا أسفا عليهم. إنهم لا يفكرون أنّ الكاذبين لا يؤيَّدون من الحضرة، ولا يتكلمون بكلام البر والحكمة، ولا يُرزَقون من أسرار المعرفة. وهل تعلم كاذبًا شهدتْ له السّماواتُ والارض بالآيات البيّنة، واضمحلّت به قوة الشيطان وتخافَتَ صوتُه من السّطوة الحقّانيّة، وطفِق يريد الغَيبوبة كحيّةٍ تأوى إلى جُحْرِها عند رَمْيِ الصخرة؟ ثم مع ذالك تدعوا ظلمةُ الزمان إمامًا من الرحمٰن، وقد انقضى من رأس المائة قريبًا من خُمُسها، ودنت الملة لضعفها من

सांपों में चल रहा हूँ या जंगल के दरिन्दों के बीच में से गुज़र रहा हूँ। परन्तु मेरा रब्ब एक संरक्षक के समान मेरे आगे-आगे चला और उन बियाबानों में मेरे साथ-साथ रहा। अत: मैं अपने रब्ब का किस प्रकार धन्यवाद करूँ जिस ने मुझे समस्त आपदाओं से मुक्ति दी। मुझे (धन्यवाद ज्ञापन में) अपनी असमर्थता पर हस्रत है। अफ़सोस उन विरोधियों पर! वे यह नहीं सोचते कि झूठे ख़ुदा की ओर से समर्थन नहीं पाते। और न वे नेकी और हिकमत की बातें करते हैं। और न ही उनको मारिफ़त के रहस्य दिए जाते हैं। क्या तुझे किसी ऐसे झूठे का ज्ञान है कि जिस की आकाशों और ज़मीन ने खुले-खुले निशानों के साथ गवाही दी हो? और उस से शैतान की शक्ति कमज़ोर हो गई हो और सच्चाई के दबदबे से उस शैतान की आवाज़ दब गई हो? और वह उस सांप की तरह ग़ायब होने लगे जो पत्थर फेंके जाने पर अपने बिल में शरण ले लेता है। इसके अतिरिक्त युग का अंधकार रहमान ख़ुदा से इमाम (पथप्रदर्शक) की मांग कर रहा है। अब तो सदी के आरम्भ से लगभग पांचवा भाग (बीस साल) भी गुज़र चुका, और मिल्लते इस्लामिया अपनी कमज़ोरी के कारण अपनी क़ब्र के क़रीब पहुँच गई है और लापरवाही ने

رمسها وداست الغفلة قلوب الناس وصار أكثرهم كالكلاب، وتوجّهوا إلى الاموال والعقار والانشاب، ونسوا حظّهم من ذوق العبادات، وأقبلوا على الدنيا وزينتها وما بقى الدين عندهم إلا كالحكايات. ومن تأمّلَ فى تشتُّت أهوائهم، وتفرُّق آرائهم، علِم بالجزم أنهم قومٌ أُغلِقَتْ عليهم أبواب المعرفة، وانقطع صفاء التعلق بالحضرة إلّا قليل من الذين يدعون الله أن يرفع حُجب الغفلة. ولكن كثيرا منهم نبذوا حقيقة التوحيد من أيديهم وما بقى الإيمان إلا على الالسنة. يسُبّون عبدًا جاء هم فى وقته ويحسبون أنهم يُحسنون، وختم الله على قلوبهم فهم لا يفهمون. يظنون أنهم على الحق وما هم على الحق، وإنّ

लोगों के दिलों को कुचल दिया है और उनमें से अधिकांश कुत्तों के समान हो गए हैं। उन का समस्त ध्यान माल, मवेशी, जागीरों, जायदादों और चांदी, सोने की ओर हो गया है। और वे इबादत के शौक़ से अपना भाग्य भूल गए हैं और दुनिया तथा उसके सौन्दर्य और सजावट पर टूट पड़े हैं और उन के यहां धर्म क़िस्सों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं और जो व्यक्ति भी उनकी अस्त-व्यस्त इच्छाओं और बिखरी हुई रायों पर गहरी निगाह डालेगा तो उसे निश्चित तौर पर मालूम होगा कि यह ऐसी क़ौम है जिस पर मारिफ़त के समस्त दरवाज़े बन्द हो गए हैं और ख़ुदा तआला के साथ उनकी श्रद्धा एवं निष्ठा का संबंध बिल्कुल कट चुका है, उन कुछ लोगों के अतिरिक्त जो अल्लाह के समक्ष दुआ कर रहे हैं कि वह उनकी लापरवाही के पर्दे उठा दे। परन्तु उनमें से अधिकतर ने अपने हाथों से तौहीद (एकेश्वरवाद) की वास्तविकता को दूर फेंक दिया है और ईमान केवल ज़बानों तक सीमित है। वे उस ख़ुदा के बन्दे को गालियां देते हैं जो उनके पास ठीक अपने समय पर आया है और वे समझते हैं कि वे अच्छा कार्य कर रहे हैं। अल्लाह ने उनके दिलों पर मुहर लगा दी है इसलिए नहीं समझ रहे। वे समझते हैं कि वे सच पर हैं

هـم إلا يخرصـون۔ تجدهـم كأُنـاس رقـود، والمتمايلـين عـلى الجحـود۔ خُدعـوا عـن الحقائـق بالرسـوم وشُـغلوا عـن اليقـين بالموهـوم. إنـهم مـرّوا بنـا معترضـين قبـل إيفـاء الموضـع حقَّـه، ورأوا بَدْرَنـا ثـم أرادوا شـقَّه. وإنّي جئتـهم عنـد الضـرورة الحقّـة، وفسـاد الامّـة، فكانـت أدلة صدقـي موجـودة في أنفسـهم مـا رأوهـا مـن الغبـاوة، ثـم مـن الشـقوة أنـهم مـا فكّـروا في رأس المائـة البدريـة، الـتي تختـص بالمسـيح الموعـود عنـد أهـل البصـيرة، واتفقـت عليهـا شـهادات أهـل الكشـف والإحاديـث الصحيحـة، وإشـارات النصـوص القرآنيـة۔ ولمّـا أصـرّوا عـلى الإنـكار أقبلـتُ عـلى المنكريـن، وقلـت عنـدي شـهادات مـن الله، فهـل أنتـم

हालांकि वे सच पर नहीं हैं और वे स्पष्ट तौर पर झूठ बोल रहे हैं। तुम उन्हें सोए हुए लोगों की तरह पाओगे जो इन्कार की ओर झुके हैं। उन्होंने रस्मों से धोखा खाकर सच्चाइयों को हाथ से दे दिया और काल्पनिक बात के कारण विश्वास से लापरवाह हो गए और अवसर की मांग को पूर्ण करने से पहले ही वे ऐतराज़ करते हुए हम पर चढ़ बैठे। उन्होंने हमारा चौदहवीं का चाँद देखा और उसे दो टुकड़े करना चाहा। मैं उनके पास अत्यंत आवश्यकता के अवसर पर और उम्मत के बिगाड़ के समय आया हूँ। अत: मेरी सच्चाई के तर्क स्वयं उनके अन्दर मौजूद थे जिनको उन्होंने मंदबुद्धि होने के कारण नहीं देखा। फिर दुर्भाग्य यह भी है कि उन्होंने उस चौदहवीं शताब्दी के आरम्भ के बारे में विचार नहीं किया जो ज्ञान रखने वालों के निकट मसीह मौऊद के लिए विशिष्ट है और उस पर अहले कश्फ़ की गवाहियाँ और सहीह हदीसों तथा क़ुर्आनी आयतों के इशारे सहमत हैं। और जब उन्होंने इन्कार पर हठ किया तो मैंने उन (इन्कार करने वालों) की ओर ध्यान दिया और मैंने कहा कि मेरे पास अल्लाह की ओर से गवाहियाँ मौजूद हैं क्या तुम उन्हें स्वीकार करने वालों में से हो? परन्तु उन्होंने उन गवाहियों का इन्कार किया हालांकि

من المتقبلين؟ فجحدوا بها واستيقنتها أنفسهم. فيا أسفا على القوم الظالمين! هنالك تمنّيت لو كان وباء يُنبّه المعتدين، وأُوحيَ إليّ أنّ الطاعون نازل وقد دعَتْه أعمال الفاسقين. فوالله ما مضٰى إلا قليل من الزمان حتى عاث الطاعون في هذه البلدان. فعزوه إلى سوء أعمالي، وقالوا: إنا تَطيَّرْنا بك، وضحكوا على أقوالي، وقالوا: إنّا من المحفوظين. لا يمسّنا هذا اللظى، ولا يموت أحدٌ من علمائنا بالطاعون، فإنا نحن الصالحون وأهل التقى. وأمّا أنت فستُطعَن وتموت فإنك كَيذَبانٌ. فقلت: كذبتم، بل لنا من الطاعون أمان، ولا تخوّفوني من هٰذه النيران، فإنّ النّار غلامنا بل غلام الغلمان. فما لبثوا إلّا قليلا حتّٰى

उनके दिल उन पर विश्वास कर चुके थे। हाय अफ़सोस! इस अत्याचारी क़ौम पर। तब मैंने इच्छा की कि कोई ऐसी आपदा आए जो सीमा से बढ़ने वालों को सचेत करे। और मुझे वह्यी की गई कि ताऊन (प्लेग) फैलने वाली है जिसे स्वयं दुराचारियों के कर्मों ने दावत दी है। फिर ख़ुदा की क़सम केवल थोड़ा सा ही समय बीता था कि ताऊन (प्लेग) ने उन इलाक़ों में तबाही मचा दी। उन्होंने उस ताऊन (प्लेग) को मेरे बुरे कर्मों की ओर सम्बद्ध किया और कहा कि हम तुझ से बुरा शगुन लेते हैं और उन्होंने मेरी बातों का मज़ाक उड़ाया और कहा कि हम सुरक्षित रहने वाले हैं, यह अग्नि हमें स्पर्श नहीं करेगी और हमारे उलमा में से कोई भी ताऊन (प्लेग) से नहीं मरेगा और (यह कि) हम ही नेक और संयमी हैं और रही तुम्हारी बात तो शीघ्र तुम्हें ताऊन (प्लेग) पकड़ेगी और तुम मर जाओगे क्योंकि तुम झूठे हो। इस पर मैंने कहा कि तुम झूठ कहते हो बल्कि हमें तो ताऊन से सुरक्षा प्रदान की गई है। तुम मुझे इन आगों से मत डराओ निस्सन्देह आग हमारी ग़ुलाम बल्कि ग़ुलामों की ग़ुलाम है। इसके थोड़े ही समय पश्चात वे मौत का शिकार होने लगे और उनके कुछ जल्दबाज़ उलमा ताऊन से मर गए और मैंने ताऊन से उस मरने वाले की पहले से ही सूचना

زاروا المنون، ومات بعض أجلّ علمائهم من الطاعون، و كنتُ أخبرت بهذا قبل موت ذالك المطعون، فإن شئت فانظر أبياتًا من قصيدتى الإعجازية، التى كتبناها فى هذه الصفحة على الحاشية★ وما نظمت تلك القصيدة إلا لهذا الحزب الذى خذلهم الله بتلك الآية، وما خاطبت إلا إياهم إتماما للحجّة، بل سميّتُ بعضهم فى تلك القصيدة، لئلا يكون أمرى

दे दी थी। यदि चाहो तो मेरे क़सीदा एजाज़िया के शेरों का अध्ययन कर लो जिन्हें मैंने इस पृष्ठ के हाशिया★ में लिख दिया है मैंने यह क़सीदा केवल इसी गिरोह के लिए लिखा है जिसे अल्लाह ने इस निशान (अर्थात् ताऊन) के द्वारा असफल किया और मैंने हुज्जत पूर्ण करने के लिए केवल उन्हें ही सम्बोधित किया है। अपितु मैंने इस क़सीदे में उन में से कुछ के नाम भी

★**हाशिया :-** यह शेर मेरी पुस्तक एजाज़-ए-अहमदी के पृष्ठ 58 और 63 से लिखे गए हैं।

اِذَا مَا غَضِبْنَا غاضَبَ اللهُ صَابِلًا
عَلٰى مُعْتَدٍ يُؤْذِىْ وَ بِالسُّوْءِ يجْهَرُ

जब हम क्रोधित हों तो ख़ुदा उस व्यक्ति पर प्रकोप करता है जो हद से बढ़ जाता है और खुली-खुली बुराई पर तत्पर होता है।

وَ يَأْتِىْ زَمَانٌ كَاسِرٌ كُلَّ ظَالِمٍ
وَهَلْ يُهْلَكَنَّ الْيَوْمَ اِلَّا الْمُدَمَّرُ

और वह समय आ रहा है जो प्रत्येक अत्याचारी को तोड़ेगा तथा कोई नहीं मरेगा परन्तु वही जो पहले से मर चुका।

وَ اِنِّىْ لَشَرُّ النَّاسِ اِنْ لَّمْ يَكُنْ لَّهُمْ
جَزَاءُ اِهَانَتِهِمْ صَغَارٌ يُّصَغِّرُ

और मैं बहुत बुरे मनुष्यों में से हूंगा यदि अपमान करने वाले प्रतिफल स्वरूप अपना अपमान और तिरस्कार नहीं देखेंगे।

قَضَى اللهُ اَنَّ الطَّعْنَ بِالطَّعْنِ بَيْنَنَا
فَذَالِكَ طَاعُوْنٌ اَتَاهُمْ لِيُبْصِرُوْا

ख़ुदा ने यह फैसला किया है कि कटाक्ष का दण्ड कटाक्ष है तो वह यही ताऊन है जो उन तक पहुँची है ताकि इनकी आंखे खुलें।

غُمّـةً عـلٰى أهـل البصـيرة والنصفـة. فَـوَاللّٰه مـا مضٰـى شـهر كامـل عـلى هـذه الإنبـاء المشـاعة، حـتى أخـذ الطاعـون كبيرهـم الذى أغـرٰى عـلىّ أشـرار البـلدة. و كانـوا آذونى مِـن كل نهـج وبالغـوا فى الإهانـة، وأشـاعوا أوراقـا مملـوّة مـن السـب والفحشـاء والبهتـان والفِرْيـة، ومـع ذالـك طلـب مـنى ألدُّهـم قبـل هـذه الواقعـة آيـةً كنـت وعدتهـا للفئـة المنكـرة، وأشـاع ذالـك فى جريـدة هنديـة يسـمّى بالفيسـة، ومـا طلـب مـنى تلـك الآيـة إلا بالسـخرية۔فأراه اللّٰه مـا طلـب، و كان غافـلا مـن الإقـدار السـماوية۔ كذالـك يتجـالد اللّٰه قومـا يعـادون أهـل الحضـرة، و إن فى ذالـك لعـبرة لإهـل السّـعادة. ومـا كان لبشـر أن يفـر مـن اللّٰه، فمـن حـارب أولياءه فقـد ألقـى

लिए हैं ताकि विवेक रखने वालों और न्यायप्रियों पर मेरा दावा गुप्त न रहे। ख़ुदा की क़सम अभी इन प्रकाशित भविष्यवाणियों पर एक पूरा महीना भी नहीं गुज़रा था कि ताऊन ने उनके उस बड़े (आलिम) को अपनी गिरफ़्त में ले लिया जिस ने शहर की दुष्ट लोगों को मेरे विरुद्ध उकसाया था। और उन्होंने हर तरीक़े से मुझे कष्ट दिया और हर दर्जा मेरा अपमान किया और गालियों, अश्लील इल्ज़ाम और झूठ से भरे हुए विज्ञापन प्रकाशित किए। इसके अतिरिक्त इस घटना से पूर्व उनके सर्वाधिक झगड़ालू ने मुझ से निशान माँगा था जिसका मैंने इस इन्कार करने वाले गिरोह से वादा किया था। उसने इस मांग को पैसा नामक एक हिन्दुस्तानी अख़बार में प्रकाशित किया और उसने मुझ से यह निशान उपहास के रूप में ही माँगा था। अत: अल्लाह ने उसको वह दिखा दिया जो उसने माँगा और वह ख़ुदाई तकदीरों से अनभिज्ञ था। इसी प्रकार अल्लाह तआला उस क़ौम को तलवार से नष्ट करता है जो अल्लाह वालों से शत्रुता करती है और इसमें सौभाग्यशालियों के लिए सीख है। किसी मनुष्य की भला क्या मजाल कि वह अल्लाह से बच सके अत: जिसने भी अल्लाह के औलिया (सानिध्यप्राप्त बन्दों) से जंग की तो

نفسه إلى التهلكة. ومن تاب بعد ذالك فيتوب الله عليهم، فإنه كريم واسع الرحمة۔ وإن لم يكفّوا ألسنتهم ولم يمتنعوا ولم يزدجروا، ويعودوا و ّيسبّوا ويعتدوا، فيعود الله إليهم ببلية هى أكبر من السّابقة. وإنه يُنزل البلايا بالتوالى، ولا يبالى، فتوبوا إليه يا ذوى الفطنة. وما يفعل الله بعذابكم إن تركتم سبل الفحش والمعصية، والله غفور رحيم۔

उसने स्वयं को तबाह कर लिया और जिसने उसके बाद तौबा (पश्चात्ताप) की तो अल्लाह उनकी तौबा स्वीकार करता है क्योंकि वह असीमित कृपा करने वाला और अत्यंत दया करने वाला है। और यदि उन्होंने अपनी ज़बानों को लगाम न दी और न रुके और (अल्लाह की) फटकार पर कान न धरे और पुन: उपद्रव किया, गालियाँ दीं और अत्याचार किया तो अल्लाह उन पर फिर से ऐसी मुसीबत डालेगा जो पहली मुसीबत से बड़ी होगी और वह उन मुसीबतों को निरन्तर डालता रहेगा और कुछ परवाह न करेगा। अत: हे बुद्धिमानो! उसकी ओर लौटो, यदि तुम निर्लज्जता तथा अवज्ञा को छोड़ दो तो अल्लाह तुम्हें दण्ड देकर क्या करेगा और अल्लाह तो बहुत ही क्षमा करने वाला और दयालु है।

فی بیان ما ظهرَ بعد ذالك من الآیات والمعجزات والتائیدات

ثم بعد هذا عَمَّ الطاعون طوائفَ هذه البلاد، ووقع الناس صرعی کالجراد، وافترسهم هذا المرض کالاسد الغضبان، أو کذئب عائث فی قطیع الضّان. وکم من دارٍ خربت وصال الفناء علی أهلها، والارض زُلزلت وصبّت الآفة علی وعرها وسهلها. وما ترك هذا الداء مقاما بل جاب الاقطار، وتقصَّی الدیار، ووطأ البدو والحضر، وأدرك کل من حضر، وما غادر أهلَ حُللٍ ولا أطمارٍ، ودخل کل دارٍ، إلا الذی عُصم

तत्पश्चात प्रकट होने वाले निशान, चमत्कार तथा सहायताओं का वर्णन

फिर उसके बाद इस देश के लोगों में ताऊन व्यापक रूप से फैल गई और लोग टिड्डियों के समान ढेर होते गए और इस रोग ने एक भयानक शेर या भेड़ों के रेवड़ में तबाही मचाने वाले भेड़िए के समान उनको चीर-फाड़ दिया। कितने ही घर थे जो वीरान हो गए और तबाही ने उनके निवासियों पर आक्रमण किया और धरती थर्रा उठी और उस भूमि के पहाड़ी तथा समतल इलाक़ों पर आफ़त आ पड़ी और इस रोग ने कोई स्थान न छोड़ा और समस्त इलाक़ों को पार करते हुए इस देश की अन्तिम सीमाओं तक पहुँच गई और देहातों एवं शहरों को लताड़ कर रख दिया। और जो भी सामने आया उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया और उसने न अच्छी वेश-भूषा वालों को छोड़ा न मैले-कुचैले वस्त्र वालों को। और हर घर में घुस गई सिवाए उसके जिसे अत्यन्त क्षमावान ख़ुदा की ओर से सुरक्षित रखा

مـن ربٍّ غفـار. و كذالـك حضـر أفـواج منـهم مأدبـة الطاعـون، ورجعـوا بمائـدة مـن الـمنون، وجـاؤوا كأضيـاف دار هـذا الوبـاء ، فقدّمـت إليـهم كأس الفنـاء ـ فالحاصـل أن الطاعـون قـد لازم هـذه الديـار ملازمـة الغريـم، أو الكلـب لإصحـاب الرقيـم. ومـا أظـنّ أن يُعـدَم قبـل سـنين، وقـد قيـل: عمـر هـذه الآفـة إلى سـبعين. وإنهـا هـى النـار الـتى جـاء ذكرهـا فى قـول خاتـم النبيـين، وفى القـرآن المجيـد مـن ربّ العالمـين، وإنهـا خرجـت مـن المشـرق كمـا رُوى عـن خـير المرسـلين، وسـتحيط بـكل معمـورة مـن الارضـين، و كذالـك جـاء فى كتـب الاوّلـين، فانتظـر حـتى يأتيـك اليقـين. فـلا تسـأل عـن أمرهـا فإنـه عسـير، وغضـبُ الـربّ كبـير، وفى كل

गया और इस प्रकार उनके समूह के समूह ताऊन की दावत में आए और मौत का थाल लेकर वापस गए। और वे इस आपदा के घर में अतिथियों के समान आए तो उनके समक्ष मौत का प्याला प्रस्तुत किया गया। सारांश यह कि ताऊन इस देश के पीछे ऐसे हाथ धोकर पड़ गई है जैसे ऋणदाता (ऋणी के) पीछे पड़ जाता है। या जैसे असहाब-ए-कहफ़ के साथ उनका कुत्ता। और मैं नहीं समझता कि यह (ताऊन) कई वर्ष तक समाप्त हो। यह भी कहा जाता है कि इस आपदा का समय सत्तर वर्ष तक है और यह वही आग है जिसकी चर्चा हज़रत ख़ातमुन्नबिय्यीन सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के (महान) कथनों में तथा रब्बुल आलमीन के कलाम पवित्र क़ुर्आन में है। यह पूरब से प्रकट हुई जैसा कि खैरुल मुरसलीन (अवतार में श्रेष्ठ) ने बताया है और निकट समय में यह इस धरती की समस्त आबादियों को घेर लेगी। पहलों की पुस्तकों में भी ऐसा ही वर्णन आया है। अत: तू प्रतीक्षा कर यहाँ तक कि तुझे विश्वास हो जाए और इस विषय में प्रश्न न कर कि यह बड़ी कठिन घड़ी है और रब्ब का प्रकोप बहुत बड़ा है और हर ओर चीखो-पुकार है। वह (ताऊन) केवल बीमारी ही नहीं है बल्कि भड़कती हुई आग है यही वह दाब्बतुल अर्ज़

طرف صراخ وزفير، وليس هو مرض بل سعير. وتلك هي دابّة الارض التى تكلّم الناسَ فهم يجرحون، واشتد تكليمها فيُغتال الناس ويُقعَصون بما كانوا بآيات الله لا يؤمنون، كما قال الله عزّ وجلّ: وَ اِنْ مِّنْ قَرْيَةٍ اِلَّا نَحْنُ مُهْلِكُوْهَا قَبْلَ يَوْمِ الْقِيٰمَةِ اَوْ مُعَذِّبُوْهَا عَذَابًا شَدِيْدًا فكذالك تشاهدون. وذالك بأن الناس كانوا لا يتقون، و كانوا يشيعون الفسق فى أرض الله ولا يخافون، ويزدادون إثما وفحشاء ولا ينتهون. وإذا قيل: اسمعوا ما أنزل الله لكم فكانوا على أعقابهم ينكُصون. فأخذهم الله بعقابه هذا لعلهم يرجعون. وترى قلوب أكثر الناس تمايلت على الدنيا فهم عليها عاكفون،

(ज़मीनी कीड़ा) है जो लोगों को काटेगा तो वे घायल हो जाएँगे और उसकी काट बहुत सख़्त है। अतः वह लोगों पर यकायक आक्रमण करेगा और वे तुरंत मर जाएँगे क्योंकि वे अल्लाह की आयतों पर ईमान नहीं लाते जैसा कि अल्लाह तआला ने फ़रमाया -

وَ اِنْ مِّنْ قَرْيَةٍ اِلَّا نَحْنُ مُهْلِكُوْهَا قَبْلَ يَوْمِ الْقِيٰمَةِ اَوْ مُعَذِّبُوْهَا عَذَابًا شَدِيْدًا ٭ (बनी इस्राईल- 17/59)

अतः तुम ऐसा ही देख रहे हो और इसका कारण यह है कि लोग संयमी न थे और वे अल्लाह की धरती में उपद्रव फैला रहे थे और (अल्लाह से) डरते न थे और गुनाह तथा दुराचार में बढ़ते चले जा रहे थे और रुकते न थे। और जब उनसे कहा जाता कि जो कुछ अल्लाह ने तुम्हारे लिए उतारा है उसको ध्यानपूर्वक सुनो, तो वे अपनी एड़ियों के बल घूम जाते थे। अतः अल्लाह ने उन्हें अपने इस प्रकोप में जकड़ा शायद कि वे लौट आएँ और तू अधिकतर लोगों के दिलों को संसार की ओर आकर्षित पाता है

٭ अनुवाद- और कोई बस्ती ऐसी नहीं जिसे हम क़यामत के दिन से पूर्व नष्ट न कर दें या उसे बहुत दण्ड न दें। (बनी इस्राईल-17/ 59)

وتموجت جذبات نفوسهم وانفجرت منها عيون۔ وإذا قيل لهم: لا تعصوا أمر ربكم وأطيعوا مع الذين أطاعونِ، وقد أردا كم الطاعون، قالوا: ما أنت إلا دجال، ولم يحيطوا بأمرى علما ولم يصبروا كالذين يتفكرون۔ وقد رأوا آياتِ السماء وآيات الارض ثم لا يتقون، بل هم قوم يجترء ون۔ وقد بلغ الزمان إلى منتهاه وتبين أكثر ما كانوا ينتظرون، ثم لا ينظرون۔ أهذه عَلَمُ الدّجاجلة؟ فأرُونى كمثلها إن كنتم تصدقون، أم كنتم أشقياء فى كتاب الله فما جعل الله نصيبكم ّ إلا الدجالين. ما لكم كيف تحكمون؟ بل ظهر وعد الله فى وقته صدقًا وحقًّا، فبؤسًا للذين لا يقبَلون. قوم لُدٌّ يؤثرون

और वे इस पर जम कर बैठे हुए हैं। उनकी तामसिक इच्छाएँ उत्तेजित हो रही हैं और उनमें से स्रोत फूट पड़े हैं। और जब उन्हें कहा जाए कि अपने पालनहार (ख़ुदा) के आदेश की अवज्ञा न करो और मेरा आज्ञापालन करने वालों के साथ सम्मिलित होकर आज्ञापालन करो जबकि ताऊन भी तुम्हें नष्ट कर चुकी है। उन्होंने कहा कि तू ही दज्जाल है हालांकि उन्होंने मेरे मामले को ज्ञान की दृष्टि से पूर्णत: नहीं समझा और उन्होंने चिन्तन करने वालों के समान धैर्य से काम नहीं लिया। उन्होंने आसमानी चमत्कार और ज़मीनी चमत्कार देखे फिर भी संयम धारण नहीं करते बल्कि वे ढीठ क़ौम हैं। निस्सन्देह युग अपने अंत को पहुँच गया है और जिन (निशानियों) की वे प्रतीक्षा करते थे उनमें से अधिकतर तो स्पष्ट रूप से प्रकट हो चुकी हैं परन्तु फिर भी वे नहीं देखते। क्या दज्जालों की यही निशानी है? यदि तुम सच कह रहे हो तो इस जैसा कोई उदाहरण मुझे दिखाओ या यह कि तुम ख़ुदा की किताब के अनुसार दुर्भाग्यशाली हो। और अल्लाह ने तुम्हारे भाग्य में केवल दज्जाल ही रखे हैं, तुम्हें क्या हो गया है तुम कैसे निर्णय कर रहे हो? बल्कि अल्लाह का वादा पूर्णत: अपने समय पर पूरी सच्चाई के साथ

الظلماتِ على النور وهم يعلمون، و كأيّن من آية رأوها بأعينهم ثم ينكرون. ألم يروا أن الارض ملئت ظلما وزورا وأن العدا من كل حدب ينسِلون؟ وقال بعضهم: ما رأينا من آية. يا سبحان الله! ما هذه الاكاذيب وتركُ خوف الحسيب؟ وإن فصل القضايا يكون بالشواهد أو الالايا، فأراهم ربى شواهد من الارض والسّماوات، فعمُوا وصمُّوا وما خافوا يوم المكافاة. ثم أُقسِم بالله الذى خلق الموت والحياة إنى لصدوق وما افتريت على الله وما اتّبعتُ الشبهاتِ، وإنى أنا المسيح الموعود والإمام المنتظر المعهود، وأُوحىَ إلىّ من الله كالانوار السّاطعة، فأذكّر الناس أيامَ الله بالبصيرة۔

प्रकट हो गया है। अत: दुर्भाग्य है उन के लिए जो स्वीकार नहीं करते। यह बहुत झगड़ालू लोग हैं जानते-बूझते हुए अंधेरों को प्रकाश पर प्राथमिकता देते हैं। और कितने ही चमत्कार हैं जो उन्होंने अपनी आखों से स्वयं देखे फिर भी वे इन्कार करते हैं। क्या उन्होंने नहीं देखा कि धरती अत्याचार और झूठ से भर गई है और शत्रु हर ऊँचाई को फलाँगते चले आ रहे हैं और उन में से कुछ ने कहा कि हमने तो कोई निशान देखा ही नहीं। सुबहानल्लाह! यह क्या झूठ का पुलन्दा है और हसीब (हिसाब लेने वाले) ख़ुदा से कैसी निडरता है। समस्त झगड़े या तो गवाहियों से तय होते हैं या क़समों से। अत: मेरे रब्ब ने ज़मीन से भी और आसमानों से भी उन्हें गवाहियाँ दिखाईं परन्तु वे अंधे और बहरे हो गए और प्रतिफल के दिन से न डरे। फिर मैं अल्लाह की क़सम खाता हूँ जिसने मौत तथा जीवन को पैदा किया कि मैं सच्चा हूं और मैंने अल्लाह पर झूठ नहीं गढ़ा और न ही सन्देहों का अनुसरण किया है और मैं ही मसीह मौऊद और वह इमाम हूँ जिसका वादा किया गया था। और अल्लाह की ओर से मुझ पर चमकदार नूरों के समान वह्यी की गई। अत: मैं लोगों को अनुभव के आधार पर अल्लाह के दिन

وبُشّرتُ أن وقت البرد قد مضٰى، و زمان الزّهر والثمار أتٰى، و كاد أن تنجاب الثلوج وتخرج المروج، وحان أن يُنبَذ الذين انتبذوا الحق ظِهْريّا، وملئوا فيما دوّنوه أمرًا فَرِيّا، و كان مَرْجُوًّا منهم أن ينبّهوا هممهم، ويوجّهوا إلى التعاون كَلِمَهم، ويساعدوا بما يصل إليه إمكانهم، ويقوم به بيانهم. فخالفونا لا بِسِرّ القلب بل بجهر اللسان، وحدّوا أَلْسُنَهم إلى حد كان فى الإمكان، كأنهم سباع أو حيوات، و كأنّ ألسنهم رماح أو مرهَفات۔ وما كان جوابهم إلا أن يقولوا إنه دجّال من الدجّالين، وما تذكروا مَن درَج من المفترين۔ أَوُضِعتْ لهم قبول فى الارض أو أرى الله لهم من الآى الموعودة للعالمين؟

याद दिला रहा हूं और मुझे ख़ुशख़बरी दी गई है कि सर्दी का युग बीत गया और फूलों तथा फलों का युग आ गया। शीघ्र ही बर्फ़ पिघलने लगेंगी और हर प्रकार की हरियाली निकलेगी और वह समय आ गया है कि जिन्होंने सच्चाई को पीछे फेंक दिया था उन्हें फेंक दिया जाए। और उन्होंने अपनी किताबों को झूठ से भर दिया हालांकि उन उलमा से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह अपनी हिम्मतों को चुस्त करेंगे और अपने कलाम का मुख सहयोग की ओर कर देंगे और यथासंभव हमारी सहायता करेंगे और अपनी ज़बान से उसको मज़बूती प्रदान करेंगे। परन्तु उन्होंने हमारा विरोध किया, केवल दिल ही दिल में नहीं बल्कि ऐलान के साथ। और उन्होंने अपनी ज़बानें यथासंभव तेज़ कीं। मानो कि वे जानवर हैं या सांप। और मानो उनकी ज़बानें भाले हैं या तेज़ तलवारें। उनके पास इसके सिवा कोई उत्तर न था कि वह (मेरे बारे में) यह कहें कि वह दज्जालों में से एक दज्जाल है। और उन्हें पहले ज़माने के मुफ्तरी (झूठ गढ़ने वाले) याद न रहे। क्या इन झूठ गढ़ने वालों को कभी ज़मीन में स्वीकार किया गया? या अल्लाह ने संसार के लिए निर्धारित निशान (चमत्कार) उनके हित में दिखाए? और

ومن أراق كأس الكرى، ونصنصَ ركاب السرى، ونظر إلى زمن مضى، فلا يخفى عليه مآل المتقولين. أتعلمون رجلا ورَد حمى الحضرة كالسارقين، ودخَل حرمَ الله كاللصوص الخائنين، ثم كانت عاقبة أمره كالصّادقين؟ أتحسبوّن الافتراء كأرضٍ دَمِثٍ دمَّثها كثير من الخُطا، واهتدت إليها أبابيل من القطا؟ كلا. بل هو سمٌّ زُعاف مَن أكَله فقُعص من غير مكثٍ وفنَى. وكيف يستوى رجل خاف مقام ربه فعُلّم من لدنه وأُعطىَ آيات كبرى، ونورا وصلاحا ونُهٰى، وأُرسلَ إلى خلق الله ليهديهم إلى سبل الهدى. ورجل آخر يمشى كلصوص فى الليل ومال عن الحق كل الميل، وسرَّى إيجاسَ

ऐसा व्यक्ति जिसने अपनी नींद उड़ा दी और रात की सवारियों को दौड़ाया (अर्थात चिंतन-मनन किया) और पहले ज़माने पर निगाह डाली तो उस पर झूठ गढ़ने वालों का परिणाम गोपनीय न रहेगा। क्या तुम किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हो जो अल्लाह तआला के साम्राज्य में चोरों की तरह घुस आया हो और अल्लाह के दरबार में ख़यानत करने वाले लुटेरों के समान घुसा हो, फिर उसका परिणाम सच्चों जैसा हुआ हो? क्या तुम झूठ गढ़ने को ऐसी नर्म भूमि (अर्थात सरल) समझते हो जिसे क़दमों की अधिकता ने और अधिक नर्म कर दिया हो और भट्ट तीतरों के झुंड के झुंड उसकी ओर आ रहे हों? कदापि नहीं, बल्कि वह तो ऐसा विनाशकारी ज़हर है कि जिसने भी उसे खाया तुरंत उसी क्षण मर गया और नष्ट हो गया। अत: एक ऐसा व्यक्ति जो अपने रब्ब के मुक़ाम से भयभीत हो और उसने उसकी ओर से शिक्षा पाई हो और उसे बड़े-बड़े चमत्कार, नूर, योग्यताएं और सूझ-बूझ प्रदान की गई हों और वह ख़ुदा की सृष्टि की ओर इसलिए भेजा गया हो ताकि वह उनका सन्मार्ग की ओर मार्गदर्शन करे। वह एक ऐसे व्यक्ति के बराबर कैसे हो सकता है जो रात के समय चोरों के समान चलता हो और

خوفِ اللّٰہ و استشعارَہ، و تسربَلَ لباسَ الافتراء و شعارَہ، و قصر همّہ علی الدنیا التی یتجنّٰہا و لا یقصد الآخرۃ و لا یجتلیہا؟ کلا۔ لا یستویان، و للصادقین قد کتب الفرقان۔ و عدُّ من اللّٰہ الرحمٰن فی کتابہ القرآن۔

فلا حاجۃ لاعدائی إلی أن یشرعوا رماحہم، أو یتقلدوا سلاحہم، أو یکفّروا أو یفسّقوا، فإن ہذہ کلہا من قبیل الفحشاء، و إن الموت منقضٌّ علٰی کل رأس من السماء، فلم یختارون سبیل الاتقیاء و ما فی أیدیہم إلّا الظنّ، و قد أہلکَ الیہودَ ظنونُہم من قبل ہؤلاء، فکفروا بعیسی ابن مریم و خاتم الانبیاء. أتنکرونی بمثل ہذہ الروایات؟ کلا بل

पूरी तरह सत्य से मुंह फेर लिया हो और ख़ुदा के भय के अहसास और समझ को दिल से निकाल दिया और उसने झूठ गढ़ने को अपनी आदत बना लिया हो। और उसने दुनिया के लिए, जिसे वह प्राप्त कर रहा है, अपना सारा प्रयत्न विशिष्ट कर दिया हो और परलोक उसका उद्देश्य नहीं और न ही वह उसकी ओर आंख उठाकर देखता है। यह दोनों कदापि बराबर नहीं हो सकते। और सच्चों के लिए यह विशेषता रहमान ख़ुदा ने अपनी किताब क़ुर्आन में वादे के तौर पर लिखी है।

अत: मेरे शत्रुओं को भाले तानने और हथियारों से लैस होने या काफिर या दुराचारी ठहराने की कोई आवश्यकता नहीं क्योंकि यह सब बातें निर्लज्जता की श्रेणी में आती हैं। और निस्सन्देह मौत आसमान से हर सिर पर झपटने वाली है। अत: क्यों वे संयमी लोगों के मार्ग को नहीं अपनाते और उनके हाथों में अनुमान के अतिरिक्त कुछ नहीं, उनसे पहले यहूदियों को उनकी कुधारणाओं ने ही तबाह किया था। इसीलिए उन्होंने हज़रत ईसा इब्ने मरियम और ख़ातमुन्नबिय्यीन (मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) का इन्कार किया। क्या उन जैसी रिवायतों के आधार पर

تعرفون الصادق والكاذب بالعلامات، وكل شجر يُعرَف بالثمرات۔أرأيت سارقا وافى بابَ الإمارة، وسرَق مالا بأعين النظّارة، ثم ما أُخذ بعد هذه الغارة فكيف لا يؤخذ من يغيّر دين الله و يقوّض مبانيه، و يحرف بحسب هواه معانيه، ليبرَأ المسلمون من الحقّ، و يلحقوا بمن يناويه و يَطمِر كالبَقّ۔ أتظنّ هذا الامر من الممكنات كلا بل هو من المحالات۔ ولو كان الله لا يغضب على المفترين لضاع الدين، ولم يبق دليل على صدق الصادقين، وارتفع الامان واشتبه أمر الدين۔ ولله غيرةٌ كالبحار الزاخرة، والجبال الشامخة، أمواجها ملتطمة، وأفواجها مزدحمة، فيسلّ سيفه على المتقوّلين، لئلّا

तुम मेरा इन्कार करते हो। ऐसा कदापि नहीं बल्कि तुम निशानियों से सच्चे और झूठे को पहचान सकते हो। क्योंकि हर वृक्ष अपने फलों से पहचाना जाता है। क्या तूने कोई ऐसा चोर देखा है जो किसी अधिकारी के द्वार पर आया हो और उसने सरेआम चोरी की हो और फिर वह उस घटना के बाद पकड़ा न गया हो। तो फिर ऐसा व्यक्ति क्यों नहीं पकड़ा जाएगा जो अल्लाह के धर्म को परिवर्तित करता और उसकि बुनियादों को गिराता है और अपनी इच्छानुसार उसके अर्थ में परिवर्तन करता है ताकि मुसलमान सत्य से विमुख हो जाएं और उससे जा मिलें जो सत्य से शत्रुता करता और पिस्सू के समान उछलता-कूदता है। क्या तू इस बात को संभव समझता है? कदापि नहीं, बल्कि यह बात असंभव है। यदि अल्लाह झूठ गढ़ने वालों पर अपना प्रकोप न उतारता तो धर्म अवश्य नष्ट हो जाता और सत्यनिष्ठों की सच्चाई पर कोई दलील शेष न रहती, शांति भंग हो जाती और धर्म का मामला सन्देहास्पद हो जाता। अल्लाह का स्वाभिमान ठाठें मारते हुए समुद्र और ऊंचे पहाड़ों के समान है जिसकी लहरें जोश में हैं और जिसकी फ़ौजें बहुत बड़ी हैं। अत: वह (अल्लाह) झूठ गढ़ने वालों पर अपनी तलवार तान

يتكدر بهم عينُ المرسلين فی أعين الجاهلين. و كل ذالك كتبتُ فی الكتب، فردّ العدا ردّ الغضب، فأغلقتُ دونهم الابواب، وما كلّمتُ أحدا إلا الذی أناب. و كانت أنفاسی متصاعدة لهجوم الحزن، وعبراتی متحدرة تحدُّر القطرات من المزن. ثم تَسعَّرَ الطاعون ولا كأوائل الزمان، و كان يأكل قُرًی وأمصارًا كالنيران. هنالك أُوحی إلیّ مرة أخرٰی، وقيل: إن الامان للذی سكن دارك ولازَمَ التقوٰی. و أمّا ألفاظ الوحی فهو قوله تعالی: ''إِنِّیۡ أُحَافِظُ كُلَّ مَنۡ فِی الدَّار إِلّا الذين عَلَوا من استكبار''، وقال: ''إنی مع الرسول أقوم، وألوم مَن يلوم، أُفطِر وأصوم''، وقال: ''لولا الإكرام لهلَك المقام''۔

लेता है ताकि उनकी वजह से रसूलों का पवित्र चश्मा (स्रोत) अज्ञानियों की निगाह में गंदा न हो और यह सब कुछ मैंने अपनी पुस्तकों में लिख दिया था परन्तु दुश्मनों का उत्तर केवल गुस्सा था। इस पर मैंने उन पर द्वार बंद कर दिए और मैंने सत्य की ओर लौटने वाले मनुष्य के अतिरिक्त किसी से कोई बात नहीं की। ग़म के मारे मेरा दम घुट रहा था और मेरे आँसू ऐसे टपक रहे थे जैसे बादल से बूंदें टपकती हैं। फिर ताऊन की अग्नि भड़क उठी जो प्रारंभिक युग के समान न थी। वह निरन्तर बस्तियों और शहरों को आग की तरह खा रही थी। और इस अवसर पर एक बार फिर मेरी ओर वह्यी की गई जिसमें यह कहा गया कि अमान उसी व्यक्ति को मिलेगी जो तेरे घर में रहेगा और संयम धारण करेगा। जो ख़ुदा तआला के आदेश में वह्यी के शब्द हैं वह यह हैं- "मैं प्रत्येक ऐसे मनुष्य को (ताऊन की मौत से) बचाऊंगा जो तेरे घर में होगा सिवाए उनके जिन्होंने अहंकार पूर्वक उद्दण्डता की।" और फ़रमाया "मैं उस रसूल के साथ खड़ा हूंगा और हर मलामत करने वाले को मलामत करूँगा। मैं अफ़्तार भी करूँगा और रोज़ा भी रखूंगा" और फ़रमाया - "यदि तेरा सम्मान मुझे दृष्टिगत न होता तो मैं

و كان هـذا فى أيـام إذ الصخـور مـن الطاعـون تتواقـع، و بلايا هـا إلى الخلـق تتتابـع. و بشّـرنى ربى بـأن هـذه العصمـة آيـة لـك مـن الآيـات، ليجعـل فرقانـا بينـك و بـين أهـل المعـاداة۔ ثـم بعـد ذالـك الـوحى الذى نـزل مـن الله الكريـم، صـدر مـن الحكومـة حكـمُ التطعيـم لهـذا الإقليـم۔ فمـا كان لى أن أعـرض عـن حكـم الرحمٰـن، بـل كنـت أنتظـر آيـة عنـد هـذا التُّـكلان، ليزداد جماعـتى إيمانـا وليكمـل العرفـان۔ و طعَنـنى عـلى ذالـك كلُّ مـن كان يعبـد صنـم الاسـباب، و قالـوا: إن فى التطعيـم خـيرا فكيـف تـترك طريـق الخـير و الصـواب؟ فأشـعت فى كتـابى السـفينة أن الطعـن لا يَـرِدُ عـلىّ إلا بعـد المقابـلة، و أمـا قبلهـا فليـس هـو مـن شـأن

इस गांव को नष्ट कर देता।" यह वह्यी उन दिनों की है जब ताऊन के पत्थर बरस रहे थे और लोगों पर उस के संकट निरन्तर उतर रहे थे। मेरे रब्ब ने मुझे यह ख़ुशख़बरी दी कि ताऊन से सुरक्षा का यह वादा तेरे लिए निशानों में से एक बहुत बड़ा निशान है ताकि वह उसे तेरे और तेरे दुश्मनों के मध्य सत्य और असत्य में अन्तर करने वाला बना दे। फिर इस वह्यी के बाद जो कृपालु ख़ुदा की ओर से उतारी गई, सरकार की ओर से इस देश में टीका लगवाने का आदेश जारी हुआ। परन्तु मेरी मजाल न थी कि मैं कृपालु ख़ुदा के आदेश की अवज्ञा करूं अपितु इस भरोसे के अवसर पर मैं चमत्कार की प्रतीक्षा करता रहा ताकि मेरी जमाअत के ईमान में वृद्धि हो और इर्फ़ान कामिल हो। मेरे ऐसा करने पर उस व्यक्ति ने मुझे लअन-तअन किया जो सांसारिक माध्यमों की मूर्ति का पुजारी था। और उन्होंने कहा कि टीका लगवाने में भलाई है तो तुम इस भले कार्य और सही तरीक़े को कैसे छोड़ सकते हो? तब मैंने अपनी किताब किश्ती नूह में प्रकाशित किया कि मुक़ाबले के बाद ही मुझ को ताना दिया जा सकता है और इस से पहले ताना देना किसी साहिबे अक़्ल और साहिबे समझ का काम नहीं। और यदि

أهـل العقـل والفطنـة۔ فلـو ثبـت فی آخـر الامـر أن العافيـة كلهـا فی التطعيـم، فلسـت مـن الله العزيـز الحكيـم. و كان هـذا الإعـلان أمـرا حفظـه الصبيـان، وعرفـه النسـوان، وذُكـر فی الاندية، وورد مجالـس الاعـزة، وارتفـع بـه الاصـوات فی الشـوارع والازقّـة، حـتی وصـل الخـبر إلی الحكومة۔فتعجّـبَ كل مـن سـمع مِـن توكلنـا فی هـذه النـيران المشـتعلة. فبعضـهم ألحقـونی بالمجانـين، وبعضـهم حسـبونی كَخَـرِفٍ فـارغ مـن العقـل والدّيـن. فسـمعنا قـول المعترضـين، وتوكلنـا عـلی الله المعـين، وقلـت: لا تعـيّرونی قبـل الامتحـان، وانتظِـروا إلی آخـر الاوان.وسـعی الحكومـةُ كل السـعی لتـرفع مـن الخلـق هـذه العقوبـة، وليلفّـف المجانيـق

अन्ततः यह सिद्ध हो जाए कि समस्त कुशलता टीका लगवाने में है तो समझो कि मैं अज़ीज़ व हकीम अल्लाह की ओर से नहीं हूँ। मेरी यह घोषणा ऐसा मामला था जिसे बच्चे-बच्चे ने मस्तिष्क में बिठा लिया और स्त्रियों ने उसे ख़ूब पहचाना और महफ़िलों में उसका चर्चा हुआ और प्रतिष्ठित लोगों की महफ़िलों तक उसका ज़िक्र पहुंचा और गली कूचों में उसके स्वर इतने ऊंचे हुए कि सरकार तक यह ख़बर पहुँच गई। फिर जिसने भी इस भड़कती हुई अग्नि को बीच हमारे भरोसे के बारे में सुना उसने आश्चर्य किया। तब उनमें से कुछ ने मुझे दीवाना समझा और कुछ ने मुझे ऐसे वृद्ध के समान समझा जो बुद्धिहीन हो चुका हो। अतः हमने आरोप लगाने वालों की बातों को सुना और सहायता करने वाले ख़ुद पर भरोसा किया। और मैंने उनसे कहा कि परीक्षा से पहले मुझ पर आरोप न लगाओ और अंतिम समय तक प्रतीक्षा करो। सरकार ने भरपूर प्रयत्न किया कि लोगों से (ताऊन) का यह अज़ाब दूर हो जाए और गाढ़े हुए मन्जनीकों को लपेट दिया जाए और लगे हुए पंडालों को उखाड़ लिया जाए परन्तु यह तो आसमान से उतरने वाली अग्नि थी, इसलिए जब भी उन्होंने उसे बुझाने का इरादा किया तबाही की अग्नि में

المنصوبة، ويقوّض الخيام المضروبة۔وما كان هذا إلا نار من السماء، فكلما أرادوا إطفاء ها زادت نيران الوباء، وأحاطت بالاقطار والانحاء۔وأنعم الله علينا بالعصمة من هذه النار، وعصم كل مؤمن تقيّ كان فِي الدّار۔وما اختتم الامر إلٰى ذالك، بل ظهرت مضرة التطعيم بالمقابلة، وزجَّينا الايام بالخير والعافية۔ ونرى أن نفصّل هذه المقابلة للنظارة۔

और भी बढ़ोतरी हो गई और उसने आस-पास के समस्त इलाक़े को अपनी लपेट में ले लिया। और अल्लाह ने इस अग्नि से सुरक्षित रख कर हम पर उपकार किया और प्रत्येक तक़्वा धारण करने वाले मोमिन को जो हमारे घर की चारदीवारी में था, बचा लिया। मामला बस इसी पर समाप्त नहीं हुआ बल्कि मुक़ाबले में ताऊन का टीका लगवाने का नुक्सान प्रकट हो गया और हम ने ताऊन का यह ज़माना सुरक्षित रूप से व्यतीत किया। हम उचित समझते हैं कि इस मुक़ाबले को पाठकों के समक्ष सविस्तार वर्णन करें।

تَفْصِيل مَا ذَكَرْنَاهُ بِالْإِجْمَال

قد سبق فيما تقدم أنّ بعض الناس جادلونى فى أمر ترك التطعيم، وقالوا أتجعل نفسك من الذين يلقون بأيديهم إلى التهلكة ويميلون عن النهج المستقيم؟ فالصواب الاخذُ بالاحتياط، وتقديمُ الحيل التى تقدِر بها على درء هذا الداء والإشحاط. فقلت: لا تعجَلوا علىّ، ولا بدّ لكلّ مجادل أن ينتظر إلى آخر الزمان، ليُظهر الله أىّ فريق أقرب إلى العافية والامان. ولا يُقضَى أمر بإطالة اللسان، بل الحق هو الذى يتحقق عند

हमारे संक्षिप्त बयान का विवरण

गत वर्णन में यह बात आ चुकी है कि कुछ लोगों ने ताऊन का टीका न लगाने के बारे में मुझसे बहस की और उन्होंने कहा कि क्या तुम स्वयं को उन लोगों में सम्मिलित करते हो जो स्वयं अपने हाथों अपने आप को तबाही में डालते हैं और सन्मार्ग से भटके हुए हैं। अत: सही तरीका यही है कि एहतियात की जाए और उन उपायों को प्राथमिकता दी जाए जिनके द्वारा इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। इस पर मैंने कहा कि मेरे बारे में जल्दबाज़ी न करो। इसी तरह हर बहस करने वाले के लिए यह आवश्यक है कि वह अंतिम समय तक प्रतीक्षा करे ताकि अल्लाह यह प्रकट कर दे कि कौन सा पक्ष अमन एवं सुरक्षा के अधिक निकट है। और कोई मामला ज़बान चलाने से तय नहीं होता बल्कि सत्य वही होता है जो परीक्षा के समय सिद्ध हो और जो व्यक्ति बुरा-भाला कहने में जल्दबाज़ी करता है तो

الامتحان، ومن استعجل بالملامة فيصبح كالندمان، ومن أكل غير فصيح فسيكون ما أكله آفةً على المعدة والاسنان۔ وأشعت كلّ ما قلت فى كتابى السفينة، وما كان لى أن لا أشيع بعد نزول الوحى والسّكينة. وما أعلم رجلا إلا بلغه هذا الخبر، وما أعرف أذنًا إلّا قرعها هذا الاثر، حتى إن هذا النبأ وصل إلى الدولة وأركانها، وشاع فى كل بلدة وسكانها، وزاد الناس طعنا وملامة، ورأينا مِن ألسُنِهم قيامة. فخاطبتهم وقلت: إنا نحن المنجدون، وإنا نحن بُشِّرنا وإنا لـمُحْفَظون. فلو لم يصدق هذا القول فلست من الصّادقين، وليس كمثلى كاذب فى العالمين. وينسِف الطاعونَ لى ربّى ولو أنه جبال، وينزِفه ولو أنه سيل

वह लज्जित होता है और जो कच्चा दूध पीता है तो उसका पीना उसके दान्तों और मेदे के लिए हानिकारक होगा और मैंने अपनी पुस्तक 'कश्ती नूह' में समस्त बातों को प्रकाशित कर दिया है। और मेरी मजाल न थी कि वह्यी और संतुष्टि के उतरने के बाद मैं उसे प्रकाशित न करता और मेरे ज्ञान में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं जिसे यह ख़बर न पहुंची हो। और कोई ऐसा कान नहीं जिस पर इस ख़बर ने दस्तक न दी हो। यहाँ तक कि यह भविष्यवाणी अंग्रेज़ी सरकार और उसके पदाधिकारियों तक जा पहुंची और हर इलाक़ा तथा उसके निवासियों में फैल गई और लोग लान-तान करने और बुरा भला कहने में बहुत बढ़ गए और हमने उनकी ज़बानों से क़यामत देखी। तब मैं उनसे संबोधित हुआ और कहा - निस्सन्देह हम सहायता प्राप्त हैं और हमें खुशख़बरी दी गई है और हम निश्चित रूप से सुरक्षित रहेंगे। अगर मेरी यह बात सच सिद्ध न हुई तो मैं सच्चों में से नहीं और संसार में मेरे जैसा कोई झूठा न होगा। और ताऊन चाहे पहाड़ों जैसी भी होगी तो मेरा रब मेरे लिए उसे उड़ा कर रख देगा और अगर अचानक आने वाले भयानक सैलाब (जैसी भी) हो तो वह उसे सुखा कर रख देगा और हम दूसरों की

مغتال، وإنّا أكثر أمنًا وعافية من الآخرين. فانتظروا حتى حين، ثم قولوا ما تقولون إن رأيتمونا من الاخسرين، وإنا سنزجى الايام إن شاء الله آمنين. فما سمع كلامَنا أحد من الاعداء، وضحكوا علينا وسخروا منّا وأوذينا كل الإيذاء. وما زلنا غَرَضَ سهامٍ، ودَرِيّةَ رماحِ كلامٍ، حتى أتى الوقت الموعود، وبدا القدر المعهود، وهو أن الطاعون لمّا تمكّنَ من حصاره، وأحدق بجميع أسواره، أوجست الحكومةُ فى نفسها خيفة، وطلبتْ للتطعيم زمرةً حاذقة فقلت فى نفسى إنها فعلتْ كل ما فعلتْ بمصلحة ولكنها حربٌ بمشيةٍ مقدَّرة، فإن القيام فى جنب قدر الله قعود، والتيقظ رقود، والسّعى سكون، والعقل

अपेक्षा अधिक अमन एवं सुरक्षा में हैं। अत: कुछ समय प्रतीक्षा करो फिर अगर तुम हमें घाटा पाने वाला देखो तो जो कहना हो कह लेना। अगर अल्लाह ने चाहा तो हम अमन के साथ यह दिन गुज़ारेंगे। परन्तु शत्रुओं में से किसी ने हमारी बात न सुनी। हमारी फब्ती उड़ाई और हमारे साथ उपहास किया और हमें हर प्रकार का कष्ट दिया गया। हम सर्वदा (उनके) तीरों का निशाना बनते रहे और शब्द रूपी भालों का निशाना ठहरे। यहां तक कि निर्धारित समय आ पहुंचा और निर्धारित तक़दीर आ गई और वह यह कि जब ताऊन ने अपने क़िले को सुदृढ़ कर लिया और हर ओर से घेराव पूर्ण हो गया तो सरकार के दिल में भय पैदा हुआ और उसने माहिर वैद्यों के एक समूह को टीका लगाने के लिए बुलाया। उस समय मैंने अपने दिल में कहा कि इस सरकार ने जो कुछ भी किया है अच्छी नीयत से किया है लेकिन यह (अल्लाह की) तक़दीर के साथ जंग है और ख़ुदा की तक़दीर के मुक़ाबले में खड़ा होना पराजित होने, जागना सोने, दौड़-धूप करना रुकने, बुद्धि का प्रयोग पागलपन, राय देना मूर्खता और सुधार उपद्रव के समान है। लोग हमें मूर्ख और गुनाहगार क़रार देते और हमारी भविष्यवाणी को झुठलाते

جنون، والرأى خرافة، والإصلاح مفسدة. و كان القوم يجهّلوننا ويخطّئون، ويكذّبون بنبأنا ولا يصدّقون. فكنا ننتظر ما يفعل الله بنا وبهم، و كان الناس يتحدثون على رغم ما قلنا لهم. فلما أُكثِرَ الكلامُ، وقيل: أين الإلهام، إذا فراستى ما أخطأتْ، و كياستى كالشمس أشرقت، وآيتى تبيّنت، ودرايتى تزيّنت، ووجوه اسودّت، ووجوه ابيضّت. وما أرخى ربّى للمنكرين حبل الإنظار، بل أراهم عاجلا ما أنكروه بالإصرار. وما أبطأ الوقت حتى شاعت الاخبار فى مضرّة التطعيم، و قيل إنه يجعَل المرئَ عِنّينًا والامرأةَ كالعقيم، وقيل إنه يذهب بسماعة الآذان ونور الابصار، و كذالك قيل أقوال أخرى ولا حاجة إلى

थे और उसका सत्यापन नहीं करते थे। अत: हम इस प्रतीक्षा में रहे कि अल्लाह हमारे और उनके साथ क्या व्यवहार करता है। और जो हमने उनसे कहा लोग उसके विरुद्ध बातें करते रहे। फिर जब बातें बहुत अधिक हो गईं और यह कहा जाने लगा कि कहाँ है इल्हाम! तो यकायक मेरे विवेक ने ग़लती न की और बुद्धिमत्ता सूर्य के समान चमक उठी और मेरा निशान स्पष्ट हो गया और मेरी अक्लमंदी सुसज्जित हो गई। कुछ चेहरे काले और कुछ सफ़ेद हो गए और मेरे रब्ब ने इन्कार करने वालों को ढील न दी बल्कि जिस चीज़ का हठ के साथ उन्होंने इन्कार किया उसने अति शीघ्र उन्हें वह दिखा दिया। और थोड़ी देर बाद ही टीका लगवाने के नुक्सान के बारे में ख़बरें फैल गईं और यह कहा जाने लगा कि वह (टीका) मर्द को नामर्द और औरत को बाँझ बना देता है और यह भी कहा गया कि वह कानों की श्रवणशक्ति और आँखों की दर्शनशक्ति ले जाता है। इसी प्रकार कुछ और बातें भी की गईं जिनके इज़हार की आवश्यकता नहीं। और मुझे एक के बाद एक मरने की ख़बरें मिलती रहीं और यह सिलसिला निरंतर जारी रहा जिसके लिए कोई गवाह पेश करने की आवश्यकता नहीं और यह

الإظهار. وبلغتْ أخبار الموتى واحدا بعد واحد، وتواتر الأمر ولم يبق حاجة إلى شاهد. وقيل إن مضرته للناس كالأسد المُصحِر والنّمر الموغَر، وإنه أقعصَ فى بعض آفاق كالمُبادر إلى ضرب أعناق، وكمثلِ مؤثِرِ القتل على استرقاق، وتوافَقَ تلك الأخبارُ كلَّ وفاق. فلم نلتفت إلى أقوال العامة، ولم نقم لها وزنا، وإن هذا هو نهج السلامة، وقلنا إن أكثر الاخبار تأتى بالاراجيف، فنصبر حتى ننقُد الأمر كالصياريف، مع اننا سمعنا بآذاننا حكايات فى هٰذا الباب، وروايات لا تُرَدّ ولا تُنسَب إلى كذّاب بالاستعجاب. ورأينا العامة عند سماع التطعيم فى الخوف المزعِج والفَرَق المحرِج، ومع ذالك وضعناهم موضع

भी कहा गया कि लोगों के लिए इस (टीके) का नुकसान ऐसा है कि जैसे कछार से निकलकर हमला करने वाले शेर का और क्रोधित चीते का। और यह कि उसने कुछ क्षेत्रों में एक जल्दबाज़ गर्दन दबाने वाले के समान और उस व्यक्ति के समान जो क़त्ल करने को गुलाम बनाने पर प्राथमिकता देता है, तबाही मचा दी और उन ख़बरों में पूरी तरह समानता पाई जाती थी परन्तु हमने सामान्य लोगों की बातों की ओर ध्यान न दिया और न ही हमने उनको महत्व दिया क्योंकि यही सुरक्षा का मार्ग है। और हमने कहा कि अधिकतर ख़बरें अफवाहों पर आधारित होती हैं। अत: हम उस समय तक सब्र करते हैं जब तक हम समालोचकों के समान इस विशेष मामले की जांच पड़ताल न कर लें। बावजूद इसके कि हमने स्वयं अपने कानों से इस मामले के बारे में कई ऐसी कथाएं और रिवायतें आश्चर्य के साथ सुनी हैं जो न रद्द की जा सकती हैं और न ही उन्हें किसी झूठे की ओर संबद्ध कर सकते हैं। और हमने लोगों को टीके की ख़बर सुनते ही व्याकुल कर देने वाले भय और बेताब कर देने वाले डर में गिरफ्तार देखा लेकिन फिर भी हमने उन लोगों को मवेशियों के दर्जे पर रखा और बुद्धिमानों के समान

الدوابّ، وما عبَأْنا بهم ولا بأقوالهم كأولى الالباب۔ وبينا نحن فى هذا الدفع والذبّ، والاستدراك على العامة والسعى والخبّ. إذ أتتنا جرائد من الحكومة فيها نبأ عظيم، وخبر أليم. فارتعدت الفرائص عند سماعه، وظلَع فرسُ السعى بسِطاعه۔ فقرأنا الخبر كما يقرأ المحزونون، وقلنا إنا لله وإنا إليه راجعون. وهذا هو الخبر الذى أشعته قبل هذا النعى الاليم، وقلت إن العافية معنا لامع أهل التطعيم۔ وإنه آية من الآيات، ومعجزة عظيمة من المعجزات، فنُسَرّ بها و مع ذالك نبكى على الثيّبات الباكيات، واليتامى الذين ودّعوا آباءهم قبل وقتهم بتلك المعالجات۔ فيا أسفا على يوم عُرضوا فيه للتطعيم، وليت

न तो हमने उनकी परवाह की और न उनके कथनों की। अभी हम इसके रोकने और दूर करने और लोगों को उनकी ग़लती समझाने और समाप्त करने के लिए प्रयत्न कर ही रहे थे कि अचानक हमें सरकार की ओर से अख़बार मिले जिनमें बहुत बड़ी ख़बर और दर्दनाक सूचना थी जिसके सुनने से शरीर कांपने लगा और प्रयत्नशक्ति लड़खड़ा गई। अत: हमने इस सूचना को दुखी लोगों के समान पढ़ा और हमने 'इन्ना लिल्लाहे व इन्ना इलैहि राजिऊन' कहा और यह वह ख़बर थी जिसे मैंने इस कष्टदायक मौत की ख़बर से पहले प्रकाशित कर दिया था और मैंने कहा था कि भलाई एवं सुरक्षा हमारे साथ है न कि टीका लगवाने वालों के साथ और यह बड़े निशानों में से एक निशान है और चमत्कारों में से एक बड़ा चमत्कार है। अत: हम इसके प्रकटन पर प्रसन्न हैं परन्तु इसके साथ ही हम विलाप करने वाली विधवा औरतों तथा अनाथ बच्चों, जिन्होंने समय पूर्व इस इलाज से अपने बाप-दादा को खो दिया, के ग़म में रोते भी हैं। अत: अफ़सोस है उस दिन पर कि जिस दिन उन्होंने अपने आप को टीका लगवाने के लिए प्रस्तुत किया। काश! यदि वे मेरे पास मोमिन होकर आते तो वे इस बड़ी मुसीबत

شعری لو أتونی مؤمنین لَحُفظوا من هذا البلاء العظیم۔ وما أدراك ما هذه الآفة، ثم ما أدراك ما هذه الآفة؟ فاعلم أن فی أرضنا هذه قریة یقال لها ملکوال، فاتفق أن عَمَلة التطعیم وافَوا أهلَها مع حزب من الرجال، ودعوهم إلی هذا العمل بالرفق والاحتیال۔ فقیّض القدر لتتبیرهم وتدمیرهم أنهم حضروا تلك العَمَلة، وکانوا تسعة عشر نفرًا عِدّةً، وأما أسماؤهم فاقرؤوا الحاشیة،★ فعرضوا أنفسهم للتطعیم جرأة لیکونوا نموذجا لمن یخشاه شبهة۔ فلما دخل سم التطعیم عروقهم، صهَر أکبادهم، وأذاب فؤادهم، وخُبطوا قلِقین۔ ثم لمّا هجروا

से अवश्य बचाए जाते। तुझे क्या मालूम कि यह मुसीबत क्या है पुनः (मैं कहता हूँ कि) तुझे क्या मालूम कि यह मुसीबत क्या है? तुझे ज्ञात हो कि हमारे इस देश में एक बस्ती है जिसे मिल्कोवाल कहते हैं संयोग से टीका लगवाने वाला समूह मर्दों की एक टोली के साथ उस बस्ती के रहने वालों के पास पहुंचा और उन्होंने नर्मी और सूझ-बूझ से उन्हें टीका लगवाने के लिए बुलाया, इस प्रकार उनकी मृत्यु और तबाही मुक़द्दर हो गई। वे इस समूह के पास आए और उन टीका लगवाने वालों की संख्या उन्नीस थी। आप उनके नाम हाशिया★ में पढ़ सकते हैं। उन्होंने बड़ी हिम्मत से स्वयं को टीका लगवाने के लिए आगे किया ताकि वे उन लोगों के लिए आदर्श बनें जो सन्देह के कारण उस (टाके) से डर रहे थे। फिर जब टीके का ज़हर उनकी रगों में प्रवेश हुआ तो उसने उनके जिगर और दिल को पिघला दिया और वे तड़पने

★**हाशिया :-** उन लोगों के नाम जो टीका लगवाने से मर गए थे और उनमें से एक का नाम ख़बर देने वाले को याद नहीं रहा- 1-अमीरुद्दीन क़ौम उलमा, 2-उमरा बढ़ई, 3-जम्मां कश्मीरी, 4-जीवन शाह सय्यद, 5-महरदाद मीरासी, 6-सुल्तान मोची, 7-हयात बढ़ई, 8-फ़तहदीन क़ौम जाट, 9- क़ासिम शाह सय्यद 10-इमामुद्दीन क़ौम जाट, 11-शादी जाट, 12-हयात जाट, 13-लुधा जाट, 14-रोडा कुम्हार, 15-नूर अहमद क़ौम उलमा, 16-सावन खत्री, 17-शब दयाल खत्री, 18-कृपाराम खत्री, 19-बताने वाला इसका नाम भूल गया था।

تغيرت حواسّهم، وأُترِعتْ من الموت كأسهم، فأصبحوا فى دارهم جاثمين۔ وردّوا أماناتِ الارواح إلى أهلها☆. ومُلئت البيوت بكائً وجزعا وصارت الاقارب كالمجانين۔ هناك قامت القيامة فى تلك القرية، وارتفعت أصوات النوادب بالكلم المؤلمة، و كلُّ من كان فى القرية سعوا إليهم متعجبين ومتأسفين، وانثالوا إلى بيوتهم موجِفين وباكين۔ وأما مامرّ على نسوانهم وصبيانهم، فلا تسأل عن شأنهم. إنهم اسالوا الغروب، وعطُّلوا الجيوب، ومزّقوا القلوب، وسعّروا الكروب، وتذكَّرَ كلُّ حميم الحميمَ، ولعنوا التطعيم، بما رأوا أحياء هم صرعى، وتفجَّعَ كلُّ من سمع هذه الفاجعة العظمٰى، وطارت عقول

लगे। फिर जब दोपहर हुई तो उनके होश बिगड़ने लगे और उनकी मृत्यु का समय आ गया और वे अपने घरों में घुटनों के बल पड़े रह गए। और उन्होंने रूहों की अमानतों को उनके मालिक के पास वापस लौटा दिया☆ उनके घर विलाप और रोने धोने से भर गए। उनके सम्बन्धी दीवानों जैसे हो गए और उस बस्ती में क़यामत बरपा हो गई और विलाप करने वालों की आवाज़ें दर्दनाक शब्दों के साथ बुलन्द हुईं और उस गांव का प्रत्येक व्यक्ति परेशानी तथा अफ़्सोस की अवस्था में उनकी ओर दौड़ता हुआ आया। और वे तेज़ी से चीख़-व-पुकार करते हुए बेचैनी में उनके घरों की ओर लपके और जो उनकी औरतों और बच्चों पर गुज़री तू उस का हाल मत पूछ। उन्होंने आँसू बहाए और गरेबान फाड़ डाले और दिल टुकड़े-टुकड़े किया और बेचैनियों को भड़काया। हर यार ने अपने जिगरी यार को याद किया और उन्होंने अपने ज़िन्दों को गिरे-पड़े देख कर टीका लगवाने पर अफ़सोस किया। और

☆ इस घटना के बाद हम तक यह बात पहुंची है कि उनमें से कुछ टीका लगवाने के पश्चात दस दिन तक जीवन और मृत्यु की खींचा तानी में रहे और फिर अत्यंत कष्ट के साथ उनकी जान निकली।

القربیٰ، وصار نهارهم كليل أعسٰی. وما كان فی القرية رجل إلا
انتهى إلى فِنائهم، وتصدى لاستنشاء أنبائهم. والله ما نصّفنا
الشهرَ بعد نبأ تقدَّمَ ذكره للطلباء، حتی ظهرت هذه الواقعة
من القضاء، وصدّقتْ وحیَ الله وكلَّ ما عثَرتُ عليه من حضرة
الكبرياء. ولما اطلعتْ عملة التطعيم على هذه الحوادث الواقعة،
بادروا إلى نائب السّلطنة، وأسرجوا جواد الاوبة، وبُهتوا مما
ظهر من الاقدار السماوية. وبعد ذالك ثنی الله عنان الحكومة
عن الإسرارخ على هذه الاعمال المشتبهة، بل أنِفت الدولة من
شدة كانت فی الازمنة السابقة، وذالك بما ضاعت به نفوس
تسعة عشر من الرعية فی ساعة واحدة. ومُنع التطعيم بالرسائل

जिस ने भी इस बहुत बड़ी घटना के बारे में सुना वह दु:खी हुआ। क़रीबी रिश्तेदारों के होश उड़ गए और उन के दिन अंधेरी रात बन गए। बस्ती का कोई एक व्यक्ति भी ऐसा न था जो उनके घर के सहन तक न पहुंचा हो और उनकी ख़बर पूछने न गया हो। और ख़ुदा की क़सम हमारी उस भविष्यवाणी पर जिस का ज़िक्र सत्याभिलाषियों के लिए पहले हो चुका है। अभी एक माह भी नहीं गुज़रा था कि ख़ुदा की तक़दीर से यह घटना प्रकटन में आ गई। और उसने अल्लाह की वह्यी और हर उस सूचना का, जो ख़ुदा तआला की ओर से मुझे मिली, सत्यापन किया। टीका लगाने वाले स्टाफ़ को जब इन दुर्घटनाओं की सूचना हुई तो वे तुरन्त वाइसराय के पास गए। और अपने वापसी के घोड़े पर ज़ीन कसी तथा आकाशीय तक़्दीरों के प्रकटन पर वे स्तब्ध रह गए। तत्पश्चात् अल्लाह ने न केवल (टीका लगाने) जैसे संदिग्ध कार्यों पर आग्रह करने से सरकार का ध्यान मोड़ दिया अपितु टीका लगवाने पर सरकार ने उस सख़्ती को जो पहले अरसे में होती रही पसन्द न किया। और इसका कारण पल-भर में पब्लिक की उन्नीस जानों का विनाश था और तार द्वारा (सरकार की ओर से) टीका लगवाने से रोक

البرقية، ثم أُخذ طريقُ الرفق والتُّؤدة، وتُرك طريقٌ يشابه الجبر فى أعين العامة. ولا شك أن هذه الدولة ما آلتْ شفقةً، وما تركت فى جهدها دقيقة، وما اختار التطعيم إلا بعد ما رأت فيه منفعة. والحق أن الامر كان كذالك إلى أن خالفْناه من وحى السّماء، فأراد الله أن يصدّق قولنا وينجينا من ألسن الجهلاء، فعند ذالك أبطلَ نَفْعَ التطعيم، وأحدث مضرة فيه، ليُظهِر صدق ما خرج مِن فيه. ولو لم يكن كذالك فكيف كان من الممكن أن يظهر الآية، ويتحقق لنا الحفظ والحماية؟ ووالله إن لم يهلك أهلُ تلك القرية لهلكتُ وأُلحقتُ بالكاذبين، لانى كنت أشعت أن العافية معنا وهذا هو معيار صدقنا عند

दिया गया। तत्पश्चात् नर्मी और ढीलाई की गई। और उस तरीक़े को छोड़ दिया गया जो जन सामान्य की निगाहों में जब्र के समान था। नि:सन्देह इस (बर्तानवी) सरकार ने प्रजा पर हमदर्दी करने में कोई कमी और अपनी कोशिश में कोई कसर न छोड़ी। और (सरकार ने) टीका लगवाने का कार्य उसमें लाभ देखकर ही अपनाया था। और वास्तविकता यह है कि मामला ऐसा ही था यहाँ तक कि हम ने आकाशीय वह्यी के कारण उसका विरोध किया। तो अल्लाह ने इरादा किया कि वह हमारे कथन की पुष्टि करे और हमें जाहिलों की ओर से बाल की खाल निकालने से मुक्ति दे। तो इस स्थिति में अल्लाह ने टीका लगवाने के लाभ को ग़लत कर दिया और उसमें क्षति उत्पन्न कर दी। ताकि उसके मुंह से जो बात निकली थी वह उसकी सच्चाई को प्रकट कर दे। यदि ऐसा न होता तो फिर यह कैसे संभव था कि यह निशान प्रकट होता और हमारे लिए सुरक्षा और सहायता निश्चित होती। और ख़ुदा की क़सम यदि उस बस्ती के रहने वाले न मरते तो मैं अवश्य हलाक हो जाता और झूठों में मेरी गणना की जाती। क्योंकि मैं यह प्रकाशित कर चुका था कि कुशलता हमारे साथ है और यही सत्याभिलाषियों के

الطالبين، ولو ظهر عكسه فهو من أمارات كذبي، فليكذّبني عند ذالك من كان من المكذّبين۔ و كانت هذه المصارعة كذَرِيّةٍ في أعين الناس، و كنت كمعلَّق. إما أن أحيا و إما أن أُقتَل في هذا البأس. فأراد الله أن يغلّبني كما غلّبني من قبل في مواطن، فليس على الحكومة ذنب بل كان آية عند ربّي فأظهر و أعلن۔ ولا بد من أن نقبل أن هذه الحادثة كانت داهية عظمٰى، و مصيبة كبرٰى، و ترتعد الفرائص إلى هذا اليوم بتصور هذه الواقعة، ولا نجد مثلها في الايام السابقة. و ما كان بالُ قوم شقّت هذه الفجعةُ جنوبَهم، و كوى الجزع قلوبهم، و كيف كان لطم الخدود وضرب الصدور عند تلك البلوٰى، إذاما أُلحِقَ في ساعة

नज़दीक हमारी सच्चाई की कसौटी है और यदि मामला इसके विपरीत प्रकट हुआ तो यह मेरे झूठ की निशानियों में से होगा और इस स्थिति में झुठलाने वाले मुझे अवश्य झुठलाएं और यह कुश्ती लोगों की निगाहों का केन्द्र बन गई और मेरी हालत एक असमंजस में पड़े हुए व्यक्ति के समान थी कि या तो मैं उस लड़ाई में ज़िन्दा रहता या फिर क़त्ल किया जाता। तो अल्लाह ने इरादा किया कि मुझे विजय प्रदान करे जैसा कि उसने पहले भी मुझे बहुत से मैदानों में विजय प्रदान की है। तो यह सरकार का दोष नहीं है अपितु यह मेरे रब्ब की ओर से एक निशान है जो उसने प्रकट किया। इसलिए यह आवश्यक है कि हम यह स्वीकार कर लें कि यह दुर्घटना एक महान आपदा और बड़ा संकट था। और आज तक इस घटना की कल्पना से हाथ-पाँव कपकपा रहे हैं और हम उसका उदाहरण पहले युग में नहीं पाते। उस क़ौम का क्या हाल होगा जिन को उस अचानक आई आपदा ने फाड़ डाला और घबराहट ने उनके दिलों को दाग़ दिया। ऐसे संकट के समय किस-किस प्रकार मुंह पर हाथ मारे गए और सीने पीटे गए जब अचानक पल-भर में उनके ज़िन्दा मुर्दों से जा मिले। इसके बावजूद सरकार बर्तानिया

أحياؤهم بالموتٰى۔ ومع ذالك لا جُناح على الحكومة البريطانية، فإنها اختارت ذالك بصحة النية، بعد التجربة الكثيرة ه وبذل الاموال لدفع هذا المرض أكثر مما تبذل الدول الاخرىٰ فى مثل هذه المواضع المقلقة لإنجاء الرعية۔ وكذالك لا يعود اعتراض إلى أركان السلطنة، فإن الدولة وأركانها ما كانوا يعلمون ما ظهر من النّتيجة. وقد اتّقدت لهذه الحادثة أكبادهم، ورقّ فؤادهم، وألَّمَهم هذه الداهيةُ وأوجعهم هذه المصيبة، بما فجَأ القريةَ بلاء، وما سبق إليه دَهَائُ. ولاجل ذالك فرضت الدولة وظائف لورثائهم، وواسَتْهم مع الاسف الكثير وقامت لإيوائهم، وبذلت العنايات لإرضائهم. وكان التطعيم عندها فى

का कोई गुनाह न था, क्योंकि उसने ऐसे संकट के अवसरों पर लोगों के प्राण बचाने के लिए और इस रोग की रोक-थाम के लिए अच्छी नीयत के साथ बड़े लम्बे-चौड़े अनुभव के बाद तथा दूसरी सरकारों के मुक़ाबले पर बहुत सारा माल ख़र्च करके उसे (अर्थात् टीके को) अपनाया। और इस प्रकार बर्तानवी सरकार के अधिकारियों पर कोई आरोप नहीं आता। क्योंकि (बर्तानवी) सरकार और उसके अधिकारी उस परिणाम को नहीं जानते थे जो प्रकट हुआ। और इस घटना से उनके कलेजों में आग लग गई और उनके दिल आर्द्रता से भर गए और बस्ती पर जो आकस्मिक मुसीबत टूटी उसके कारण उस आपदा और संकट ने उन्हें बहुत दु:ख पहुंचाया और किसी ने ऐसा सोचा भी नहीं था इसी कारण बर्तानवी सरकार ने उनके वारिसों के लिए वज़ीफ़े निर्धारित कर दिए और बड़े दु:ख के इज़हार के साथ उन से हमदर्दी की। और उन्हें शरण देने के लिए तैयार हो गई और उनको प्रसन्न करने के लिए उन पर उपकार किए। मामले के आरम्भ में टीका लगवाने का कार्य इस (सरकार) के निकट ऐसे दस्तरख़्वान के समान था जिसके विचार मात्र से लार टपकने लगे और होंठ चटकारे लेने लगें परन्तु इसके

أول أمـره كمائـدة تتحلّـب لهـا الإفـواه، وتتلمـظ لهـا الشـفاه،
ولكـن بعـد ذالـك أخـذتْ بالتوجـه التـام طريـقَ الاحتيـاط
والاحتمـاء، وأوجبتْ مراعاتَـه إلى الانتهـاء. وكذالـك جـرت عادة
هـذه الحكومـة، فإنهـا تفعـل كلمـا تفعـل بكمـال الحـزم والتـؤدة،
وإنهـا تتعهـد رعاياهـا كالابنـاء، ولا ترضـى بأمـر فيـه مظنّـة
الإيـذاء. ولذالـك وجَـب شـكرها بمـا تسـاعد مسـاعدةَ الامّهـات،
وأيـن كمثـل هـذه الحكومـة؟ فاطلبـوا فى الاقطـار والجهـات. وأرى
كلَّ عاقـل يثـنى عليهـا لمنتّهـا، ويفديهـا بـمهجته، وذالـك
لإحسـانها وكثـرة حَسـنتها. فالحمد لله عـلى هـذه النعمـة. ولذالـك
وجـب عـلى كل مسـلم ومسـلمة شـكرُ هـذه الدولة، فإنهـا تحفـظ

बाद सरकार ने ध्यानपूर्वक सुरक्षा और बचाओ का मार्ग अपनाया और अपनी सुविधाओं को उसकी चरम सीमा तक अनिवार्य क़रार दिया और इस सरकार की हमेशा से यही नीति रही है कि वह जो कुछ करती है बहुत ध्यानपूर्वक और धैर्यपूर्वक करती है और यह अपनी प्रजा से बेटों जैसा व्यवहार करती है और कोई ऐसा काम पसंद नहीं करती जिसमें कष्ट पहुंचने का कोई सन्देह हो। इसलिए माओं के समान सहायता करने के कारण उसका धन्यवाद अनिवार्य है। समस्त दिशाओं में तलाश करके देखो ऐसी हुकूमत का उदाहरण कहां? मैं देखता हूं कि हर बुद्धिमान उसके उपकार के कारण उसका प्रशंसक है और दिल-जान से इस पर फ़िदा है और यह इस हुकूमत के उपकार और अत्यंत सदव्यवहार के कारण है, अत: इस नेमत पर अल्लाह की भूरी-भूरी प्रशंसा। इसलिए हर मुसलमान पुरुष एवं स्त्री पर इस सरकार का धन्यवाद अनिवार्य है क्योंकि वह भलाई और न्याय पूर्वक हमारी जान, हमारे सम्मान और हमारी धन-संपत्ति की सुरक्षा करती है और प्रत्येक मोमिन पर यह हराम है कि वह जिहाद की नीयत से उसका मुक़ाबला करे। यह जिहाद नहीं बल्कि उपद्रव की सब से बुरी प्रकार है। क्या इस्लाम की जवांमर्दी की यह

نفوسنا وأعراضنا وأموالنا بالسياسة والنصفة. وحرام على كل مؤمن أن يقاومها بنيّة الجهاد، وما هو جهاد بل هو أقبح أقسام الفساد. وهل من شأن فتوّة الإسلام أن تعتاض إحسانَ المحسن بالحسام؟ ثم اعلم أنا لا نتكلم بشيء فى شأن التطعيم ّ، بل نعترف بفوائده وبما فيه من النفع العظيم، ونقرّ بأن فيه شفاء للناس، ولا خوف ولا بأس، ولذالك لما شاهدت الحكومةُ أن صول الطاعون بلغ إلى غايته، وهو لَه انتهى إلى نهايته، آثرتِ التطعيم على كل تدبير، وأعدّت له الوسائل بصرف مال كثير، واجتهدت فى بذل وسعها تفجعًا للخَلق المطعون، لتَغمِد به ظُبَى الطاعونِ. و كان هذا العمل جاريا من

शान है कि उपकारकर्ता के उपकार का बदला तलवार से लिया जाए? फिर याद रहे कि हम टीका के बारे में कोई ऐतराज़ नहीं करते बल्कि हम उसके लाभ और उसमें जो बड़ा फ़ायदा (छुपा) है उसको मानते हैं और हम स्वीकार करते हैं कि उसमें लोगों के लिए स्वास्थ्यलाभ है और कोई भय तथा डर नहीं। यही कारण था कि जब हुकूमत ने देखा कि ताऊन (प्लेग) बहुत बढ़ गया है और उसकी भयावह स्थिति चरम सीमाओं तक पहुँच रही है तो उसने टीका लगवाने को दूसरे समस्त उपायों पर प्राथमिकता दी और बहुत सा माल ख़र्च करके उसके लिए प्रबंध किए और सहानुभूति पूर्वक ताऊन से ग्रस्त लोगों के लिए अपना भरपूर प्रयास किया ताकि इस प्रकार ताऊन की तलवार को उसकी मियान के अंदर करे। और यह कार्य कई वर्षों से जारी था और विश्वसनीय लोगों से हमने उसकी हानि के बारे में कुछ नहीं सुना था बल्कि विचारक इस दवा की प्रशंसा करते थे और उसे स्वास्थ्य हेतु शीघ्र असर करने वाली तथा अत्यंत प्रभावशाली समझते थे और यह अवस्था चलती रही यहाँ तक कि मैंने अपनी पुस्तक 'कश्ती नूह' लिखी और अल्लाह तआला के आदेश से मैंने इस (पुस्तक) में टीका लगवाने का विरोध

سنواتٍ، وما سمعنا مضرّته من ثقات، بل كان أهل الآراء يثنون على هذا الدواء، ويحسبونه أسرع تأثيرا وأدخل فى أمور الشفاء. وكان الامر هٰكذا إلى أن ألّفتُ كتابى سفينة نوح، وخالفتُ التطعيم فيه بأمر الله السبّوح. وقلت إن العافية أصفاها وأبقاها وأبعدَها من العذاب الاليم، هى كلها معنا لا مع أهل التطعيم، فإن لم يصدُق كلامى هذا فلست من الله العظيم. فارتفع الاصوات بالطعن والملامة، وقالوا أتخالف هذا العمل وهو مناط السلامة؟ وأما ما تذكُر من وحيك فهو ليس بشىء وسترجع بالندامة، أو تقيم عليك وعلى من معك عذاب القيامة. وإن العافية كلها فى التطعيم وقد جربه المجربون، فمن

किया और कहा कि अत्यंत स्वच्छ, शाश्वत और कष्टदायक पीड़ा से मुक्त सुरक्षा पूर्णता हमारे साथ है न कि टीका लगवाने वालों के साथ। अत: यदि मेरी यह बात सच्ची न हुई तो मैं प्रतिष्ठावान ख़ुदा की ओर से नहीं। इस पर ताने देने वालों के स्वर बुलंद हुए और कहने लगे कि तू इस कार्य का विरोध करता है हालांकि यह सुरक्षा का आधार है और यह जो तू अपनी वह्यी (ईशवाणी) की चर्चा कर रहा है तो यह कोई चीज़ नहीं और तू लज्जित होकर अति शीघ्र लौट आएगा या फिर तुझ पर और तेरे साथियों पर क़यामत का अज़ाब टूटेगा और पूर्ण सुरक्षा एवं सलामती टीका लगवाने में है। और अनुभवकर्ताओं ने इसका अनुभव कर लिया है फिर जिसने इसका पालन किया तो न ही उन्हें कोई भय होगा और न ही वे ताऊन में ग्रस्त होंगे। इस अवसर पर मेरा दिल भावुक हो गया और मेरी आँखों से आंसू बहने लगे क्योंकि मैंने लोगों का बर्ताव मुसलमानों के बर्ताव के विपरीत देखा। मैंने देखा कि वे लोगों के सुझावों को तो मानते हैं लेकिन रब्बुल आलमीन (ब्रह्माण्ड के पालनहार) के वादों पर विश्वास नहीं रखते, अनुभवी की शरण तो लेते हैं परन्तु अल्लाह जो बहुत निकट है उसकी शरण में नहीं

عمل به فلا خوف عليهم ولا هم يُطعَنون۔ هنالك رقَّ قلبی، وفاضت دموع عينی، بما رأيت زيَّ الناس غير زیّ المسلمين، ورأيت أنهم يؤمنون بحيل الناس ولا يؤمنون بوعد ربّ العالمين۔ يأوُون إلى أولى التجاريب، ولا يأوون إلى الله القريب. يأخذون عن الذين يظنون، ولا يأخذون عن الذی تحت أمره المنون. فشكوت إلى الحضرة، ليبرّئنی مما قيل و ينجّينی من التهمة، وليبكّت المخالفين ويردّ إلينا بركات العافية، ويُبطل عمل التطعيم ويظهر فيه شيئا من الآفة، ويُرى الناسَ أنهم خَطئوا فی التخطية وليعلم الناس أن الشفاء فی يده لا فی أيدی الخليقة۔ فلم أزل أدعو وأبتهل واقبل علی الله ذی الجبروت

आते, अनुमान लगाने वालों की तो सुनते हैं परन्तु उस हस्ती से संबंध नहीं रखते जिसके आदेश के अधीन मौतों का समस्त सिलसिला चल रहा है। अत: मैंने अल्लाह तआला से यह शिकायत की कि वह लोगों की बातों से मुझे बरी करे और आरोप से मुझे मुक्ति दे, विरोधियों का मुंह बंद करे और स्वास्थ्य तथा सुरक्षा का लाभ हमारी ओर लौटा दे। और टीके के कार्य को नाकारा बना दे और उसमें कोई आफ़त ज़ाहिर कर दे और लोगों को यह दिखा दे कि उन्होंने मुझे दोषी ठहराने में ग़लती की है ताकि लोग यह जान जाएं कि शिफ़ा उस स्रष्टा के हाथ में है सृष्टि के हाथ में नहीं। अत: मैं दुआओं में लगा रहा और अत्यंत विनम्रता पूर्वक दुआएँ कीं तथा शक्ति एवं सामर्थ्य रखने वाले ख़ुदा के दरबार में निरंतर उपस्थित होता रहा यहाँ तक कि दुआ के स्वीकार होने के लक्षण प्रकट हो गए और पहले से लिखी गई भविष्यवाणी सच्ची सिद्ध हुई और वह वादा पूरा हो गया जिसे झुठ्लाया गया था। टीके का कार्य लोगों के घरों में ऐसे घुस गया जैसे शेर घुस जाता है। और लोगों ने अपनी आँखों से उसके नुकसान को देख लिया और (उनका) देखना दो ईमानदार गवाहों के क़ायम मुकाम

والقدرة، حتى بانت أمارة الاستجابة وصدَق النبأ المكتوب، واستُنجز الوعد المكذوب. واقتحم التطعيم فِناء الإنام اقتحام الضِّرغام، ورأى الناسُ مضرّتَه بالعينين، ونابَ العيانُ مَنابَ عَدْلَينِ، وأشرق الحق كاللُّجَين، وقضينا الدَّين بالدَّين. هذا أصل ما صنع الدهر فى ملكوال، وإنْ هو إلا تنبيه للنفوس الإبيّة من الله ذى الجلال.

و كنا أعرضنا عنهم إعراض العِلّية عن الارزلين، ولكن الله أراد أن يفتح بيننا وهو خير الفاتحين. فاسكُتْ، عافاك الله بعد هذه الآية، ولا تذهب أرشدك الله إلى طرق الغواية. وحسبُك يا شيخ، ما سمعتَ من اعتذارى، ثم ما رأيتَ من آية جبّارى.

(स्थानापन्न) हो गया और सच्चाई चाँदी के समान चमक गई और हमने उनका क़र्ज़ चुका दिया। यह उस घटना की वास्तविकता है जो समय ने मिल्कोवाल में प्रकट किया और यह प्रतापवान ख़ुदा की ओर से उद्दण्ड लोगों के लिए केवल एक चेतावनी थी।

और हम शरीफ़ लोगों के कमीनों से विमुख होने के समान उनसे विमुख हुए परन्तु अल्लाह ने इरादा किया कि वह हमारे मध्य निर्णय करे और वह समस्त निर्णय करने वालों में श्रेष्ठ है। अल्लाह तेरा भला करे! उचित यही है कि तू इस निशान के बाद मौन रहे। अल्लाह तेरा मार्गदर्शन करे, गुमराही के मार्गों की ओर न जा। आदरणीय शेख़ मेरे उत्तर को सुनना फिर जब्बार ख़ुदा के निशान को देख लेना तेरे लिए पर्याप्त है। इस निशान से यह सिद्ध हो गया कि अल्लाह जिस में चाहे प्रभाव डाल देता है और जिससे चाहे उससे प्रभाव छीन लेता है। असल चीज़ केवल उसका आदेश है और संसाधन उसके लिए छाया हैं। टीका लगवाना लाभदायक है या हानिकारक, निशान के प्रकट हो जाने के बाद हम इस पर बहस नहीं करते क्योंकि हुज्जत अपने चरम को पहुँच गई है। और किसी व्यक्ति के लिए यह

وثبت من هذه الآية أن الله يودع التأثير ما يشاء ويسلبه مما يشاء، والاصل أمرُه المجرد، والاسباب له الإفْياء۔ والتطعيم نافعا كان أو مضرّا۔لا نبحث فيه بعد ظهور الآية، فإن الإفحام قد انتهى إلى الغاية. وما كان لاحد أن يعزيها إلى نُوَبِ الزمان، فإنها ردِفت نبأَ الرحمٰن۔و ّإنها ليست بآية بل آيات، و كلها مشرقةٌ كالشمس وبيّناتٌ. فالاول: نبأٌ أشعتُه قبل ظهور الطاعون وسَيلِه، وقبل أن يجلب برَجِلِه وخَيلِه. فأغار الطاعون بعد ذالك على الهند كالصعلوك، وأقام الحشر ودكَّ الناس كلَّ الدكوك. والنبأ الثانى: هو وعد تكفُّلِنا ووعدُ العصمة، والامر بترك التطعيم والرجوع إلى حضرة العزة، ولذالك أطعتُ الامر

संभव नहीं कि वह इस निशान को सांसारिक घटनाओं की ओर सम्बद्ध करे क्योंकि यह निशान रहमान ख़ुदा की भविष्यवाणी के बाद प्रकट हुआ और यह एक निशान नहीं बल्कि बहुत से निशान हैं और यह सब के सब सूर्य के समान चमकदार और स्पष्ट हैं। अत: पहली भविष्यवाणी वह है जिसे मैंने ताऊन और उसके तेज़ प्रभाव के प्रकटन से पूर्व तथा उसके प्यादों और घुड़सवारों की फ़ौज की चढ़ाई से पूर्व प्रकाशित कर दिया था (अर्थात ताऊन के आरम्भ से बहुत पहले) इसके बाद ताऊन ने एक डाकू के समान भारत पर आक्रमण किया और क़यामत मचा दी और लोगों को टुकड़े-टुकड़े कर दिया। दूसरी भविष्यवाणी हमारे भरण-पोषण तथा सुरक्षा का वादा है और टीके के छोड़ने तथा ख़ुदा तआला की ओर लौटने का आदेश है। इसीलिए मैंने इस आदेश का पालन किया और ग़ुलामों के समान खड़ा हो गया और मेरी मजाल न थी कि अल्लाह तआला के आदेश पर नापसन्दीदगी का इज़हार करूं। तीसरी भविष्यवाणी विरोधियों में से कुछ उलमा की ताऊन से मरने की थी और मैं उसका वर्णन कर चुका हूँ इन ख़बरों को दोहराने की आवश्यकता नहीं। और जो कुछ भी मैं कह चुका हूँ वह सब प्रसिद्ध है

ووقفت موقف العبيد، وما كان لى أن آنَف من أمر الرب المجيد۔ والنبأ الثالث: عيث الطاعون فى بعض العلماء من الاعداء، وقد ذكرته ولا حاجة الىٰ إعادة الانباء۔ وكل ما قلتُ أمرٌ مشتهر وعلى الالسن دائر، وكل من خالف فهو الآن حائر۔ ومن منن الله أنه وقانى فى كل موطن من وصمة طيش السهام، وإخداج الوحى والإلهام. وأما الطبيب فلا يأمَن العِثارَ، ولو شرب من العلوم البحارَ، سيّما التطعيم الذى يُخشَى على الناس مِن أثر سمّه، والتشخيص ناقصٌ وا ّلعقول بمعزل عن فهمه. وربما يسمع الطبيب من ورثاء مريضه: ويحك ما صنعتَ، والنفسَ أضعتَ؟ وربما يخطىء الاطباء خطائً عظيما، ويُهدُون إلى المريض

और लोगों में प्रचलित है और जिसने भी विरोध किया वह अब आश्चर्यचकित है। और अल्लाह के उपकारों में से एक उपकार यह भी है कि उसने हर मैदान में (मेरे) तीरों के चूक जाने तथा (मेरी) वह्यी और इल्हाम के दोषपूर्ण होने की ख़राबी से मुझे सुरक्षित रखा। और जहां तक चिकित्सक का सम्बन्ध है तो ऐसा नहीं कि उससे ग़लती न हो, चाहे उसने ज्ञान के सागर पिए हों। विशेष तौर पर टीका लगवाना जिसके ज़हर के प्रभावी होने का लोगों में भय रहता है और अभी तो (अल्लिवा अख़बार के सम्पादक) की पहचान भी अपूर्ण है और बुद्धि उसके समझने से असमर्थ है। और कभी चिकित्सक को अपने रोगी के वारिसों से ये शब्द सुनने पड़ते हैं कि तेरा बुरा हो तूने क्या कर दिया और तूने जान ले ली। कभी-कभी चिकित्सक बहुत बड़ी ग़लती कर जाते हैं और रोगी को ऐसी दर्दनाक तकलीफ़ में ग्रस्त कर देते हैं कि वह रोगी संसार रूपी समुद्र से इस प्रकार पार हो जाता है जैसे समुद्र का सीना चीर कर चलने वाली कश्तियां। उनमें से एक के बाद दूसरा मरता है। तब ऐसे अवसर पर (चिकित्सक) फ़रार हो जाते हैं और अपनी उतारी हुई ज़ीनों को दोबारा कसते और अपने बंधे हुए घोड़ों को खोल देते हैं। इस

عذابا أليما، فيعبر المرضى بحر الدنيا كالسفن المواخر، ويموت الواحد منهم بعد الآخر. فعند ذالك يفرّون ويشدّون سروجهم المحطوطة، ويحلّون أفراسهم المربوطة. كذالك فى سبيلهم آفات، وفى كل خطوة خطيّاتٌ. وإنا نسمع أمثال ذالك فى كل طبيب، جاهل وأريب. ومن ذا الذى ما أخطأ قط، أو له الإصابة فقط؟ وإنى قرأت كتبا من هذه الصناعة، واشتقت إليها شوق الخبز عند المجاعة، فرأيتها فرسَ البَرازِ، لا طِرْفَ الوِهاد، وعند عُضال زرعها أقلَّ من الحصاد. ثم رُزقتُ رزقا حسنا من وحى الله اللطيف الشريف، فوجدتُ الطبّ بجنبه كالكنيف. وإذا جاء نى الوحى بكماله، وكشَف الدجى بجماله، قلت: يا ّوحى

प्रकार उनके रास्ते में आपदाएं आती हैं और हर क़दम पर उन से ग़लतियां होती हैं। इस प्रकार के उदाहरण हम हर चिकित्सक के बारे में चाहे वह जाहिल हो या बुद्धिमान, सुन रहे हैं। वह कौन है जिस ने कभी कोई ग़लती न की हो या वह हमेशा सही राय वाला ही हो। मैंने इस फ़न (चिकित्सा) की पुस्तकें पढ़ी हैं और मेरा उसमें शौक़ ऐसा था जैसे भूख के समय रोटी की चाहत। मैंने उसे समतल मैदान में चलने वाला घोड़ा पाया न कि समतल पृथ्वी पर दौड़ने वाला उत्तम घोड़ा। और सख़्त बीमारी के समय उसकी फ़सल को पैदावार से कम पाया तत्पश्चात् मुझे अल्लाह की उत्तम और शरीफ़ वह्यी के अत्युत्तम अन्न से अनुकम्पित किया गया। तब मैंने तिब्ब (चिकित्सा) को (वह्यी) के सामने ऐसा पाया जैसे शौचालय हो। और जब मुझे वह्यी अपने पूर्ण कमाल से हुई और उसके सौन्दर्य से अन्धकार छंट गया तो मैंने अपने रब्ब की उस वह्यी को सम्बोधित करते हुऐ उसे اَهْلاً وَسَهْلاً (सुस्वागतम) कहा और उसे कहा तेरी घाटी विशाल हो और तेरी सभा को सम्मान प्राप्त हो और तू ही है जो अंधों को आँखें और बहरों को उचित वाणी प्रदान करती है और मुर्दों को ज़िन्दा करती और खुले निशान

ربی أهلا وسهلا، رحُب وادیك، وعزَّ ناديك. أنت الذی یهَب للعُمی العیون، وللصمّ الكلام الموزون، ویحیی الاموات، ویری الآیات. مالك وللطبابة، وإن هی إلا كالذبابة. أنت الذی یصبی القلوب، ویزیل الكروب، وینزل السكینة، ویشابه السفینة۔ طوبی لاوراق هی مرآتك، وواهًا لاقلام هی أدواتك. وصحفُك نشَرتْ لنا أوراقها عند كل ضرورة بألطف صورة، كأنها ثمرات أو عذاری متبرجات۔ فالحاصل أنی وجدتُ كل ما وجدتُ من وحی الرحمٰن.. ونسَأْتُ نِضْوی المجهودَ بسَوطِه إلی أهل العدوان. وإن حیل الإنسان لا تبارز وحی الرحمن، إلا ویغلب الوحی ویهدّها من البنیان. ألم تر كیف فعل ربنا بالمخاصمین؟

दिखाती है। तू कहाँ और चिकित्सा कहाँ? वह तो केवल मक्खी के समान है। तू ही है जो दिलों को मुग्ध करती, बेचैनियों को दूर करती और सुकून देती है। और जो कश्ती (नूह) के समान है। सौभाग्यशाली हैं वे पृष्ठ जो तेरा दर्पण हैं और क्या कहना उन क़लमों का जो तेरे लिखने का माध्यम बनीं और तेरी पुस्तकों ने अपने पृष्ठों को प्रत्येक आवश्यकता के समय अत्यंत सुन्दरता पूर्वक हमारे समक्ष फैला कर प्रस्तुत किया मानो वे (पृष्ठ) फल हैं या बनी संवरी कुंवारियां हैं। सारांश यह कि मैंने जो कुछ भी पाया वह रहमान ख़ुदा की वह्यी से पाया। मैं अपने थके हुए कमज़ोर ऊँट को कोड़े लगाते हुए शत्रुओं की ओर ले गया। निस्सन्देह मनुष्य की योजनाएं रहमान ख़ुदा की वह्यी का मुक़ाबला नहीं कर सकतीं और यदि मुक़ाबला हो तो वह्यी विजयी होगी और उसको जड़ से उखाड़ देगी। क्या तूने नहीं देखा कि हमारे रब्ब ने झगड़ा करने वालों से क्या किया। क्या उसने उनके टीका लगवाने को उनके लिए तिरस्कार का कारण नहीं बनाया? और हमें स्पष्ट विजय प्रदान करके हमारा सम्मान किया। तुमने सुन लिया है कि लोगों ने किस प्रकार टीका के कारण आराम की बजाए दु:ख, स्वास्थ्य की बजाए

ألم يجعل تطعيمَهم مُليمَهم وأكرمَنا بالفتح المبين؟ وسمعتم كيف اعتاض الناس منه بالراحة النصب، وبالصحة الوصب، و بالحياة الحِمامَ، وبالنور الظلام؟ ما زال التطعيم يطرَح بهم كلَّ مطرَح، وينقُلهم إلى مصرَع من مسرَح، حتى زهقت نفوسهم وهُم كالمبهوت، وأُخرجوا من البيوت، وبقى المدبرون فى أعين الناس كالممقوت. والتطعيم جعَل كلهم فى ساعة أمواتا، فصدروا أشتاتا، والذين لم يموتوا فابتُلوا ببعض عوارضَ، و كانوا كبهائمَ فما تَرَكَ الطاعونُ البِكْرَ فيهم ولا الفارضَ. والذين اجتنبوا فهُم طلعوا من مجالس التطعيم طلوعَ شارد، ونفروا نِفارَ آبِدٍ، ما نعلم ما صنع الله بهم. فهذه فوائد التطعيم،

बीमारी, जीवन की बजाए मौत, और नूर की बजाए अंधकार पाया। और टीका उन्हें निरंतर कठिनाइयों में डालता रहा और आनंद की अवस्था से वधभूमि तक स्थानांतरित करता रहा, यहाँ तक कि उनके प्राण निकल गए और वे स्तब्ध रह गए। वे घरों से निकाल दिए गए और उपाय करने वाले चिकित्सक लोगों की निगाहों में प्रकोपित हो गए। टीका ने उन सब को पल भर में मुर्दे बना दिया और वे जगह-जगह बिखर कर रह गए और जो न मरे वे कुछ रोगों में ग्रस्त हो गए। वे चौपायों जैसे थे और ताऊन ने किसी वृद्ध और जवान को न छोड़ा। फिर जिन लोगों ने इस से बचना चाहा वे टीका लगवाने के सेंटरों से निकले और बिदके हुए पशु की तरह भागे। हमें नहीं मालूम अल्लाह ने उनके साथ क्या किया। तो ये हैं टीका लगवाने के लाभ और यह है उसका बड़ा फ़ायदा। इसलिए तुम दयालु रब्ब के वादे का इन्कार न करो। क्योंकि यह दयालु रब्ब की ओर से दया और सलामती का सन्देश है। और रही टीका लगवाने की बात तो इस से कितने ही घर वीरान हो गए और कितनी ही आँखें थीं जो आंसुओं से भर गईं। इस बस्ती (मिल्कोवाल) पर क्या गुज़री जिन के अनाथ अपने बापों को याद करके रो रहे हैं वे उस दवा

وهـذا نفعـه العظيـم! فـلا تنكـروا وعـد رب كـريـم، وإنـه رحمـة وسـلام قـولا مـن رب رحيـم. وأمـا التطعيـم فكـم مـن بيـوت بـه خلَتْ، وكـم مـن عيـون اغـرورقت. مـا بـالُ قـريـة يبـكـون يتاماهـا بذكـر الآبـاء؟ ومـا ماتـوا إلا بسـمّ هـذا الدواء، والذيـن شـنَّ الغـارةَ عليـهـم الفَنـاءُ، كان أكثرهـم مـن السـنّ فى فَتـاء. فويـل لقريـة حُـمَّ فيهـا مـا توقعتـه، وظهـر مـا أشـعتُه، وكان أسـرعَ مـن ارتـداد الطَّـرْف، حـتى تغـيرت أعينـهم وضـرَى عليـهم المـوت كالـطِّـرْف، وعَـنَّ لعَمَـلةِ التطعيـم كـربٌ، ومـا كـان إلا بـالله حـرب. ولمـا أجالـوا فيـهم الطـرف وجدوهـم عـرضـة للتهلكـة، ورأوا المـوت يسـعى عـلى وجوهـهم ويـنـادى للـرحـلة، ورأوا القـوم يلحظونـهم شـزرا،

के ज़हर से ही मरे थे। और जिन लोगों पर मौत ने लूट-मार की उनमें से अधिकतर जवान थे। फिर उस बस्ती की तबाही हो जिसमें वही कुछ घटित हुआ जिसकी मैंने आशा की थी और वही प्रकट हुआ जिसे मैंने प्रकाशित कर दिया था। और यह घटना पलक झपकने से भी पहले हुई यहां तक कि उनकी आंखें पथरा गईं और मौत तेज़ रफ़्तार घोड़े की तरह उन पर चढ़ दौड़ी और टीका लगाने वाला स्टाफ़ बेचैन हो गया। यह कार्य अल्लाह तआला के साथ एक युद्ध था। और जब उन्होंने टीका लगवाने वालों पर अपनी नज़र दौड़ाई तो उन्हें तबाही के घेरे में पाया और उन्होंने देखा कि मौत उनके चेहरों पर नाच रही है और (दुनिया से) कूच की आवाज़ दे रही है और यह देखा कि क़ौम उन्हें टेढ़ी नज़रों से देख रही है और खुल कर उन पर दोषारोपण और डांट-डपट कर रही है, तो वे उस समय ज़मीन और उसके मैदानों से बाहर निकले कि जब अभी परिन्दे अपने घोंसलों में ही मौजूद थे। फिर रूहें निकल गईं और सख़्त मातम मच गया। यह है हाल मानवीय अनुभवों का। फिर भी वे रहमान ख़ुदा की वह्यी का इन्कार कर रहे हैं। रसूलों के इन्कार और समर्थन प्राप्त बुज़ुर्गों के बारे में कुधारणा से बढ़कर और बड़ा कौन सा दुर्भाग्य हो

ويُوسِعونهم زرايةً وزجرا، فخرجوا من الارض وعرصاتها، والطير في وُكناتها، ثم طارت الارواح، واشتد النياح فهذا حال تجارب الإنسان، ثم ينكرون وحي الرحمٰن! وأي شقاوة أكبر وأعظم من إنكار المرسلين، وسوء الظن بالمؤيَّدين؟ يقولون أنت كاذب! فما لهم إنهم ينبّهونني عني، ويظنون أنهم أعثَرُ على نفسي مني؟ أم كبُر عليهم قولي- إني أنا المسيح؟ وما هو إلا حسدُ معاصَرةٍ وإنكار من الحق الصريح، فليتّقوا ربهم ولا يتكلموا كشَكِسٍ وقيحٍ. فإنْ أكُ كاذبا فسأُدْرَأُ كالغثاء، وإن أك صادقا فمن ذا الذي يطفيء نوري بحيل الإطفاء؟ ووالله إني أنا المسيح الموعود، ومعي ربي الودود. ووَ الله إنه لا يضيعني

सकता है। वे कहते हैं कि तू झूठा है। उन्हें क्या हो गया है कि वे मुझे ही मेरे बारे में अवगत करा रहे हैं और यह ख़याल करते हैं कि वे मेरे बारे में मुझ से अधिक ख़बर रखते हैं। या मेरा यह कथन कि **मैं ही मसीह हूँ** उन पर भारी (असह्य) गुज़रता है यह तो केवल समकालीन ईर्ष्या और खुली-खुली सच्चाई का इन्कार है। अत: उन्हें चाहिए कि वे अपने रब्ब से डरें और दुराचारी तथा निर्लज्ज व्यक्ति जैसी बातें न करें। क्योंकि यदि मैं झूठा हुआ तो कूड़े-कर्कट की तरह फेंक दिया जाऊंगा और यदि मैं सच्चा हुआ तो फिर कौन है जो बुझाने वाले के षड्यंत्र से मेरे प्रकाश को बुझा सके। ख़ुदा की क़सम मैं ही मसीह मौऊद हूँ और प्यार करने वाला मेरा रब्ब मेरे साथ है और अल्लाह की क़सम वह मुझे कदापि नष्ट नहीं करेगा चाहे पहाड़ मेरी दुश्मनी करें। और ख़ुदा की क़सम वह मुझे नहीं छोड़ेगा चाहे मेरे दोस्त और परिवार वाले मुझे छोड़ जाएं। और ख़ुदा की क़सम वह मेरी रक्षा करेगा चाहे दुश्मन काटने वाली तलवार से मुझ पर चढ़ाई करें। और ख़ुदा की क़सम वह मेरे पास आएगा चाहे मुझे जंगलों में फेंक दिया जाए। अत: चाहिए कि वे प्रत्येक यत्न करके देखें और मुझे मुहलत न दें फिर भी वे

ولو عادانی الجبال، ووالله إنه لا یترکنی ولو ترکنی الاحبّاء والعیال۔ ووالله إنه یعصمنی ولو أتی العِدا بالمرهَفات، ووالله إنه یأتینی ولو أُلقَی فی الفلوات، فَلْیکیدوا کل کید ولا یُمهِلونِ، فسیعلمون أی منقلب ینقلبون. أیخوّفوننی بحیل الارض ولا یخافون الذی إلیه یرجعون؟ أفکلما جاء هم من الآیات فقطعوا علیها بدسٍّ منهم وإلغاءٍ الامر بالشبهات. وما أنکرَ أکثرُ الناس إلا من دواعی الشطارة، لا من مقتضی الطهارة. وسیریهم الله آیة فلا ینکرونها، وینزل نازلة فلا تردّونها۔ و إن للناس من الله تعالٰی علٰی رأس کل مائةٍ نظرةً، فیرسل عبدًا من لدنه لإصلاحهم رحمة، فکیف ینسی الله زمانا نزَفتْ فیه

अवश्य जान लेंगे कि उन्हें किस स्थान की ओर लौट कर जाना है। क्या वे मुझे ज़मीनी यत्नों से भयभीत करते हैं और उस हस्ती से नहीं डरते जिस की ओर वे लौट कर जाएंगे। क्या ऐसा नहीं कि जब भी उन के पास निशान आए तो उन्होंने अपनी ओर से षड्यन्त्र करके और सन्देहों के द्वारा बात को झूठा करके समाप्त कर दिया। अधिकतर लोगों ने केवल शातिराना प्रेरकों के आधार पर इन्कार किया न कि पवित्रता के लिए। और अल्लाह उनको शीघ्र ही एक निशान दिखाएगा जिसका वे इन्कार नहीं कर सकेंगे और एक ऐसा संकट उतारेगा जिसे वे दूर नहीं कर सकेंगे। हर सदी के आरम्भ में अल्लाह तआला की ओर से लोगों के लिए कृपा-दृष्टि होती है और वह अपने पास से दया करते हुए उनके सुधार के लिए किसी बन्दे को भेजता है। फिर यह कैसे संभव है कि अल्लाह तआला इस युग को भूल जाए जिस में हिदायत के स्रोत ख़ुश्क और गुमराही के सैलाब जारी हैं। और तुम्हारे पास एक लाभ प्राप्त करने वाले अभिलाषी के लिए निर्जीव सी हदीस के अतिरिक्त रखा ही क्या है। तो यही वह ग़म है जिसने मेरी नींद उड़ा दी और मेरी हड्डियों को घुला दिया और मुझे छुरियों से ज़ख़्मी कर दिया है। तो अल्लाह तआला ने

عيون الهداية، وسالت سيول الغواية؟ وما عندكم لطالبٍ إذا استفاد، سوى الحديث الذى شابهَ الجماد. فذالك هو الهم الذى نفى عنى الكَرى، وأذاب عظامى وجرّحنى بالمُدى. فأراد الله أن يُحكِم ما شادَه، ويُظهِر الدين وصدقه وسداده. وما كان عادته أن يتعلل بعُللةٍ، ويقنَع ببُلالة، وما هو عندكم فهو أقلّ من بلّةٍ، وغيرُ كاف لنَقْعِ غُلّةٍ. فأرسلنى ربى لاهديكم إلى الماء المعين الغزير۔

فما لكم لا تعرفون القبيل من الدبير؟ ألا ترون الإسلام كيف غار ماؤه وغاب ضياؤه، ونزَفتْ حياضه قبل أن تُنوّر رياضه، وأُحرِقَ بساطه ومُزِّقَ أنماطه؟ فلا قوة إلا بالله! ونشكو إليه، وننتظر نصره نَصْرَ المبغيِّ عليه۔ترون هذا الزمان ثم

इरादा किया कि वह उसे सुदृढ़ करे जिस को उसने बनाया तथा धर्म और उसकी सच्चाई और उस की ईमानदारी को विजयी करे। और यह ख़ुदा की सुन्नत नहीं कि वह थोड़ी सी चीज़ पर संतुष्ट और थोड़े से पानी पर सन्तोष करे हाँ तथापि जो तुम्हारे पास है वह पानी की नमी से भी कम है और प्यास बुझाने के लिए अपर्याप्त। तो मेरे रब्ब ने मुझे भेजा ताकि मैं तुम्हारा अधिक मात्रा में बहते पानी की ओर मार्ग-दर्शन करूँ।

तुम्हें क्या हो गया है कि तुम दोस्त और दुश्मन में अन्तर नहीं कर सकते। क्या तुम नहीं देखते कि इस्लाम का पानी ज़मीन में ग़ायब हो गया और उसका प्रकाश जाता रहा और उसके बाग़ के फ़लने-फूलने से पूर्व ही उसके हौज़ सूख गए हैं, उसको शक्तिहीन कर दिया गया और उसकी एकता को बिखेर दिया गया है। फिर शक्ति अल्लाह से ही मिलती है और हम उसी के पास फ़रियाद करते और उसकी उस सहायता के प्रतीक्षक हैं जो वह पीड़ितों की किया करता है। हे जवानो! तुम इस युग को देखते हुए भी नहीं देखते। यह रहमान ख़ुदा के धर्म पर संकटों में से एक संकट है। न मालूम ये लोग क्यों मुझ से एक ऐसे व्यक्ति के समान व्यवहार करते हैं

لا تـرون يـا فتيـان، فهـذا إحـدى المصائـب عـلى ديـن الرحمٰـن۔ ولا أدرى لِـمَ أقبَـلَ النـاسُ عـلىّ إقبـالَ مَـن لبِـس الصفاقـة، وخلَـع الصداقـة؟ أجئتُـهم فى غـير الاوان، أو عرَضـتُ عليـهم مـا خالـف آىَ الفرقـان؟ أو قتلـتُ بعـض آبائـهم، فاغتاظـوا لسـفك دمائـهم؟ وقـد أراهـم الله لى الآيـاتِ، وشـهِد بالبينـات. فمِـن بعـض الآيـات بليّـة الطاعـون مـن رب العبـاد، وقـد أخـبرتُ بـه ولـم يكـن منـه أثـر فى هـذه البـلاد. ومِـن بعضهـا مـوت بعـض العلمـاء بهـذه البقعـة، كمـا كنـت أنبـأت بهـا قبـل تلـك الواقعـة، فصـال عليـهم الطاعـون كراكـبٍ تـامِّ الآلات، مغتـالٍ فى الفلـوات. فأخذهـم مـا يأخـذ الاعـزلَ مِـن شـاكى السـلاح، والجبـانَ مِـن كَمِـيٍّ طاعـنٍ بالرمـاح.

जिसने निर्लज्जता का लिबास पहन रखा हो और सच्चाई का लिबास उतार फेंका हो। क्या मैं उनके पास असमय आया हूँ या मैंने उनके सामने कोई ऐसी बात प्रस्तुत कर दी है जो पवित्र क़ुर्आन की आयतों के विरुद्ध है या मैंने उनके बाप दादों में से कुछ को क़त्ल कर दिया है और वे उन के ख़ून बहाए जाने के कारण क्रोध में आ गए हैं? अल्लाह ने उनको मेरे लिए निशान दिखाए और खुले-खुले तर्कों से गवाही दी। उन निशानों में से जो रब्बुल इबाद (बन्दों के रब्ब) की ओर से आए एक निशान ताऊन का संकट है। और मैंने उसके बारे में उस समय ख़बर दी थी जब कि इस देश में अभी उसका कोई नामो-निशान नहीं था। और उनमें से एक निशान इस क्षेत्र के कुछ उलमा की मौत है जैसा कि इस घटना के प्रकट होने से पूर्व मैंने ख़बर दे दी थी। अत: ताऊन ने उन पर जंगल में अचानक आक्रमण करने वाले, हथियारों से लैस घुड़सवार के समान आक्रमण किया और उन पर ऐसी हालत छा गई जैसे एक निहत्थे व्यक्ति का हथियारों से लैस आदमी के सामने या कायर की बहादुर निपुण भालेबाज़ के सामने होती है। और उन (निशानों) में से (एक) वह सहायता है जो हमारे रब्ब ने टीके

ومنها ما نصَرنا ربُّنا فی أمر التطعیم، وجعَل العافیةَ حظَّنا عند البلاء العظیم. و کان التطعیم فی أول الامر شیئا علیه یثنی، والشفاء به یرجی، ثم لما خالفتُه بوحی من الرحمٰن، ظهر ما ظهر من عیبه ولم یبق صورة الاطمئنان. و کنت أعلم أن الله سیُظهر لنا بآیة منه فیها نموذج العافیة، ولکنی ما کنت أعلم أنه یری هذه الآیة بهذه السرعة. فظهرت الآیة وجُعل التطعیم کسجلٍّ یُطوَی، وذِکرٍ یُنسَی. ثم بدا للحکومة أن یعیده بتبدیل یسیر وامتحان یوصل إلی الیقین، ولکن أکثر الناس لیسوا بمطمئنین، بما رأوا موتَ تسعة عشر وأناسا آخرین من المؤوفین. ولیس سبب الطاعون فأرٌ تخرُج من قعر الارض

के मामले में हमारी की। और बड़ी आपदा के समय कुशलता को हमारा मुक़द्दर बना दिया। प्रारंभ में टीका लगवाने को प्रशंसनीय समझा गया और उस से स्वस्थ होने की आशा रखी गई। फिर जब मैंने कृपालु ख़ुदा की वह्यी के आधार पर उसका विरोध किया तो जो उस के दोष प्रकट होने थे वे प्रकट हो गए और सन्तोष का कोई रूप शेष न रहा। और मैं जानता था कि अल्लाह अपने पास से हमारे लिए अवश्य कोई ऐसा निशान प्रकट करेगा जिसमें कुशलता का नमूना होगा। परन्तु मैं यह नहीं जानता था कि वह इस निशान को इतनी जल्दी दिखाएगा। फिर वह निशान प्रकट हो गया और टीके का मामला बही-खाते की तरह लपेट दिया गया और एक भूली बिसरी दास्तान बना दिया गया। फिर सरकार की यह राय हुई कि इसमें थोड़ा परिवर्तन और विश्वसनीय अनुभव करने के बाद उसे दोबारा आरंभ करे परन्तु अधिकांश लोग सन्तुष्ट नहीं हैं क्योंकि उन्होंने उन्नीस लोगों की मौत और इसके अतिरिक्त अन्य आपदा ग्रस्त लोगों का परिणाम देख लिया था। ताऊन का कारण ज़मीन के अन्दर से निकल कर सतह पर आने वाला चूहा नहीं अपितु उस का कारण शर्म और लज्जा को त्याग कर दुराचार और

إلى الفِناء، بل سببه سوءُ الاعمال وارتكاب الفسق والمعصية بترك الحياء. فظهر الطاعون وأردَى بنى آدم وبناتِه وردِفتْه الآيات، وذالك بأن علاج أمراض المعصية وأنواع الجرائم والجذبات، ليس سوى المعجزات والآيات. ولا يؤمن أحد بالله حقًّا إلا بعد هذه المشاهدات، ولا يمنع النفسَ من المعاصي كَفّارةٌ، بل نفوسُ عبيدِها بالسوء أمّارةٌ، وإنما يمنعها معرفةٌ تامّة مرعِدة، ورؤيةٌ منذرة مخوِّفة، ثم تأتى سلطنةُ المحبة وتضرب خيامَها على القلوب، وتطهّرها من بقايا الذنوب. ولكن أول ما يدخُل قرية النفسانية، ويُفسِد عماراتها ويجعل أعزّتها كالاذلّة، هو خوف شديد ورعب عظيم من الحضرة،

दुष्कर्म करना है। अत: ताऊन प्रकट हो गई और उसने स्त्री और पुरुषों को मार दिया और उसके पीछे-पीछे निशान आए। और ऐसा इसलिए हुआ कि गुनाह के रोग और भिन्न-भिन्न प्रकार के अपराध और तामसिक भावनाओं का इलाज चमत्कारों और निशानों के अतिरिक्त कुछ नहीं। और कोई व्यक्ति इन अवलोकनों के बाद ही अल्लाह पर सच्चा ईमान ला सकता है। कफ़्फ़ार: इन्सान को गुनाहों से नहीं बचा सकता, अपितु कफ़्फ़ारे के पुजारियों के नफ़्स बुराई का बहुत आदेश देने वाले हैं। वह पूर्ण मारिफ़त जो दिलों को हिला दे और ख़ुदा का ऐसा दर्शन जो भय और डर पैदा करे केवल वही गुनाहों से पवित्र रख सकता है। इसके बाद मुहब्बत की हुकूमत आती है और दिलों पर अपने तम्बू गाड़ देती है और शेष बचे गुनाहों से उन्हें पवित्र कर देती है। परन्तु जो चीज़ नफ़्सानियत की बस्ती में पहले दाख़िल होती और उसकी इमारतों को ध्वस्त करती और उसके प्रतिष्ठित निवासियों को अपमानित और बदनाम करती है वह ख़ुदा तआला का अत्यधिक भय और महान रोब है जो इन्सानी शक्तियों पर विजयी हो जाता है और उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर देता है और उनके तथा उनकी इच्छाओं के मध्य दूरी पैदा कर

يستولى على القوى البشرية، فيمزقها كل ممزق ويُبعِد بينها وبين أهوائها ويزكّى كل التزكية. وليس من الممكن أن يتطهر إنسان من غير رؤية الحيّ الغيور، ومِن غير اليقين الذى يقوّض خيام الزور. وليس رؤيتُه تعالى فى دار الحُجُب إلا بالآيات، وإن الآيات تُخرِج الإنسان من الظلمات، حتى يبقى الروح فقط وتعدم الاهواء، ويبلغ مقاما لا يبلغه الدهاء، ولا يدخل أحد ملكوتَ السماء إلا بعد هذه الرؤية وكشف الغطاء. فالحاصل أن النجاة من الذنوب لا يمكن إلا برؤية الله بأصفى التجليات، ولا يتحقق هذا المقام لاحد إلا برؤية الآيات. ومن لم ير الرحمٰنَ فى هذا المُراح فما رأى، والموتُ خير للفتى من عيشه عيش

देता है और पूर्ण शुद्धिकरण कर देता है। यह संभव ही नहीं कि कोई इन्सान हमेशा ज़िन्दा रहने वाले और स्वाभिमानी ख़ुदा के दर्शन तथा ऐसे विश्वास के बिना जो झूठ के तम्बुओं को उखाड़ फेंके, पवित्र हो सके। हिजाबों (पर्दों) की इस दुनिया में ख़ुदा के दर्शन केवल चमत्कारों से हो सकते हैं और नि:सन्देह चमत्कार ही हैं जो इन्सान को अंधकारों से निकालते हैं यहां तक कि केवल रूह शेष रह जाती है और इच्छाएं समाप्त हो जाती हैं तथा इन्सान ऐसे स्थान पर पहुंच जाता है जिस तक बुद्धि की पहुंच नहीं। और इस दर्शन तथा पर्दा हटने के बाद ही कोई व्यक्ति आकाशीय बादशाहत में प्रवेश कर सकता है। अत: सारांश यह है कि गुनाहों से मुक्ति केवल ख़ुदा के ऐसे दर्शन से संभव है जो अति निर्मल चमकारों के साथ हो। और यह मकाम किसी व्यक्ति के लिए चमत्कार देखे बिना निश्चित नहीं हो सकता। और जिसने इस संसार में कृपालु ख़ुदा का दर्शन न किया तो उसने क्या देखा? और एक जवान के लिए अंधे जीवन से मौत उत्तम है। और दुनिया तथा उसकी शोभा मात्र खेल-कूद है जिस से सौभाग्यशालियों को धोखा नहीं दिया जा सकता अपितु वे सौभाग्यशाली तो हर मौत को प्राथमिकता देते हैं

العمی۔ و إنما الدنیا و زینتها لهوٌ و لعبٌ لا تُغَرّ بها السعداءُ، بل هم یؤثرون کل موت لعلهم یرون ربهم۔ فأولئك هم الاحیاء۔ و إن الدنیا ملعونة فمن طلَبها فکیف یُرحَم؟

فأَلْجِمْ فرسَك قبل أن یُلجَم. ما لکم لا تتقون الذنوب التی هی أصل هذا الوباء؟ فلا أعلم ما أمّنکم من قدر السماء. و إنی جئت کالصبا بِرَیّا هذه البشارة، فمن تبعنی حقا و عمل صالحا فسیُحفَظ من هذه الخسارة. و لن تکفی أحدا أن یبایعنی فقط من دون الاعمال و صفاء التعلق بالله ذی الجلال، فغیّروا ما بأنفسکم لیغیّر ما قدّر لکم من نکال۔ أ۔ تکذّبون بغیر علم و لا تختمون علی شفاهکم؟ کبُرتْ کلمةً تخرُج من أفواهکم! و قال

ताकि शायद वे अपने रब्ब का दर्शन कर लें। अत: ज़िन्दा केवल यही लोग हैं और नि:सन्देह संसार शापित है इसलिए जिस ने इसको चाहा तो उस पर कैसे दया की जाएगी।

अत: अपने नफ़्स के घोड़े (अर्थात अपनी तामसिक इच्छाओं) को लगाम दे इससे पूर्व कि उसको लगाम डाली जाए। तुम्हें क्या हो गया है कि तुम उन गुनाहों से नहीं बचते जो इस वबा की जड़ हैं। मैं नहीं जानता कि तुम्हें किस चीज़ ने आकाशीय तक़्दीर से निर्भीक कर दिया है। मैं प्रात: की हवा के समान उस ख़ुशख़बरी की सुगंध लेकर आया हूँ। अत: जिसने मेरा सच्चा आज्ञापालन किया और शुभ कर्म किए तो वह उस तबाही से सुरक्षित रखा जाएगा। और जान लो कि कर्मों तथा प्रतापी ख़ुदा के साथ श्रद्धा और निष्ठा का संबंध पैदा किए बिना किसी का केवल मेरी बैअत कर लेना कदापि उसे लाभ नहीं देगा। अत: अपने अंदर परिवर्तन पैदा करो ताकि वह सीख देने वाला अज़ाब जो तुम्हारे लिए मुक़द्दर किया गया है टाल दिया जाए। क्या तुम किसी ज्ञान के बिना ही झुठलाते हो और अपनी ज़बान को नहीं रोकते हो। बहुत बड़ी बात है जो तुम्हारे मुंह से निकलती है और एक विरोधी ने कहा है कि मैंने ही इस

بعض العدا: إنى أعليتُ هذا الرجل، و إنى أفرطته ثم إنى سأحطُّه. فانظروا إلى هذا الكذب والاستكبار، و إن الله لا يرضى عن عبد إلا بالصدق والانكسار۔ ثم انظروا كيف كذّبه الله و أجاب قبل جوابى، و جمع بعد ذالك أفواجا على بابى، و ملأ بيوتى من أصحابى. و إن فى ذالك لآية للمستبصرين، و عبرة للمستعجلين۔

أم غضبوا علىّ بما قلتُ إن عيسى مات، و إنى أنا المسيح الموعود الذى يحيى الاموات؟ ولو فكروا فى القرآن لما غضبوا، ولو اتقوا لما تغيّظوا. و إن موت عيسى خير لهم لو كانوا يعلمون۔ و إن الله آتاهم مسيحا كما آتى اليهود مسيحا، ما لهم لا يفهمون؟ سلسلتانِ متماثلتان فما لهم لا يتدبرون؟

व्यक्ति को उठाया और आगे बढ़ाया है और मैं ही उसे गिराऊंगा। अत: इस झूठ और अहँकार को देखो और अल्लाह तआला बन्दे से केवल सच्चाई और विनम्रता से ही प्रसन्न होता है। फिर देखो कि अल्लाह ने उसे कैसे झूठा क़रार दिया और मेरे उत्तर देने से पहले ही उत्तर दे दिया और उसके बाद मेरे द्वार पर फ़ौजों को एकत्र कर दिया और मेरे घरों को मेरे सहाबा (साथियों) से भर दिया। निस्सन्देह इसमें विवेकवानों के लिए एक (बहुत बड़ा) निशान है और जल्दबाज़ों के लिए एक सीख।

क्या वे मुझ पर इसलिए क्रोधित हुए कि मैंने कह दिया है कि ईसा मृत्यु को प्राप्त हो गया है और निस्सन्देह मैं ही वह मसीह मौऊद हूँ जो मुर्दे ज़िन्दा करेगा और यदि उन्होंने क़ुर्आन पर विचार किया होता तो वे कभी क्रोधित न होते और यदि वे संयम धारण करते तो कभी न भड़कते। काश वे यह जानते कि ईसा का मरना ही उनके लिए बेहतर है। साथ ही यह कि अल्लाह ने उन्हें भी वैसा ही मसीह प्रदान किया है जैसा कि यहूदियों को दिया था। उन्हें क्या हो गया है कि वे समझते नहीं। दोनों सिलसिले परस्पर समानता रखते हैं। अत: उन्हें क्या हो गया है कि वे चिंतन नहीं करते। वे

يقولون سيكون فئة من هذه الامة يهودا وعلى خلقهم يُخلَقون، ولا يعتقدون بأن يكون المسيح الموعود منهم بل هذا الفخرَ إلى اليهود ينسِبون! أَأُعطُوا نصيبا من شر اليهود وما أُعطوا حظا من خيرهم؟ ساء ما رضوا به لانفسهم وساء ما يحكمون بل كما أن اليهود منا كذالك المسيح الموعود منا، وليست هذه الامة أشقى الامم ليصحّ ما يزعمون۔ يقولون هذه هى العقيدة التى ألفينا عليها آباء نا. ولو كان آباؤهم من الذين يخطئون. ما لهم يصرّون على ما فهموا ولا يتركون؟ أم لهم أَيمانٌ على الله أنه لا يفعل إلا الذى هم يقصدون؟ سبحانه وتعالى لا يُسأل عما يفعل وهم يُسألون۔ يسمّون المسيح حَكَمًا ثم

यह तो कहते हैं कि इस उम्मत का एक समूह यहूदी बन जाएगा और वह उन्हीं के स्वभाव पर होगा परतु यह आस्था नहीं रखते कि मसीह मौऊद भी इन्हीं में से होगा बल्कि वे इस गर्व को यहूदियों की ओर सम्बद्ध करते हैं। क्या उन्हें यहूद की बुराइयों से तो हिस्सा दिया गया परन्तु उनकी भलाई में से कोई हिस्सा नहीं दिया गया? बहुत बुरी चीज़ है जो उन्होंने अपने लिए पसंद की और बहुत ही बुरा है जो वे फैसला कर रहे हैं बल्कि जिस प्रकार हम में से यहूदी हैं उसी प्रकार मसीह मौऊद भी हम में से है और यह उम्मत अत्यंत दुर्भाग्यशाली उम्मत नहीं है जो उनका अनुमान सही हो। वे कहते हैं कि यह वह अक़ीदा है कि जिस पर हमने अपने बाप-दादों को पाया। चाहे उनके बाप-दादा ग़लती पर ही हों। उन्हें क्या हो गया है कि वे अपनी समझ पर हठ कर रहे हैं और उसे छोड़ नहीं रहे? क्या उन्होंने अल्लाह से सौगंध ले रखी हैं कि वह केवल वही करेगा जो उनकी इच्छा है? अल्लाह पवित्र और महान है जो वह करता है उसके बारे में उससे पूछा नहीं जाता जबकि उन (लोगों) से पूछा जाएगा। वे मसीह मौऊद का नाम तो 'हकम' (निर्णय करने वाला) रखते हैं परन्तु स्वयं को हकम बना

أنفسهم يحكُمون۔ أم رأوا فى القرآن ما يزعمون؟ فليُخرِجوه لنا إن كانوا يصدقون. يا أسفا عليهم! إن يتبعون إلا الظن و ليس الظن شيئا إذا خالفه المرسلون۔ بل يحكُمون أنفسهم فى الله و رسله و يجترء ون، و يصرّون على ما ليس لهم به علم ولا يخافون. و من العجب أنهم ينتظرون الحَكَمَ ثم يقولون إنهم من الزلل لمحفوظون! ولا يريدون أن يتركوا قولا من أقوالهم۔ فما يفعل الحَكَمُ إذا جاء هم، فإنهم بزعمهم فى كل أمر مصيبون۔ و إن ظهور المسيح من هذه الإمة، ليس أمر يعسِر فهمُه على ذوى الفطنة، بل تظهر دلائله عند التأمل فى المقابلة، أعنى عند موازنة السلسلة المحمدية بالسلسلة

लेते हैं। क्या वे अपने मनगढ़त अक़ीदा को क़ुर्आन में पाते हैं? यदि वे सच्चे हैं तो हमारे समक्ष प्रस्तुत करें। उन पर खेद है कि वे केवल अनुमान का अनुसरण करते हैं और ऐसे अनुमान की कोई हैसियत नहीं जो रसूलों के कथन के विरुद्ध हो बल्कि वे अल्लाह और उसके रसूलों के बारे में स्वयं को हकम बनाते हैं और बेबाकी दिखा रहे हैं और जिसका उन्हें ज्ञान नहीं उस पर हठ कर रहे हैं और डरते नहीं। आश्चर्य की बात है कि वे हकम की प्रतीक्षा करते हैं परन्तु फिर भी कहते हैं कि वे ग़लतियों से सुरक्षित हैं वे अपनी किसी बात को छोड़ना नहीं चाहते। अत: हकम जब उनके पास आएगा तो क्या करेगा, क्योंकि उनके कथन के अनुसार वे हर मामले में सही राय पर हैं। इस उम्मत में से मसीह का प्रकटन ऐसा मामला नहीं जिसका समझना बुद्धिमानों के लिए कठिन हो बल्कि (उस) मुक़ाबले अर्थात मुहम्मदी सिलसिला और इस्राईली सिलसिला की तुलना पर विचार करने के समय इस दावे की दलीलें प्रकट हो जाती हैं और निस्सन्देह हमारे आक़ा, सरदार दो जहां, इस्लाम के संस्थापक (हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) मूसा के समरूप हैं। अत: इस मुक़ाबले की यह मांग है

الإسرائيلية ولا شك أن سيدنا سيد الانام وصَدْر الإسلام، كان مثيلَ موسٰى، فاقتضت رعايةُ المقابلةِ أن يُبعَث فی آخر زمن الامّة مثيلُ عيسٰى۔ وإليه أشار ربنا فی الصحف المطهرة، فإن شئتم ففكروا فی سورة النور والتحريم والفاتحة۔ هذا ما كتب ربنا الذی لا يبلغ عِلْمَه العالمون، فبأی حديث بعده تؤمنون؟ وإنه جعلنی مسيحه وأيدنی بآيات كبرىٰ، و ّعُطِّلت العِشارُ وترون القِلاصَ لا يُركَب عليها ولا يُسعى. ورأيتم يا معشر الهند والعرب، كسوفَ القمرَينِ فی رمضان، فبأی آيات ربكما تكذّبان؟ أم تأمركم أحلامكم أن تحسبوا الظنون كأمر منكشف مبين؟ ولقد كان لكم عبرة فی الذين آثروا الظنون من

कि उम्मत के अंतिम ज़माने में ईसा का समरूप अवतरित किया जाए और इसी की ओर हमारे रब ने पवित्र पुस्तकों में संकेत किया है अगर चाहो तो सूरह नूर, सूरह तहरीम और सूरह फ़ातिहा पर विचार कर लो। यह है वह जिसे हमारे रब ने लिखा, जिसके ज्ञान तक ज्ञानियों की पहुंच नहीं। अत: इसके बाद और किस कलाम पर ईमान लाओगे? निस्सन्देह ख़ुदा ने मुझे अपना मसीह बनाया है और बड़े-बड़े निशानों से मेरी सहायता की है। दस महीने की गर्भवती ऊंटनियां बेकार हो चुकीं और तुम देख रहे हो कि न तो ऊंटनियों पर सवारी की जाती है और न उन्हें दौड़ाया जाता है। हे हिंदुस्तान और अरब के रहने वालो! तुम रमज़ान के महीने में सूरज और चंद्र ग्रहण देख चुके हो, तो फिर तुम अपने रब के किन-किन निशानों को झुठलाओगे? क्या तुम्हारी बुद्धि तुम्हें यह आदेश देती हैं कि तुम अपने विचारों को दो टूक स्पष्ट आदेश के समान समझो जबकि तुम्हारे लिए उन लोगों में निश्चित रूप से एक सीख है जिन्होंने इससे पूर्व अपने भ्रमों को विश्वास पर प्राथमिकता दी और रसूलों पर ईमान न लाए। अत: उनका इन्कार उनके लिए हसरतें बन गया और जब रसूलों की सहायता की गई तो उन्होंने चाहा कि काश वे

قبل على اليقين، وما آمنوا بالمرسلين. فكان إنكارهم حسرات عليهم، وإذا أُيِّدَ الرسلُ فودُّوا لو كانوا مؤمنين. ولقد ضرب الله لكم أمثالهم فى القرآن فاقرء وها كالمتدبرين. فويل للذين يقرء ونها ثم لا يفهمون، ويمرّون بها غافلين. عسٰى ربّكم أن يريكم ما لا ترونه، ويُردِف رأيَكم صونَه، فتكونوا من المبصرين. فلا تيأسوا من رَوح الله ولا تستعجلوا، واصبروا وهو خير لكم إن كنتم متقين. وإن صبرتم فتبصرون ويبلغ فكركم محلَّه، وتُكرَمون بعد المذلة، فتكونون من العارفين.

و كنتم تقولون لو نزل المسيح فى زمننا لكنّا ناصرين. فهذا نصرُكم. أنكم تكفرون وتكذبون من غير علم ولا برهان

मोमिन होते। अल्लाह ने तुम्हारे लिए उनके उदाहरण क़ुर्आन में वर्णन किए हैं। अत: तुम उनको विचार करने वालों के समान पढ़ो। तबाही है उन लोगों के लिए जो उन्हें पढ़ते तो हैं परन्तु समझते नहीं और उनसे यूं ही गुज़र जाते हैं। दूर नहीं कि तुम्हारा रब तुम्हें वह सच्चाई दिखा दे जो तुमने नहीं पाई फिर तुम्हारी इस राय को अपनी सुरक्षा प्रदान करे ताकि तुम विवेकी बन जाओ। अल्लाह की रहमत से नाउम्मीद मत हो और न ही जल्दबाज़ी करो। हां धैर्य रखो और यही तुम्हारे लिए उचित है अगर तुम संयमी हो, और अगर तुम धैर्य रखोगे तो तुम विवेकी बन जाओगे और तुम्हारी सोच अपनी सही जगह पर पहुंच जाएगी और अपमान के बाद तुम्हें सम्मान दिया जाएगा और तुम विवेकी लोगों में से हो जाओगे।

तुम कहते थे कि अगर मसीह हमारे ज़माने में आएगा तो हम अवश्य सहायक बन जाएंगे। अत: यह तुम्हारी सहायता है कि किसी ज्ञान और स्पष्ट तर्क के बिना ही तुम मेरा इन्कार कर रहे हो और काफिर ठहरा रहे हो। तुम अल्लाह के निशानों को देखते हो फिर अहंकार से उन्हें यूं झुठला देते हो मानो तुमने उन्हें देखा ही नहीं और तुम हंसी-ठठ्ठा के बिना बात

مبين۔ترون آياتِ الله ثم تكذبون مستكبرين، كأن لم تروها، ولا تكلّمون إلا مستهزئين. وتشتُمون وتسبّون، ولا تخافون يوم الدين. وإن تتّبعون إلا الظن، وما أحطتم بما قال الله وما وافيتمونى طالبين. أتريدون أن تطفئوا نور الله؟ والله متم نوره ولو كنتم كارهين۔ولقد سبقتْ كلمتُه لعباده المرسلين، إنهم من المنصورين۔ ويل لكم ولاحلامكم! لا تعرفون الوجوه، ولا ترون رحمة تتابَعَ نزولها، ولا تسألون ربكم مبتهلين۔ ليُريكم الحق وينجيكم من ضلال مبين۔أيها الناس لا تتّكئوا على أخباركم، وكم من أخبار أهلكت المتّبعين۔ وإن الخير كله فى القرآن، ومعه حديث طابَقَه فى البيان، والذين يبتغون ما وراء

नहीं करते और अत्याचार करते हो और प्रतिफल दिवस से नहीं डरते। तुम केवल अनुमान के पीछे चलते हो। तुमने अल्लाह के फ़रमान को समझा नहीं और न ही तुम मेरे पास सत्य के जिज्ञासु बनकर आए हो। क्या तुम अल्लाह के नूर (प्रकाश) को बुझाना चाहते हो जबकि अल्लाह अपने नूर को पूरा करने वाला है चाहे तुम नापसंद ही करो। उसका यह फ़रमान उसके रसूलों के बारे में लिखा जा चुका है कि निस्सन्देह वे सहायता प्राप्त लोगों में से हैं। बुरा हो तुम्हारा और तुम्हारी बुद्धियों का कि तुम न तो सच्चों के चेहरे पहचानते हो और न उस रहमत को देखते हो जो निरन्तर उतर रही है और न ही तुम रोते हुए अपने रब से दुआएं मांगते हो ताकि वह तुम्हें सच दिखाए और गुमराही से तुम्हें मुक्ति दे। हे लोगो! अपनी रिवायतों पर भरोसा न करो, कितनी ही ऐसी रिवायतें हैं जिन्होंने अपने अनुयायियों को तबाह कर दिया। निस्सन्देह सम्पूर्ण भलाई क़ुर्आन में है साथ ही उस हदीस में भी जो क़ुर्आनी वर्णन से समानता रखती हो। और जो उसके अलावा कोई और मार्ग अपनाते हैं तो वे सीमा से आगे बढ़ने वाले हैं। अगर यह कसौटी न होती तो उम्मत का एक पक्ष इन्कार करते हुए दूसरे पक्ष से परस्पर झगड़ने

ہ فأولئك من العادين. ولولا هذا المعيار لماجَ بعض الامّة فی بعضها بالإنكار، وفسدت الملة فی الديار، واشتبه أمر الدين علی المسترشدين. أيها العباد اتقوا يومًا لا ينفع فيه إلا الصلاح، ومن تركه فلن يلقی الفلاح. اتقوا يوما يجمع الكفّار والفجّار، ويقول الفاسقون وهم فی النار: ما لنا لا نری رجالًا كنا نعدّهم من الاشرار؟ فينادی منادٍ من السماء: إنهم فی الجنة وأنتم فی اللظی. وتحضر كل نفس حضرةَ الله ذی الجلال، ويجاء بكل نبی وأعدائهم، وتعرف كل أمة إمامها، ويظهر ما له من قرب وكمال، فيقال: أهذا ملعون أم هذا دجال؟ يوم يكشِف الله عن ساقه ويُری كلَّ مجرم عقابا، ويقول الكافر يا ليتنی كنت

लगता और समस्त देशों में उम्मत बिगड़ जाती और सन्मार्ग के अभिलाषियों पर धर्म का विषय संदेहास्पद हो जाता। हे लोगो! उस दिन से डरो जिस दिन केवल नेकी ही लाभ देगी। और जिसने उसको छोड़ा वह कभी भी सफल नहीं होगा। डरो उस दिन से जब इन्कार करने वालों और दुराचारियों को इकठ्ठा किया जाएगा और आग में पड़े हुए दुराचारी कहेंगे कि हमें क्या हो गया है कि जिन लोगों को हम दुष्ट समझते थे वे हमें यहाँ दिखाई नहीं दे रहे। इस पर आसमान से एक ऐलान करने वाला यह ऐलान करेगा कि वे जन्नत में हैं और तुम भड़कती हुई आग में। और प्रत्येक व्यक्ति प्रतापी ख़ुदा के दरबार में प्रस्तुत किया जाएगा तथा समस्त नबियों और उनके विरोधियों को लाया जाएगा और हर उम्मत अपने पेशवा (मार्गदर्शक) को पहचान लेगी और उस पेशवा का जो भी मक़ाम व मर्तबा होगा प्रकट हो जाएगा। फिर यह पूछा जाएगा कि क्या यह लानती है? क्या यह दज्जाल है? उस दिन अल्लाह स्वयं को प्रकट कर देगा और प्रत्येक मुजरिम को उसका दण्ड दिखा देगा और काफिर कहेगा कि काश! मैं मिट्टी होता। हे मनुष्य! तू क्या और तेरे षड्यंत्र क्या? क्या तू अल्लाह की अवज्ञा करता है जबकि तेरा शिकार करने वाला

ترابا. أيها الإنسان ۔ ما أنت وما مكائدك؟ أتعصى الله وينقضّ على رأسك صائدك؟ اليوم كلّمنی ربی وخاطبنی بکلمات، فنکتبها فإن فيها آيات، فتلك هذه يا ذوى الحصاة: ''جاء نی آئلٌ واختارَ، وأدار إصبعه وأشارَ: يعصمك الله من العدا، ويسطو بکل من سطا''. ثم خاطبنی ربی وقال: ''إن آئل ★ هو جبرئيل، وهو ملَكٌ مبشّر من رب جليل''. إنی فرغت الآن من الجواب، وبقی ما آذيتَ من العتاب، فإنك ذكرتَنی بألفاظ التحقير، وما اتّقيتَ حسيبك عند الازدراء والتعيير. ياعافاك الله من أنت بهذا

तेरे सिर पर झपट रहा है। आज मेरे रब्ब ने मुझसे वार्तालाप किया और अपने शब्दों से मुझे संबोधित किया। अत: उन शब्दों को हम लिखते हैं क्योंकि उनमें बहुत से निशान हैं। अत: हे बुद्धिमानो! वे यह हैं- "मेरे पास आइल आया और उसने मुझे चुन लिया और उसने अपनी उंगली को घुमाया और संकेत किया कि ख़ुदा तुझे दुश्मनों से बचाएगा और उस व्यक्ति पर टूट कर पड़ेगा जो तुझ पर झपटा।" फिर मेरे रब्ब ने मुझे संबोधित करते हुए फ़रमाया कि "आइल★ जिब्राईल हैं और वह प्रतापी ख़ुदा की ओर से बशारत देने वाला

★ لفظ آئل مشتق من الايالة يقال اٰلَہٗ ای ساسه و اَصلحه و انه اسم جبرئيل فی کلام الله الجليل و ان تسمية جبرائيل بآئل تسمية مارئيناها فی کتاب قبل هذا الالهام ۔ فَلِلّٰہِ کلمات لاتحصر بالاقلام۔ و لعلّه اشارة الی منصب جبرائل۔ و هو الاصلاح و اعانة المظلومين بالسياسة و ذب العدا بالحجة و الدليل۔ منه

आइल का शब्द इयालही से निकला है। आलहू का अर्थ है कि उसने उसकी राहनुमाई या मार्गदर्शन किया और आइल ख़ुदा तआला के कलाम में जिब्राईल का नाम है। जिब्राईल को आइल के नाम से नामित करना हमने इस इल्हाम से पहले किसी पुस्तक में नहीं देखा। अत: अल्लाह के शब्द ऐसे भी हैं जिन्हें लेखन की परिधि में नहीं लाया जा सकता और संभवत: आइल के शब्द में जिब्राईल की गरिमा की ओर संकेत है और उसका अभिप्राय सियासत तथा शत्रुओं का हुज्जत और दलील के द्वारा प्रतिरक्षा करके सुधार तथा पीड़ितों की सहायता करना है।

الطبع المستشيط، وجَمَعَ السلاطةَ مع اللسان السليط؟ كنت لا تعرفني ولا أعرفك، ولا تعلمني ولا أعلمك، ثم آذيتَ وما صبرت، وتركتَ التقوى وما حذرت. أيها العزيز. اتّقِ الخبير الديّان، وقد رِدف كلَّ سوءٍ الحُسْبانُ. وقد نزل المسيح من السماء، والطاعون من الارض أتى، فإذا لم تتوبوا اليوم فمتى؟ فاعلموا أن هذا أوانُ رفضِ الكبر والخيلاء، لا وقتِ الرعونة والغفلة والاستهزاء. وإن الله غضب غضبا شديدا على الذين رضوا بعيشة الغفلة، وآثروا الدنيا وزينتها ولا يؤمنون إلّا بالألسنة، فأذكّركم بأيام الله.. فاتقوا الله يا ذوى الفطنة. وليس هذا الوقت وقت الغَزاةِ وتقلُّدِ الرماح والمرهفات، بل أمرني

फ़रिश्ता है।" अब मैं उत्तर से निवृत्त हुआ। यद्यपि बुरा-भला कह कर जो कष्ट तूने मुझे पहुंचाया है वह शेष रहा। तूने मुझे तिरस्कारपूर्ण शब्दों से याद किया और अपमान तथा आरोप लगाते हुए अपने हिसाब लेने वाले ख़ुदा का भय नहीं किया। हे व्यक्ति! अल्लाह तुझे बचाए, फ़साहत (सरसता) के साथ गाली देना और क्रोधित स्वभाव के मालिक तू है कौन? तू मुझे नहीं जानता और मैं तुझे नहीं जानता। और न तुझे मेरा ज्ञान है और न मुझे तेरा ज्ञान। इसके बावजूद तूने मुझे कष्ट दिया और धैर्य न रखा। तूने संयम के मार्ग को छोड़ा और ख़ुदा से न डरा। हे मेरे प्रिय! सर्वज्ञाता ख़ुदा से डर और वास्तविकता यह है कि हर गुनाह का दण्ड अनिवार्य है। मसीह आसमान से अवतरित हो चुका और ताऊन धरती से प्रकट हो गई। अत: यदि आज तुमने तौबा न की तो फिर कब? अत: जान लो कि यह अहंकार को छोड़ने का समय है न कि दिखावे, लापरवाही और हंसी ठट्ठे का समय। अल्लाह उन लोगों से अत्यंत क्रोधित होता है जो लापरवाही के जीवन को पसंद करते हैं तथा संसार और उसकी मोह-माया को प्राथमिकता देते हैं और केवल ज़बान से ईमान लाते हैं। अत: मैं तुम्हें अल्लाह की पकड़ के दिन याद दिलाता हूँ। हे बुद्धिमानो! अल्लाह से डरो और याद

ربّی یا معشر ھذہ الامۃ أن تتقلّدوا بسلاح التوبۃ والعفّۃ، فإنّ النُّصرۃ کلھا فی ھذہ العُدّۃ. وإن الارض ملعونۃ ممقوتۃ لکثرۃ الخطیّات، ولترکِ اللہ والتمایلِ علی الخزعبیلات. ولیس الوقت وقت السیوف والاسِنّۃِ، بل أوان تزکیۃ النفوس وثَنْیِ الاعِنّۃِ. فإن الفساد کما دخل قلوب أعداء ھذہ الملّۃ، کذالک دخل قلوب المسلمین من غیر التفرقۃ. فلن یغلِب الاشرارُ أشرارًا آخرین بغَزاۃ، بل بعفّۃ وتقاۃ، فلن ینصر اللّٰہ ملوک الإسلام مع وھنھم وغفلتھم فی الدین، بل یغضب غضبا شدیدًا ویؤثر الکافرین علی المسلمین. ذالک بأنھم نسوا حدود اللہ ولا یبالون أمر ربھم ولیسوا من المتقین. یؤمنون ببعض القرآن ویکفرون

रखो कि यह समय जंग और तलवार और तीर उठाने का नहीं है बल्कि मेरे रब्ब ने मुझे यह आदेश दिया है कि हे इस उम्मत के लोगो! तुम तौबा और पवित्रता के हथियार से लैस हो जाओ क्योंकि समस्त सहायता इसी तैयारी से जुड़ी हुई है और यह धरती गुनाहों की अधिकता, अल्लाह को छोड़ने और व्यर्थ बातों की ओर आकर्षित हो जाने के कारण लानती और ख़ुदा के क्रोध की पात्र है और यह समय तलवार और तीर का नहीं है बल्कि स्वयं को पवित्र करने और अपने ध्यानों को (अल्लाह की ओर) फेरने का समय है क्योंकि फसाद जिस प्रकार इस उम्मत के दुश्मनों के दिलों में प्रवेश कर गया है उसी प्रकार बिना मतभेद मुसलमानों के दिलों में भी प्रवेश कर चुका है। अत: यह उपद्रवी लोग दूसरे उपद्रवी लोगों पर सिवाए पवित्रता और संयम के, जिहाद के द्वारा कदापि प्रभुत्व न पा सकेंगे। अल्लाह मुसलमान बादशाहों की धार्मिक कमज़ोरी तथा सुस्ती की हालत में कदापि सहायता नहीं करेगा बल्कि उनसे अत्यंत क्रोधित होगा और काफिरों को मुसलमानों पर प्राथमिकता देगा। ऐसा इसलिए होगा कि उन्होंने अल्लाह के द्वारा निर्धारित सीमाओं को भुला दिया और वे अपने रब के आदेश की परवाह नहीं करते और न ही वे संयमी हैं। वे क़ुर्आन

ببعض، ولا يُشيعون الحق بل يَعيشون كالمنافقين۔ هذا بالُ أهل الزمان، ثم ينكرون ويكذبون بعبد بُعِث من الرحمٰن. أَعَجِبوا أن جاء هم منذر منهم فی وقت فقَد الناسُ فيه حقيقة الإيمان؟ أم يقولون افتراه وقد رأوا آياتی ثم ألقوها وراء حجب النسيان؟ أيها الناس! أرأيتم إن كنتُ من عند الله و كفرتم بی۔ فأیّ خُسرٍ أكبر من هذا الخسران؟ أتريدون أن أضرِب عنكم الذكرَ صفحًا بعد ما أُمرتُ للإنذار؟ وما كان لمرسَل أن يكلّمه الله ويأمره ثم يخفی أمر ربّه خوفًا من الاشرار۔ فاتقوا الله، ولا تقدّموا بين يديه ولا تصرّوا على الظن كل الاصرار۔

के एक हिस्से को मानते हैं और दूसरे का इन्कार करते हैं और सत्य का प्रचार-प्रसार नहीं करते बल्कि मुनाफिक (अर्थात दोगली प्रवृत्ति के) लोगों जैसा जीवन व्यतीत करते हैं। यह हाल है इस ज़माने के लोगों का। और अधिक यह कि रहमान ख़ुदा की ओर से अवतरित किए गए बंदे का वे इन्कार करते और उसको झुठलाते हैं। क्या वे आश्चर्य करते हैं कि उनके पास उन्हीं में से एक सचेत करने वाला ऐसे समय में आया है जब लोग ईमान की वास्तविकता को खो चुके हैं। क्या वे कहते हैं कि उसने झूठ गढ़ लिया है हालांकि उन्होंने मेरे निशान देखे फिर उन निशानों को उन्होंने भुला दिया। हे लोगो! बताओ तो सही अगर मैं अल्लाह तआला की ओर से हुआ और तुमने मेरा इन्कार कर दिया तो इस नुकसान से बढ़कर और कौन सा नुकसान होगा? क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें वह्यी (ईशवाणी) पहुंचाने से रुक जाऊं इसके बाद कि सचेत करने का आदेश दिया गया है? किसी रसूल के लिए यह वैध नहीं कि अल्लाह उससे कलाम करे और उसे कोई आदेश दे और फिर वह उपद्रवी लोगों के भय से अपने रब के आदेश को छुपाए। अत: अल्लाह से डरो और उसके सामने बढ़-बढ़ कर कदम न उठाओ और अनुमान पर बहुत अधिक हठ न करो।

ذكرُ نُبَذٍ من عقائدنا

إنّا مسلمون۔ نؤمن بكتاب الله الفرقان۔ ونؤمن بأن سيدنا محمدًا نبيُّه ورسوله، وأنه جاء بخير الاديان۔ ونؤمن بأنه خاتم الانبياء لا نبي بعده، إلّا الذى رُبِّيَ مِن فيضه وأظهرَه وعدُه۔ ولله مكالمات و مخاطبات مع أوليائه فى هذه الامة، وإنهم يُعطَون صبغةَ الانبياء وليسوا نبيّين فى الحقيقة، فإن القرآن أكملَ وَطَرَ الشريعة، ولا يُعطَون إلّا فَهْمَ القرآن، ولا يزيدون عليه ولا ينقصون منه، ومن زاد أو نقص فأولئك من الشياطين الفَجَرة۔ ونعنى بختم النبوة ختم كمالاتها

हमारी आस्था का संक्षिप्त वर्णन

हम मुसलमान हैं, अल्लाह की किताब पवित्र क़ुर्आन पर हमारा ईमान है और हम इस पर भी ईमान रखते हैं कि हमारे सय्यद व मौला मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उसके नबी और रसूल हैं। और आप समस्त धर्मों से बेहतर धर्म लेकर आए हैं। हमारा ईमान है कि आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ख़ातमुल अंबिया हैं। आपके बाद कोई नबी नहीं सिवाए उसके जो आपके ही फ़ैज़ से प्रशिक्षित हो और आपकी भविष्यवाणी के अनुसार प्रकट हुआ हो। और अल्लाह की वह्यी और इल्हाम अपने औलिया के साथ इस उम्मत में जारी हैं। ऐसे औलिया को नबियों का रंग दिया जाता है जबकि वे वास्तव में नबी नहीं हैं क्योंकि क़ुर्आन ने शरीयत की आवश्यकता को पूर्ण कर दिया है। उन्हें क़ुर्आन का ज्ञान ही दिया जाता है और वे इसमें कोई कमी-बेशी नहीं करते और जो इसमें कमी-बेशी करे तो वह दुराचारी शैतानों में से है। ख़त्मे नबुव्वत से हमारा अभिप्राय हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर,

عـلى نبينـا الذى هـو أفضـل رسـل الله و أنبيائـه، و نعتقـد بأنـه لا نـبى بعـده إلا الذى هـو مـن أمّتـه ومـن أكمَـلِ أتباعـه، الذى وجـد الفيـضَ كله مـن روحانيتـه وأضـاء بضيائـه. فهنـاك لا غـير ولا مقـام الغـيرة، وليسـت بنبـوة أخـرٰى ولا محـلَّ للحـيرة، بـل هـو أحمَـدُ تجـلّى فى سَـجَنْجَلٍ آخـرَ، ولا يغـار رجـل عـلى صورتـه الـتى أراه الله فى مِـرْآة وأظهَـرَ. فـإن الغـيرة لا تهيـج عـلى التلامـذة والابنـاء، فمـن كان مـن النـبى- وفى النـبى- فإنمـا هـو هـو، لإنـه فى أتـمّ مقـام الفنـاء، ومصبَّـغ بصبغتـه ومرتـدى بتلـك الـرداء ،وقـد وجَـد الوجـودَ منـه وبلَـغ منـه كمـالَ النشـو والنمـاء. وهـذا هـو الحـق الذى يشـهد عـلى بـركات نبينـا، ويـرى النـاسَ

जो अल्लाह के समस्त रसूलों और नबियों से श्रेष्ठ हैं, नबुव्वत के कमालात का समाप्त होना है। हमारी आस्था है कि आपके बाद कोई नबी नहीं सिवाए उसके जो आपकी उम्मत में से हो और आपके पूर्ण अनुयायियों में से हो, जिसने समस्त फ़ैज़ आपकी रूहानियत से प्राप्त किया हो और आप ही के नूर से प्रकाशमान हो। इस अवस्था में वह कोई ग़ैर न हुआ और न ही अपमान का कारण। और न तो यह कोई दूसरी नबुव्वत होगी और न ही आश्चर्य की बात बल्कि वह अहमद है जो एक दूसरे दर्पण में प्रकट हुआ। और कोई भी व्यक्ति अपनी उस आकृति पर अपमान महसूस नहीं करता जो अल्लाह ने उसे दर्पण में दिखाई और प्रकट की हो। और न ही शिष्यों और पुत्रों पर स्वाभिमान जोश में आता है। अत: वह व्यक्ति जो नबी करीम से हो और नबी में फना हो तो वह वही है क्योंकि वह फना की पराकाष्ठा के स्थान पर है और उसी के रंग में रंगीन और उसी की चादर को ओढ़े हुए है। उसने उसी से वजूद पाया और उसी के द्वारा उन्नति में चरम तक पहुंचा। और यह वही हक़ है जो हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की बरकतों पर गवाह है और लोगों को अत्यंत प्रेम और निष्ठापूर्वक आप में फ़ना होने वाले अनुयायियों

حُسْـنَه فی حُلـل التابعـین الفانـین فیـه بکمـال المحبـة والصفـاء ،ومـن الجهـل أن یقـوم أحـد للمِـراء ، بـل هـذا هـو ثبـوت مـن الله لنَفْـیِ کونِـه أبـتَرَ، ولا حاجـة إلی تفصیـل لمـن تدبَّـرَ. وإنـه مـا کان أبـا أحـد مـن الرجـال مـن حیـث الجسـمانیة، ولکنـه أب مـن حیـث فیـض الرسـالة لمـن کمّـل فی الروحانیـة. وإنـه خاتـم النبیـین وعَلَـمُ المقبولـین. ولا یدخُـل الحضـرةَ أبـدا إلا الذی معـه نقشُ خاتمـه، وآثـار سـنته، ولـن یُقبَـل عمـل ولا عبـادة إلا بعـد الإقـرار برسـالته، والثبـاتِ عـلی دینـه وملتـه. وقـد هلـك مـن ترکـه ومـا تبِعـه فی جمیـع سـننه، عـلی قـدر وُسْـعِه وطاقتـه. ولا شـریعةَ بعـده، ولا ناسـخَ لکتابـه ووصیتـه، ولا مبـدِّلَ لکلمتـه،

के लिबास में आपका हुस्न दिखाता है और किसी का इस मामले में झगड़ना अत्यंत मूर्खता होगी बल्कि यह अल्लाह तआला की ओर से आंहज़रत के अब्तर (जिसकी नर संतान न हो) न होने का बहुत बड़ा प्रमाण है। और विचार करने वाले व्यक्ति के लिए अधिक किसी विवरण की आवश्यकता नहीं और यह कि आहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम। शारीरिक रूप से मर्दों में से किसी के पिता नहीं थे परन्तु आप नबुव्वत का फैज़ रखने की हैसियत से हर उस व्यक्ति के पिता हैं जिसे आध्यात्मिकता में उन्नति प्राप्त हुई और यह कि आप ख़ातमुन्नबिय्यीन और सानिध्यप्राप्त लोगों के सरदार हैं। और कोई व्यक्ति ख़ुदा के दरबार में कभी प्रवेश नहीं कर सकता सिवाए उसके कि जिसके पास आपकी मुहर का निशान और आपकी (आदर्श) के लक्षण हों। और आपकी नबुव्वत के इक़रार करने और आपके धर्म तथा उम्मत का दृढ़तापूर्वक पालन करने के पश्चात ही कोई कर्म और उपासना स्वीकार हो सकती है और जिसने भी आपको छोड़ा और अपने साहस तथा सामर्थ्य अनुसार आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की समस्त सुन्नतों का अनुसरण न किया तो ऐसा व्यक्ति अवश्य नष्ट हो गया। आप के बाद और कोई शरीयत नहीं और न ही कोई

ولا قَطْـرَ كمُزْنتِـه. ومـن خـرج مثقـالَ ذرّة مـن القـرآن، فقـد خـرج مـن الإيمـان. ولـن يفلـح أحـد حـتى يتّبـع كلَّ مـا ثبـت مـن نبينـا المصطفٰـى، ومـن تـرَك مقـدار ذرة مـن وصايـاه فقـد هـوٰى. ومـن ادّعـى النبـوة مـن هـذه الامـة، ومـا اعتقـد بأنـه رُبّيَ مـن سـيدنا محمّـدٍ خـيرِ البريّـة، وبأنـه ليـس هـو شـيئا مـن دون هـذه الاسـوة، وأن القـرآن خاتـم الشـريعة، فقـد هلـك وألحَـقَ نفسـه بالكفَـرة الفجَـرة. ومـن ادعـى النبـوة ولـم يعتقـد بأنـه مـن ّ أمتـه، وبأنـه إنمـا وجَـد كلَّ مـا وجَـد مـن فيضانـه، وأنـه ثمـرة مـن بسـتانه، وقطـرة مـن تَهْتَانِـه، وشَعْشَـعٌ مـن لمعانـه، فهـو ملعـون ولعنـة الله عليـه وعـلى أنصـاره وأتباعـه وأعوانـه.

ऐसा व्यक्ति है जो आप[स.] की किताब और शरीयत को रद्द करने वाला और आपके कलिमा को परिवर्तित करने वाला हो और आपकी बारिश के समान कोई और बारिश नहीं और जो व्यक्ति क़ुर्आन से तनिक भर भी बाहर निकला तो वह ईमान से बाहर निकल गया। और कोई व्यक्ति उस समय तक कदापि सफल नहीं होगा जब तक वह हर उस चीज़ का अनुसरण नहीं करता जो हमारे नबी मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम से सिद्ध है और जिस व्यक्ति ने आप[स.] की वसीयतों में से तनिक भर भी छोड़ा तो वह नष्ट हो गया और जिसने इस उम्मत में से नबुव्वत का दावा किया और यह आस्था न रखी कि वह सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हमारे आक़ा हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के द्वारा प्रशिक्षित है और यह कि वह आपके आदर्श के बिना कुछ चीज़ नहीं और यह कि क़ुर्आन सर्वश्रेष्ठ शरीयत है तो ऐसा व्यक्ति निस्सन्देह तबाह हो गया और उसने अपने आप को काफिर और दुराचारी लोगों में सम्मिलित कर लिया। और जिस व्यक्ति ने नबूवत का दावा किया परन्तु वह यह आस्था नहीं रखता कि वह आप[स.] की उम्मत में से है और यह कि उसने जो कुछ भी पाया वह आपके फैज़ (कृपा, इनायत) से ही

لا نبيَّ لنا تحت السماء من دون نبيّنا المجتبٰى، ولا كتابَ لنا من دون القرآن، و كلُّ من خالفه فقد جرّ نفسه إلى اللظى. ومن أنكر أحاديث نبينا التى قد نُقِدتْ ولا تُعارض القرآن، فهو أخو إبليس وإنه ابتاع لنفسه اللعنة وأضاع الإيمان. وإن القرآن مقدَّم علىٰ كل شيء، و وحيُ الحَكَمِ مقدَّم على أحاديث ظنية، بشرط أن تطابق القرآنَ وحيُه مطابقة تامة، وبشرط أن تكون الاحاديث غيرَ مطابقة للقرآن، وتوجد فى قصصها مخالفةٌ لقصصِ صحفٍ مطهّرة. ذالك بأن وحى الحَكَمِ ثمرةٌ غَضٌّ وقد جُنِيَ مِن شجرة يقينية، فمن لم يقبَل وحيَ الإمام الموعود، ونبَذه لروايات ليست كالمحسوس المشهود،

पाया और यह कि वह आपके बाग़ का ही फल और आप ही की मूसलाधार वर्षा का एक क़तरा और आपके नूर की ही छाया है, तो वह लानती है और अल्लाह की लानत है उस पर और उसके सहायकों पर और उसका अनुसरण करने वालों पर और उसके साथियों पर। हमारे लिए आसमान के नीचे हमारे प्रतिष्ठित नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के अतिरिक्त कोई नबी नहीं और हमारे लिए क़ुर्आन के अतिरिक्त कोई किताब नहीं और जिसने भी उसका विरोध किया तो वह अपने आप को नर्क की अग्नि की ओर घसीटता हुआ ले गया। और जिसने हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की उन हदीसों का, जो सत्य की कसौटी पर पूरी उतरती हैं और क़ुर्आन के विरुद्ध नहीं हैं, इन्कार किया तो वह इब्लीस का भाई है और उसने अपने लिए लानत खरीद ली और ईमान नष्ट कर दिया। निस्सन्देह क़ुर्आन हर चीज़ पर प्राथमिकता रखता है और 'हकम' (अर्थात मसीह मौऊद) की वह्यी ज़न्नी (अर्थात अनुमानित) हदीसों पर प्राथमिकता रखती है, इस शर्त के साथ कि उसकी वह्यी पूर्णत: क़ुर्आन के अनुसार हो, और साथ ही इस शर्त के साथ कि वे हदीसें क़ुर्आन के अनुसार न हों और उनका वर्णन क़ुर्आन के वर्णन के विरुद्ध हो क्योंकि उस हकम

فقد ضل ضلالًا مبينا، ومات ميتة جاهلية، وآثر الشكّ على اليقين ورُدَّ من الحضرة الإلٰهية. ثمّ إن كان من الواجب الاخذُ بالروايات فی كل حال۔ ففی أیّ شیءٍ رجلٌ يقال له حَكَمٌ من الله ذی الجلال؟ فكيف أعطيه هذا اللقب مع أنه لا يحكُم فی مسألة من المسائل، بل يقبَل كل ما عند العلماء كالمستفتی السائل؟ فعند ذالك لا يستقيم لقبُ الحَكَمِ لشأنه، بل هو تابع للعلماء ومقلّد لهم فی كل بيانه. ونعتقد بأن الصلاة والصوم والزكٰوة والحج من فرائض الله الجليل، فمن ترَكها متعمدا غيرَ معتذر عند الله فقد ضل سواء السبيل۔

की वह्यी एक ताज़ा फल है जो विश्वास के वृक्ष से चुना गया है। अत: जिसने इस मौऊद इमाम की वह्यी स्वीकार न की और उसे उन रिवायतों के लिए, जो अनुभव करने तथा स्वयं देखने का मर्तबा नहीं रखतीं, परे फेंक दिया तो ऐसा व्यक्ति निस्सन्देह खुली-खुली गुमराही में पड़ा और अज्ञानता की मौत मरा और उसने सन्देह को विश्वास पर प्राथमिकता दी और वह ख़ुदा के दरबार से धुतकारा गया। फिर अगर हर प्रकार की रिवायतों को स्वीकार करना ही अनिवार्य है तो फिर उस व्यक्ति की क्या हैसियत है जिसको प्रतापी ख़ुदा की ओर से 'हकम' (अर्थात निर्णायक) क़रार दिया गया है? और उसे यह उपाधि कैसे दी जा सकती है जबकि वह किसी भी विषय का निर्णय नहीं कर सकता। बल्कि वह एक फ़त्वा मांगने वाले सवाली के समान उलमा की हर बात स्वीकार कर लेगा। ऐसी अवस्था में 'हकम' की उपाधि उसकी हैसियत के अनुसार नहीं ठहरती बल्कि वह उलमा के अधीन और अपने हर वर्णन में उनका अनुसरणकर्ता होगा। हमारा अक़ीदा है कि नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज ख़ुदा तआला के निर्धारित किए हुए कर्तव्य हैं, अत: जो उन कर्तव्यों को जानबूझ कर और अल्लाह के निकट सही आपत्ति के बिना छोड़ता है तो वह सन्मार्ग से भटक गया।

ومن عقائدنا أن عيسٰى ويحيٰى قد وُلدا على طريق خَرْقِ العادة، ولا استبعادَ في هذه الولادة. وقد جمع الله تلك القصّتين في سورة واحدة، ليكون القِصّةُ الاولٰى على القصة الاخرٰى كالشاهدة. وابتدأ مِن يحيٰى وختَم على ابن مريم، لينقُل أَمْرَ خرق العادة من أصغر إلٰى أعظم. وأما سرّ هذا الخَلق في يحيٰى وعيسٰى فهو أن الله أراد من خلقهما آية عظمٰى. فإن اليهود كانوا قد تركوا طريق الاقتصاد والسداد، ودخل الخبث أعمالَهم وأقوالهم وأخلاقهم وفسدت قلوبهم كل الفساد، وآذَوا النبيين وقتلوا الابرياء بغير حق بالعناد، وزادوا فسقا وظلما وما بالَوا بَطْشَ ربّ العباد. فرأى الله أن قلوبهم اسودّت،

और हमारी आस्थाओं में से एक यह है कि ईसाअ. और यह्याअ. दोनों का विलक्षण रूप से जन्म हुआ और जन्म का यह तरीक़ा अनुमान से परे नहीं। अल्लाह ने उन दोनों क़िस्सों को (क़ुर्आन की) एक ही सूरः में जमा कर दिया है ताकि पहला क़िस्सा दूसरे क़िस्से के लिए गवाह के तौर पर हो। उसने क़िस्से का आरंभ यह्या से किया और उसे समाप्त इब्ने मरियम पर किया, ताकि विलक्षणता का यह मामला छोटे से बड़े की ओर स्थानांतरित हो। यह्या और ईसा की इस प्रकार की सृष्टि में भेद यह है कि अल्लाह तआला उन दोनों की सृष्टि में एक महान निशान दिखाना चाहता था क्योंकि यहूद ने मध्यम मार्ग और सच्चाई का तरीका छोड़ दिया था और नीचता उनके कर्मों, उनके कथनों और उनके स्वभाव में प्रवेश कर गई थी और उनके दिल पूरी तरह से बिगड़ गए थे। उन्होंने नबियों को कष्ट पहुंचाए और मासूमों को शत्रुतावश अकारण क़त्ल किया और दुराचार तथा अत्याचार में बहुत आगे बढ़ गए और ख़ुदा तआला की गिरफ्त की कोई परवाह न की। अतः अल्लाह ने देखा कि उनके दिल काले और उनके स्वभाव निर्दयी हो गए हैं और रात छा गई है और रास्ते अंधकारमय हो गए हैं और कल्पनाएँ कुछ इस प्रकार बिगड़

وأن طبايعهم قسَتْ، وأن الغاسق قد وقَب، ووَجْهَ المهجّة قد انتقَب. وفسدت التصوّرات كأنها ليل دامس، أو طريق طامس. وجاوزوا الحدود، ونسوا المعبود، وتسوّروا الجدران، ونسوا الديّان. وكانوا ما بقى فيهم نور يُؤمنهم العِثار، ويُرى الحق ويُصلِح الاطوار، وصاروا كمجذوم انجذمت أعضاؤه، وكُرِهَ رُواؤُه. فإذا آلتْ حالتهم إلى هذه الآثار، لعنهم الله وغضب على تلك الاشرار، وأراد أن يسلب من جرثومتهم نعمةَ النبوة، و يضرب عليهم الذلة، وينزع منهم علامة العزّة. فإن النبوة لو كانت باقية فى جرثومتهم، لكانت كافية لعزّتهم، و لَمَا أمكنَ معه أن يشار إلى ذلّتهم. ولو ختم الله سلسلة النبوة العامة على

गई हैं कि मानो वे एक अँधेरी रात या एक बेनिशान रास्ता हैं। उन्होंने सीमाओं का उल्लंघन किया और उपास्य को भुला बैठे और समस्त हदें पार कर गए और प्रतिफल के मालिक को भूल गए और वे ऐसे हो गए कि उनमें वह नूर शेष न रहा जो उन्हें भूल-चूक से सुरक्षित रखता और उन्हें सत्य का मार्ग दिखाता और उनकी हालतों का सुधार करता। वह उस कोढ़ी के समान हो गए जिसके अंग झड़ गए हों और उसकी शक्ल बुरी हो गई हो। अत: जब उनकी अवस्था इस हालत तक जा पहुंची तो अल्लाह तआला ने उन पर लानत डाली तथा उन उपद्रवियों पर क्रोधित हुआ और उसने यह इरादा कर लिया कि वह उनकी नस्ल से नबुव्वत की नेमत वापस ले ले और उनको अपमान की मार मारे और उनसे सम्मान का प्रतीक ले ले क्योंकि यदि नबुव्वत उनकी नस्ल में शेष रहती तो यह उनके सम्मान के लिए पर्याप्त होता। परन्तु यह संभव न था कि उनकी ओर अपमान सम्बद्ध किया जाता और यदि अल्लाह सामान्य नबुव्वत के सिलसिला को ईसा पर समाप्त कर देता तो स्पष्ट है कि यहूदियों के गर्व में कुछ भी कमी न आती। और यदि अल्लाह तआला हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की जो यहूदियों में से थे, संसार की ओर वापसी को मुक़द्दर

عيسٰى، لما نقص من فخر اليهود شيء كما لا يخفٰى، ولو قدّر الله رجوع عيسى الذى هو من اليهود، لرجع العزّة إلى تلك القوم ولنسخ أمر الذلة، ولبطل حكم الله المعبود. فأراد الله أن يقطع دابرهم، ويجيح بنيانهم، ويُحكِم ذلّتهم وخذلانهم. فأوّلُ ما فعل لهذه الإرادة هو خلق عيسٰى من غير أبٍ بالقدرة المجردة. فكان عيسٰى إرهاصًا لنبيّنا وعَلَمًا لنقل النبوة، بما لم يكن من جهة الاٰب من السلسلة الإسرائيلية. وأمّا يحيٰى فكان يحيٰى دليلا مخفيا على الانتقال، فإن يحيٰى ما تولّد من القوى الإسرائيلية البشرية، بل من قدرة الله الفعّال. فما بقى لليهود بعدهما للفخر مَطرَحٌ، ولا للتكبر مَسرَحٌ. و كان

करता तो उस यहूदी क़ौम की ओर सम्मान अवश्य वापस लौट आता और उनके अपमान का निर्णय रद्द हो जाता और ख़ुदा का आदेश झूठा ठहरता। अत: अल्लाह तआला ने यह इरादा किया कि वह उनकी जड़ काट दे और उनकी बुनियादें उखेड़ दे और उनके अपमान तथा रुसवाई को निश्चित कर दे। अत: इस इरादे की पूर्णत: के लिए अल्लाह तआला ने सर्वप्रथम जो काम किया वह अपनी क़ुदरत से बिना बाप के ईसा अलैहिस्सलाम का जन्म था। अत: ईसा[अ.] हमारे नबी करीम[स.] के लिए इरहास (मार्ग प्रशस्त करने वाले) और नबुव्वत के स्थानान्तरण के लिए एक निशान था क्योंकि बाप की ओर से आप इस्राईली सिलसिला में से नहीं थे। रहे यह्या[अ.] तो वे नबुव्वत के स्थानान्तरण के लिए एक गोपनीय तर्क थे क्योंकि यह्या का जन्म इस्राईली व्यक्ति की कुव्वते मर्दानगी से नहीं बल्कि सर्वथा सक्रिय ख़ुदा की क़ुदरत से हुआ था। यों इस प्रकार उन दोनों नबियों के बाद यहूदियों के लिए न कोई गर्व का स्थान शेष रहा और न कोई घमण्ड का स्थान। और यह सब कुछ इसलिए प्रकटन में आया ताकि अल्लाह उनकी हुज्जतबाज़ी को टुकड़े-टुकड़े करे और उनकी डींगों को कम और उन के जोश को ठण्डा कर दे। फिर

كذالك ليقطع الله الحِجاجَ، و ينقّص التصلّفَ و يسكّن العَجاجَ.
ثم بعد ذالك نقل النبوة من وُلدِ إسرائيل إلى إسماعيل، و أنعم
الله على نبينا محمد و صرَف عن اليهود الوحيَ و جبرائيلَ.
فهو خاتم الانبياء لا يبعث بعده نبي من اليهود، ولا يردّ العزّة
المسلوبة إليهم، وهذا وعد من الله الودود. و كذالك كُتب فى
التوراة و الإنجيل و القرآن، فكيف يرجع عيسٰى، فقد حبَسه
جميعُ كتب الله الديّان؟ و إن كان راجعا قبل يوم القيامة
فَلا بُدّ من أن نقبل أنه يكذِب إذ يُسأل عن الامّة فى الحضرة،
ففكّرْ فى قوله تعالىٰ: واذ قال الله يَا عِسٰىٰ ابْنَ مَرْيمَ أَ اَنْتَ قُلْتَ
لِلنَّاسِ'' ثم فَكِّرْ فى جوابه، أصَدَقَ أم كذَب بناء علىٰ زعم قوم

(अल्लाह ने) इस के बाद नुबुव्वत को बनी इस्राईल से बनी इस्माईल की ओर स्थानांन्तरित कर दिया। और अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर ईनाम किया और यहूदियों से वह्यी और जिब्राईल का मुख मोड़ दिया। अत: आप ख़ातमुन्नबिय्यीन हैं। आप के बाद यहूदियों में से कोई नबी नहीं भेजा जाएगा और न ही उनकी छीनी हुई इज़्ज़त उनकी ओर लौटाई जाएगी। यह हबीब ख़ुदा का वादा है। तौरात, इंजील और क़ुर्आन में ऐसा ही लिखा है। तो ईसा कैसे वापस आएगा, जब कि प्रतिफल एवं दण्ड के मालिक अल्लाह की समस्त किताबों ने उसे रोका हुआ है। और यदि (कल्पना के तौर पर) क़यामत के दिन से पूर्व आने वाला है तो इस स्थिति में हमें निश्चित रूप से यह मानना पड़ेगा कि जब अल्लाह के दरबार में उस से उसकी उम्मत के बारे में प्रश्न किया जाएगा तो वह झूठ बोलेगा। तो हे सम्बोधित! अल्लाह के फ़रमान-

واذ قال الله يَا عِسٰىٰ ابْنَ مَرْيمَ أَ اَنْتَ قُلْتَ لِلنَّاسِ ✲

पर विचार कर और पुन: विचार कर! कि क्या उन लोगों के झूठे विचार

✲ और (याद करो) जब अल्लाह ईसा इब्ने मरयम से कहेगा कि क्या तूने लोगों से कहा था। (अलमाइदह- 5/ 117)

يرجعونه مِن وسواسِ الخنّاس؟ فإنه إن كان حقًّا أن يرجع عيسٰى قبل يوم الحشر والقيام، ويكسِر الصليب ويُدخل النصارٰى فى الإسلام، فكيف يقول إنّى ما أعلم ما صنعتْ أمّتى بعد رفعى إلى السماء؟ وكيف يصح منه هذا القول مع أنه اطّلع على شِرك النصارٰى بعد رجوعه إلى الغبراء، واطلع على اتخاذهم إيّاه وأمَّه إلٰـهَينِ من الاهواء؟ فما هذا الإنكار عند سؤال حضرة الكبرياء إلا كذبا فاحشا وترك الحياء. والعجب أنه كيف لا يستحى من الكذب العظيم، ويكذِب بين يدى الخبير العليم! مع أنه قد رجع إلى الدنيا وقتَل النصارٰى وكسر الصليب وقتل الخنزير بالحُسام الحسيم. وما كان

के आधार पर जो शैतानी भ्रमों के कारण उस (ईसा) को दोबारा इस दुनिया में वापस ला रहे हैं, उसने अपने उत्तर में सच्चाई अपनाई या झूठ से काम लिया? यदि यह सच है कि ईसा क़यामत के दिन से पूर्व दुनिया में दोबारा आएगा, सलीब तोड़ेगा और ईसाइयों को इस्लाम में दाख़िल करेगा तो फिर वह किस प्रकार यह कहेगा कि मुझे मालूम नहीं कि मेरे आकाश की ओर रफ़ा (उठाए जाने) के बाद मेरी उम्मत ने क्या कुछ किया। और उस का यह कथन कैसे सही हो सकता है जबकि पृथ्वी पर वापस आने के बाद उसे ईसाइयों के शिर्क का ख़ूब ज्ञान हो चुका होगा। और यह भी उसे मालूम हो चुका होगा कि इन (ईसाइयों) ने उन्हें और उन की माँ दोनों को अपनी नफ़्सानी इच्छाओं के अधीन अपना उपास्य बना लिया था। इस प्रकार तो बुज़ुर्ग और श्रेष्ठतर ख़ुदा के प्रश्न के अवसर पर उसका इन्कार करना व्यापक असत्य और झूठ और लज्जा का त्याग होगा तथा आश्चर्य है कि इतने बड़े झूठ से वह कैसे न शरमाएगा। और वह भी ख़बीर और सर्वज्ञ ख़ुदा के समक्ष झूठ बोलेगा जबकि वह दुनिया में वापस आया, ईसाइयों को क़त्ल किया, सलीब को तोड़ा और सूअरों को नंगी तलवार से क़त्ल किया

مكَث ساعة كغريب يمرّ من أرضٍ بأرضٍ غيرَ مقيم، ولا يفتش بالعزم الصميم، بل لبث فيهم إلى أربعين سنة، وقتَلهم وأسَرهم وأدخلهم جبرا فى الصراط المستقيم. ثم يقول: لا أعلم ما صنعوا بعدى. فالعجب كل العجب من هذا المسيح و كذبِه الصريح! أنؤمن بأنه لا يخاف يوم الحساب ولا سوط العقاب، ويكذب كذبا فاحشا يعافه زَمَعُ الناس، ويرضٰى بزور يأنَف منه الاراذلُ الملوّثون بالادناس؟ أيجوّز العقل فى شأن نبى أنه رجع إلى الدنيا بعد الصعود إلى السماء، ورأى قومه النصارٰى وشِركهم وتثليثهم بعينيه من غير الخفاء، ثم أنكر أمام ربه هذه القصة، وقال: ما رجعت إلى الدنيا الدنيّة، ولا أعلم ما بالُ

था। और यह बात भी न थी कि वह एक ऐसे मुसाफिर के समान यहां केवल पल भर के लिए ठहरा होगा जो निवास किए बिना एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाता है और दृढ़ संकल्प से किसी बात की छानबीन नहीं करता बल्कि वह तो उनमें चालीस वर्ष रहा, उन्हें क़त्ल किया, क़ैदी बनाया और बलपूर्वक सन्मार्ग पर चलाया। और फिर भी वह यह कहेगा कि मुझे कुछ ज्ञात नहीं कि उन्होंने मेरे बाद क्या किया। अत: ऐसे मसीह और उसके स्पष्ट झूठ पर बहुत आश्चर्य है। क्या हम इस बात पर ईमान ले आएं कि वह हिसाब किताब के दिन और दण्ड के कोड़े से नहीं डरेगा और ऐसा गंदा झूठ बोलेगा जिसे घटिया लोग भी नापसन्द करते हैं। और ऐसा झूठ बोलना पसन्द करेगा जिससे गंदगी में लथपथ कमीने लोग भी घृणा करते हैं। क्या सद्बुद्धि नबी के बारे में यह वैध समझती है कि वह आसमान पर चढ़ने के बाद दुनिया में वापस आए और अपनी ईसाई क़ौम को और उनके शिर्क को और उनकी तस्लीस की आस्था को अपनी आंखों से देखे और फिर इस सारे क़िस्से का अपने रब के सामने इन्कार करे और कह दे कि मैं तो इस तुच्छ संसार में आया ही नहीं था और जब से मुझे दूसरे

قومی مُذْ رُفعتُ إلی السماء الثانیة۔ فانظروا أیّ کذب أکبر من هذا الکذب الذی یرتکبه المسیح أمام عین الله فی یوم الحساب والمسألة، ولا یخاف حضرةَ ربِّ العزة۔ فالحاصل أنه لما منَع القرآن نزولَ المسیح من السماء فی الآیة التی هی قطعیة الدلالة، تَعیَّنَ إذًا من غیر شك أن المسیح الموعود لیس من الیهود بل من هذه الامة. و کیف و إن الیهود ضربت علیهم الذلة؟ فهم لا یستحقون العزة بعد العقوبة الابدیة. فاعلموا أن خیال رجوع عیسٰی یشابه زبدًا، وأن محبوس القرآن لا یرجع أبدا. ثم إذا فُرض رجوعه فیستلزم هذا کذب سیّدِنا خیرِ البریّة، فإنه قال إن المسیح الآتی یأتی من الامّة. ولیس من

आसमान पर उठाया गया उस समय से मुझे यह ज्ञात नहीं कि मेरी क़ौम पर क्या गुज़री। अत: विचार करो कि इस झूठ से बढ़कर और क्या झूठ होगा जिसे मसीह प्रतिफल के दिन प्रश्न के समय अल्लाह के सामने बोलेगा और अल्लाह के दरबार से नहीं डरेगा। सारांश यह कि जब क़ुर्आन ने मसीह के आसमान से उतरने को स्पष्ट आयत में पूर्णता रोक दिया तो इससे निस्सन्देह यह बात निश्चित हो गई कि मसीह मौऊद, यहूद में से नहीं होगा बल्कि इसी उम्मते मुहम्मदिया में से होगा। और यह कैसे हो सकता है जबकि उन यहूद पर अपमान की मार मारी गई। अत: शाश्वत दण्ड के बाद वे किसी सम्मान के अधिकारी नहीं रहे। इसलिए याद रखो कि ईसा के लौटने की कल्पना केवल झाग के समान है और क़ुर्आन का रोका हुआ कभी वापस नहीं आ सकता। फिर जब उसका वापस आना मान लिया गया तो इससे निश्चित तौर पर यह मानना पड़ेगा हमारे आक़ा खैरुल अनाम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने (नऊज़ुबिल्ला) झूठ बोला है, क्योंकि आप[स.] ने फरमाया था कि आने वाला मसीह उम्मत में से आएगा और उम्मत में केवल वही सम्मिलित है जिसने हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के फैज़

الامّـة إلا الذى وجـد كمـاله مـن فيـوض المصطفٰـى، ولا يوجـد هـذا الشـرط فى عيسٰـى، فإنـه وجـد مرتبـة النبـوة قبـل ظهـور سـيدنا خاتـم الانبيـاء، فكمـاله ليس بمسـتفاد مـن نبينـا صلى الله عليـه وسـلم وهـذا أمـر ليس فيـه شيء مـن الخفـاء۔ فجعلُه فـردا مـن الامـة جهـلٌ بحقيقـة لفـظ «الامّـة»، وخـلاف لكتـاب حضـرة الكبريـاء۔ فـلا شـك أن إدخـاله فى الامـة كـذب صريـح وتـرك الحيـاء. ففكِّـرْ فى ذالـك إن كنـت مـن أهـل الاتقـاء. والحاصـل أن الله سـلب مـن اليهـود بعـد عيسٰـى نعمـة النبـوة، فـلا ترجـع إليـهم أبـدا فى زمـان خـير البريـة. وكـون عيسٰـى مـن غـير أبٍ وبـلا ولدٍ دليـلٌ عـلى مـا مـر بـالدلالة القاطعـة، وإشـارةٌ إلى قطـع تلـك السلسـلة

से अपना कमाल पाया और यह शर्त ईसा में नहीं पाई जाती क्योंकि उसने नबुव्वत का मर्तबा हमारे आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के प्रादुर्भाव से पहले पाया था। अत: उसका कमाल हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम से प्राप्त किया हुआ न था और यह कोई ढकी-छुपी बात नहीं, इसलिए उसे उम्मते मुहम्मदिया का व्यक्ति घोषित करना उम्मत के शब्द की वास्तविकता से अनभिज्ञता और अल्लाह तआला की किताब के विरुद्ध है। अत: इसमें कोई सन्देह नहीं कि उसे उम्मत में सम्मिलित करना स्पष्ट झूठ और बेशर्मी है। इसलिए अगर तू संयमियों में से है तो इस विषय में विचार विमर्श कर। सारांश यह कि अल्लाह तआला ने हज़रत ईसा के बाद यहूदियों से नबूवत की नेमत छीन ली और यह नेमत उनकी तरफ सय्यदुल अनाम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के ज़माने में कभी वापस नहीं आएगी। साथ ही जो पहले अकाट्य तर्कों से सिद्ध हो चुका है उस पर हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम का बिन बाप और नि:संतान होना पक्की दलील है और यह इस इस्राइली सिलसिला के समाप्त होने की ओर संकेत है। अत: नबुव्वत-ए-मुहम्मदिया के दौर में यहूदियों में से कोई नबी नहीं आएगा, न पुराना न नया। यह

الإسرائيلية. فلا يجيء نبي من اليهود لا قديم ولا حديث فى دَور النبوة المحمدية، وعدٌ من الله ذى العزة۔ و كما نزَع النبوةَ منهم كذالك نزع منهم ملكهم وغادرهم الله كالجيفة. و كان تولُّدُ يحيٰى من دون مسّ القوى البشرية، و كذالك تولُّدُ عيسٰى من دون الاب و موتُهما بدون ترك الورثة علامةً لهذه الواقعة. وأمّا المسيح المحمدى فله أب و وُلْد من العنايات الإلٰهية، كما كُتب أنه «يتزوج ويولد له» من الرحمة، فكانت هذه إشارة إلى دوام السلسلة المحمدية وعدم انقطاعها إلى يوم القيامة. وعجبتُ كل العجب من الذين لا يفكرون فى هذه الآيات، التى هى لنبوة نبينا كالعلامات، ويقولون إن عيسٰى تولَّد من

प्रतिष्ठावान ख़ुदा का वादा है और जिस प्रकार उसने उनसे नबुव्वत छीन ली थी उसी प्रकार उनसे बादशाह भी छीन ली और अल्लाह ने उन्हें बदबूदार मुर्दे के समान छोड़ दिया। हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम का शारीरिक संबंध के बिना जन्म इसी प्रकार हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम का बिना बाप जन्म और इन दोनों की बिना किसी वारिस के मृत्यु इस घटना (अर्थात इस्राईली सिलसिला ए नबुव्वत का अंत) का लक्षण है। जहां तक मसीह मुहम्मदी का संबंध है तो अल्लाह तआला की कृपा से उसका बाप भी है और औलाद भी जैसा कि लिखा है कि ख़ुदा की रहमत से वह शादी करेगा और इसके यहां औलाद भी होगी। अत: यह क़यामत के दिन तक मुहम्मदी सिलसिले के स्थायित्व और उसका अंत न होने की ओर संकेत था। मुझे उन लोगों पर अत्यंत आश्चर्य होता है जो इन निशानों पर विचार नहीं करते जो हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की नबुव्वत के लिए बतौर लक्षण के हैं और वे कहते हैं कि ईसा अलैहिस्सलाम अपने बाप यूसुफ़ के वीर्य से पैदा हुआ, वे मूर्खता के कारण असल वास्तविकता को नहीं समझते। यह बात प्रसिद्ध है कि मरियम अलैहिस्सलाम निकाह से पहले गर्भवती पाई गईं और

نطفة يوسف أبيه، ولا يفهمون الحقيقة من الجهلات. ومن المعلوم أن مريم وُجدتْ حاملا قبل النكاح، وما كان لها أن تتزوج لعهدٍ سبق من أمها بعد الإجحاح. فالامر محصور فى الاحتمالين عند ذوى العينين: إمّا أن يقال إن عيسٰى خُلق من كلمة الله العلام، أو يقال - ونعوذ بالله منه - إنه من الحرام. ولا نجد سبيلا إلى حمل مريم من النكاح، فإن أُمّها كانت عاهدتِ الله أنها يتركها محرَّرةً سادنة، و كانت عهدها هذا فى أيام اللِّقاح. وهذا أمر نكتبه من شهادة القرآن والإنجيل، فلا تتركوا سبيل الحق والفلاح. هذا لمن استوضحتْه فطرتُه، ولا تقبَل خارقَ العادة عادتُه. وأما نحن فنؤمن بكما ٓل قدرة

मरियम के लिए उस वादे के कारण जो उसकी मां ने अपने गर्भवती होने पर किया था, शादी करना वैध न था। यह बात विवेक रखने वालों के लिए दो शंकाओं पर आधारित है। एक (शंका) यह है कि यह कहा जाए कि ईसा अलैहिस्सलाम का जन्म ख़ुदा तआला के कलिमा (आदेश मात्र) से हुआ है या नऊज़ुबिल्लाह यह कहा जाए कि वह जारज (अवैध पुत्र) है। और निकाह के परिणामस्वरूप मरियम के गर्भवती होने की हमें अन्य कोई सूरत नज़र नहीं आती क्योंकि उसकी मां ने अल्लाह से यह वादा किया था कि वह उसे (अर्थात मरियम को) स्वतंत्र और हेकल (यहूदियों का उपासना स्थल) की सेवा के लिए समर्पित करेगी और यह वादा उसने अपने गर्भवती होने के दिनों में किया था और यह वह बात है जिसे हम क़ुर्आन और इंजील की गवाही से लिख रहे हैं। अत: सत्य और सफलता की राह को मत छोड़ो। यह विवरण उस व्यक्ति के लिए है जिसकी फ़ितरत इस बात का विवरण चाहती है और जिसका स्वभाव उसके विलक्षण होने को स्वीकार न करता हो। रही हमारी बात तो हम ख़ुदा तआला की क़ुदरत के कमाल पर ईमान रखते हैं और हमारा ईमान है कि अगर वह चाहे तो वृक्षों के पत्तों से

الله الاعلٰی، ونؤمن بأنه إن يشاء يخلق من ورق الاشجار كمثل عيسٰی. و كم من دود فی الارض ليس لها أبوانِ، فأی عجب يأخذكم من خلق عيسٰی يا فتيان؟ و إن لله عجائبَ نفَضتْ عندها أكياس الكياسة، وغرائبَ ظلَع بها فرسُ الفراسة، بل فی كل خَلْقه يظهَر إجبالُ القرائح و يظهَر إكداءُ الماتح والمائح. والذين ينكرونها فما قدروا الله حق القدر، وقعدوا فی الظلمات مع وجود نور البدر، وبعُدوا من الضياء، فهفا بهم إلی الظلام البَينُ المُطرِّحُ والبُعدُ المبرِّحُ. والعجب منهم أنهم مع كونهم ضالّين تمشَّوا أمام الناس كالخِرّيت، وما فرَقوا واقتحموا المَوامی المهلِكة كالمَصاليت، فهلكوا فی

ईसा जैसे पैदा कर सकता है और धरती में कितने ही कीड़े-मकोड़े हैं जिनके मां-बाप नहीं हैं तो फिर हे जवानो! तुम ईसा के जन्म पर आश्चर्य में क्यों पड़ते हो? अल्लाह के विलक्षण निशान ऐसे हैं कि जिनके सामने बुद्धिमत्ता के समस्त ख़ज़ाने समाप्त हो जाते हैं और ऐसे विचित्र काम हैं कि जिन के मुक़ाबले पर अक़ल के समस्त घोड़े असमर्थ रह जाते हैं बल्कि उसकी हर सृष्टि (को समझने) में लोगों की असमर्थता प्रकट होती है और प्रत्येक चिकित्सक तथा उसके सहायक की हताशा खुल कर सामने आती है और वे लोग जो उनका इन्कार करते हैं तो उन्होंने अल्लाह को यथावत पहचाना नहीं और वह चौदहवीं के चाँद की उपस्थिति के बावजूद अंधेरों में पड़े हुए हैं और वे प्रकाश से दूर हो गए और दूर फेंकने वाली जुदाई और पीड़ादायक दूरी ने उन्हें अंधेरों में धकेल दिया। फिर उन पर आश्चर्य है कि गुमराह होते हुए भी वे जनसामान्य के समक्ष बुद्धिमान मार्गदर्शक के तौर पर निडर होकर आगे-आगे चलते रहे और दिलेरों के समान भयानक जंगलों में जा घुसे। अत: वे एक तन्हा भटके हुए व्यक्ति के समान जंगलों में नष्ट हो गए और मौत के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए लेकिन अपनी तबाह करने वाली बातों

الفلوات كالحائر الوحيد، واستسلموا للحَين وما انتهوا من القول المبيد. فلم يأمنوا عثارا، بل زلّوا فى كل قدم ورأوا تبارا. وشجّعوا قلوبهم طمعًا فى صيد العوام، وزعَرهم ظلمةُ الجهل فما ارتعوا وما امتنعوا من الاقتحام۔

ثم عندنا دلائل علىٰ موت عيسٰى لا نرى بدًّا من نشرها لعل الناس يفقهون. فمنها نصوص قرآنية وهى أكبر الدلائل لقوم يفقهون، ومنها نصوص حديثية لاناس يفكرون. فإن الله صرح فى آية فَلَمَّا تَوَفَّيْتَنِيْ وفاتَ ابن مريم، وصرح معه عدمَ رجوعه إلى الدنيا كما تقدَّم. ورآه نبينا صلى الله عليه وسلم ليلة المعراج قاعدًا عند يحيٰى، ولا يُجوّز العقل أن يُنقَل الحيّ إلىٰ عالم

से न रुके और ग़लतियों से सुरक्षित न रहे बल्कि हर क़दम पर लड़खड़ा गए और तबाह हो गए और जनसामान्य को अपना शिकार बनाने की घोर इच्छा में उन्होंने स्वयं को दिलेर बनाया और मूर्खता के अंधकार ने उनको डराया परन्तु न तो वे डरे और न ही आगे बढ़ने से रुके।

इसके अतिरिक्त हमारे पास ईसा अलैहिस्सलाम की मौत पर बहुत से तर्क हैं जिनके प्रकाशन को हम इसलिए आवश्यक नहीं समझते हैं ताकि लोग वास्तविकता को जान जाएँ। अत: उन तर्कों में से क़ुर्आनी आयतें हैं जो समझदार लोगों के लिए सबसे बड़े तर्क हैं और उनमें से कुछ हदीसें भी हैं जो विचार करने वाले लोगों के लिए हैं। अत: अल्लाह तआला ने आयत ★فَلَمَّا تَوَفَّيْتَنِيْ (फलम्मा तवफ्फयतनी) में मरियम पुत्र ईसा की मृत्यु को स्पष्ट कर दिया है और जैसा कि पहले वर्णन हो चुका मृत्यु के साथ उनके संसार में न लौटने की भी व्याख्या कर दी। साथ ही हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने उन्हें मेराज की रात हज़रत यह्याअ० के पास बैठे हुए देखा और बुद्धि इसको वैध क़रार नहीं देती कि कोई जीवित मुर्दों के संसार की ओर स्थानांतरित किया जाए और स्पष्ट है जो मुर्दों से मिलाया गया वह

★ अर्थात जब तूने मुझे मृत्यु दे दी - सूरह अल माईदा- 5/118

الموتٰی، ومَن أُلحِقَ بالموتٰی فهو منهم کما لا یخفٰی. وقال الذین لا یتدبّرون کتاب الله ولیس فی قلوبهم طلب الحق والعرفان، إن حیاة عیسی ثابت بما قال الحسن البصری، إنه لم یمت ویأتی فی آخر الزمان. فالجواب إنّا لا نؤمن ببصری ولا مصری، وإنما نؤمن بالفرقان، ونؤمن بقول نبیّنا الذی أُعطی علمًا صحیحا من الرحمٰن. وقد سمعتَ ما جاء فی الحدیث وفی القرآن المجید، فلا ینبغی بعد ذالك أن تقول هل من مزید. وإن الموت من سنة الانبیاء من آدم إلی نبینا خیر البریّة، فکیف خرج عیسٰی من هذه السنة المتوارثة؟ وقد ورث هذه السنةَ کلُّ من جاء بعده من الابرار، وهلمّ جرّا إلی أن ورثنا من جمیع الاخیار. ثم

उन्हीं में से है। और उन लोगों ने जो अल्लाह की किताब पर विचार नहीं करते और जिन के दिलों में सत्य और न्याय की जिज्ञासा नहीं, कहा है कि ईसाअ० का जीवित होना सिद्ध है क्योंकि हसन बसरी का कथन है कि उनकी मृत्यु नहीं हुई और अंतिम युग में आएँगे। इसका उत्तर यह है कि हम किसी बसरी और मिस्री पर ईमान नहीं लाए हम तो केवल क़ुरआन मजीद पर ईमान रखते हैं और अपने पवित्र नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के कथन पर ईमान लाए हैं जिन्हें रहमान ख़ुदा की ओर से सही ज्ञान प्रदान किया गया है। हदीस और क़ुर्आन मजीद में जो वर्णित है उसे तो तू सुन चुका है। अत: उसके बाद इसकी आवश्यकता नहीं कि तू 'हल मिम मज़ीद' (क्या कुछ और भी है) कहकर और-और की रट लगाए रखे। आदम अलैहिस्सलाम से लेकर हमारे नबी खैरुल अनाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम तक मौत समस्त नबियों की सुन्नत है। अत: ईसा अलैहिस्सलाम उस पीढ़ी दर पीढ़ी चली आने वाली सुन्नत से कैसे बाहर निकल गए? जबकि उसके बाद आने वाले समस्त नेक लोग इसी सुन्नत के वारिस हुए और यह सिलसिला यों ही चलता रहा यहां तक कि हम उन तमाम सज्जनों के वारिस हुए। इसके

من الدلائل الوقائعُ التاريخية والشواهد التى جمعتها الكتب الطبّيّة. ومن تصفّح تلك الكتب التى زادت عِدتُّها على الالف، وهى مشهورة مسلَّمة من السلف إلى الخلف، فلا بد له أن يشهد أن مرهم عيسٰى قد صُنع لجراحة إلٰهِ أهل الصلبان، وهذه واقعة لا يختلف فيها اثنان. وهى من المراهم المشهورة المقبولة، ويوجد ذكرها فى كتب زهاء ألف من هذه الصناعة. وكذالك اطّلعنا على قبره الذى قد وقع قريبًا من هذه الخِطّة، وثبت أن ذالك القبر هو قبر عيسٰى من غير الشك والشبهة. ولا يُضْعِف الحقائقَ الثابتة إنكارُ العلماء الحاسدين، فإنهم لا يتكلمون إلا مستكبرين، ولا يدخلون علينا إلا منكرين. ونجدهم متكبرين

अतिरिक्त ऐसी दलीलों में से ऐतिहासिक घटनाएं हैं और वे तर्क हैं जिन्हें चिकित्सा की पुस्तकों ने एकत्र किया है और जो उन पुस्तकों को पढ़े जो संख्या में एक हज़ार से अधिक हैं और समस्त पहले और बाद में आने वाले उलमा के निकट प्रसिद्ध और स्वीकृत हैं, तो उसके लिए यह अनिवार्य होगा कि वह यह गवाही दे कि 'मरहम ए ईसा' ईसाइयों के उपास्य के घावों के लिए बनाया गया था और यह एक ऐसी घटना है जिसमें दो राय नहीं हो सकती और यह प्रसिद्ध और स्वीकृत मरहमों में से एक है और इसका वर्णन चिकित्सा की लगभग हज़ार पुस्तकों में पाया जाता है। इसी प्रकार हमें हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की क़ब्र का ज्ञान हुआ है जो इस भू-भाग (पंजाब) के निकट (श्रीनगर कश्मीर में) स्थित है और निस्सन्देह यह प्रमाणित है कि वह क़ब्र ईसा अलैहिस्सलाम की ही क़ब्र है और ईर्ष्यालु उलमा का इन्कार उन प्रमाणित वास्तविकताओं को कमज़ोर नहीं कर सकता क्योंकि वे (ईर्ष्यालु उलमा) अहंकारपूर्ण बातें करते हैं और इन्कार करते हुए ही हमारे पास आते हैं। हम उन्हें अत्यंत घृणात्मक व्यवहार करने वाले अहंकारी, नासमझ और इन्कार में बहुत बढ़े हुए पाते हैं। इसके बावजूद भी उन्हें उम्मत के पेशवा

كبير الاحتقار، قليل الفهم كثير الإنكار. ثم يقال لهم قدوة الأمّة ونُجوم الملّة! ماتت الروحانية، وغلبت الدنيا الفانية. مالهم لا يفهمون أن رفع عيسٰى كان لرفع تهمة اللعنة؟ فمن رفع جسمه إلى السماء فقط فإنه لا يبرأ من هذه التهمة. ثم لما كان عيسٰى قد أُرسل إلى قبائل اليهود كلهم و كل من كان من بنى إسرائيل، و كانت القبائل منتشرة فى الارض كما روى وقيل، كان من فرائضه أن يسير و يختار السياحة، ويستقرى قبائل أخرى. فكيف صعد إلى السّماء قبل تأدية فرضه وتكميل دعوته؟ هذا باطل عند النُّهٰى. ثم إنّ ظنَّ رفعِه إلى السماء لم يثمر إلا ثمرة رديّة، ولم ينبت إلا شجرة خبيثة. فلوكان هذا الامر حقّا و كان

और उम्मत के सितारे कहा जाता है। उनकी अध्यात्मिकता मुर्दा हो चुकी और यह अस्थाई संसार उन पर आधिपत्य स्थापित कर चुका है। उन्हें क्या हो गया है यह क्यों नहीं समझते कि हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम का 'रफ़अ' तो लानत का आरोप दूर करने के लिए है। आसमान की ओर केवल शरीर के उठाए जाने से वह इस आरोप से बरी नहीं होते। फिर जबकि ईसा अलैहिस्सलाम को यहूदियों के समस्त कबीलों और बनी इस्राईल की ओर भेजा गया था और यह क़बीले जैसा कि वर्णन किया गया है, समस्त धरती पर फैले हुए थे तो यह उसके कर्तव्यों में सम्मिलित था कि वह यात्रा करे और दूसरे क़बीलों की तलाश करे। फिर यह कैसे हो सकता है कि वह अपने इस कर्तव्यपालन और मिशन की पूर्णता से पहले ही आसमान पर चढ़ जाए। ऐसा होना बुद्धिसंगत नहीं, फिर उसके 'रफ़अ इलस्समाए' (आसमान की ओर उठाए जाने) की आस्था ने बुरा परिणाम ही पैदा किया और केवल बुरे वृक्ष को ही जन्म दिया। अत: यदि यह आस्था सही होती और वास्तव में यह अल्लाह की ओर से होता तो उसका परिणाम अवश्य अच्छा निकलता। अत: इसमें कोई सन्देह नहीं कि यह आस्था शैतानी भ्रम

هـذا الفعـل مـن عنـد الله حقيقـة، لـم تترتّب عليـه نتيجـة حسـنة. فـلا شـك أن هـذا الاعتقـاد وسوسـة شـيطانية، وشـبكة إبليسـية، ولذالك صُبّتْ منـه مصائـب عـلى التوحيـد، ووُضـع التثليـث فى موضـع اسـم الله الوحيـد الفريـد، وفتـح أبـواب جهنـم عـلى كثـير مـن النـاس، وأُلقـى منـه ألـوٓف مـن الـورٰى فى ورطـة الشـرك وبراثـن الخنّـاس. ولـو كان المسـلمون لـم يعتقـدوا بهـذه العقيـدة الفاسـدة، لاٰمِنـوا مـن الارتـداد ولنَجَـوا مـن السـهام النصرانيـة. ولكـن الآن قـد نراهـم كالاٰسـارٰى فى يـد قسـوس النصـارٰى يقولـون بألسـنهم: إن سـيد الرسـل نبيُّنـا المصطفٰى، ولكـن لم يقـترن هـذا القـول بالعمل كمـا لا يخفـى. يـا سـماء- لـم لا تنشـق لجسـارتهم؟ ويـا أرض! لـم لا

और इब्लीसी षड्यंत्र है। इसी कारण इससे एकेश्वरवाद पर मुसीबतों के पहाड़ टूट पड़े और अद्वितीय ख़ुदा के नाम की जगह 'तस्लीस' (अर्थात तीन ख़ुदाओं) ने ले ली और उससे अक्सर लोगों के लिए नर्क के द्वार खुल गए और हज़ारों लोग शिर्क के भंवर और शैतान के पंजे में गिरफ़्तार हो गए और अगर मुसलमान इस झूठी आस्था पर विश्वास न करते तो वह मुर्तद (धर्मविमुख) होने से बचे रहते और ईसाइयों के तीरों से सुरक्षित रहते। परन्तु अब तो हम यह देखते हैं कि वे ईसाई पादरियों के हाथों में क़ैदियों के समान हैं। यह (मुसलमान) अपनी ज़बानों से तो यही कहते हैं कि हमारे नबी मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम समस्त नबियों के सरदार हैं लेकिन जो चीज़ बाह्य एवं आंतरिक रूप से दिखाई देती है वह यह है कि उनके इस कथन और उनके कर्म में कोई समानता नहीं है। **हे आसमान! तू उनकी इस ग़लती पर फट क्यों नहीं जाता और हे धरती! उनके इस जुर्म पर तू क्यों नहीं कांपती?** इन मुसलमानों ने प्रतिष्ठा तथा सम्मान के समस्त झंडे हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के लिए तो बुलंद कर रखे हैं परन्तु हमारे सय्यद और मौला मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि

تتزلزل لجريمتهم؟ إنّهم إنّما رفعوا أَلْوِية المجد والفخار والعزّ لعيسٰى، وما أبقوا شيئا لسيّدنا المصطفٰى۔ ونظر الله إلى الارض فوجدها مملوّةً من إطراء ابن مريم، ومن التفريط فى خير وُلْدِ آدم، ورأى البلادَ فى أشدِّ حاجةٍ إلىٰ وجودٍ يُظهِر علىٰ أهل الصلبان فضلَ ختم المرسلين، ويدافع عن المسلمين، فبعثنى لهذا المقصود، وكان أمرا مقضيا من الله الودود. وإنى قد أُقمت لهذه الخدمة من مدة نحو ثلاثين عامًا، وقد أدّب الله بى كثيرا من الشُّرُدِ وألجمَهم إلجامًا. ووالله إن الزمان لا يحتاج إلى رؤية أعجوبةِ نزولِ رجل واحد من السماء، بل يحتاج إلى أن تصعد إلى السماء نفوس كثيرة بالتزكى والاتقاء. ألا ترون إلى المسلمين كيف

वसल्लम के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा और अल्लाह ने धरती की ओर देखा तो उसे मरियम पुत्र की प्रशंसा में अकारण प्रचुरता और सय्यदे वुल्दे आदम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के बारे में न्यूनता से भरा हुआ पाया। और उसने देखा कि संसार को एक ऐसे अस्तित्व की अत्यंत आवश्यकता है जो ईसाइयों पर ख़ातमुल मुरसलीन (मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) की श्रेष्ठता प्रकट करे और मुसलमानों की ओर से प्रतिरक्षा करे। अत: उसने मुझे इस उद्देश्य के लिए अवतरित किया और यह बात अत्यधिक प्रेमी ख़ुदा की ओर से निर्धारित थी। अत: लगभग 30 वर्ष से मुझे इस सेवा के लिए आदेशित किया गया है और मेरे द्वारा अल्लाह ने बहुत से अवज्ञाकारी पादरियों को दंडित किया और उनकी ज़बानों को लगाम लगाई। ख़ुदा की क़सम इस ज़माने को किसी व्यक्ति के आसमान से अवतरित होने का अजूबा देखने की कोई आवश्यकता नहीं बल्कि आवश्यकता है तो इस बात की कि बहुत से लोग पवित्रता और संयम के मार्ग से आसमान की ओर चढ़ें। क्या तुम मुसलमानों की ओर नहीं देखते कि वे किस प्रकार सांसारिक इच्छाओं की ओर झुक गए हैं और किस प्रकार निचाई में जा गिरे हैं और

أخلدوا إلى الاهواء الارضية؟ و كيف انحطوا و نسوا حظهم من الانوار السماوية؟ و مع ذالك ما بقى فيهم عقل سليم، و فهم مستقيم. تجد قولهم مَجمع التناقضات و الهفوات، و تجد فعلهم ملوّثًا بالإفراط و التفريط من الجهلات. مثلًا إنهم يقولون إنّ عيسٰى كان أكبر السيّاحين، و قطع محيط العالم كله و لم يترك أرضا من الارضين، ثم يقولون قولا خالفَ ذالك و يصرّون على أنه رُفع عند واقعة الصليب بحكم رب العالمين، و صعد إلى السماء و هو ابن ثلاث و ثلاثين. فانظروا فى أىّ زمان ساح فى العالم، و زار كل بلدة و لم يترك أحدا من المعالم؟ و كذالك يقولون إن عيسٰى قد رُفع و أُدخل فى الاموات، ثم يقولون قولًا خالفَ

आसमानी नूरों में से अपना नसीब खो बैठे हैं। और अधिक यह कि उनमें कुछ भी सद्बुद्धि और समझ बूझ शेष नहीं रही। तू उनकी बातों को विपरीत और व्यर्थ का ढेर पाता है और तरह-तरह की मूर्खताओं के कारण उनके हर काम को अधिकता और न्यूनता से लिप्त पाता है। उदाहरणतया वे यह कहते हैं कि ईसा सबसे बड़ा पर्यटक था और उसने सारी दुनिया के गिर्द चक्कर लगाया और ज़मीन का कोई भाग नहीं छोड़ा। फिर वे इस कथन के विपरीत बात कहते हैं और वे इस बात पर हठ करते हैं कि वह रब्बुल आलमीन के आदेश से सलीब की घटना के समय उठाया गया और 33 वर्ष की आयु में आसमान पर चढ़ गया। अत: विचार करो कि उसने किस ज़माने में सारी दुनिया का भ्रमण किया और हर बस्ती में पहुंचा और दुनिया की कोई परिचित जगह नहीं छोड़ी। इसी प्रकार वे यह भी कहते हैं कि हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को उठा लिया गया और उन्हें मृत्यु प्राप्त लोगों में सम्मिलित कर दिया गया। फिर ऐसी बात भी कहते हैं जो उनकी पहली बात के विपरीत है अर्थात वे यह आस्था रखते हैं कि वह जीवित है और शीघ्र आसमानों से उतरेगा। इसी तरह वे यह भी स्वीकार करते हैं कि मसीह

قولهم الاوّل، إذ يزعمون أنه حيٌّ وسينزل من السماوات. و كذالك يقبَلون أن المسيح الموعود من الاٴمّة، ثم يقولون ما خالفَ قولهم هذا و يُظهرون أن عيسٰى ينزل من السماء لا من أمة نبينا خير البرية. و كذالك يقولون: لَآ اِكۡرَاهَ فِى الدِّيۡنِ، و يقرؤون هذه الآية فى الكتاب المبين، ثم يقولون قولا خالفَ ذالك و يصرّون على أن مهديهم يخرج بالحسام، ولا يقبل إلا الإسلام. فانظر إلى هذه التناقضات و توالى الهفوات!

سيقول السّفهاء: فما بال القرون الاولٰى، الذين ماتوا علٰى هذا الخطاء و ظنوا أنه ينزل عيسٰى. فاعلموا أنهم كمثل اليهود ظنوا قبل خاتم الاٴنبياء أن مثيل موسٰى من قومهم، فما

मौऊद इस उम्मत में से होगा फिर वे ऐसी बात भी करते हैं जो उनके इस कथन के विपरीत है और वे खुल्लम खुल्ला इस बात का इज़हार करते हैं कि ईसा आसमान से उतरेगा न कि सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की उम्मत में से होगा। इसी प्रकार यह विरोधी मुंह से "ला इकराह फिद्दीन"* तो कहते हैं और इस आयत को क़ुरआन में पढ़ते भी हैं परन्तु इसके बिल्कुल विपरीत बात भी करते हैं और इस पर हठ करते हैं कि उनका महदी तलवार के साथ निकलेगा और इस्लाम के सिवा कुछ भी स्वीकार नहीं करेगा। अत: (हे पाठक) उनके विपरीत कथनों पर और उनकी निरंतर व्यर्थ बातों पर विचार कर।

अज्ञानी ज़रूर कहेंगे कि फिर पिछले ज़माने के लोगों का क्या बनेगा जो इस ग़लत आस्था पर मर गए और उनका ख्याल था कि ईसा अलैहिस्सलाम आसमान से उतरेगा? तो जानना चाहिए कि ऐसे लोगों की हालत उन यहूदियों के समान है जो हज़रत ख़ातमुल अंबिया सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम से पहले यह विश्वास रखते थे कि मूसा अलैहिस्सलाम

---

* धर्म के मामले में कोई ज़बरदस्ती नहीं। (अलबक़र: - 2/257)

أخذهم الله بهذا الخطاء، ولما ظهر سيّدنا سيّد المرسلين، وأنكره من أنكروه وقالوا كقول السابقين، أخذهم الله بذنوبهم بما كانوا مكذبين. وإن الجُرم لا يكون جُرمًا إلّا بعد إتمام الحجّة، فالّذين ما وجدوا زمنَ مرسل وخلوا قبل بعثه فى الغفلة، أولئك لا يأخذهم الله بما لم ينكروا ولم تبلُغهم دعوة، فيغفر لهم من الرحمة. أكان للناس عجبٌ أن جاء هم منذر فى هذا الزمان. يا حسرة عليهم! كيف نسوا سنن الله مع أنهم يقرؤون القرآن وقد جرت سنة الله فى عباده أنهم إذا أسرفوا وجاوزوا حدود الاتقاء، أقام فيهم رسولا لينهاهم عن المنكرات والفحشاء. وإذا جاء هم نذير هم فإذا هم

का समरूप उन्हीं की क़ौम में से होगा। अत: अल्लाह ने उनकी इस ग़लत आस्था पर उनसे कोई गिरफ़्त नहीं की और जब हमारे सय्यद व मौला, सय्यदुल मुरसलीन सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम प्रकट हुए और जिन लोगों ने आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का इन्कार करना था उन्होंने इन्कार कर दिया और उन्होंने वही बात की जो पहलों ने की थी। (तब) अल्लाह ने उनके गुनाहों के कारण उन्हें पकड़ा क्योंकि वे झूठ बोलते थे और हुज्जत पूरी होने के बाद ही कोई जुर्म, जुर्म क़रार पाता है। इसलिए जिन लोगों ने नबी के ज़माने को न पाया हो और वह उस नबी के प्रादुर्भाव से पूर्व ग़फ़लत की हालत में मृत्यु पा चुके हों, ऐसे लोगों की अल्लाह तआला पकड़ नहीं करता क्योंकि न तो उन्होंने इन्कार किया और न ही उन्हें पैगाम पहुंचा। अत: अल्लाह अपनी रहमत से उनको क्षमा कर देता है। क्या लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि उनके पास इस ज़माने में एक सचेत करने वाला आया है। अफ़सोस उन पर कि उन्होंने किस प्रकार अल्लाह की सुन्नतों को भुला दिया जबकि वे क़ुर्आन पढ़ते हैं और अल्लाह की अपने बंदों के लिए यह सुन्नत निरंतर जारी है कि जब भी वे सीमा से

أحـزاب ثلاثة. حـزب يعرفونـه بمِيسـمه ونُطقـه كمـا يعـرف الفـرسُ مسـرحه مـن الإثاثـة. وحـزب تنفتـح عيونـهم برؤيـة الآيـات، وتـذوب شـبهاتهم بمشـاهدة البينـات. وفرقـة أخرٰى مـا أُعطـوا بصـيرةً مـن الحضـرة، فيخبِطـون خبـطَ عشـواء ولا يصِلـون إلى الحقيقـة، وتقتضـى قلوبـهم القاسـية عقوبـة مـن العقوبـات وآفـة مـن الآفـات، ولا يؤمنـون أبـدًا حـتى يُسْـلَبَ منـهم الأمـن والراحـة، ويـنـزل عليـهم النصب والشـدة. فهـذا أصـل العـذاب النـازل مـن السّـماء، ولذالـك نـزل الطاعـون، فليفكـر مـن كان مـن أهـل العقـلِ والدهـاء. لا إكـراه فى الديـن، ولكـن تقتضـى طبائعـهم نوعـا مـن الإكـراه، ولا جبر فى الملة، ولكـن تطلـب فطرتـهم قسـمًا

आगे बढ़ते हैं और उन्होंने संयम की सीमाओं का उल्लंघन किया तो अल्लाह ने उनमें रसूल अवतरित किया ताकि वह उनको बुराइयों और निर्लज्जताओं से रोके और जब भी उनके पास उनका सचेतकर्ता आया तो सहसा वे तीन समूहों में बट गए। एक समूह उसको उसके चेहरे और उसकी बातों से बिल्कुल उसी प्रकार पहचान लेता है जैसे एक घोड़ा नरम और हरी घास वाली चारागाह को पहचान लेता है। दूसरा समूह वह है जिनकी आंखें निशानों (चमत्कारों) को देखकर खुलती हैं और खुले खुले निशानों का दर्शन करके उनके समस्त सन्देह दूर हो जाते हैं। और एक और समूह है जिन्हें अल्लाह तआला की ओर से विवेक प्रदान नहीं किया जाता तो ऐसे लोग एक अंधी ऊंटनी की तरह टामक टोइयां मारते हैं और वास्तविकता तक नहीं पहुंच पाते। उनके पत्थर दिल उन्हें विभिन्न प्रकार की शत्रुता और आफ़तों की दावत देते हैं और वे उस समय तक कभी भी ईमान नहीं लाते जब तक कि उनसे आराम और विश्राम छीन नहीं लिया जाता और जब तक उन पर कठिनाइयां नहीं आ पड़ती। अत: यह है आसमान से उतरने वाले अज़ाब का कारण और इसी कारण ताऊन आई

مـن الجـبر للانتبـاه. ولا حـرج ولا اعـتراض، فإنـه أمـر مـا مسّـه أيـدى الإنسـان، بـل هـو آيـة مـن الرحمٰـن. وليسـت الآيـات المنـذرة مـن قبيـل الإكـراه والجبر، وإنمـا الإكـراه فى المرهفـات وغيرهـا مـن آلات الزُّبَـر. فاختـار الله لهـذا الزمـان لتنبيـه الغافلـين نوعًـا مـن العـذاب، وهـو مـا يخـرُج مـن السـماء لا مـا يخـرج مـن القِـراب. فألقـى الرعـب فى القلـوب مـرة بالطاعـون المقعِص البتّـار، وطورًا بـزلازل سـجدتْ لهـا جـدران الديـار، وأخـرٰى بطوفـانٍ ناريٍّ انشـقت بـه الجبـال وارتجّـت بـه البحـار. وإنـه فى تغيُّـظ وزفيرٍ، ومـا قـلَّ مـن تدبـير، ومـا غـادر مـن صغـير ولا كبـير. وقـد جمعـت الحكومـة لدفعـه كلَّ مـا رأت أحسـنَ فى هـذا البـاب، فمـا ظفـرتْ بسـببٍ

थी। अत: चाहिए कि बुद्धिमान इस पर विचार करें। निस्सन्देह धर्म में कोई ज़बरदस्ती नहीं लेकिन उनके स्वभाव किसी न किसी प्रकार की ज़बरदस्ती की मांग करते हैं। और उम्मत में भी कोई ज़बरदस्ती नहीं लेकिन उनके स्वभाव चेतावनी के लिए एक प्रकार का बल प्रयोग चाहते हैं और इसमें कोई आपत्ति नहीं क्योंकि यह एक ऐसा मामला है कि जिस में इंसानी हाथ का हस्तक्षेप नहीं बल्कि यह रहमान ख़ुदा की ओर से एक महान निशान है और सचेत करने वाले निशान ज़बरदस्ती और बल प्रयोग के कोटे में नहीं आते। बल प्रयोग और ज़बरदस्ती तो केवल नंगी तलवारों और अन्य लोहे के हथियारों से ही होता है। अत: अल्लाह ने इस ज़माने के बेपरवाहों को ख़बरदार करने के लिए एक प्रकार के अज़ाब का चयन किया और वह (अज़ाब) आसमान से आता है न कि (तलवारों को) मियान से बाहर करने से। अत: कभी तो उसने अर्थात अल्लाह ने सफाया करने वाली विनाशकारी ताऊन के द्वारा दिलों पर रोब डाला और कभी ऐसे भूकंपों के द्वारा कि जिनके सामने घरों की दीवारें ज़मीन में धंस गईं। और कभी ऐसे भयानक तूफान के द्वारा कि जिससे पहाड़ टुकड़े-टुकड़े हो गए और समुंदर

مـن الاسـباب. فـاء صـل الامـر أن الله تعـالى أجـاب طاعِـنِيَّ ومَـنْ معـهم بالطاعـون، ومَـنَّ عـلىّ بالمنـون، وخاطبـنى قبـل هـذا الوبـاء ، وقـال: «الامـراض تشـاع والنفـوس تضـاع»، فأنـزل النـكال وفعَـل كمـا قـال. ووالله إنى قـد أُنبئـتُ بـه قبـل هـذه المائـة الهجريّـة، ثـم تواتـر الاخبـار حـتى ظهـر الطاعـون فى هـذه الناحيـة. ولمّـا بلغـنى هـذا الخـبر ووصلـنى منـه الاثـر، أجَلـتُ فيـه بصـرى، وكـررت فيـه نظـرى، فـإذا هـى الآيـة الموعـودة، والعِـدَة المعهـودة. ثـم إن الطاعـون قلّـل المعاديـن، وكثّـر حزبنـا المسـتضعَفين، حـتّى إنـهم صـاروا زهـاء مائـة ألـفٍ أو يزيـدون. وأمـا فى هـذه الايـام فعِدّتُـهم قريـب مـن ضِعفهـا، وإن فى هـذه لآيـة لقـوم يتدبّـرون. والذيـن

उफान से उबल पड़े और किसी उपाय से भी उनका ज़ोर कम नहीं हुआ। और उसने किसी खुरदो कला (बड़े छोटे) को न छोड़ा। हुकूमत ने ताऊन की रोकथाम के लिए जितने भी बेहतर से बेहतर उपाय संभव थे, अपनाए परन्तु किसी प्रकार भी उसे सफलता प्राप्त न हुई। अत: असल वास्तविकता यह है कि अल्लाह तआला ने मुझ पर आरोप लगाने वालों और उनके साथियों को ताऊन के द्वारा उत्तर दिया और (उनकी) मौतों के द्वारा मुझ पर उपकार किया और इस आपदा से पहले ही उसने मुझे संबोधित करते हुए कहा कि "बीमारियां फैलेंगी और जानें नष्ट होंगी"। अत: उसने सीख देने वाला अज़ाब उतारा और जैसा कहा था कर दिखाया। ख़ुदा की क़सम इस सदी हिजरी के आरंभ से पहले ही मुझे इसके बारे में बता दिया गया था और बाद उसके निरंतर यह ख़बरें आईं यहां तक कि इस भूभाग में ताऊन प्रकट हो गई और जब मुझे यह ख़बर मिली और यह सूचना मुझ तक पहुंची तो मैंने निगाह दौड़ाई और उस पर गहरी नज़र डाली तो मालूम हुआ कि यह तो कथित और निर्धारित वादा है। इसके अतिरिक्त ताऊन ने दुश्मनों की संख्या में कमी की और हमारे कमज़ोर समूह को इतना बाहुल्य

اعتنقوا الحسد والشحناء، فهم يؤثرون الظلام ولا يؤثرون الضياء، وقد انتقشت الضغائن والاحقاد على قرائحهم من الابتداء، وهي شيء توارثه الابناء من الآباء. وترى فيهم موادًا سُمِّيّةً من البخل والعُجب والرياء، ما سمعنا نظيرها في قرون طويلة وأزمنة ممتدة في قصص الكفار والاشقياء. ووالله كفى مِن عَلَمٍ على قرب القيامة وجودُ هذه العلماء. يقرَبون أهلَ الدنيا ليُكرَموا عندهم، ولا يقرَبون التقوى ليُكرَموا في السماء. وقع الإسلام في وِهاد الغربة وهم ينامون على بساط الراحة، ودِيست الملّة وهم يراؤون بالعمامة والجبّة والعصيّ الجميلة واللحى الطويلة. زالت قوة الملة وفُقد سلطان الدين،

प्रदान किया कि उनकी संख्या एक लाख के लगभग या उससे भी अधिक हो गई है और आजकल तो उनकी संख्या पहले से दोगुनी के निकट पहुंच चुकी है और उसमें विचार करने वालों के लिए बहुत बड़ा निशान है और वे लोग जो ईर्ष्या और द्वेष को अपने गले से लगाए बैठे हैं और अंधकार को प्राथमिकता देते हैं और प्रकाश को प्राथमिकता नहीं देते, उनके स्वभाव पर आरंभ से ही द्वेष और पक्षपात ने अपनी छाप जमा रखी है। और यह वह चीज़ है जो बेटों को अपने बाप-दादाओं से विरासत में मिली है और तू उन में कंजूसी, अहंकार और दिखावे का ऐसा ज़हरीला तत्व पाता है जिसका उदाहरण काफिरों और दुर्भाग्यशालियों के किस्सों में दूरदराज़ के ज़माने और लंबे समय से सुनने में नहीं आया। और अल्लाह की क़सम इन उलमा का वजूद क़यामत के निकट होने के निशान के तौर पर पर्याप्त है। वे दुनियादारों के निकट होते हैं ताकि उनके निकट सम्माननीय समझे जाएं और वे संयम के निकट नहीं जाते ताकि आसमान में उनका सम्मान हो। इस्लाम बेबसी के गढ़े में पड़ा हुआ है और वे आरामदेह बिस्तरों पर सो रहे हैं। उम्मते (इस्लामिया) पराजित कर दी गईं लेकिन वे हैं कि अपने

وهم يبتغون زينة الدنيا وقُرب السلاطين۔ثم مع ذالك لا حاجة عندهم إلىٰ مجدّدٍ من الرحمٰن! وحسبُهم أنفسُهم حُماةَ الدين و كُماةَ الميدان! ولما التصق بهم كثير من نجاسة الدنيا وعفونتها، وقذرِها وعَذَرتِها، ذهب الله بنور عرفانهم، وتركهم فى طغيانهم. ما بقى فيهم دقة النظر وصحة الفراسة، وقوة تلقِّى الاسرار ولطافة العقل والكياسة. وأرٰى أن أبواب الهدى تفتح على غيرهم ولا تفتح عليهم لخبث القلوب، فإنهم قطعوا العُلَقَ كلها من المحبوب، وصعب عليهم استقصاء الحقايق واستخراج الدقائق وحلُّ المعضلات الدينية. ومع ذالك هم الامناء والصادقون والصالحون فى أعين العامة، والابرياء مِن

जुब्बा और दस्तार (पगड़ी और चोले) और सुंदर सवारियों और लंबी दाढ़ियों का दिखावा कर रहे हैं। उम्मत की शक्ति समाप्त हो गई है और इस्लाम धर्म का प्रभुत्व समाप्त हो चुका है और वे हैं कि दुनिया के सौंदर्य और बादशाहों के समीप होने के इच्छुक हैं इस अवस्था के बावजूद उनके निकट रहमान ख़ुदा के किसी मुजद्दिद (सुधारक) की आवश्यकता नहीं और वह अपने आप को ही धर्म के सहायक और मर्दे मैदान के तौर पर पर्याप्त समझते हैं और जब दुनिया की गंदगी और उसकी बदबू और मैल कुचैल उनके साथ खूब चिपट गई तो अल्लाह उनके विवेक के नूर को ले गया और उन्हें उनकी उद्दंडता में ऐसा छोड़ दिया कि उनमें बारीक बीनी, सूक्ष्मता, सद्बुद्धि और रहस्यों तक पहुँचने की शक्ति और बुद्धि की सूक्ष्मता शेष न रही और मैं देखता हूं कि उनके अतिरिक्त दूसरों पर तो हिदायत के द्वार खोले जाते हैं परन्तु उनकी आंतरिक मलिनता के कारण उन पर नहीं खोले जाते क्योंकि उन्होंने वास्तविक महबूब (ख़ुदा) से समस्त संबंध तोड़ लिए हैं और उन पर वास्तविकता की गहराई तक पहुंचना, गम्भीर विषयों की व्याख्या करना और धर्म के कठिन विषयों को हल करना कठिन हो

كل ما ذكرنا فى هذه الصحيفة! فهذا إحدى المصائب على الملة، وليس الطاعون إلا نتيجة هذه التقاة، وثمرة هذه الحسنات! ونرٰى أن هذه البلاد وشوارعها قد بولغ فى أمور نظافتها ببذل المال والسعى والهمة، وأُلقى فى كل بئرٍ دواء يقتل الديدان بالخاصية، ثم نرى الطاعون كلّ يوم فى الزيادة، وكذالك ثبت التطعيم كالعقيم، وبطل ما ظُنَّ فيه من المنفعة، وقد سمعتَ ما ظهر من النتيجة، وما نفَع شربُ الادوية، ولا تعهُّدُ الحارات والازقّة والمنازل الموبوءة، وإزالةُ كل ما كان مضرّا بالصّحة. وقد بلغت التدابير منتهاها، ثم مع ذالك نرٰى نار الطاعون يزيد لظاها. وما تقلَّص إلٰى هذا الوقت هذا الداء الوبيل، وما

गया। इसके बावजूद वे जन सामान्य की निगाहों में अमानत दार, सच्चे और नेक हैं और उन समस्त दोषों से पवित्र हैं जिनका वर्णन हमने अपनी इस पुस्तक में किया है। अत: यह उम्मत पर आने वाली मुसीबतों में से एक मुसीबत है और ताऊन केवल उनके इस संयम का परिणाम और उनकी इन्हीं शुभकर्मों का फल है। और हम देखते हैं कि बहुत अधिक माल ख़र्च करके और पूर्ण प्रयत्न और हिम्मत से उन शहरों और उनके गली-कूचों की सफ़ाई का भरपूर प्रबंध किया गया, विशेष रूप से हर कुएं में कीड़े मारने वाली दवाई डाली गई। फिर भी हम देखते हैं कि ताऊन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है और यह टीके का काम बेफ़ायदा सिद्ध हुआ और टीका लगवाने में जो लाभ अनुमान किया जाता था वह बिल्कुल असफल हुआ है और उसका जो परिणाम निकला उसे तुम सुन चुके हो। और दवाइयों के प्रयोग और मोहल्लों तथा गली कूचों और आपदा ग्रस्त स्थानों की निगरानी और स्वास्थ्य के लिए प्रत्येक हानिकारक वस्तु का निवारण करने ने कोई लाभ न दिया। समस्त उपाय भरपूर प्रयत्नों के साथ अपनाए गए उसके बावजूद हम देखते हैं कि ताऊन की गर्मी के शोले

انقشعت غياهبه إلى قدر قليل، بل صراصره كل يوم مُجيحة، وزلازله مُبيدة، و عقول الاطباء متحيرة، وأحلامهم مبهوتة. ولم يقتصر هذا المرض على المحال القذرة كما ظن فى الابتداء ، بل زار القذرةَ وغيرها على السواء، ودخل جميع الربوع والاحياء، وفجَع كثيرا من أهلها وملإ البيوت من الصراخ والبكاء. وتواترت زلازله المفزعة، وصواقعه المريعة، ودخل كل بلدة بأنواع العذاب، ولكن طابت له الإقامة فى الفنجاب وما بقيت أرض لم تحدث فيها إصابة مّا من الطاعون، ولم يبق دار لم يرتفع فيها أصوات المَنون. فما ذالك إلا جزاء الاعمال، وثمرة ما تقدم من سيئات الاقوال والافعال. وإلى الآن لم ينقطع هذا

बढ़ते चले जा रहे हैं और अब तक यह प्राणघातक बीमारी कम नहीं हुई और उसके अंधेरे तनिक भी नहीं छठे बल्कि उसकी तेज़ आंधियां प्रतिदिन तबाही मचा रही हैं और उसके भूकंप हाहाकार मचा रहे हैं और चिकित्सकों की बुद्धि आश्चर्यचकित और उनकी अक़्ल हैरान हैं। और यह बीमारी गन्दे स्थानों तक ही सीमित नहीं जैसा कि आरंभ में विचार किया गया था बल्कि यह बीमारी गन्दे और स्वच्छ दोनों स्थानों पर एक समान पहुंची है और समस्त बस्तियों और क़बीलों में प्रवेश कर गई है और उसने वहां के बहुत से निवासियों को कष्ट पहुंचाया और घरों को विलाप से भर दिया और उसके भयानक भूकंप और भयावह बिजलियां निरंतर आईं और विभिन्न प्रकार के अज़ाब लिए हर बस्ती में प्रवेश कर गईं। लेकिन पंजाब में डेरा डालना उसे बहुत ही भला लगा और कोई स्थान ऐसा शेष न रहा जो ताऊन की लपेट में न आया हो और कोई घर ऐसा न रहा जहां से मातम की आवाज़ें बुलंद न हुई हों। और यह सब कुछ केवल उनके कर्मों का फल और कथनी-करनी की दृष्टि से उनके पूर्व गुनाहों का परिणाम है। और यह तूफान अभी तक थमा नहीं। सब्र और संतोष की कोई सूरत शेष

الطوفان، ولم يبق جميل الصبر والسلوان. و كيف ولم ينقطع مادّته التى فى الصدور، بل هى فى زيادة و بدور۔قد سمعوا ما جاء من الله ذى الجلال، ثم لا يتمالكون أنفسهم من الاشتعال، وقطعوا العُلَق وأقسموا جهد أيمانهم أنهم لا يسمعون الحق ولا يتركون الضلال. و كانوا يقولون من قبل إن قول الحَكَمِ مقدَّم على الاحاديث الظنية، والآن يقدّمون ظنونهم على النصوص القرآنية والدلائل القطعية. وإنّ جبروت الالوهية أدهشت الدنيا كلها ولكن ما قرُب خوفُ قلوبَ هذه الطائفة، كأنهم براء فى صُحف المشيّة. وقد رأوا نقل بعض الصدور منهم إلى القبور، ثم لا يمتنعون من السب والشتم والكذب والزور،

नहीं रही और यह ताऊन का तूफान थमता भी कैसे जबकि उनके सीनों में बुराइयों का गंदा तत्व समाप्त नहीं हुआ बल्कि यह तेज़ी से बढ़ता ही जा रहा है। प्रतापवान ख़ुदा का कथन उन्होंने सुना तो अवश्य परन्तु फिर भी क्रोध के कारण उन्हें अपने ऊपर क़ाबू नहीं। उन्होंने संबंध तोड़ लिया और पक्की क़समें खाईं कि वे सत्य पर कान नहीं धरेंगे और गुमराही को नहीं छोड़ेंगे हालांकि इससे पहले वह यह कहा करते थे कि हकम (निर्णायक) का आदेश अनुमानित हदीसों पर प्राथमिकता रखता है परन्तु अब वे अपनी काल्पनिक बातों को क़ुर्आनी आयतों और अकाट्य तर्कों पर प्राथमिकता देते हैं। उलुहिय्यते मसीह नासरी (मसीह को ख़ुदा बनाने) की जाबिराना आस्था ने सारी दुनिया को वशीभूत किया हुआ है परन्तु भय इस समूह के दिलों के निकट तक नहीं फटका मानो कि वे तक़दीर के लिखे से आज़ाद हैं। उन्होंने अपने कुछ सक्रिय लोगों को अपनी आंखों से क़ब्रों में जाते हुए देखा फिर भी वे अत्याचार और ग़लत बयानी और झूठ से बाज़ नहीं आते। मानो कि उन्हें अपनी मांओं की छातियों से झूठ बोलने का दूध पिलाया गया है या स्वभाविक रूप से वे उन मूर्खताओं में पैदा किए गए

كأنهم أُرضعوا بها من ثدى الامهات، أو وُلدوا فطرةً على هذه الجهلات. أيحسبونني أني أُحِبُّ الشهرة فيحسدون. ووالله إني لا أحبّ إلا مغارة الخلوة لو كانوا يعلمون. وما كنتُ أن أخرُج إلى الناس من زاويتي، فأخرجني ربّي وأنا كارهٌ من قريحتي. وكنت أتنفر كل نفرة من الشهرة، وما كان شيء ألذّ إليّ من الخلوة، فأيّ ذنب عليّ إن أخرجني ربّي من حجرتي للمصلحة العامة. وما كنت من جرثومة العلماء الاجِلّة، ولا من قبيلة من بني الفاطمة، لاظَنَّ أنّي أطلب منصب بعض آبائي بهذه الحيلة. وما كان هذا إلّا فعل من السماء، وما كنت أنتظره لنفسي كأهل الاهواء. ثم بعد ذالك سعى العلماء كل السعى ليهدّوا

हैं। क्या वे मेरे बारे में विचार करते हैं कि मैं प्रसिद्धि का इच्छुक हूँ और (इस आधार पर) वे मुझसे द्वेष रखते हैं। ख़ुदा की क़सम मुझे तो केवल एकांतवास पसंद है काश वे जानते। मैं ऐसा नहीं था कि अपने एकांतवास से निकलकर लोगों के पास जाता परन्तु मेरे रब ने मेरे स्वभाव के प्रतिकूल मुझे बाहर निकाला। हालांकि मैं प्रसिद्धि से बहुत दूर भागता था और तन्हाई से बढ़कर मुझे कोई चीज़ प्यारी न थी। अत: यदि मेरे रब ने जनसामान्य के हित के लिए मुझे मेरे घर से निकाला है तो उसमें मुझ पर क्या दोष है? मैं न तो सम्माननीय विद्वानों के वंश से था और न फातिमा की संतान के कबीले से ताकि विचार किया जाता कि मैं इस बहाने से अपने कुछ बाप दादाओं का पद प्राप्त करने का इच्छुक हूं। यह तो बस पूर्णत: एक ख़ुदाई काम था। तामसिक इच्छाओं के पुजारियों के समान मैं अपने लिए इस पद का इच्छुक न था। फिर उसके बाद उलमा (विद्वानों) ने भरपूर प्रयत्न किए कि वह हमारी इमारत गिरा दें और हमारे सहायकों को अस्त-व्यस्त कर दें परन्तु अंतत: वे नाकाम और असफल हो गए और अल्लाह ने हमारी एकता को और मज़बूत कर दिया और सत्य की जिज्ञासा करने वाली जमाअतों ने हमारी बैअत कर ली

بنيانـنـا، و يُفرّقـوا أعواننـا، فـكان آخـر أمرهـم أنـهم أصبحـوا خاسـرين. وجمـع الله شـملنا وبايعَنـا أفـواج مـن الطالبـين. و كان هـذا أمـرا موعـودا مـن الله تعـالٰى فى كتـابى «البراهـين»، مـن مـدّة عشـرين سنة، و إنّ فى ذالـك لآيـة للمتفكرين. وأظهـر الله لى آيـات مـن السـماء وآيـات فى الارض ليهتـدى بهـا مـن كان مـن المبصرين. و إن الزمـان يتكـلـم بلسـان الحـال أنـه يحتـاج إلى مصلـح، وقـد بلـغ إلى غايـة الاختـلال. و يوجـد فى العالـم تقلّـبٌ أليـم، وتغـيّر عظيـم، لا يوجـد مثـله فيمـا سـبق مـن الازمنـة، و إنّ الهِمـم كلهـا تمايلـت عـلى الدنيـا الدنيّـة، وبقـى القـرآن كالمهجـور، وأُخـذت الفلسـفة كالقِبـلة. ونـرى الكسـل دخَـل القلـوبَ، ونـرى البدعـاتِ دخلـت

और यह 20 साल की अवधि से मेरी पुस्तक बराहीन-ए-अहमदिया में अल्लाह तआला की ओर से यह मामला निर्धारित है और इसमें विचार करने वालों के लिए एक बहुत बड़ा निशान है और अधिक यह है कि अल्लाह ने मेरे लिए आसमानी और ज़मीनी निशान प्रकट किए ताकि विवेकी लोग उनसे हिदायत पाएं। ज़माना अपने हाल से यह कह रहा है कि वह एक सुधारक का मोहताज है क्योंकि वह (ज़माना) बिगाड़ की चरम सीमा को पहुंच चुका है और दुनिया में एक ऐसा दर्दनाक इन्किलाब और बहुत बड़ा परिवर्तन पाया जाता है कि उसका उदाहरण गुज़रे ज़मानों में नहीं मिलता। और लोगों की समस्त हिम्मतें और शक्तियां इस तुच्छ संसार की ओर हो गई हैं और क़ुर्आन त्याज्य वस्तु के समान शेष रह गया है और दर्शनशास्त्र को मानो अपना सर्वस्व बना लिया गया है। और हम देखते हैं कि आलस्य दिलों में घर कर गया है और बिदअतें कर्मों में प्रवेश हो चुकी हैं। हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को बुरा भला कहा जाता है और हमारे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां दी जा रही हैं और वह आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को (नऊज़ुबिल्लाह) सबसे बुरा व्यक्ति समझते

الاعمالَ، ويُسَبُّ نبيُّنا ويُشتَم رسولنا ويحسبونه شر الرجال، ويُكذَّب كتاب الله بأشنع الاقوال وأكره المقال. فأين غيرة الله للقرآن وللرسول وقد وُطِيئَ الإسلام كذرّة تحت الجبال أينتظرون عيسٰى وقد ثارت بسببه ّ فتنٌ وهو في السماء فما بال يوم إذا نزل في الغبراء و كانت اليهود قبل ذالك ينتظرون، كمثل قومنا إلياسَ، فما كان مآل أمرهم إلا يأس. فمِن عقل المرء أن يعتبر بالغير ويجتنب سبل الضَّير، وقد قال الله تعالٰى: فَسْـَٔلُوْٓا اَهْلَ الذِّكْرِ اِنْ كُنْتُمْ لَا تَعْلَمُوْنَ۔

فليسألوا النصارىٰ هل نزل إلياس قبل عيسٰى من السماء كما كانوا يزعمون وليسألوا اليهود هل

हैं। और अत्यंत बुरे शब्दों से अल्लाह की किताब को झुठलाया जा रहा है। अत: क़ुर्आन और रसूल के लिए अल्लाह का स्वाभिमान कहां है जबकि इस्लाम को इस प्रकार रौंदा गया जैसे पहाड़ों के नीचे चींटी। क्या वे ईसा की प्रतीक्षा कर रहे हैं जबकि उसके कारण फ़ित्ने जोश मार रहे हैं और वह स्वयं आसमान पर विराजमान है। तो उस दिन क्या हाल होगा जब वह धरती पर अवतरित होगा। इससे पूर्व हमारी क़ौम के समान यहूदी, इलियास की प्रतीक्षा कर रहे थे। तो उनके मामले का परिणाम सिवाय मायूसी के कुछ न हुआ। अत: इंसान की बुद्धिमत्ता यही है कि वह दूसरों से सीख हासिल करे और हानिकारक मार्गों से बचे और अल्लाह तआला ने फरमाया है कि-

فَسْـَٔلُوْٓا اَهْلَ الذِّكْرِ اِنْ كُنْتُمْ لَا تَعْلَمُوْنَ ✲

अत: उन्हें चाहिए कि वे ईसाइयों से यह पूछें कि क्या इससे पहले इलियास आसमान से उतरा जैसा कि वे अनुमान करते थे? इसी प्रकार उन्हें यहूदियों से यह पूछना चाहिए कि हे प्रतीक्षा करने वालो! क्या तुमने अपने खोए

✲ **अनुवाद**:- अत: जानकारों से पूछ लो अगर तुम नहीं जानते (अन्नहल - 16/44)

وجدتم ما فقدتم أيها المنتظرون فثبت من هذا أن هذه العقائد ليست إلا الاهواء، ولا يجيء أحد من السماء وما جاء. فمن كان يبنى أمره على العادة المستمرة والسنة الجارية، هو أحق بالامن من رجل يأخذ طريقا غير سبيل متوارث من السابقين، ولا يوجد نظيره فى الاوّلين. وليس مثله إلا كمثل الذين يطلبون الكيمياء، فينهب ما بأيديهم زمرةُ الشُطّار والمحتالين، فيبكون عند ذالك ولا ينفعهم البكاء. وإن الاخبار الغيبية لا يخلو أكثرها من الاستعارات، والاصرار على ظواهرها مع مخالفة العقلؔ ومخالفة سنة الله فى أنبيائه من قبيل الضلالة والجهلات. و إن الكرامات حق لا ننكرها فى وقت من

हुए (नबी) को पा लिया है? अत: इससे यह सिद्ध हुआ कि उनकी यह आस्थाएं इच्छाओं के सिवा कुछ नहीं थीं और आसमान से कोई नहीं आएगा और न कोई इससे पहले आया है। अत: जो व्यक्ति अपनी आस्था का आधार पूर्व से चली आ रही आदत और निरंतर चली आ रही सुन्नत पर रखता है वह उस व्यक्ति से अधिक शांति का अधिकारी है जो पिछले बुजुर्गों से विरासत में मिलने वाले मार्ग को छोड़कर कोई और ऐसा मार्ग अपनाता है जिसका उदाहरण पहलों में नहीं पाया जाता। उनकी मिसाल तो उन लोगों के समान है जो कीमियां गरी (धातुओं को सोना बनाने) की इच्छा करते हैं तो शातिरों और चालबाज़ों का समूह जो कुछ उनके हाथों में होता है लूट लेता है फिर उस पर वह रोते-धोते हैं लेकिन यह रोना-धोना उनको कोई लाभ नहीं पहुंचाता और अधिकतर परोक्ष की खबरें इस्तेआरों (रूपकों) से ख़ाली नहीं होतीं और उनको बुद्धि के विपरीत तथा नबियों में जारी अल्लाह की सुन्नत के विपरीत वास्तविकता पर प्रत्यक्ष के अनुरूप समझने का हठ करना गुमराही और मूर्खता है। और चमत्कार सत्य हैं जिनका हम कभी भी इन्कार नहीं करते परन्तु हम उसी बात का इन्कार करते हैं जो

الاوقات، ولكن ننكر أمرًا خالفَ كتٰب الله وخالف ما ثبت من تلك الشهادات، وخالفَ سنن الله فى رسله ونافى كل المنافات، وهذا هو الحق كما لا يخفى على أهل الحصاة۔ وما أنكر اليهود عيسٰى إلا بما لم ينزل إلياسُ من السماء قبل ظهوره، فقالوا كافر كذاب ملحد ولم يعترفوا بذرّة من نوره. فلو كان من عادة الله إنزال الذين خلوا من السماوات، لاٰنزل إلياس قبل عيسٰى ولنجّى رسوله من ألسن اليهود ومن سبّهم إلى هذه الاوقات. والحق إنّ لكل أمة ابتلاء عند ظهور إمامهم، ليعلم الله كرامهم من لئامهم. كذالك لمّا جاء عيسى ابتُلى اليهود بعدم نزول إلياس من السماء، ولما جاء سيّدنا

अल्लाह की पुस्तकों के विपरीत और उन गवाहियों से प्रमाणित बात के विरुद्ध और अल्लाह के रसूलों में उसकी जारी सुन्नतों के विरुद्ध और पूर्णत: विपरीत है और यही वास्तविकता है जैसा कि बुद्धिमानों को ज्ञात है। और यहूदियों ने ईसा अलैहिस्सलाम का इन्कार केवल इसलिए किया था कि उसके प्रकटन से पहले इलियास आसमान से नहीं उतरा था। इसलिए उन्होंने ईसा अलैहिस्सलाम को कहा कि यह काफ़िर, महाझूठा और मुल्हिद है और उसके नूर को तनिक भी स्वीकार न किया। अत: यदि अल्लाह तआला की सुन्नत यह होती कि वह मृत्यु प्राप्त लोगों को आसमानों से उतारे, तो वह ईसा अलैहिस्सलाम से पहले इलियास अलैहिस्सलाम को ज़रूर उतारता, और अपने रसूल ईसा को यहूदियों की अब तक की गालियों और उन्हें बुरा भला कहने से अवश्य मुक्ति देता। वास्तविकता यह है कि हर उम्मत के इमाम के प्रादुर्भाव के समय उनके लिए कोई न कोई परीक्षा मुक़द्दर होती है ताकि इस प्रकार अल्लाह उनके सम्मानित लोगों को उनके अपमानित लोगों से अलग कर दे। इसी तरह जब ईसा आया तो इलियास के आसमान से न उतरने के कारण यहूदियों पर परीक्षा का समय

المصطفٰی قالوا لیس ھو من بنی إسرائیل فابتُلوا بھذا الابتلاء. ثم إنی لمّا بُعثتُ فی ھذا الزمان من ربّی الاعلی نحَت علماء الإسلام عذرًا کما نَحَتَ الیھود لإنکار عیسٰی. فالقلوب تشابھت، والوقائع اتحدت، فما نفعتْھم آیۃ، وما أَدْرَتْھم درایۃ. وواللّٰہ لو تمثلت الآیات النازلۃ لتصدیقی وتأییدی علی صور الرجال، لکانت أزیدَ من أفواج الملوک والاقیال. ولا یأتی علینا صباح ولا مساء إلّا ویأتی بہ أنواع الآیات، ثم مع ذالک ما أُریتُ آیۃ فی زعم ھذہ العجماوات وإن اللّٰہ حقّق فی نفسی سورۃ الضُّحٰی إذ توفّی أبی، وقال: «ألیس اللّٰہ بکاف عبدہ»، فکفلنی کما

आया और फिर जब हमारे सय्यदो मौला हज़रत (मोहम्मद) मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पधारे तो उन (यहूदियों) ने कहा कि आप[स॰] बनी इस्राईल में से नहीं हैं और वे इस परीक्षा का शिकार हो गए। फिर जब मेरे प्रतिष्ठावान एवं सम्माननीय रब की ओर से इस ज़माने में मुझे अवतरित किया गया तो इस्लाम के उलमा (विद्वानों) ने बिल्कुल वही ऐतराज़ प्रस्तुत किया जो यहूदियों ने ईसा अलैहिस्सलाम के इन्कार के लिए प्रस्तुत किया था। अत: दिल एक दूसरे से मिल गए और घटनाएँ परस्परत समान हो गईं, इसलिए किसी निशान ने उन्हें कोई लाभ न दिया और न किसी दिरायत ने उन्हें समझ दी और अल्लाह की क़सम अगर वह निशान जो मेरे सत्यापन और समर्थन में उतरे हैं, वह मर्दों का रूप धारण कर लें तो उनकी संख्या बादशाहों और राष्ट्र के प्रबंधकों की फौजों से भी अधिक हो। और हम पर कोई ऐसी सुबह और शाम नहीं गुज़रती है कि जो विभिन्न प्रकार के निशान लेकर न आती हो इसके बावजूद इन जानवरों के विचार में मैंने कोई निशान नहीं दिखाया। निस्सन्देह अल्लाह ने सूरत ज़ुहा के विषय को मेरे अस्तित्व में सिद्ध किया है। जब मेरे पिता का देहांत हुआ और

وعد وآوى. ثم لما رآنى ضالّا مضطرا إلى سبيله الاخفى، ولم يكن رجل ليهدينى.. علّمنى من لدنه وهدَى. ثم لمّا جمع عندى فوجا ووجدنى عائلا أنعم علىّ وأغنى. وهو معى أينما كنت، ويبارز لى من بارزنى من العدا، ولى عنده سرّ لا يعلمه غيره لا فى الارض ولا فى السما. وإذ قال: «أليس الله بكاف عبده» فى يوم وفاة أبى، فوالله ما ذُقْتُ عافية وراحة فى عهد أبى كعهد ربّى. وإذ رآنى فى ضلالة الحُبّ وبشّرنى بالهداية، فوالله جذَبنى كل الجذب وأجرى إلىّ بحار الدراية. وإذ قال إنى سأغنيك ولا أتركك فى الخصاصة، فوالله أنعم علىّ وعلى مَن معى مِن فوج من أصحاب الصفة.

(अल्लाह ने) اَلَيْسَ اللهُ بِكَافٍ عَبْدَهٗ* इल्हाम किया, तो उसने अपने वादे के अनुसार मेरा पोषण किया और शरण दी। फिर जब उसने मुझे अपने सबसे गुप्त मार्ग की तलाश में भटकते हुए और व्याकुल पाया और उस समय कोई ऐसा व्यक्ति न था जो मेरा मार्गदर्शन करता, तो उसने स्वयं ही अपनी ओर से मुझे शिक्षा दी और मेरा मार्गदर्शन किया। इसके पश्चात जब उसने मेरे पास एक फौज इकट्ठी कर दी और उसने मुझे ख़ाली हाथ पाया तो उसने मुझ पर इनाम किया और धनी कर दिया और जहां भी मैं होता हूं वह मेरे साथ है। और अगर शत्रुओं में से कोई मेरे साथ लड़ाई करता हो तो वह मेरे लिए उससे लड़ता है। और उसके साथ मेरे ऐसे भेद हैं कि जिन्हें उसके अतिरिक्त कोई दूसरा नहीं जानता, न धरती में और न आकाश में और जब से कि अल्लाह ने मेरे पिता की मृत्यु के दिन اَلَيْسَ اللهُ بِكَافٍ عَبْدَهٗ का इल्हाम किया है, मैं अल्लाह की क़सम खाकर कहता हूं कि मैंने अपने रब की छत्रछाया में सुरक्षा और आराम का जो मज़ा चखा है वह अपने पिता की छत्र छाया में भी नहीं चखा और जब उसने मुझे इश्क़ और मोहब्बत में खोया हुआ पाया तो हिदायत की खुशखबरी

* अर्थात् क्या अल्लाह अपने बन्दे के लिए पर्याप्त नहीं। अनुवादक

هـذه قصـتى.. ثـم يجعـل الحاسـدون مـن العلمـاء فى الدجالـين حصـتى. لا يـرون ضعـف الديـن والمـلة، بـل يُضعِفـون الضعيـف ويتركونـه فى الانيـاب النصرانيـة۔

दी। फिर ख़ुदा की क़सम उसने पूरी तरह मुझे अपनी ओर खींच लिया और समझ-बूझ तथा दिरायत के समुंदरों को मेरी ओर बहा दिया और जब उसने कहा कि मैं तुझे शीघ्र नि:स्पृह कर दूंगा और तुझे गरीबी में पड़ा नहीं रहने दूंगा तो ख़ुदा की क़सम उसने मुझ पर और मेरे साथ असहाब सुफ़्फ़ा* की फौज पर (बहुत) इनाम किए। यह है मेरी दास्तान फिर भी ये द्वेष रखने वाले उलमा मेरी गिनती दज्जालों में करते हैं। ये (उलमा) धर्म और उम्मत की कमज़ोरी को नहीं देखते बल्कि इस कमज़ोरी को और अधिक कमज़ोर करते चले जा रहे हैं और उसे ईसाइयत की कुचलियों में (पिसने के लिए) छोड़ रहे हैं।

* **अस्हाब-ए-सुफ़्फ़ा-** वे लोग जो ख़ुदा और उसके नबी के लिए मस्जिद में ही रहते हैं और दुनिया को बिल्कुल ही छोड़ देते हैं। अनुवादक

التعليم للجماعة

لا يدخل فى جماعتنا إلا الذى دخل فى دين الإسلام، واتّبع كتابَ الله وسُننَ سيّدنا خير الانام، وآمن بالله ورسوله الكريم الرحيم، وبالحشر والنشر والجنة والجحيم. ويعِد ويقرّ بأنه لن يبتغى دينا غير دين الإسلام، ويموت علىٰ هذا الدين.. دين الفطرة.. متمسّكا بكتاب الله العلّام، ويعمل بكل ما ثبت من السنّة والقرآن وإجماع الصحابة الكرام۔ومن ترك هذه الثلاثة فقد ترك نفسه فى النار، وكان مآله التباب والتبار. فاعلموا أيها الإخوان أن الإيمان لا يتحقق إلا بالعمل

अपनी जमाअत के लिए शिक्षा

हमारी जमाअत में केवल वही सम्मिलित होता है जो इस्लाम धर्म में सम्मिलित है और जिसने अल्लाह की किताब और हमारे सैयदो मौला ख़ैरुल अनाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सुन्नत का अनुसरण किया और अल्लाह और उसके रसूल करीम-व-रहीम, क़यामत के दिन और स्वर्ग तथा नर्क पर ईमान लाया और वह यह वादा और इक़रार करता है कि वह इस्लाम धर्म के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म का इच्छुक न होगा और इसी धर्म पर जो कि फितरत का धर्म है इस हालत में मरेगा कि वह सर्वज्ञानी ख़ुदा की किताब (क़ुर्आन) को दृढ़ता पूर्वक पकड़े हुए होगा और हर उस बात का पालन करेगा जो सुन्नत और क़ुर्आन और सहाबा किराम की सर्वसम्मति से सिद्ध है और जिस ने इन तीन बुनियादी बातों को छोड़ा तो उसने अपने आप को आग में डाल लिया और इसका परिणाम तबाही और बर्बादी है। अत: हे मेरे भाइयो! आप सब को यह मालूम होना चाहिए कि ईमान अच्छे काम और तक्वा के बगैर सिद्ध नहीं होता। अत: जिसने अच्छे काम को

الصالح والاتقاء، فمن ترك العمل متعمدا متكبرا فلا إيمانَ له عند حضرة الكبرياء. فاتقوا الله أيها الإخوان وابدُروا إلى الصالحات، واجتنبوا السيئات قبل الممات. ولا تغرَّنّكم نضرة الدنيا وخُضرتها، وبريق هذه الدار وزينتها. فإنها سراب ومآلها تباب، وحلاوتها مرارة وربحها خسارة. وإن الصاعدين فى مراتبها يشابهون دَرِيّةَ الصَّعْدة، والراغبين فى شوكتها يضاهئون مجروحَ الشوكة. ومَن تمايَلَ على خيرها فهو يبعد من معادن الخيرات، ومن دخل فى سراتها فهو يخرج من الصراط. وإن نورها ظلمات، ونجدتها ظلامات. فلا تميلوا إليها كل الميل، فإنها تُغرق سابحها ولا كالسَّيل. ولا تقصدوها

जानबूझ कर और अहंकार पूर्वक त्याग दिया तो प्रतिष्ठावान ख़ुदा के दरबार में उसका कोई ईमान नहीं। अत: हे भाइयो! अल्लाह से डरो और नेकियों की ओर तेज़ी से बढ़ो और मरने से पहले बुराइयों से दूर हो जाओ। दुनिया का एश्वर्य और इस अस्थाई संसार की चमक-दमक और उसकी सजावट और ठाठबाठ तुम्हें धोखे में न डाले क्योंकि यह सब कुछ भ्रान्ति है और उसका परिणाम तबाही है। और इस दुनिया की मिठास कड़वाहट है और उसका ब्याज व्यर्थ जाना है और उसके उच्च पदों पर तरक्की पाने वाले भालों का निशाना बनने वालों से समानता रखते हैं और उसके वैभव की इच्छा रखने वाले कांटो से घायल के समान हैं। जो इस (संसार) के माल-दौलत की ओर झुकाव रखता है तो वह नेकी के ख़ज़ानों से दूर हो जाता है और जो उसके सरदारों में प्रवेश करता है वह सीधे रास्ते से भटक जाता है। उसका प्रकाश-अंधेरा है और उसकी सहायता अत्याचार और ज़ुल्म है। इसलिए उसकी ओर पूर्णत: मत झुको क्योंकि यह (दुनिया) अपने तैराक को बाढ़ से भी बढ़कर डुबोने वाली है। अत: धर्म से मुक्त और विमुख होने वाले के इरादा करने के समान संसार का इरादा न करो और उसको

قصدَ مُشيحٍ فارغٍ من الدين، ولا تجعلوها إلا كخادم في سبل الملّة لا كالخَدِين. ولا تطمَعوا كل الطمع في أن تكونوا أغنى الناس رحيبَ الباع خصيب الرِّباع، ولا تنسوا حظّكم من دينكم فلا تُعطَون ذرة من ذالك الشعاع. وإن الدنيا أكلت آباء كم وآباء آبائكم، فكيف تترككم وأزواجكم وأبناء كم؟ ولا تتخذوا أحدًا عدوًّا من حقدِ أنفسكم كالسفهاء، وطهّروا نفوسكم من الضغن والشحناء. ولا تنكُثوا العهود بعد ميثاقها، ولا تكونوا عبيدَ أنفسكم بعد استرقاقها، وكونوا من عباد الله الذين إذا حالفوا فما خالفوا، وإذا وافقوا فما نافقوا، وإذا أحبّوا فما سبّوا. ولا تتبعوا الشيطان الرّجيم، ولا تعصوا

धर्म के मार्ग में सहायक की हैसियत दो न कि अपने जिगरी दोस्त की और तुम कदापि यह लालच न करो कि तुम समस्त लोगों से अधिक धनी और संपन्न और खुशहाल हो जाओ और अपने धर्म में से अपने भाग्य को मत भूलो अन्यथा तुम्हें इस (ईमानी) प्रकाश में से एक कण भी नहीं दिया जाएगा। यह संसार तुम्हारे बाप-दादा और उनके बाप-दादा को निगल चुका है तो फिर यह संसार तुम्हें तुम्हारी पत्नियों और पुत्रों को कैसे छोड़ देगा? और अज्ञानियों के समान अपनी द्वेष भावना से किसी को शत्रु न बनाओ। अपने दिलों को हर प्रकार के द्वेष और ईर्ष्या से पवित्र रखो और पक्का वादा कर लेने के बाद उन्हें न तोड़ो और अपने दिलों पर विजयी होने के बाद उनके ग़ुलाम मत बनो और अल्लाह के उन बन्दों में से हो जाओ कि जब वह क़सम खाते हैं तो उसके विरुद्ध नहीं करते और जब किसी से दोस्ती करें तो दोगलापन नहीं करते और जब मोहब्बत करते हैं तो गाली गलौज नहीं करते। और ख़ुदा के दरबार से धुत्कारे हुए शैतान की पैरवी न करो और अपने रब की नाफरमानी न करो चाहे दर्दनाक अज़ाब से मर ही जाओ। छाया से भी बढ़कर ख़ुदा के आज्ञाकारी हो जाओ और स्वच्छ जल

ربكم الكريم، وإن مِتّم بالعذاب الاليم. كونوا لله أطوعَ من الاظلال، وأصفٰى من الزلال، وتَواصَوا بالافعال لا بالاقوال. وتَحامَوا اللسان، وطهِّروا الجنان. وإذا تنازعتم فرُدُّوه إلى الإمام، وإذا قضٰى قضيتكم فارضوا بها واقطعوا الخصام، وإن لم ترضوا فأنتم تؤمنون بالاسن لا بالجنان، فاخشوا أن تحبَط أعمالكم بما أصررتم على العصيان.تيقّظوا أن لا تضلّوا بعدَ أن جاء كم الهدىٰ، و كونوا لربّكم وآثروا الدّين على الدُّنيا، ولا تكونوا كالذين لا يخافون الله و يخافون عباده، و يتبعون أهواء هم و ينسون مراده يبتغون عند أبناء الدّنيا عزّة، وما هى إلا ذلة. أنتم شهداء الله فلا تكتموا الشهادة، وأخبِروا

से भी अधिक स्वच्छ बन जाओ। अपने कर्मों से दूसरों को नसीहत करो न कि केवल मौखिक जमा पूँजी से। ज़बान की निगरानी करो और दिल को पाक रखो और जब तुम में झगड़ा हो जाए तो उसे इमाम के पास ले जाओ और जब वह तुम्हारे मामले का फैसला कर दे तो उस पर सहमत हो जाओ और झगड़ा समाप्त कर दो और अगर प्रसन्नतापूर्वक उसे स्वीकार न करोगे तो तुम्हारा ईमान केवल मौखिक होगा, हार्दिक नहीं। अत: अवज्ञा पर हठ के कारण अपने कर्मों के नष्ट होने से डरो। जाग जाओ ताकि हिदायत आने के बाद तुम फिर गुमराह न हो जाओ। अपने रब के हो जाओ और धर्म को दुनियादारी पर प्राथमिकता दो और ऐसे लोगों की तरह न बनो जो अल्लाह से तो नहीं डरते लेकिन उसके बंदों से डरते हैं और अपनी तामसिक इच्छाओं का अनुसरण करते हैं और अपने ख़ुदा की इच्छा को भूल जाते हैं। वे सांसारिक लोगों के दरबार में सम्मान पाने के इच्छुक हैं हालांकि यह तो निपट अपमान है। तुम अल्लाह के गवाह हो इसलिए गवाही को मत छुपाओ। ख़ुदा के बन्दों को यह अच्छी तरह बता दो कि आग भड़की हुई है अत: उस से बचो, देश आपदा ग्रस्त है अत: इससे बचो। संसार घने वृक्षों वाली वादी है और उसके

عبـاده أن النـار موقـودة فاتقوهـا، والديـار موبـوءة فاجتنبوهـا. وإن الدنيـا شـاجنة، وأُسـودُها مفترسـة، فـلا تجولـوا فی شـجونها، وامنعـوا نفوسـكم مـن جرأتهـا ومجونهـا، وزَكُّوهـا وبيِّضوهـا كاللُّجَـين، ولا تتركوهـا حـتی تصـير نقيّـة مـن الدَّرَن والشَّـين. وقـد أفلـح مـن زكّاهـا، وقـد خـاب مـن دسّـاها. ولا تتّكئـوا عـلی البيعـة مـن غـير التطهـر والتزكيـة، ولسـتم إلا كهاجِـنٍ مـن غـير عُـدّةِ الفطـرة، ولا تطلبـوا عـين المعرفـة مـن الذيـن لـم يُعطَـوا عـين البصـيرة. واعتلِقـوا بی اعتـلاقَ الزهـر بالشـجرة، لتصلـوا مـن مرتبـة النَّـور إلی مرتبـة الثمرة. اتقـوا الله.. اتقـوا الله يـا ذوی الحصـاة، ولا تكونـوا كمـن لـویٰ عِنانـه إلی الشـهوات، ولا تنسـوا

शेर खूंखार हैं इसलिए उस की वादियों में आवारागर्दी न करो और अपने नफ्सों को उनकी बेबाकी और निर्लज्जता से बचाओ। उन्हें पवित्र करो और चांदी की तरह चमकाओ और उस समय तक न छोड़ो यहां तक कि वे मैल और दोष से पवित्र हो जाएं और जिसने उसको पवित्र किया तो (समझो कि अपने उद्देश्य को प्राप्त कर लिया और जिसने उसे (मिट्टी में) गाढ़ दिया (समझ लो) कि वह असफल हो गया। अत: बिना पवित्र हुए केवल बैअत पर निर्भर न रहो क्योंकि फ़ितरत को पवित्र किए बिना (बैअत करने की अवस्था में) तुम उस बच्ची की तरह हो जिसके वयस्क होने से पूर्व उसकी शादी कर दी जाए। तुम उन लोगों से अध्यात्म ज्ञान की इच्छा न करो जिन्हें आध्यात्मिकता नहीं दी गई। मेरे साथ ऐसा संबंध बनाओ जैसा एक कोंपल का वृक्ष से होता है ताकि इस संबंध से तुम एक कली से फल के स्तर तक पहुंच जाओ। हे बुद्धिमानो! अल्लाह से डरो, अल्लाह से डरो और उस व्यक्ति की तरह मत बनो जिसने अपने नफ़्स की लगाम तामसिक इच्छाओं की ओर मोड़ रखी है और अपने रब की प्रतिष्ठा को न भुलाओ जो तमाम अवस्थाओं में तुम्हारी हर हरकत को देखता है। वास्तविकता यह है कि

عظمة ربّ يرى تقلُّبَكم فى جميع الحالات. و إن الله لا يحب إلا قلوبا صافية، و نفوسا مطهرة، و هِممًا مُجِدّة مُشيحة. فمتى تنفَون هذا النمط تضاهئون فى عينه السَّقَطَ. فإيا كم و الكسلَ و عيشةَ الغافلين، و أَرْضُوا ربّكم قائمين أمامه و ساجدين غير مستريحين، و حافِظوا على حدوده و كونوا عبادا مخلصين. وَلْيَسْرِ عنكم همُّكم بذِكرِ كريمٍ هو مهتمّكم. و كيف يسرى الوسنُ إلى آماقكم، وليس توكُّلكم على خلاقكم عند إشفاقكم؟ اتبعوا النور ولا تؤثروا السُّرَى، وانظروا إلى وجه الله ولا تنظروا إلى الورىٰ. اشكروا حكّام الارض ولا تنسوا حاكمكم الذى فى السماء. ولن ينفعكم ولن يضرّكم أحد إلا إذا

अल्लाह तआला पवित्र हृदयों, तत्पर, दृढ़संकल्प और साहसी लोगों को ही पसंद करता है जब तुम इस तरीक़े को नकारोगे तो अल्लाह के दरबार में रद्दी चीज़ के समान हो जाओगे। अत: आलसी और लापरवाहों जैसी ज़िन्दगी से बचो और आराम को त्याग कर अपने रब के समक्ष खड़े होकर और सजदे में गिर कर उसे प्रसन्न करो। उसकी सीमाओं का उल्लंघन न करो और उसके निष्कपट बंदे बन जाओ। चाहिए कि कृपालु रब्ब की याद से तुम्हारे समस्त गम दूर हो जाएं क्योंकि वही तुम्हारा ग़म दूर करने वाला है और अगर भय के समय तुम्हारा अपने सृष्टा ख़ुदा पर भरोसा नहीं तो तुम्हारी आंखों में नींद कैसे आ सकती है? नूर का अनुसरण करो और अंधकार में चलने को प्राथमिकता न दो। अल्लाह की ओर निगाह करो और सृष्टि की ओर न देखो। सांसारिक बादशाहों का धन्यवाद अवश्य करो परन्तु अपने उस हाकिम को न भूलो जो आसमान में है। तुम्हें कदापि न कोई लाभ पहुंचा सकता है और न हानि जब तक तुम्हारे रब का इरादा न हो। अत: हे बुद्धिमानो! अपने रब से दूरी न बनाओ तुम देख रहे हो कि किस प्रकार सृष्टि में तलवार चलाई जा रही है और (उसके परिणाम स्वरूप) निरंतर मौतें

أرادربّكم، فلا تبعُدوا من ربّكم يا ذوى الدهاء. ترون كيف تُوضَع فى الخَلق السيوف، ويتتابع الحتوف، وترون صَولَ القَدَرِ وتبابَ الزُّمَرِ. فعليكم أن تأووا إلى ركن شديد، وهو الله القوى ذو العرش المجيد. كونوا لله وادخلوا فى الامان، ولا عاصِمَ اليوم من دونه يا فتيان۔ ولا تخدعوا أنفسكم بالحيل الارضية، والامر كله بيد الله يا ذوى الفطنة. ولا تتركوا بَونًا بينكم وبين الحضرة، يكُنْ بَونٌ منه وتُهلكوا بالذلة. اقطعوا رجاء كم من غير الرحمٰن، يرحَمْكم ويخلُقْ لكم من عنده ما يُنجى من النّيران. أرى فى السماء غضبًا فاتقوا يا عباد الله غضب الربّ، وابتغوا فضلَ مَنْ فى السماء ولا تُخلِدوا إلى الارض

हो रही हैं इसी प्रकार तुम स्वयं अपनी आंखों से भाग्य का आक्रमण और गिरोह दर गिरोह लोगों की तबाही देख रहे हो। अत: अनिवार्य है कि तुम मज़बूत सहारे की शरण में आओ और वह सर्वशक्तिमान ख़ुदा और पवित्र अर्श का मालिक है। अल्लाह के हो जाओ और सुरक्षा में आ जाओ। हे जवानो! उस (ख़ुदा) के सिवा आज कोई बचाने वाला नहीं। सांसारिक बहानों से स्वयं को धोखे में न डालो। हे बुद्धिमानो! समस्त मामला अल्लाह के हाथ में है अपने और अल्लाह तआला के बीच दूरी न रखो अन्यथा उसकी जुदाई तुम्हारे लिए अपमान की मौत का कारण होगी। रहमान ख़ुदा के अतिरिक्त सभी से अपनी उम्मीदें काट लो तो वह तुम पर रहम करेगा और अपनी ओर से ऐसे-ऐसे संसाधन पैदा करेगा जो तुम्हें हर प्रकार की आग से मुक्ति देंगे। मैं आसमान को क्रोधित देखता हूं अत: हे अल्लाह के बंदो! अपने दयावान रब के क्रोध से डरो और वह जो आसमान में है उसकी कृपादृष्टि तलाश करो। गोह के समान धरती की ओर न झुको। ख़ूब जिज्ञासा करो और अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनथक प्रयत्न करो ताकि तुम व्याकुलता से मुक्ति पाओ। इस ज़माने में तुम दो क़ौमें देखते

كالضبّ. بالِغوا فى الطلب، وأَلِحُّوا فى الإِرَب، لتُنجوا من الكرب. ترون فى هذا الزمان قومين: قوما فرّطوا وقوما أفرطوا مع العينين، وخلَطوا الحقّ بخلط الصّدق والمَين. أمّا الذين فرّطوا فهم أناس لا يؤمنون بالمعجزات، ولا يؤمنون بالوحى الذى ينزل بزىّ الكلام اللذيذ من ربّ السماوات. ولا يؤمنون بالحشر والنشر ويوم القيامة، ولا يؤمنون بالملائكة. ونحَتوا من عندهم قانون القدرة وصحيفة الفطرة، وليس عندهم من الإسلام إلا اسمه، ولا نراهم إلا كالدهرية والطبيعية. وأما الذين أفرطوا فهم قوم آمنوا بالحق وغير الحق وجاوزوا طريق الاعتدال، حتى إنهم أقعدوا ابن مريم على السماء الثانية

हो। आंखें रखते हुए भी एक क़ौम न्यूनता और दूसरी अधिकता की शिकार है और उन्होंने सच्चाई और झूठ की मिलावट से सत्य को खलत-मलत कर दिया है। वे लोग जिन्होंने न्यूनता को अपनाया वे ऐसे लोग हैं जो चमत्कार को नहीं मानते और न ही वे उस वह्यी को मानते हैं जो आसमानों के रब की ओर से एक मनमोहक कलाम की अवस्था में उतरती है और न ही वे हिसाब किताब और क़यामत के दिन को मानते हैं और इसी प्रकार वे फरिश्तों पर भी ईमान नहीं रखते और उन्होंने स्वयं क़ानून-ए-क़ुदरत और फितरत के सहीफ़े को गढ़ लिया है और उनके पास इस्लाम के नाम के सिवा कुछ नहीं। हम उन्हें केवल नास्तिकों और नेचरियों के समान पाते हैं। और वे लोग जिन्होंने अधिकता से काम लिया तो वे ऐसे लोग हैं जो सत्य और असत्य दोनों पर ईमान रखते हैं और उन्होंने इस सीमा तक मध्यम मार्ग का उल्लंघन किया है कि उन्होंने इब्ने मरियम को पार्थिव शरीर के साथ प्रतापवान ख़ुदा की ओर से बिना किसी दलील के दूसरे आसमान पर बिठा रखा है और उन्होंने काल्पनिक बातों का अनुसरण किया। उनके पास विश्वसनीय ज्ञान नहीं है और वे निपट अंधकार में पड़े हुए हैं। इसलिए यह

بجسمه العنصری من غیر سلطان من الله ذی الجلال، واتّبعوا الظنون ولیس عندهم علم وإنّ هم إلا فی الضلال. فهذان حزبان خرج کلاهما من العدل والحزم والاحتیاط، وأخذ أحدهما طریق التفریط والآخر طریق الإفراط. ثم جاء الله بنا فهدانا الطریق الوسط الذی هو أبعد من سبل الخنّاس، فنحن أُمّةٌ وسطٌ أُخرجتْ للنّاس. والزمان یتکلم بحاله، أن هذا هو المذهب الذی جاء وقتُ إقباله. وترون بأعینکم کیف جذَبْنا الزمان، وکیف فتَحْنا القلوب ولا سیفَ ولا سنانَ. أهذه من قوی الإنسان؟ بل جذبةٌ من السماء فینجذب کل من له العینان. یمسی أحد منکرا ویصبح وهو من أهل الإیمان. أهذه من

दोनों गिरोह न्याय और सावधानी से बाहर निकल गए और उनमें से एक गिरोह ने न्यूनता का मार्ग अपनाया और दूसरे ने अधिकता का। फिर अल्लाह हमें ले आया और उसने हमें ऐसे मध्यम मार्ग पर चलाया जो खन्नास शैतान के मार्गों से बहुत दूर है। अत: हम वह श्रेष्ठ उम्मत हैं जो तमाम मनुष्यों के लाभ हेतु पैदा की गई है। ज़माना पुकार पुकार कर यह कह रहा है कि यह वह धर्म है जिसकी शानो शौकत का समय आ गया है और तुम स्वयं देख रहे हो कि हमने किस प्रकार ज़माने को अपनी ओर खींचा है और किस प्रकार तलवार और भाले के बिना ही दिलों को विजयी किया है। क्या यह मनुष्य के सामर्थ्य में है? (नहीं) बल्कि यह आसमानी आकर्षण है जिसके परिणाम स्वरूप हर वह व्यक्ति, जो दो खुली आँखें रखता है, खिंचा चला आता है। एक व्यक्ति शाम को इन्कार करता है और सुबह के समय वह इस प्रकार आता है कि ईमान वालों में से होता है। क्या यह इंसानी सामर्थ्य में है? चांद और सूरज ने रमज़ान के महीने में ग्रहण द्वारा गवाही दी, क्या यह इंसानी सामर्थ्य में है? और मैं अकेला था तो मुझे यह बताया गया कि अति शीघ्र सहायकों की एक

قوى الإنسان؟ شهد القمرانِ بالكسوف فى رمضان. أهذه من قوى الإنسان؟ و كنت وحيدا، فقيل سيُجمع عليك فوج من الاعوان، فكان كما قال الرحمٰن. أهذه من قوى الإنسان؟ و سعى العدا كل السعى ليُجيحونى من البنيان، فعلَونا وزدنا ورجعوا بالخيبة والخسران. أهذه من قوى الإنسان؟ ومكر العدا كل مكر لِإِحْبَسَ أو أُقْتَلَ و يخلو لهم الميدان، فما كان مآل أمرهم إلا الخذلان والحرمان. أهذه من قوى الإنسان؟ ونصرنى ربى فى كل موطن وأخزى أهل العدوان. أهذه من قوى الإنسان؟ وبشّرنى ربّى بالامتنان، وقال: «يأتيك مِن كلِّ فَجٍّ عميقٍ»، وأنا إذ ذاك غريب فى زوايا الخمول والكتمان. فوُضع لى القبول

फौज तेरे निकट एकत्र की जाएगी। फिर जैसा रहमान ख़ुदा ने फ़रमाया था वैसा ही हुआ। क्या यह मनुष्य के सामर्थ्य में है? और शत्रुओं ने पूरा प्रयत्न किया कि वह मेरा उन्मूलन करें परन्तु हम विजयी रहे और बढ़ रहे हैं जबकि नाकामी और नामुरादी उनका परिणाम ठहरा। क्या यह मनुष्य के सामर्थ्य में है? शत्रुओं ने हर प्रकार के उपाय किए कि मुझे कैद में डाला जाए या मेरा क़त्ल किया जाए और इस प्रकार उनके लिए मैदान खाली हो जाए परन्तु उनके हर मामले का परिणाम रुसवाई और महरूमी के सिवा कुछ न हुआ क्या यह मनुष्य के सामर्थ्य में है? और मेरे रब ने मेरी हर मैदान में सहायता की और शत्रुओं को अपमानित और तिरस्कृत किया क्या यह मनुष्य के सामर्थ्य में है? मेरे रब ने उपकार स्वरूप मुझे यह ख़ुशख़बरी दी और फ़रमाया कि तेरे पास दूर दूर के क्षेत्रों से धन माल और उपहार आएंगे और यह उस समय की बात है जब मैं असहाय, अपरिचित और गुमनामी में था परन्तु कुछ समय के बाद (अल्लाह ने) मेरे लिए स्वीकार्यता पैदा की और मेरे पास धन और उपहार दूर-दूर देशों और दूर-दूर इलाक़ों से आने लगे उनसे मेरा घर इस तरह भर गया जैसे बाग़

بعد طويل من الزمان، وأتانى الاموال والتحائف من الديار البعيدة وشاسعة البلدان. فمُلئت دارى منها كثمار كثيرة على أغصان البستان۔

ووالله لا أستطيع أن أحصيها ولا يطيق وزنها ميزانُ البيان. وتمّتْ كلمة ربّى صدقا وحقا، ويعرف هذا النبأ ألوف من الرجال والنساء والصبيان. أهٰذه من قوى الإنسان؟وخاطبنى ربّى وقال:» يأتون مِن كل فجٍّ عميقٍ، فلا تُصعِّرْ لِخَلْقِ ٱللّٰه ولا تَسْأَمْ من كثرة اللقيان. وأنا إذ ذاك كنت كسَقَطٍ لا يُذكَر ولا يُعرَف وكشيءٍ لا يُعبَأ به فى الإخوان. فأتٰى علىّ زمان بعد ذالك أن أتانى خَلق الله أفواجا

की टहनियों पर अधिकता से फल लदा हुआ हो।

ख़ुदा की क़सम मुझ में यह शक्ति नहीं कि मैं उनको गिन सकूं और न मेरे बयान का पैमाना उनके वज़न को नाप सकता है मेरे रब की यह खुशख़बरी पूर्ण सच्चाई और दृढ़ता के साथ पूरी हुई। इस भविष्यवाणी को हजारों स्त्री पुरुष और बच्चे खूब जानते हैं क्या यह किसी इंसानी सामर्थ्य के बस में है? (कदापि नहीं) साथ ही मेरे रब ने मुझे संबोधित करते हुए फ़रमाया कि इतनी अधिकता से लोग तेरी ओर आएंगे कि जिन मार्गों पर वे चलेंगे वह गहरे हो जाएंगे। अत: चाहिए कि ख़ुदा की सृष्टि के मिलने के समय तेरे चेहरे पर थकान न हो और चाहिए कि तू मुलाक़ात करने की अधिकता से थक न जाए। और मैं उस ज़माने में एक ऐसी नाकारा वस्तु के समान था जो वर्णन करने योग्य न हो और जिसे कोई न जानता था और ऐसा नाचीज़ था जिसकी दोस्तों में कोई क़दर न थी फिर उसके बाद मुझ पर वह ज़माना आया कि लोग फौज की फौज मेरे पास आने लगे और उन्होंने ग़ुलामों की तरह मेरा आज्ञा पालन किया। अगर मेरे रब का आदेश न होता तो मैं मुलाक़ात करने की अधिकता से उकता जाता क्या यह मनुष्य

وأطاعوني كغلمان، ولولا أمر ربّي لسئِمت من كثرة اللقيان. أهذه من قوى الإنسان؟ وإنه آتاني كلماتٍ أُفصِحتُ من لدنه، فما كان لاحد من العدا أن يأتي بمثلها، وسلب منهم قوة البيان. أهذه من قوى الإنسان؟ ودُعيتُ لابَاهِلَ بعض الاعداء ، فإذا تعاطَينا كأسَ الدعاء، واقتدحنا زِنادَ المباهلة في العَراء ، ألحَقَ الله بنا بعده عساكرَ من أهل العقل والعرفان، وفتح علينا أبواب النَّعماء من الرحمٰن، وزاد أعزّة جماعتنا إلى مائة ألف بل صاروا قريبًا من ضعفها إلى هذا الاوان، وكانوا إذ ذاك أربعين نفرًا إذ خرجنا إلى أهل العدوان. وردَّ الله عدُوّي المباهِلَ كل يوم إلى الخمول والخذلان. أهذه من

के सामर्थ्य में है? साथ ही अल्लाह ने मुझे वह शब्द ज्ञान प्रदान किए जिन्हें ख़ुद उसने सरसता एवं सुबोधता प्रदान की। अत: किसी शत्रु की मजाल नहीं कि वह उनके जैसा सरस एवं सुबोध कलाम प्रस्तुत कर सके। और उन दुश्मनों से वर्णन शक्ति छीन ली गई, क्या यह इंसानी सामर्थ्य में है? (कदापि नहीं) मुझे कुछ शत्रुओं की ओर से मुबाहिला की दावत दी गई। फिर जब हमने एक दूसरे के मुक़ाबले पर दुआ का जाम हाथ में लिया और इस मैदान में मुबाहिला के चकमाक को रगड़ा तो अल्लाह तआला ने उसके बाद बुद्धिमान तथा विवेकी लोगों में से समूह के समूह हमारे साथ मिला दिए और ख़ुदा-ए-रहमान की ओर से हम पर नेमतों के द्वार खोल दिए गए और हमारी जमाअत के सम्माननीय लोगों की संख्या एक लाख से बढ़ गई बल्कि अब तक वह लगभग इस संख्या से दोगुने हो चुके हैं। हालांकि जब हम दुश्मनों के मुक़ाबला पर निकले थे तब (हमारी जमाअत की) संख्या 40 थी। अल्लाह ने मेरे साथ मुबाहिला करने वाले दुश्मन को दिन-ब-दिन गुमनामी और रुसवाई की तरफ धकेल दिया। क्या यह इंसानी सामर्थ्य में है? अत: अब मेरे वह भाइयो! जो बुद्धिजीवी हो और भ्रम से स्वतंत्र हो अपने

قوى الإنسان؟ فالآن يا إخوانى الذين تحلَّوا بالفَهْمِ، وتخلَّوا من الوهم، اشكروا المنان، فإنّكم وجدتم الحق والعرفان، وتبوأتم مقام الامان، وكونوا شهداء لى عند أبناء الزمان. ألستم شاهدين على آياتى، أم لكم شبهة فى الجنان؟ وأى رجل منكم ما رأى آية منّى، فأجيبوا يا فتيان؟ وإنّى أُعطيتُ معارف من ربّى، ثم علّمتكم وصقَلت بها الاذهان، وما كان لكم بحلِّ تلك العُقَدِ يَدانِ. و والله إنّى امرء أنطَقَنى الهُدٰى، ونطَّق ظهرى وحىٌ يُوحىٰ، فوجدتُ الراحة فى التعب والجنة فى اللّظٰى، فمَن آثر الموت فَسَيُحْيٰى. فلا تبيعوا حياتكم بثمنٍ بخسٍ، ولا تنبذوا من الكفّ خلاصةَ نَضٍّ، ولا تكونوا من

दयालु कृपालु ख़ुदा का शुक्र अदा करो क्योंकि तुमने सत्य और अध्यात्मज्ञान को पा लिया है और सुरक्षित स्थान पर तुम रह रहे हो और तुम दुनिया वालों के सामने मेरे हक़ में गवाह बन जाओ। (बताओ) क्या तुम मेरे निशान के गवाह नहीं? या तुम्हारे दिलों में अभी कोई सन्देह है? तुम में से कौन ऐसा व्यक्ति है जिसने मुझसे कोई निशान नहीं देखा? अत: हे जवानो! उत्तर दो। मुझे मेरे रब की ओर से अध्यात्म ज्ञान प्रदान किए गए हैं फिर मैंने तुम्हें सिखाए और उन (अध्यात्मज्ञानों) के द्वारा तुम्हारे दिमाग़ को तेज़ किया जबकि इन कठिन विषयों को हल करने का तुम्हारे अन्दर सामर्थ्य न था। ख़ुदा की क़सम मैं वह जवां मर्द हूं जिससे ख़ुदा तआला के मार्गदर्शन ने वर्णन शक्ति प्रदान की और अल्लाह की वह्यी ने मेरी पीठ को मज़बूत किया जिसके परिणाम स्वरूप मैंने थकान में आराम और नर्क में स्वर्ग पाया। अत: जिस ने मौत को अपना लिया तो उसे ही ज़िंदगी दी जाएगी। इसलिए अपनी ज़िंदगी को सस्ते दामों में मत बेचो और न ही अपने हाथों से शुद्ध नकदी फेंको और उन लोगों में सम्मिलित न हो जाओ जो दुनिया की ओर झुके होते हैं। अत: तुम न मरना, सिवाए इस हालत के कि तुम आज्ञाकारी

الذين على الدّنيا يتمايلون، ولا تموتوا إلا وأنتم مسلمون. إنى اخترت لِلّٰه موتًا فاختاروا له وَصَبًّا، وإنى قبلت له ذبحًا فاقبلوا له نصبًا. واعلموا أنكم تُفلحون بالصدق والإخلاص والاتقاء، لا بالاقوال فقط يا ذوى الدهاء. وإنّ الفلاح منوطٌ بِمُقُوطكم كل المناط، ولن تدخلوا الجنة حتى تلِجوا فى سَمِّ الخِياط. فامتحِضوا حَزْمَكم للتقاة، واختبِطوا الإرضاء ربّكم فى زوايا الحجرات والفلوات. اقضوا غريمَكم الدَّينَ لئلّا تُسجنوا، وأدُّوا الفرائض لئلا تُسألوا، واستَقْرُوا الحقائق لئلّا تُخْطِئُوا، ولا تَزْدروا لئلّا تُزْدَرُوْا، ولا تُشدِّدوا لئلّا تُشَدَّدُوْا، وارحموا يا عباد الله تُرحَموا، وكونوا أنصار الله وبادِروا. إن

हो। मैंने अल्लाह की खातिर मौत को अपना लिया, अत: तुम भी उसकी खातिर कष्ट उठाओ। मैंने उसकी खातिर क़त्ल होना क़ुबूल किया, अत: तुम उसके लिए कष्ट को स्वीकार करो। हे बुद्धिमानो! जान लो कि तुम्हें केवल सच्चाई, श्रद्धा और संयम के द्वारा ही सफलता प्रदान की जाएगी न कि केवल बातों से। निस्सन्देह सफलता का दारोमदार पूर्णत: अपने आपको कठोर परिश्रम से द्रवित करने पर है और तुम जन्नत में कदापि प्रवेश न कर सकोगे जब तक तुम सूई के नाके में से न निकलो (अर्थात् धर्म के मार्ग में कठिनाइयाँ न उठाओ- अनुवादक)। अत: अपने बुद्धि और विवेक को केवल संयम के लिए विशिष्ट करो, अपने रब को प्रसन्न करने के लिए घरों के कोनों और जंगलों में हाथ पांव मारो, अपने कर्ज़दार को कर्ज़ अदा करो ताकि तुम क़ैद में न डाले जाओ और अपने कर्तव्य पूर्ण करो ताकि तुम से पूछताछ न की जाए। सच्चाइयों की खोज करो ताकि ग़लती न करो, किसी पर आरोप न लगाओ ताकि तुम पर आरोप न लगाए जाएं। सख्ती न करो ताकि तुम पर सख्ती न की जाए। हे अल्लाह के बन्दो! रहम करो ताकि तुम पर रहम किया जाए। अल्लाह के सहायक बन जाओ

الله مَلَكَ كُثْرَكم وقُلَّكم وأعراضَكم ونُفُوسَكم بعد البَيْعَة وآتاكم به رضوانه، فاثبُتوا على هذه المبايعة لتُغمَروا بالنُّحْلان، وتدخلوا فى الخُلّان. ارْهفوا هممَكم لتكميل الدين، واجعلوا لانفسكم مِيسم الشبّان ولو كنتم مشائخ فانين. اذكروا موتكم يا فتيان، ولا تمِيسوا كالنشوان. ترون الناس جعلوا مقصودهم فى كل أمر نشبًا، وإن لم يحصل فيحسبون الدين نصبًا. وفى الدين لا يعضُد همَمَهم إلا الاهواءُ، فيقبَلون بشرطها وإلا فالإباء. ولا يبالون مَقاحِمَ الاخطار، ولا مخاوفَ الاقطار. لا يعلمون أى شيء يدفع ما أصابهم، وينفى الحذَرَ الذى نابهم. أسلموا للدنيا وملئوا منها قلوبهم، فيَعُدُون

और उसकी ओर तेज़ी से लपको। बैअत के बाद अल्लाह तुम्हारे न्यूनाधिक मालों का, तुम्हारे सम्मान और प्रतिष्ठा और तुम्हारी जानों का मालिक हो चुका और उसके बदले में उसने तुम्हें अपनी प्रसन्नता प्रदान की है। अतः इस सौदे पर दृढ़ रहो ताकि तुम उपकारों और इनामों से ढक दिए जाओ और हार्दिक मित्रों में सम्मिलित किए जाओ। धर्म की पूर्णता के लिए अपने साहसों को बढ़ाओ और अगर बूढ़े भी हो तो फिर भी जवानों जैसी अपनी शक्ल बनाओ। हे जवानो! अपनी मौत को याद रखो और मदहोश के समान झूमते हुए न चलो। तुम देख रहे हो कि लोगों ने हर मामले में दौलत को ही अपना उद्देश्य बना रखा है और अगर वह न मिले तो वह धर्म को एक मुसीबत समझते हैं। धर्म में केवल सांसारिक इच्छाएं ही उनकी हिम्मतों को बांधती हैं। अतः वे इन इच्छाओं की शर्त पर धर्म को स्वीकार करते हैं अन्यथा इन्कार कर देते हैं। (इस लालच में) वे क़ब्रों और भयानक खतरों और भयावह स्थानों की परवाह नहीं करते। उन्हें ज्ञात नहीं कि वह कौन सी चीज़ है जो उनकी इस मुसीबत और उनके इस भय को जो उन्हें लगा हुआ है, दूर करे। वे दुनिया के ही आज्ञाकारी हो गए हैं

إليها وتحدُو الأهواءُ ركوبَهم. أيها الناس قد عاث الطاعون في بلادكم، وما رأى مثلَ صولِه أحدٌ من أجدادكم. وتعلمون أن دُودَه لا تَهلِكُ إلا في صميم البرد أو في صميم الحرّ، فاختاروا كليهما تُعصَموا من الضرِّ. ولا نعني بالبرد إلّا تبريد النفس من الجذبات، والانقطاع إلى الحضرة والإقبال عليه بالتضرعات، ولا نعني بالحرّ إلّا النهوض للخدمات، وتَرْك التوانى ورَفْض الكسل بحرارة هي من خواصّ الخوف والتقاة، ومن لوازم الصدق عند ابتغاء المرضاة. فإن شَتَوتم فقد نجوتم، وإن اصطَفْتم فما هلكتم وما تَلفتم. أيها الإخوان.. إن متاع التقوىٰ قد بارَ، وولّتْ حُماتُه الأدبار، وخرج الإيمان من القلوب، وملئت النفوس من

और अपने दिलों को उसी से भर लिया है जिसके कारण वे उसकी ओर दौड़े चले जाते हैं और इच्छाएं उनकी सवारियों को दौड़ाती हैं। हे लोगो! ताऊन ने तुम्हारे शहरों में तहलका मचाया हुआ है और उसका हमला ऐसा खतरनाक है कि जिसका उदाहरण तुम्हारे बाप-दादाओं में से किसी ने नहीं देखा। और तुम जानते हो कि ताऊन के कीड़े केवल तेज़ सर्दी या तेज़ गर्मी में ही नष्ट होते हैं इसलिए उन दोनों हालतों को अपनाओ ताकि तुम नुकसान से बचाए जाओ और सर्दी से हमारा अभिप्राय केवल भावनाओं से नफ्स को ठंडा करना और ख़ुदा तआला की ओर समर्पण और उसके दरबार में रोते-गिड़गिड़ाते हुए हाज़िर होना है और गर्मजोशी से हमारा अभिप्राय सेवाभाव के लिए तैयार होना, सुस्ती को छोड़ना और आलस्य को ऐसी गर्मजोशी के द्वारा छोड़ना है जो ख़ुदा के भय और संयम की विशेषता और उसकी प्रशंसा चाहने के समय सच्चाई के अनिवार्य भागों में से है। अगर तुमने उस सर्दी को पा लिया तो समझो कि तुम मुक्ति पा गए और अगर तुमने वह गर्मी प्राप्त कर ली तो निस्सन्देह तुम तबाही और बर्बादी से बच गए। हे भाइयो! निस्सन्देह संयम की पूँजी बर्बाद हो चुकी

الذنوب. فاسعوا لهٰذا الارب وجَلْبِه، وانطلِقوا مُجدِّين فی طلبه، لتنجوا من طاعون متطائرٍ بشرّه، الذی یفرّق بین الاخیار والاشرار. واعلموا أن الارض زُلزلت مرتین درنیکاں وبداں فرق میکند و بدانید که زمین دو دفعه جنبانیده شد زلزالا شدیدا: الاولیٰ لمّا تُرك ابن مریم وحیدًا، والثانیة حین رُدِدْتُ طریدًا. فلا تنُوموا عند هٰذه الزلزلة، وتَبصَّروا وتیقَّظوا وبادِروا إلی ابتغاء مرضاة الحضرة۔

وآخر ما نخبرکم به یا فتیان! هی کلمات مبشّرة من الرحمٰن. خاطبنی ربّی وبشّرنی ببشارة عظمٰی، وقال: «یأتی علیك

है और उसके हामी पीठ फेर चुके हैं और ईमान दिलों से निकल गया है और दिल गुनाहों से भर गए हैं। इसलिए चाहिए कि इस उद्देश्य और उसकी प्राप्ति हेतु भरपूर प्रयत्न करो और उसकी इच्छा में गंभीरता के साथ लग जाओ ताकि उस ताऊन से तुम मुक्ति पाओ जिसकी चिंगारियां उड़ रही हैं और जो अच्छे और बुरे लोगों में अंतर कर रहा है। जान लो! कि धरती दो बार पूरी तरह से हिलाई गई। पहली बार उस समय जब इब्ने मरियम को अकेला छोड़ दिया गया था और दूसरी बार उस समय जब मुझे धुत्कार कर रद्द कर दिया गया। अत: इस भूकंप के अवसर पर सोए न रहो और आंखें खोलो और जाग जाओ और अल्लाह तआला की प्रशंसा प्राप्त करने के लिए जल्दी करो।

हे जवानो! अंतिम बात जो हम तुम्हें बताना चाहते हैं वे वाक्य हैं जिनकी ख़ुशख़बरी रहमान ख़ुदा की ओर से दी गई है। मेरे रब ने मुझे संबोधित किया और एक महान ख़ुशख़बरी दी और फ़रमाया- "तुम पर एक ऐसा ज़माना आने वाला है जो मूसा के ज़माने की तरह होगा। वह कृपालु है तेरे आगे-आगे चलता है और तेरी खातिर उस व्यक्ति का शत्रु बन जाता है जो तेरे साथ शत्रुता करता है। ख़ुदा तुझे दुश्मनों से बचाएगा और उस व्यक्ति पर टूट कर पड़ेगा जो तुझ पर

زمن كمثل زمن موسٰى. إنه كريم، تمشّى أمامك وعادَى لك من عادٰى۔ يعصمك الله من العدا، ويسطو بكل من سطا۔ يبدى لك الرحمٰن شيئًا. بشارة تلقّاها النبيون. إن وعد الله أتٰى، وركَل وركا، فطوبٰى لمن وجد ورأى. قُتِلَ خيبةً وزِيدَ هيبةً ثم فى يوم من الايام، أُرِيتُ قرطاسا من ربّى العلّام، وإذا نظرت فوجدت عنوانه بَقِيّة الطّاغُوْن۔ وعلى ظهره إعلان منّى كأنّى أشعتُ من عندى واقعة ذالك المنون۔

उछला। ख़ुदा एक क़ुदरत का करिश्मा तेरे लिए प्रकट करेगा। यह खुशख़बरी है जो आदिकाल से नबियों को मिलती रही है। ख़ुदा का वादा आ गया और एक पैर उसने ज़मीन पर मारा और विघ्न को दूर किया। अतः मुबारक है वह जो उसको पाए और देखे, वह ऐसी हालत में मारा गया कि उसकी बात को किसी ने न सुना और उसका मारा जाना एक भयानक घटना थी।★ फिर एक दिन सर्वज्ञानी ख़ुदा की ओर से मुझे एक कागज़ दिखाया गया और जब मैंने उसको देखा तो मैंने उस पर **"ताऊन का अवशेष"** शीर्षक लिखा हुआ पाया और उसके पीछे मेरी ओर से एक ऐलान लिखा है मानो मैंने अपनी ओर से उन मौतों का वृतांत प्रकाशित किया है।

★ इस इल्हाम के सम्बन्ध में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं कि-
"ख़ुदा की यह वह्यी साहिबज़ादा मौलवी अब्दुल लतीफ़ साहिब मरहूम के संबंध में हुई थी जबकि वह जीवित थे बल्कि क़ादियान में ही उपस्थित थे।"

(तज़किरतुश्शहादतैन, रूहानी ख़ज़ायन भाग 20, पृष्ठ 75 हाशिया) (प्रकाशक)

ترجمة ما كتَبْنا إلىٰ ثَناء الله الامرتسرى،
إذ جَاء قاديَان وَطَلَب رَفْعَ الشُّبهَات بِعَطَشٍ فَرِيٍّ، و كان هٰذا
عاشر شوّال ـ سنة ١٣٢٠ هـ إذ جاء هٰذا الدَّجَّال

بلغنى مكتوبك، وظهر مطلوبك. إنك استدعيتَ أن أزيل شبهاتِك التى صُلْتَ بها على بعض أنبائى الغيبيّة. فاعلم أنك إن كنت جئتنى بصحّة النيّة، وليس فى قلبك شيء من المفسدة، فلك أن تقبل بعض شروطى قبل هذا الاستفسار، ولا تخرج منها بل تثبت عليها كالاخيار. وإن كنت لا تقبل تلك الشرائط فدَعْنِى وامْضِ علىٰ وجهك، وخُذْ سبيلَ رَجْعِك. فمن الشروط أن لا تباحثنى

सनाउल्लाह अमृतसरी की ओर हमारे द्वारा लिखित पत्र का अनुवाद

जब वह क़ादियान आया और बनावटी जिज्ञासा के साथ अपने सन्देहों का निवारण चाहा, वह शव्वाल 1320 हिजरी की दसवीं तारीख़ थी जब यह दज्जाल (क़ादियान) आया

मुझे तुम्हारा पत्र मिला और तुम्हारे उद्देश्य की जानकारी हुई। तुमने निवेदन किया है कि मैं तुम्हारे इन सन्देहों का निवारण करूं जिनसे तुमने मेरी कुछ भविष्यवाणियों पर आक्रमण किया है। अत: जान लो कि अगर तुम मेरे पास अच्छी नीयत के साथ आए हो और तुम्हारे दिल में फ़साद का कोई विचार नहीं तो तुम पर यह अनिवार्य है कि इस जिज्ञासा से पूर्व मेरी कुछ शर्तों को स्वीकार करो और उनसे आगे न बढ़ो बल्कि नेक लोगों के समान उन पर स्थिर रहो। अगर तुम्हें यह शर्तें स्वीकार नहीं तो मुझे मेरी हालत पर छोड़ दो, अपनी डगर पर चलो और अपनी वापस चले जाओ। उन शर्तों में से एक यह है कि तुम मेरे साथ शास्त्रार्थ करने वालों के समान बहस नहीं करोगे

كالمباحثين، بل اكتُبْ ما حاكَ فى صدرك ثم ادفَعْ إلىّ ما كتبتَ كالمسترشدين، وليكُنْ كتابك سطرا أو سطرين ولا تزد عليه كالمتخاصمين. ثم علينا أن نجيبك ببيان مفصل وإن كان إلىٰ ثلاث ساعات. فإن بقى فى قلبك شيء بعد السماع، ورأيتَ فيه من شناعة، فلك أن تكتب الشبهة الباقية كمثل ما كتبت فى المرتبة الاولىٰ، وهلمّ جرّا، حتّى تجلو الحقَّ وتجد السكينة، ويتبين ما كان عليك يخفٰى. وما فعلتُ ذالك لتسكيتك وتبكيتك ولا لحيلة أخرى، بل إنى عاهدت الله تعالىٰ بِحلفةٍ لا تُنسٰى، أن لا أباحث أحدا من كرام كان أو لئام، بعد كتابى «أنجام». فلا أريد أن أنكث عهدى الاجلىٰ، وأعصى ربّى الاعلىٰ. وقد قرأتَ كتابى

बल्कि प्रत्येक सन्देह जो तुम्हारे दिल में खटके उसको लिखो और सन्मार्ग के इच्छुक व्यक्ति के समान अपने उस लिखित सन्देह को मेरे सामने लाओ और तुम्हारा वह प्रश्न एक दो पंक्तियों का होना चाहिए और झगड़ा करने वालों के समान उससे अधिक न लिखो। फिर यह हमारा कर्तव्य है कि हम तुम्हें विस्तृत वर्णन के साथ उत्तर दें चाहे यह वर्णन 3 घंटे तक चले। अगर उत्तर सुनने के बाद भी तुम्हारे दिल में कोई सन्देह शेष रहे और तुम्हें मेरे उत्तर में कोई कमी (दोष) नज़र आ रही हो तो तुम्हें हक़ होगा कि अपने शेष सन्देह को भी पहली बार के लेख के समान लिख दो और इस प्रकार यह सिलसिला यूं ही जारी रहे यहां तक कि सच्चाई खुलकर सामने आ जाए और तुम्हारी संतुष्टि हो जाए। और वह बात जो तुम्हारी समझ में नहीं आ रही थी वह खुल जाए और यह तरीका मैंने तुम्हें खामोश और निरुत्तर करने या किसी और बहाने बनाने के लिए नहीं अपनाया बल्कि वास्तविकता यह है कि मैंने अल्लाह तआला से क़सम खाकर यह वादा किया है जो नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता और वह यह है कि मैं अपनी किताब "अंजाम-ए-आथम" के बाद किसी प्रतिष्ठित या अधम के साथ शास्त्रार्थ नहीं करूंगा। इसलिए मैं नहीं चाहता कि अपने इस

فتقبَّلْ عذرى، واسلُكْ وفق شرطى، إن كنت من أهل التقوىٰ وأُولى النُّهٰى. و كتبتَ فى رقعتك أن طلب الحق استخرجك من كِناسك، ورحّلك عن أُناسك. فإن كان هذا هو الحق فلمَ تعاف طريقا يعصمنى من نكث العهد ونقض الوعد، وفيه تُؤدةٌ وبُعدٌ من خطرات الوَبَدِ، على أنه هو أقرب بالامن فى هذا الزّمن. فإن النزاع يزيد ويشتعل عند المقابلة بالمطالبة، وينجرّ الامر من المباحثة إلى المجادلة، ومن المجادلة إلى الحكام، ومن الحكام إلى الاثام. فمن فطنة المرء أن يجتنب طرق الاخطار، ولا يسعٰى متعمدًا إلى النار. وأى حرج عليك فى هذا الطريق الذى اخترتُه؟ وأى ظلم يصيبك من النهج الذى آثرتُه؟ وإنى ما عُقْتُك مِن عرضِ

स्पष्ट वादे को तोड़ दूं और अपने प्रतिष्ठावान रब की अवज्ञा करूं। तुम मेरी किताब "अंजाम-ए-आथम" को पढ़ चुके हो। अत: अगर तुम संयमी लोगों और बुद्धिमानों में से हो तो मेरी आपत्ति को स्वीकार करो और मेरी कथित शर्त के अनुसार चलो। तुमने अपने पत्र में लिखा है कि सत्य की तलाश ने तुम्हें अपने घर से बाहर निकाला है और इसी सत्य की जिज्ञासा ने तुम्हें अपने प्रियजनों को छोड़कर यात्रा करने के लिए प्रेरित किया है। अगर यह बात सच है तो फिर तुम क्यों इस तरीके को नापसंद करते हो जो मुझे वादाखिलाफी और वादा तोड़ने से बचाता है। हालांकि इसमें नरमी भी है और कड़वाहट के खतरों से बचाओ भी है। इसके अतिरिक्त मौजूदा ज़माने में यह अमन के समीप है क्योंकि मुक़ाबले के समय दलील के मांगने से झगड़ा बढ़ जाता है और भड़क उठता है और मामला बहस-मुबाहसा से झगड़े तक जा पहुंचता है और फिर झगड़े से अधिकारियों तक जा पहुंचता है और अधिकारियों से सज़ा तक पहुंचता है। अत: इंसान की बुद्धिमत्ता की यह मांग है कि वह खतरनाक रास्तों से बचा रहे और जानते बूझते हुए आग की तरफ न भागे। जो तरीका मैंने अपनाया है उसमें तुम्हारा क्या

الشبهات، ولا من رمى سهام الاعتراضات، بيد أني اخترتُ طريقا هو خير لي وخير لك لو كنت من العاقلين. ولا مانع لك أن تكتب مائة مرة إن كنت من المرتابين، وإنما اشترطت لك الإيجاز في الترقيم لئلا نقع في بحث نتحاماه خوفا من الحسيب العليم. ثم من الواجبات أن لا تعترض علينا إلا اعتراضًا واحدًا من الاعتراضات، وشبهة من الشبهات. ثم إذا أدّينا فريضة الجواب بالاستيعاب، فعليك أن تعرض شبهة أخرٰى وهٰذا هو أقرب إلى الصواب. فإن كنتَ خرجت من بلد تك على قدم السداد، وليس في قلبك نوع من الفساد، فلا يشقّ عليك ما كتبنا إليك وتقبَله كعَدْلٍ فارغٍ من الحقد والعناد. وإن كنت تظن أن

नुकसान है? और जिस मार्ग को मैंने प्राथमिकता दी है उससे तुम्हें क्या नुकसान होगा? मैंने तुम्हें सन्देहों को प्रस्तुत करने से और ऐतराज़ के तीर चलाने से नहीं रोका। हां मैंने ऐसे मार्ग को अपनाया है जो मेरे और तुम्हारे लिए बेहतर है। काश तुम बुद्धिमानों में से होते। तुम्हारे लिए कोई रोक नहीं अगर सन्देह की अवस्था में तुम 100 बार भी अपने सन्देहों को लिखकर भेजो। संक्षेप में लिखने की शर्त मैंने तुम्हारे लिए केवल इसलिए लगाई है कि हम किसी ऐसी बहस में न पड़ जाएं जिससे हम सर्वज्ञानी और हिसाब लेने वाले ख़ुदा के भय के कारण से बच रहे हैं। फिर एक आवश्यक शर्त यह है कि तुम अपने ऐतराज़ों में से एक ऐतराज़ और अपने सन्देहों में से एक सन्देह हमारे सम्मुख प्रस्तुत करो फिर जब हम आदि से अन्त तक उस ऐतराज़ और सन्देह का पूर्णत: उत्तर दे चुकें तब तुम्हें चाहिए कि दूसरा ऐतराज़ और सन्देह प्रस्तुत करो और यही तरीक़ा अत्युत्तम है। यदि तुम धर्मनिष्ठा के साथ अपने शहर से आए हो और तुम्हारे दिल में किसी प्रकार का उपद्रव नहीं तो तुम्हारे लिए हमारी वह तहरीर जो हमने तुम्हें लिख कर भेजी है, कष्टप्रद नहीं होगी और तुम उसे एक ऐसे न्यायप्रिय

هـذا الطريـق لا يُظفِـرك بمـرادك، فأيقـن أنـك تريـد هنـاك بعـض فسـادك، و كذالـك ظهـرت الآثـار، وعلِـم الاخيـار. فـإنّى لمّـا أوصلتُ عزمـى إلى أذنيـك، ترا كمـت الظلمـة عـلى عينيـك، وغشِـيك مـن الغـمّ مـا غشـى فرعـون مـن اليـمّ، وآلـتْ حالتـك إلىٰ سـلب الحـواس، وجعلـك الله فى الاخسـرين فى هـذا البـأس. ثـم امتـدّ منـك اللجـاج لـترك الحيـاء، لننكـث عهـد حضـرة الكبريـاء. فالعجـب كل العجب! أأنـت إنسـان أو مـن العجمـاوات؟ فإنـك ترغّبـنى فى نقـض العهـد يـا ذا الجهـلات. وقـد علِمـتَ أنـك خُـيِّرتَ فى كل سـاعة لتجديد الشـبهة، فليس الآن انحرافـك إلا مـن فسـاد القلـب وسـوء النيّـة. والذى أنـزل المطـر مـن الغمـام، وأخـرج الثمـر مـن الاكمـام، لقـد نويـتَ

के समान स्वीकार कर लोगे जो द्वेष और शत्रुता से खाली होता है। और यदि तुम समझते हो कि यह प्रक्रिया तुम्हें अपने उद्देश्य में सफ़ल नहीं करेगी तो मुझे विश्वास हो जाएगा कि तुम यहाँ कुछ उपद्रव का इरादा रखते हो और इस प्रकार के लक्षण प्रकट भी हो चुके हैं। सम्मानित लोगों को यह ज्ञात हो चुका है कि जब मैंने अपने संकल्प और इरादे को तुम्हारे कानों तक पहुंचाया तो तुम्हारी आंखों पर अंधकार के मोटे पर्दे पड़ गए और ग़म ने तुम्हें वैसे ही अपनी लपेट में ले लिया जैसे दरिया ने फ़िरऔन को अपनी लपेट में ले लिया था और तुम्हारे हालात ने ऐसा पलटा खाया कि तुम्हारे होश उड़ गए और अल्लाह ने बहस के इस मुक़ाबले में तुम्हें नाकाम कर दिया। फिर लज्जा को त्यागने के कारण तुम्हारा झगड़ा तथा हठ और अधिक बढ़ गया कि हम अपने प्रतिष्ठित और सम्मानित ख़ुदा के साथ किए हुए वादे को तोड़ें। अत: (तुम्हारी मांग पर) अत्यंत आश्चर्य है, क्या तुम इंसान हो कि जानवर? अरे मूर्ख! क्या तुम मुझे वादा तोड़ने की प्रेरणा देते हो हालांकि तुम जानते हो कि तुम्हें हर समय नए से नए सन्देह को प्रस्तुत करने का अधिकार दिया गया है। अत: इस समय तुम्हारा विमुख

الفساد، وما نويتَ الصدق والسداد. وكان الله يعلم أنك لاىّ مكرٍ وافيتَ القريةَ وحللتَ، وعلى أىّ قصدٍ أجفلتَ. فسقاك كأسك، وأراك يأسك، ولم يزل بصرى يُصعّد فيك ويُصوّب، ويُنقّر عنك ويُنقّب، حتى ظهر لى أنك من المرائين لا مِن عِطاش الحق والطالبين، ولا تبتغى إلا شهرةً عند زمع الاناس، وعند سفهاء القوم الذين قد سُجنوا فى سجن الخنّاس. ثم إنى كما أحلفتُ نفسى أُحلِفُك بالله سريع الحساب أن لا تبرح هذه القرية إلا بعد أن تعرض شبهاتك بنمطٍ كتبتُ فى الكتاب، وتسمع ما أقول لك فى الجواب. وأدعو الله السميع المستجيب القدير القريب من بشنوى و دعا مى كنم نزد خدائى مستجيب الدعوات و قادر و

होना केवल तुम्हारे दिल के बिगाड़ और बुरी नीयत के कारण है। उस ख़ुदा की क़सम जो बादलों से वर्षा करता और कलियों से फल निकालता है। तुम्हारी नीयत झगड़े की है और सच्चाई तथा सन्मार्ग की नहीं। अल्लाह ही बेहतर जानता है कि तुम किस षड़यन्त्र और मंसूबे के तहत इस बस्ती (क़ादियान) में आए हो। न जाने तुम्हारे दिल में कौन सा उद्देश्य है? अतः (ख़ुदा ने) तेरा प्याला तुझे पिला दिया और तेरी नाउम्मीदी तुझ पर प्रकट कर दी। मेरी नज़र निरंतर तुझे सिर से पैर तक देखती रही और तुझे खूब परखा और जांच पड़ताल करती रही, यहां तक कि मुझ पर प्रकट हो गया कि तू अक्खड़ और दिखावा करने वाला है न कि सत्य का प्यासा और इच्छुक और तू केवल कमीने लोगों में और क़ौम के उन अज्ञानियों में शोहरत प्राप्त करना चाहता है जो शैतान के क़ैदखाने में क़ैद हैं। फिर जैसे मैंने स्वयं अपने आपको क़सम दी है वैसे ही मैं तुम्हें "बहुत तेज़ हिसाब लेने वाले ख़ुदा" की क़सम देता हूं कि तू इस बस्ती (क़ादियान) को केवल उस समय ही छोड़ेगा जब तू अपने सन्देहों को इस प्रकार प्रस्तुत कर ले जो तरीका मैंने अपने लेख में लिखा है और जो उत्तर मैं

قريب أن يلعن من نكث بعد هذه الإِلِيَّة، وما بالى الحلفَ وذهب
من غير كه لعنت كند بر اں شخص كه ايں قسم را بشكند۔
و بغير تصفيه بر ودو هي ﭺ پروائى فصل القضية، ورحَل قبل
درء هذه المخاصمة، مع أنه أُنبِىءَ بهذا البَهْلِ بإرسال الصحيفة.
و كنت أنتظر أن هذا العدوّ يخاف هذه اللعنة، أو يختار الرحلة،
حتى وصلنى خبر فراره، فهذا نموذج دينه و شعاره. قاتله الله!
كيف نكث الحلف بالجرأة. فيا ربّ، أَذِقْه طعم نقض الحلفة. وقد
حقَّ القول منّى أنه لا يوافينى لإزالة الشبهات، ولا يميل إلا إلى
بهتان وكيد وفرية كما هى عادة أهل المعاداة والجهلات. و كان
هذا الرجل عزم على مماراةٍ مشتدّةِ الهبوب، و مباراةٍ مشتطّةِ

तुझे दूंगा उसको सुन ले। मैं समीअ और मुजीब तथा क़दीर और क़रीब ख़ुदा से दुआ करता हूं कि वह क़सम तोड़ने वाले व्यक्ति पर और इस क़सम से लापरवाह व्यक्ति पर जो झगड़े का हल किए बिना और परस्पर मतभेद को दूर किए बगैर चला जाए, लानत करे। बावजूद इसके कि उसे पत्र के द्वारा इस लानत से सूचित कर दिया गया था और मैं प्रतीक्षा करता रहा कि या तो यह शत्रु इस लानत से डर जाएगा और या यहां से चला जाएगा यहां तक कि मुझे उसके फरार होने की ख़बर मिली। अत: यह है उसके धर्म और सभ्यता का नमूना। अल्लाह उसे नष्ट करे किस हिम्मत के साथ उसने क़सम तोड़ी। हे मेरे रब! तू उसे उसकी क़सम तोड़ने का मज़ा चखा और मेरी यह बात सच निकली कि सन्देहों के निवारण के लिए वह कभी मेरे पास नहीं आएगा और जैसा कि शत्रुओं और मूर्खों का स्वभाव है वह केवल आरोप लगाने, चालबाज़ी करने और झूठ बोलने की ओर ही प्रेरित होगा और यही वह व्यक्ति है जिसने धुंआँधार शास्त्रार्थ और अत्यंत भड़कीले मुक़ाबले का इरादा किया ताकि जनसामान्य पर यह मामला संदिग्ध हो जाए और सच्ची बात कमीनों के शोर तले छुप जाए।

اللهوب، ليشتبه الامر على العوام، وليخفى صدق الكلام تحت نهيق اللئام. فلما لم نر فيه سِيماء التقٰى، ولا أثر الحِجٰى، أردنا أن نخرج الامر من الدُّجٰى. وقد سبق منى عهدى فى ترك المَباحث كما مضى، و كان هذا أمرا من ربّى الذى يعلم الغيوب، وينقّد القلوب. فتحامَينا كيدَه، وجعلْنا نفسه صيده. وحينئذ حفّتْ بى فرحتانِ، وحصل لى فتحانِ، ولم أدرِ بأيهما أنا أوفى مرحًا وأصفى فرحًا، فشكرتُ كالحيران. ولا حاجة إلى إعادة ذكر هذه الفرحة والفتح والنصرة، فإنك سمعتَ كيف انكفأ العدوّ بالخيبة والذلّة ووصمة اللّعنة، وأرصدته بإحلافى إياه لِلَّعنة والبركة، فحمل اللعنة وذهب بها من هٰذه الناحية. وأما الفتح الذى أُخفِىَ

फिर जब हमने इस व्यक्ति में संयम और बुद्धिमत्ता का कोई निशान और असर न देखा तो हमने इरादा किया कि इस मामले को अंधकार से बाहर निकालें। और जैसा कि पहले वर्णन हो चुका है मैं शास्त्रार्थ को छोड़ने का वादा कर चुका हूं और यह मामला मेरे परोक्ष के ज्ञाता और दिलों पर नज़र रखने वाले रब की ओर से था। अत: हम इसकी चालबाज़ी से अलग हो गए और उसको उसी का शिकार बना दिया और उस समय मुझे दो खुशियां मिली और दो विजय प्राप्त हुईं। मैं नहीं जानता कि मैं उन दोनों में से किस पर अधिक गर्व करूँ और खुश हूं। अत: मैंने आश्चर्यचकित व्यक्ति के समान धन्यवाद किया। और इस खुशी और इस विजय के वर्णन को दोहराने की आवश्यकता नहीं क्योंकि तुमने यह तो सुन ही लिया है कि शत्रु किस प्रकार अपमानित और तिरस्कृत और लानत का दाग लिए हुए पराजित हुआ और मैंने अपनी क़सम के द्वारा उसे लानत और बरकत में से किसी एक के लिए प्रेरित किया। अत: उसने लानत का बोझ उठा लिया और उसी लानत को उठाए हुए वह यहां से चला गया। परन्तु वह विजय जो अब तक लोगों की निगाहों से छुपी रही वह ऐसे स्पष्ट निशान

إلى هٰـذا الوقـت مـن أعـين النـاس، فهـى آيـات وُضِعـتْ عـلى رأس العـدا كالفـأس. و كنـا ناضلْنـا بالإعجـاز كمـا يُتناضـل يوم البِراز، فنصَرنـا اللّٰهُ فى كل موطـن، وأخرَجْنـا الذهـب مـن كل معـدن. و كنـتُ قلـت للنـاس إن الله سـيُظهر لى آيـة إلٰى ثـلاث سـنين، لا تمسّـها يـدُ أحـدٌ مـن العالمـين، فـإن لـم تظهـر فلسـتُ مـن الصادقـين. فالحمـد لله عـلى مـا أظهـر الآيـات وأخـزى العـدا، ونـرى أن نكتبهـا مفصـلة لـكل مـن يبتغـى الهـدٰى۔

हैं जो शत्रुओं के सरों पर कुल्हाड़ी की तरह गिरे। हमने चमत्कारों के द्वारा जंग लड़ी जैसे जंग मैदान में लड़ी जाती है। अत: अल्लाह ने हर मैदान में हमारी सहायता की और हमने हर खान से सोना निकाला और मैंने लोगों को खुले तौर पर यह कह दिया था कि अल्लाह तीन वर्ष के अन्दर मेरे लिए एक ऐसा महान निशान प्रकट करेगा जिसमें सृष्टि में से किसी मानवीय हाथ का हस्तक्षेप न होगा और अगर वह निशान प्रकट न हुआ तो मैं सच्चों में से नहीं। अत: हर प्रशंसा अल्लाह के लिए है कि उसने निशान प्रकट किए और शत्रुओं को रुसवा किया और हम उचित समझते हैं कि उन निशानों को हर उस व्यक्ति के लिए जो सन्मार्ग का इच्छुक हो सविस्तार लिखें।

تفصيلُ آيات ظهرتْ فى هٰذه الاعوام الثلا ثة و تفصيل فتح رُزِقْنَا فى تلك الحماسة

الله الله! له المجد والكبرياء، ومنه القدر والقضاء، تسمع حُكْمَه الارض والسماء، وتطيعه الاعيان والافياء، والظلمات والضياء. يعطى الفهمَ من يشاء، ويسلب ممن يشاء. سبحانه وتعالى أظهر علاءنا وحطَّ أعداءنا. شموسهم كُوّرتْ، ونجومهم انكدرت، وجبالهم نُسفت، وحبالهم مُزّقت، وأشجارهم اجتُثّت، وأنوارهم طُمست. كادوا كيدا، وكادالله كيدا، فجعَل كلّ من نهض للصّيد صيدا. ألم تر إلى الذين أنكروا آياتى، وفتنوا المؤمنين وصالوا على عِرضى وحياتى. كيف أذاقهم الله عذاب

उन निशानों का विवरण जो इन तीन वर्षों में प्रकट हुए साथ ही उस विजय का विवरण जो इस जंग में हमें प्राप्त हुई

अल्लाह अल्लाह! समस्त प्रतिष्ठा और बढ़ाई उसी को शोभा देती है और उसी की ओर से तक़दीर चलती है, धरती और आकाश उसके आदेश को सुनते और समस्त अस्तित्व और उनके साए और अंधकार और प्रकाश उसके आज्ञाकारी हैं। वह जिसे चाहे विवेक प्रदान करता है और जिससे चाहे छीन लेता है। वह हस्ती पवित्र और बुलंद है जिसने हमारी विजय प्रकट की और हमारे शत्रुओं को नीचा दिखाया। उनके सूर्य लपेट दिए गए और उनके सितारे मद्धम पड़ गए, उनके पहाड़ उड़ा दिए गए और उनकी रस्सियाँ टुकड़े-टुकड़े कर दी गईं, उनके वृक्ष जड़ों से उखाड़ दिए गए और उनके नूर मिटा दिए गए। उन्होंने उपाय किया और अल्लाह ने भी उपाय किया, परिणाम यह निकला कि जो शिकार करने के लिए उठा उसे शिकार बना दिया गया। क्या तूने उन लोगों को नहीं देखा जिन्होंने मेरे निशानों का इन्कार किया, मोमिनों को कष्ट पहुंचाया, मेरे सम्मान और

الحريق، وجعَل بيننا وبينهم فرقانا وغادرهم كالغريق؟ و كذالك جعل لكل عدوّ نصيبًا من الذلّة، ذالك بما عصوا أمر ربّهم وقاموا للمقابلة. وعُرض عليهم الآيات كالقسطاس المستقيم، والمعيار القويم، فأعرضوا عنها كالضنين اللئيم، فسوف يعلمون إذا رجعوا إلى الله العليم. وليس بحاجة أن نكتب ههنا تلك الآيات فنكتفى بآيات ظهرت فى هذه السنوات. فمنها أن الله كان وعدنى وعدًا أشعتُه فى كتابى «البراهين»، وقد مضت عليه مدّةٌ أزيدَ من عشرين، و كان خلاصة ما وعد أنه لا يذَرنى فردا كما كنت فى ذالك الحين، ويأتى بأفواج من المصدقين المخلصين. ولا يتركنى وحيدًا طريدًا كمثل الكاذبين المفترين،

जीवन पर आक्रमण किया कि किस प्रकार अल्लाह ने उन्हें जलन के आज़ाब का मज़ा चखाया और हमारे तथा उनके मध्य स्पष्ट अंतर कर दिखाया और उन्हें डूबे हुए के समान छोड़ दिया और यों उसने हर शत्रु के भाग्य में अपमान रख दिया और उनकी यह हालत इसलिए हुई कि उन्होंने अपने रब के आदेश की अवज्ञा की और मुक़ाबले पर खड़े हो गए। उनके सामने इन निशानों को न्याय के मापदण्ड और सही कसौटी के अनुसार प्रस्तुत किया गया परन्तु उन्होंने उन निशानों से एक कंजूस कमीने की तरह मुंह फेर लिया। अत: जब वे सर्वज्ञानी ख़ुदा के समक्ष लौट कर जाएंगे तो अवश्य जान लेंगे। ज़रूरी नहीं कि हम उन सब निशानों को यहां लिखें। इसलिए हम केवल उन्हीं निशानों को पर्याप्त समझते हैं जो इन (तीन) वर्षों में प्रकट हुए। इनमें से एक यह है कि अल्लाह ने मुझसे एक वादा किया जिसे मैंने अपनी पुस्तक "बराहीन-ए-अहमदिया" में प्रकाशित कर दिया था, जिस पर बीस वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। उस ख़ुदा के वादे का सारांश यह था कि वह मुझे अकेला नहीं रहने देगा जैसा कि मैं उस समय था और वह सत्यापन करने वाले श्रद्धावानों की फ़ौजें

بل يجمع على بابى جنودا من الخادمين. يأتون بأموال وتحائف من ديار بعيدة، ويبلغ عِدّتهم إلى حدّ لم يُعْطَ عِلمَه المتفرسون من الاغيار والمحبّين، ولم يُرَ مثله فى سنين. ولم يكن إذ ذاك لدىّ محفل ولا احتفال، وما كان يجىء لِهَوَى ملاقاتى رجل ولا رجال، بل كنت كمجهول لا يُعرَف، ونكرةٍ لا تتعرف. وكنت مُذْ فتحت عينى وفجرت عينى أُحِبُّ الزاوية، لاروّى النفسَ بماء المعارف وأنجى من العطش هذه الراوية. فمضٰى علىّ دهر فى هذه الخلوة لا يعرفنى أحد من الخواصّ ولا من العامّة. وكنت فى هذا الخمول، حتى تجلّى علىّ ربّى وبشّرنى بالقبول، وقال: «أرُدّ إليك كثيرا من الورى، بعد ما كفّروك وصاروا من العدا، لا

लाएगा और मुझे झूठ गढ़ने वालों की तरह तन्हा और तिरस्कृत नहीं छोड़ेगा बल्कि वह सेवकों की फ़ौजें मेरे द्वार पर इकट्ठी कर देगा। वे दूर-दूर देशों से माल और उपहार लाएंगे। और उनकी संख्या इस सीमा तक पहुंच जाएगी कि जिसका ज्ञान ग़ैरों और अपनों के बुद्धिमानों को भी नहीं दिया गया और जिसका उदाहरण पिछले सालों में देखने में नहीं आया। और उस समय न मेरे पास कोई जमाअत थी और न कोई जत्था और न कोई व्यक्ति या लोग मेरी मुलाकात की इच्छा लिए मेरे पास आते थे बल्कि मैं ऐसा गुमनाम था जिसे कोई जानता न था और ऐसा अपरिचित था जिसे कोई पहचानता न था और जब से मेरी आंख खुली और मेरा चश्मा बह निकला, मैं एकांतवास को पसंद करता था ताकि अध्यात्मज्ञान रूपी जल से अपने अस्तित्व को तृप्त करूं और आन्तरिक भावनाओं को प्यास से मुक्ति दिलाऊँ। अत: मुझ पर उस एकांतवास की अवस्था में एक ज़माना बीत गया और विशेष तथा सामान्य लोगों में से मुझे कोई भी न जानता था और मैं इसी गुमनामी में पड़ा रहा यहां तक कि मेरा रब मुझ पर प्रकट हुआ और मुझे स्वीकारिता की खुशख़बरी दी और फ़रमाया कि तुझे काफ़िर

مبـدِّلَ لكلماتـه ولا رادّ لمـا قضـى»۔ وأُفـردتُ إلى مـدّة قـدّره الله لى مـن الحكمـة، وغلَـب العـدا وأشـاعوا فتـاوٰى تكفـيرى فى الاسـواق والازقّـة. ثـم أُلقِـىَ فى روعـى، فأشـعتُ أن وقـت النصـر آتٰى، وجـاء أوان الزهـر وانجـاب الثلـوج مـن الـزُّبٰى، وأشـعتُ أن آيـة الله تظهَـر إلى ثـلاث سـنين، وأُنصَـرُ بنصـر عجيـب مـن ربّ العالمـين، وإنّ لـم أُنصَـرْ ولـم تظهـر آيـة فلسـت مـن المرسـلين. فلمـا سـلَخْنا رمضـان، وتـمّ ميقـات ربنـا الرحمٰـن نظرنـا إلى تلـك الزمـان، فـإذا آيـات أُلْحِقَ بعضُهـا بالبعـض كَـدُرَرٍ ومرجـانٍ، فشـكرنا ربّنا علٰى هذا الإحسـان، وكيـف نـؤدّى حـق شـكره ومـن أيـن يـأتى قـوّة البيـان؟ طـوبٰى لصبـحٍ جـاء بفتـح عظيـم، وحبّـذا يـومٌ سـوَّد وجـهَ عـدوٍّ لئيـمٍ. إنّـا ابتسـمنا

ठहराए जाने और दुश्मन बन जाने के बाद मैं लोगों की बड़ी संख्या को तेरी ओर फेर लाऊंगा। उसके शब्दों को कोई बदल नहीं सकता और उसके निर्णय को कोई रद्द नहीं कर सकता और उस समय तक जो अल्लाह ने अपनी हिकमत से मेरे लिए मुक़द्दर किया था, मैं तन्हा रहा और दुश्मन विजयी रहे और उन्होंने मुझे काफ़िर ठहराने के फ़त्वे बाज़ारों और गली-कूचे में प्रकाशित कर दिए। फिर मेरे दिल में डाला गया कि मैं प्रकाशित कर दूँ कि मेरी सहायता का समय आ पहुंचा है और कोंपलें खिलने का समय आ गया है और बुलंदियों से बर्फ़ पिघलने लगी और मैंने यह प्रकाशित कर दिया कि तीन साल तक अल्लाह का निशान प्रकट होगा और रब्बुल आलमीन की ओर से मेरी अद्भुत रूप से सहायता की जाएगी और अगर मेरी सहायता न की गई और निशान प्रकट न हुआ तो मैं अल्लाह की ओर से नहीं। अत: जब हमने रमज़ान गुज़ार दिया और हमारे रहमान ख़ुदा की निर्धारित अवधि पूरी हो गई तब हमने इस ज़माने पर नज़र डाली तो क्या देखते हैं कि निशान एक दूसरे से ऐसे जुड़े हुए हैं जैसे मोती और मूंगा जुड़े हों। अत: हमने इस उपकार पर अपने रब का

بابتسام ثغر الصباح، وبشّرنا ضوؤُه بانتشار الجناح، وظهرت الآيات وأقام الله الدّليل، وكشف الحقيقة وطوى القال والقيل، وكفى الله مخلوقَه سيلَ الفتن ومَعرّتَه، وردَّ عنهم مضرّتَه. وكنت أُقيّدُ لحظى بآيةِ كثرة الجمع، وأُرهِفُ أذنى لوقت هذا السمع، وأستطلع منه كمثل عَطاشى من الماء، و مظلمين من الضياء، حتى وصلنى الإخبار من الإطراف والإنحاء القريبة والبعيدة، وتبين أن جماعتنا زادت على مائة ألف فى هذه الإعوام الثلاثة، مع أنها كانت زهاء ثلاث مائة فى الايام السابقة، بل لم يكن أحد معى فى يوم أشعت هذا النبأ فى "البراهين الاحمدية". فخررت ساجدا للحضرة، وفاضت عينى برؤية هذه الآية. والله

शुक्र अदा किया और हम इसके शुक्र का हक कैसे अदा कर सकते हैं और वह वर्णन शक्ति कहां से आए? मुबारक वह सुबह जो महान विजय लाई और खुश नसीब वह दिन जिसने कमीने दुश्मन का मुंह काला किया। हम रोशन सुबह की तरह खिल उठे और उसकी रोशनी ने खुले बाज़ुओं से हमें खुशख़बरी दी। निशान प्रकट हुए और अल्लाह ने दलील स्थापित कर दी, सच्चाई खोल दी और कहा-सुनी समाप्त कर दी और अल्लाह ने अपनी सृष्टि को फ़ित्नों की बाढ़ और उसके नुकसान से बचा लिया और उसका बुरा असर उनसे दूर कर दिया और जमाअत की अधिकता के निशान पर मेरी नज़र टिकी हुई थी और उस ख़बर को सुनने के समय मैं कान लगाए बैठा था और जैसे प्यासे पानी की तथा अंधकार में पड़े हुए प्रकाश की तलाश में हों, मैं इस ख़बर की टोह में था कि दूर और समीप तथा विभिन्न दिशाओं से मुझे ख़बरें पहुंचने लगीं और यह बात खुल गई कि इन तीन वर्षों में हमारी जमाअत की संख्या एक लाख से भी बढ़ चुकी है जबकि उससे पहले उसकी संख्या लगभग 300 थी बल्कि जिस दिन मैंने यह भविष्यवाणी 'बराहीने अहमदिया' में प्रकाशित की थी तो उस

جاء نی فوج بعد فوج فی هذه السنوات، و کدتُ أن أسأم من کثرتهم لولا أُمرتُ من ربّ الکائنات. و کم من مُعادِیّ جاء نی وهم یتنصّلون من هفوتهم، و یتندمون علی فَوهتهم. و کم من غالٍ انتهَوا عن جنون و مجونٍ، و تابوا و صاروا کدُرٍّ مکنون. والذین کانوا أکثروا اللغط، و ترکوا الصواب و اختاروا الغلط، أراهم الآن یبکون فی حجراتهم، و یبلّون أرض سجداتهم، و أبکی لبکاء عینیهم، کما کنت أبکی علیهم. دخل الله فی قلوبهم، و نجاهم من ّ ذنوبهم، و استخلص صیاصیهم، و مَلَکَ نواصیَهم. و نظر الله إلیهم و وجدهم قائمین علی الصالحات، فجعلهم أبریاء من التبِعات. کذالك أری جذبة سماویة فی قوتها، و جبروت الله فی

समय मेरे साथ एक व्यक्ति भी न था। अत: मैं ख़ुदा के दरबार में सजदे में गिर गया और इस निशान को देखकर मेरी आंखों से आंसू बहने लगे और ख़ुदा की क़सम इन वर्षों में लोग फ़ौज की फ़ौज मेरे पास आए और इस संख्या में आए कि निकट था कि मैं उनकी संख्या की अधिकता से उकता जाता, अगर ब्रह्मांड के प्रतिपालक की ओर से मुझे आदेश न दिया गया होता। और कितने ही मेरे शत्रु मेरे पास आए जो अपनी पुरानी ग़लतियों पर प्रायश्चित का इज़हार करते और अपने कहे पर शर्मिंदा थे और कितने ही ऐसे बढ़ चढ़कर बोलने वाले थे जो अपने जुनून और पागलपन और बेबाकी से बाज़ आ गए। तौबा की और चमकदार मोती के समान हो गए। और इसी प्रकार वे लोग जिन्होंने बहुत शोर किया तथा सन्मार्ग को छोड़ दिया और ग़लत मार्ग को अपना लिया। अब मैं उन्हें अपने घरों में रोते और अपनी सज्दागाहों को भिगोते हुए देखता हूँ और उनके आंसू बहाने पर मैं रोता हूं जबकि पहले मैं उन पर आंसू बहाता था अल्लाह उनके दिलों में प्रवेश कर गया है और उसने उन्हें उनके गुनाहों से मुक्ति प्रदान की है और उनके क़िलों को विजयी किया और उन्हें अपना आज्ञाकारी बना लिया

شوكتها. و كل يوم يُقتاد العاصى، ويُستدنى القاصى. وأرٰى حزبى قد وضح لهم الحق كافترار ثغر الضوء، وغمرهم الله بنواله بعد البَوء. فأىّ شيء خلّصهم من النعاس، و كانوا لا يمتنعون بالفأس، و كانوا لا يعبأون بإلماعى، ولا يفكّرون فى أمرى بل يعافون بَعاعى، فجذبتْ بعضَهم الرؤيا الصالحة، وبعضَهم الادلّةُ القطعية. و كذالك صرت اليوم راعىَ أقاطيع، و كل سعيد آتانى القلب المطيع. وإن كنتَ استولى عليك الريب، واشتبه عليك الغيب، وتعجبتَ كيف اجتمع هذا الجمع فى أمد يسير، فقد نهضتَ لإنكار أمر شهير، ولا يخفى أمرنا هذا على صغير و كبير. وقد سمعتَ أنى أشعتُ هذا النبأ فى زمن كنت لا يعرفنى

और अल्लाह ने उन पर अपनी प्यार की नज़र की और उन्हें नेकियों पर कायम पाया। इस प्रकार उन्हें हर तरह के बुरे अंजाम से पवित्र कर दिया। इसी प्रकार मैं आसमानी आकर्षण को उसकी पूरी शक्ति और अल्लाह की महानता को उसकी पूरी शान में देख रहा हूँ। अवज्ञाकारी प्रतिदिन मेरी ओर खिंचा आता है और दूर होने वाला निकट किया जाता है और मैं देख रहा हूं कि मेरी जमाअत पर सुबह की रोशनी फूटने के समान सत्य प्रकट हो गया है और उनकी तौबा (पश्चाताप) के बाद अल्लाह ने उन्हें अपनी कृपा की चादर से ढक दिया है। वह कौन सी चीज़ है जिसने उन्हें लापरवाही से रिहाई दी हालांकि वे कुल्हाड़ी से भी बाज़ आने वाले न थे और वे मेरे इशारे की भी परवाह न करते थे और मेरे मामले में विचार नहीं करते थे और मेरी शिक्षाओं एवं तर्कों को पसंद नहीं करते थे फिर उनमें से कुछ को सच्ची ख़्वाबों ने और कुछ को अकाट्य तर्कों ने प्रेरित किया। और इस प्रकार आज मैं बहुत से समूहों का निगरान बन गया और हर अच्छे स्वभाव के व्यक्ति ने अपना आज्ञाकारी हृदय मेरे सुपुर्द कर दिया। अगर तुझ पर सन्देह हावी हो गया है और परोक्ष का ज्ञान तुझ पर सन्देहयुक्त हो गया है और तुझे आश्चर्य है कि

أحد ولا أعرف أحدًا، فاتّق الله واترُكْ وَبَدًا. وإن كنتَ في ريب من زمن كتابي «البراهين»، فاسألْ أهل قريتي هذه واسأل من شئت من المطّلعين. وإن كنت في شكّ من عِدّة جمعٍ جُمعوا في هذه الأعوام الثلاثة، فاسأل الحكومة ما عندها عِدّةُ جماعتنا قبل هذه السنّة الجارية، ثم خُذْ منّا ثبوت هذه السنة المباركة، التي سبقت كل سِنٍّ من السنين الماضية على طريق خرق العادة. وإن كنت صاحب دهاء. لا دودةَ عناد وإباء، فلا يعسر عليك فهمُ هذه الآية، بل تستيقنها كل الإيقان وتمتنع من الغواية. إن شهد لامر عدلانِ من المسلمين، فيتحقق صدقه عند المتفقهين، فما بال أمر يشهد له ألوف من المسلمين؟ ولا بد لهم أن يشهدوا

थोड़े से समय में यह जमाअत किस प्रकार इकट्ठी हो गई तो तू एक प्रसिद्ध बात का इन्कार कर रहा है। हमारा यह मामला प्रत्येक छोटे-बड़े पर छुपा हुआ नहीं। और तूने यह सुना है कि मैंने इस भविष्यवाणी का प्रकाशन उस ज़माने में किया था जब कोई मुझे और न मैं किसी को पहचानता था। अत: अल्लाह से डर और क्रोध छोड़ दे और अगर तुझे मेरी किताब बराहीन-ए-अहमदिया के ज़माने के बारे में कुछ सन्देह है तो मेरी इस बस्ती (क़ादियान) के रहने वालों और परिचितों में से जिस से चाहे पूछ ले और अगर तुझे इन तीन वर्षों में इकट्ठी होने वाली जमाअत की संख्या में सन्देह है तो सरकार से पूछ ले कि उसके निकट इस वर्तमान वर्ष से पहले हमारी जमाअत की संख्या कितनी थी। फिर उसके बाद हमसे इस मुबारक साल का सबूत ले ले जिसमें विलक्षण रूप से पिछले सालों की अपेक्षा यह संख्या बढ़ चुकी है और अगर तू बुद्धिमान है तथा शत्रुता तथा इन्कार का कीड़ा नहीं है तो तुझे इस निशान के समझने में कोई कठिनाई नहीं होगी। बल्कि तुझे इस पर पूरा विश्वास हो जाएगा और तू हर प्रकार की गुमराही को छोड़ देगा। अगर किसी मामले में दो न्यायप्रिय मुसलमान गवाही दें तो फ़ुक़हा (धर्मशास्त्र के

إن كانوا متقين. وإن شئتم فاسألوا أبا السعيد الذى هو من أئمّتكم، بل من أجلّ الافراد من فئتكم، وقد كتب تقريظًا على كتابى "البراهين"، وكان يوافينى فى ذالك الحين. فاسألوه كم من جماعة كانت هى فىّ ذالك الزمان، وإن تستضعفوا شهادته من غير البرهان، فاسألوا كل من هو موجود فى قريتى وما لحق بها من البلدان. ووالله ما كنت فى زمن تأليفه إلا كفَتيل، أو كخامل ذليل، وكنت لا يعرفنى إلا قليل من سُكّان القرية، فضلا عن أن أوقَر فى أعين طوائف العلماء وأهل الثروة والعزّة. بل ما كنت شيئا مذكورا، وكنت أشابه مترو كا مدحورا. وإن هذا أجلَى البديهات، فحقِّقوا كيف ما شئتم يا ذوى الحصاة. وسمعتم أن الله

ज्ञाताओं) के निकट उसकी सच्चाई सिद्ध हो जाती है। फिर उस मामले की शान के क्या कहने जिसके बारे में हज़ारों मुसलमान गवाही दें और अगर वे संयमी हैं तो उन पर अनिवार्य है कि वे गवाही दें। और अगर तुम चाहो तो अबू सईद (अर्थात मुहम्मद हुसैन बटालवी) से पूछ लो जो तुम्हारे इमामों में से है बल्कि वह तुम्हारे गिरोह का प्रसिद्ध व्यक्ति है और उसने मेरी किताब बराहीन-ए-अहमदिया पर रिव्यू भी लिखा था और उस ज़माने में वह मेरा सहायक था। अत: उससे पूछो कि उस ज़माने में मेरी जमाअत कितनी थी। और अगर तुम किसी दलील के बिना उसकी गवाही को कमज़ोर समझो तो फिर उन सब लोगों से पूछ लो जो मेरी बस्ती (क़ादियान) में मौजूद हैं या उसके निकट इलाकों में रहते हैं। ख़ुदा की क़सम बराहीन-ए-अहमदिया के लेखन के समय में खजूर की गुठली के रेशे या एक गुमनाम बे-हैसियत व्यक्ति के समान था। मुझे स्वयं इस बस्ती के कुछ निवासी ही जानते थे कहाँ उलमा के गिरोह या दौलतमंद और सम्मानीय लोगों की निगाहों में मेरा कोई सम्मान होता बल्कि वास्तविकता यह है कि मैं कोई प्रसिद्ध व्यक्ति न था और मैं वियोगी तथा बहिष्कृत व्यक्ति के समान था।

أوحى إلىّ فى ذالك الزمان أنه لا يتركنى فردًا، ويجهّز لى فوجًا من الخلّان. فأنجزَ وعده فى هذه السنوات الثلاث، وأحيا ألوفا على يدى او بعث من الاجداث. فالامر الذى لم يحصل لنا فى عشرين سنة، ثم حصل فى ثلاثة، بعد ما جعلناه مناط صدقنا بحلفة، فلا شك أنه أمر خارق العادة، وآية عظيمة من حضرة العزّة. وإن كنتم فى شكّ من هذه الآية، فأتوا بمثلها من القرون القديمة أو الجديدة، وأخرِجوا لنا ما عندكم من المثال، فى هذا النصر من الله ذى الجلال. ولكن عليكم أن تأخذوا نفوسكم بهذا الالتزام، أن لا تخرجوا من مماثلة المقام. وأرُونى رجلا وعد كمثلى علىٰ بناء الوحى من الحضرة، فى أيام الغربة والوحدة، ثم كذّبه العدا

यह एक बिल्कुल सच्ची बात है। अत: हे बुद्धिमानो! जिस प्रकार चाहो छानबीन कर लो। और तुम सुन चुके हो कि अल्लाह तआला ने उस ज़माने में मुझे वह्यी की थी कि वह मुझे अकेला नहीं छोड़ेगा और दोस्तों की एक फ़ौज मेरे लिए तैयार करेगा। अत: उसने इन तीन वर्षों में अपना वादा पूरा कर दिया और हज़ारों लोगों को मेरे हाथ पर ज़िंदा किया और उन्हें क़ब्रों से बाहर निकाला। अत: हमारा वह उद्देश्य जो बीस वर्षों में पूर्ण नहीं हुआ था, जब हमने उसे क़सम खाकर अपनी सच्चाई की कसौटी ठहराया तो वह तीन वर्षों में पूर्ण हो गया। अत: इसमें कोई सन्देह नहीं कि यह एक विलक्षण मामला और ख़ुदा के दरबार की ओर से एक बहुत बड़ा निशान है और अगर तुम्हें इस निशान के बारे में कोई सन्देह है तो पुराने या नए ज़माने से उसका कोई उदाहरण प्रस्तुत करो और जो कोई उदाहरण तुम्हारे पास है उसे हमारे सामने लाओ जिसमें अल्लाह तआला की ओर से ऐसी सहायता मिली हो परन्तु तुम पर यह अनिवार्य है कि तुम अपने ऊपर इस बात को अनिवार्य कर लो कि मर्तबे (स्तर) की समानता से बाहर न निकलो। और तुम मुझे कोई ऐसा व्यक्ति दिखाओ जिसने अल्लाह की

ونهضوا للمقابلة، وجهدوا جهدهم لإعدامه بكل نوع من الحيلة، ولم يكن الزحام يَسفر عنه فى حين من الاحيان، ولم يبق مكيدة إلا واستعملوها كالسيف والسنان، ومع ذالك بلغت جماعته من نفس واحدة إلى مائة ألف وانتشرت فى البلدان. وإنى كُفِّرتُ مرة من أقلام القضاة، وأخرى سِقْتُ إلى المحاكمات، ثم ما كان مآل أمرنا إلا الفتح وزيادة الجماعة مِن فرد واحد إلى مائة ألف أو أكثر من هذه العِدّة. فأرُونى كمثلها إن كنتم تحسبونها تحت القدرة الإنسانية. ووالله إنى أعطيكم ألفًا من الدراهم المروّجة، صلةً منّى عند غلبتكم فى هذه المقابلة، وهذا وعد منى بالحلفة. وإن لم تفعلوا۔ ولن تفعلوا۔ فليس لكم

वह्यी के आधार पर अपने असहाय होने की स्थिति और अकेले होने की अवस्था में मेरी तरह वादा किया हो फिर शत्रुओं ने उसको झुठलाया हो और मुक़ाबले के लिए उठ खड़े हुए हों और हर प्रकार के उपाय से उसे नष्ट करने का अपना भरसक प्रयास किया हो और लोगों की भीड़ ने किसी समय भी उसका मार्ग न छोड़ा हो और कोई ऐसा उपाय शेष न छोड़ा हो कि जिसे उन्होंने तलवारों और तीरों के समान प्रयोग न किया हो। परन्तु बावजूद इन सब बातों के उसकी जमाअत एक व्यक्ति से एक लाख तक पहुंच गई और समस्त क्षेत्रों तक फैल गई। और कभी तो क़ाज़ियों की क़लम की नोक से मुझ पर कुफ़्र के फ़तवे लगाए गए और कभी मुझे अदालतों में घसीटा गया। परन्तु अंततः हमारी ही विजय हुई और एक व्यक्ति से जमाअत एक लाख या उस संख्या से भी अधिक हो गई। अगर तुम इस काम को इंसानी शक्ति के अंतर्गत समझते हो तो मुझे उसका कोई उदाहरण दिखाओ। ख़ुदा की क़सम इस मुक़ाबले में तुम्हारे विजयी होने की अवस्था में, मैं समय का प्रचलित एक हज़ार रुपया तुम्हें पुरस्कार स्वरूप दूंगा और यह मेरा हल्फिया वादा है और अगर तुम ऐसा न कर सके और

إلا صلة اللعنة، إلى يوم القيامة. أتنكرون آيات الله بغير حق،
ثم لا تأتون بمثلها وتسقطون على مكانتكم كالجيفة؟ ويل
لكم ولهذه العادة! و- من آياتي التي ظهرت في هذه السنوات،
هو أني أشعت قبل الوقت أن الطاعون ينتشر في جميع الجهات،
ولا يبقى خِطّة من هذه الخِطط المبتلاة بالآفات، إلا ويدخلها
كالغضبان، ويعيث فيها كالسّرحان. وقلت: قد كُشف عليّ من
ربي سرٌّ مكنون، وهو أن أرضا من أرضين لا تخلو من شجرة
الطاعون وثمرة المنون «اَلْاَمْرَاضُ تُشَاعُ وَالنُّفُوْسُ تُضَاعُ» ذالك
بأن الله غضب غضبًا شديدًا، بما فسَق الناس ونسوا ربًّا وحيدًا.
فجهّز الله جيشَ هذا الداء، ليذيق الناس ما اكتسبوا من أنواع

तुम कदापि न कर सकोगे तो तुम्हारा पुरस्कार क़यामत के दिन तक की लानत के अतिरिक्त कुछ नहीं। क्या तुम अल्लाह के निशानों का अकारण इन्कार करते हो और फिर तुम उनके समान कोई उदाहरण भी प्रस्तुत नहीं करते। और अपने स्थान पर ही मुर्दों के समान गिरते हो। धिक्कार है तुम पर और तुम्हारी इस आदत पर। मेरे निशानों (चमत्कारों) में से जो इन वर्षों में प्रकट हुए, यह है जिसे मैंने समय से पहले ही प्रकाशित कर दिया था कि ताऊन (प्लेग) समस्त दिशाओं में फैल जाएगी और उन प्रभावित भागों में से कोई एक भाग भी शेष न रहेगा जहां यह ताऊन भयानक अवस्था में प्रवेश न कर जाएगी और उसमें एक भेड़िए के समान तबाही मचाएगी। और मैंने कहा था कि मेरे रब की ओर से जो गोपनीय भेद मुझ पर प्रकट किया गया है वह यह है कि इस ज़मीन का कोई भाग ताऊन के पौधे और मौत के फल से खाली न रहेगा। बीमारियां फैलेंगी और मौतें होंगी, कारण यह है कि अल्लाह अत्यंत क्रोध में है कि लोग दुराचार और अश्लीलता में लिप्त हुए और अद्वितीय ख़ुदा को भूल गए। अत: अल्लाह ने इस बीमारी का लश्कर तैयार किया ताकि वह लोगों को उनके विभिन्न

الجريمة والفحشاء. فانتشر الطاعون بعد ذالك فى البلاد، وجعل ذوى الارواح كالجماد، ودخل مُلْكَنا هذا وتَدَيَّرَه بقعةً، وتَخَيَّرَ الإماتةَ حرفةً، فإن شئت فاقرأ ما أشعتُ فى جميع هذه البلاد، ثم استحيِ واتّق الله ربّ العباد۔

ومن آياتى التى ظهرت فى هذه المدة، موت ★ رجال عادَونى وآذونى و عزَونى إلى الكفَرة، وسبّونى على المنابر وجرّونى إلى الحكومة. فاعلم أن الله كان خاطبنى وقال: "يَا أَحْمَدِىُ أَنْتَ مُرَادِىُ

अपराधों और दुराचारियों का मज़ा चखाए। अत: उसके बाद ताऊन समस्त क्षेत्रों में फैल गई और जीवितों को निर्जीवों के समान बना दिया। ताऊन ने हमारे इस देश में प्रवेश किया और उसे अपना घर बना लिया और नष्ट करने को पेशा बना लिया। अत: यदि तू चाहे तो मेरे उस लेख को पढ़ जो मैंने इन समस्त क्षेत्रों में प्रकाशित कर दिया था। फिर लज्जा कर और सृष्टि के पालनहार अल्लाह से डर।

मेरे उन निशानों में से जो इस अवधि में प्रकट हुए हैं उन लोगों की मौत ★ है जिन्होंने मुझसे शत्रुता की, मुझे कष्ट पहुंचाया और मुझे काफिर कहा। मिंबरों (मंचों) पर चढ़कर मुझे गालियां दीं और मुझे अदालतों की ओर घसीटा। तू यह जान ले कि अल्लाह ने मुझसे संबोधित होकर कहा- **"हे मेरे अहमद!**

★ الحاشية: و كان منهم رجل مسمى برسل بابا الامرتسرى و قد اشعت قبل موته فى الاعجاز الاحمدى انه يموت بعض علماء تلك البلدة من الطاعون فمات بعده رسل بابا فى امرتسر وانه اٰية ظهرت فى هذه السنوات ففكروا يا ذوى الحصاة۔ منه

और उनमें एक व्यक्ति रुसुल बाबा अमृतसरी नामक था। उसकी मृत्यु से पूर्व मैंने एजाज़-ए-अहमदी में प्रकाशित कर दिया था कि इस शहर का एक विद्वान महामारी (ताऊन) से मरेगा। अत: उसके पश्चात् रुसुल बाबा, अमृतसर में मर गया। और यह एक अद्भुत निशान है जो उन वर्षों में प्रकट हुआ। अत: हे सत्यभिलाषियो! विचार करो।

وَ مَعِیْ. أَنْتَ وَجِیْهٌ فِیْ حَضْرَتِیْ. اِخْتَرْتُكَ لِنَفْسِیْ وَسِرُّكَ سِرِّیْ. وَ أَنْتَ مَعِیْ وَ أَنَا مَعَكَ. وَأَنْتَ مِنِّیْ بِمَنْزِلَةٍ لَا یَعْلَمُهَا الْخَلْقُ. إِذَا غَضِبْتَ غَضِبْتُ، وَ كُلُّ مَا أَحْبَبْتَ أَحْبَبْتُ. إِنِّیْ مُهِیْنٌ مَنْ أَرَادَ إِهَانَتَكَ، وَ إِنِّیْ مُعِیْنٌ مَنْ أَرَادَ إِعَانَتَكَ. إِنِّیْ أَنَا الصَّاعِقَةُ. تُخْرَجُ الصُّدُوْرُ إِلَی الْقُبُوْرِ. إِنَّا تَجَالَدْنَا فَانْقَطَعَ الْعَدُوَّ وَأَسْبَابَهٗ». ثم بعد ذالك آذانی رجل بغیر حق اسمه «محمد بخش» وجرّنی إلی الحکومة، فصار لوحی ربّی.. أعنی «تجالَدْنا».. کالدّرِیّة، ومات بالطاعون وانقطع خیط حیاته بالسرعة، و کنتُ أشعتُ هذا الوحی فی حیاته وأنبأته به فما بالَی ومضی بالسخرة.ثم بعد ذالك قام رجل لإیذائی اسمه «محمد حسن فیضی»، و کان

तू मेरी मुराद है और मेरे साथ है। तू मेरी दरगाह में प्रतिष्ठित है। मैंने तुझे अपने लिए चुन लिया और तेरा भेद मेरा भेद है। तू मेरे साथ है और मैं तेरे साथ हूं। तू मेरे निकट एक ऐसा मर्तबा रखता है जिसे संसार नहीं जानता। जब तू क्रोधित होता है तो मैं क्रोधित होता हूं और जिस से भी तू मोहब्बत करता है तो मैं मोहब्बत करता हूं। मैं उस व्यक्ति को अपमानित करूंगा जो तेरे अपमान का इरादा करेगा और मैं उस व्यक्ति की सहायता करूंगा जो तेरी सहायता का इरादा करेगा। मैं आसमानी बिजली हूं। विरोधियों के सरदार क़ब्रों की ओर ले जाए जाएंगे। हमने जंग करके शत्रुओं को पराजित किया और उसके तमाम संसाधन काट दिए"। इसके बाद मुझे मुहम्मद बख्श नामक एक व्यक्ति ने अकारण कष्ट पहुंचाया और मुझे अधिकारियों तक ले गया। वह मेरे रब की वह्यी अर्थात 'तजालदना' का निशाना बन गया और ताऊन से मर गया और बहुत जल्द उसके जीवन की डोर काट दी गई। मैंने इस वह्यी को उसके जीवन में ही प्रकाशित कर दिया था और उसे सचेत कर दिया था लेकिन उसने उसकी कोई परवाह न की और हंसी-ठठ्ठा करता रहा। फिर उसके

أعـدىٰ أعدائـى، وسـبّنى وشـتمنى وسـعى لإفنائـى وإخزائـى، ولعنـنى حـتى لعنـه ربّى ۔ وردّ إليـه مـا عـزا إلى نفسـى. فمـا لبـث بعـده إلا قليـلا مـن الايـام، حـتى رأى وجـه الحِمام. و كنـت كتبـت فى كتـابى «الإعجـاز»، ملهَمًـا مـن الله الذى يجيـب المضطـرّ عنـد الارتماز:"مـن قـام للجـواب وتنمَّـرَ، فسـوف يـرى أنـه تنـدَّمَ وتدمَّـرَ۔" فجعـل الفيضـى نفسـه دريّـةَ كلِّ وحى ذكـرتُ، وغـرضَ كلِّ إلهـام إليـه أشـرتُ، حـتى أسـكته المـوت مـن قـاله وقيـله، وردّه إلى سـبيله. و كذالك صـار نذيـر حسـين الدهلـوى دريّـةَ وحى الله " تخـرج الصـدور إلى القبـور" فإنـه كان أوّل مـن كفّـرنى وآذانى وفـرّ مـن النـور. و كانـت سـنة وفاته:«مـاتَ ضـالٌّ هائمًـا» بحسـاب

बाद एक और व्यक्ति मुहम्मद हसन फैज़ी नामक मुझे कष्ट पहुंचाने के लिए उठ खड़ा हुआ और वह मेरा घोर शत्रु था। उसने मुझसे गाली गलौज की और मेरी रुसवाई और तबाही का भरसक प्रयत्न किया, मुझ पर लानत भेजी, अंतत: मेरे रब ने उस पर लानत की। और जो उसने मुझ पर आरोप लगाया था वह सब उस पर उल्टा दिया। उसके बाद उसने कुछ दिन ही गुज़ारे थे कि मौत का मुंह देख लिया। साथ ही मैंने अपनी किताब 'एजाज़ुल मसीह' में अल्लाह से, जो व्याकुलता के समय व्याकुल व्यक्ति की दुआ सुनता है, इल्हाम पाकर लिखा था: कि जो व्यक्ति अत्यंत क्रोधित होकर उस पुस्तक का उत्तर लिखने के लिए तैयार होगा वह शीघ्र देख लेगा कि वह लज्जित हुआ और हसरत के साथ उसका अंत हुआ। अत: (मुहम्मद हसन) फैज़ी ने स्वयं को मेरी उस वर्णित वह्यी का और मेरे हर उस इल्हाम का जिसकी और मैंने इशारा किया है, निशाना बना लिया यहां तक कि मौत ने उसका मुंह बंद कर दिया और उसे उसकी राह दिखाई। और इसी प्रकार नज़ीर हुसैन देहलवी भी अल्लाह तआला की वह्यी "विरोधियों के अगुवा क़ब्रों की ओर स्थानांतरित किए जाएंगे" का निशाना बना क्योंकि वह पहला

الجُمل، ومات ناقصا ولم يُصِبْ حظًّا من الكُمّل. ومن آياتي شهرة اسمي بالإكرام والتكرمة، في هذه السنوات الموعودة. وإن الله كان خاطبني وبشّرني بإكرامي وقبولي في زمن البأس، وقال: "أَنْتَ مِنِّيْ بِمَنْزِلَةِ تَوْحِيْدِيْ وَ تَفْرِيْدِيْ، فَحَانَ أَنْ تُعَانَ وَتُعْرَفَ بَيْنَ النَّاسِ" وقال: "يحمدك الله مِن عرشه"، وبشّرني بحمد الإناس. وبعد ذالك سعى العدا كل السعى ليُعدِموني ويُلحقوني بالغبراء، ووقع أمري في خطر عظيم من الإعداء، فأيّدني ربّي في هذه السنوات المباركة، وشهّر اسمي إلى الدّيار البعيدة. وهذا أمر لا ينكره أحد إلا الذي ينكر النهار مع

व्यक्ति था जिसने मुझे काफिर ठहराया और मुझे कष्ट दिया और नूर से भाग गया। उसकी मृत्यु का साल जुमल (हुरूफ़ अब्जद की गणना) के हिसाब से "माता ज़ाल्लुन हाइमन" अर्थात् 1320 हिज्री था। वह बुरी अवस्था में मरा और उसे कामिलीन (सानिध्य प्राप्त लोगों) में हिस्सा न मिला। मेरे निशानों (चमत्कारों) में से एक निशान उन निर्धारित वर्षों में सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ मेरे नाम की प्रसिद्धि है। और अल्लाह तआला ने मुझे संबोधित किया और मुझे कठिनाई के समय में सम्मान और स्वीकृति पाने की ख़ुशख़बरी दी और फरमाया कि "तू मेरे निकट ऐसे है जैसे मेरा एकत्व। अत: वह समय आ पहुंचा है कि तेरी सहायता की जाए और तुझे लोगों में प्रसिद्धि दी जाए" साथ ही फरमाया- "अल्लाह अपने अर्श से तेरी प्रशंसा करता है" और उसने मुझे यह ख़ुशख़बरी भी दी कि लोग तेरी प्रशंसा करेंगे। इसके बाद दुश्मनों ने पूरी कोशिश की कि मुझे नष्ट कर दें और मिट्टी में मिला दें और दुश्मनों के कारण मेरा मामला अत्यंत खतरे में पड़ गया परन्तु फिर भी मेरे रब ने उन पवित्र वर्षों में मेरी सहायता की और दूरदराज़ इलाकों से मेरे नाम को प्रसिद्ध किया। यह वह बात है जिसका इन्कार कोई भी नहीं कर सकता सिवाय उस व्यक्ति के जो दिन को पूर्णत: चमकते हुए देखकर

رؤيته الإشعة الساطعة۔

ومن آياتى كتبٌ ألّفتها فى العربية، فى تلك المدّة المشتهرة، وجعلها الله إعجازا لى إتماما للحجّة. وأوّلها "إعجاز المسيح "ثم بعد ذالك" الهدىٰ"، ثم الإعجاز الاحمدى وهو معجزة عظمٰى. و كنت فرضت للمخالفين صلةَ عشرة آلاف، إن يأتوا كمثل "الإعجاز الاحمدى"فى عشرين يومًا من غير إخلاف. فما بارز أحد للجواب، كأنهم بُكْمٌ أو من الدواب. ومع تلك الصلة، لعَنتُ الصامتين الساكتين المتوارين فى الحجاب، وأحفظتُهم به لكى يتحركوا لجوَاب الكتاب، فتوارَوا فى حجراتهم، وما نعلم ما صنع الله بقلوبهم، مع إطماع منّى و إعناتهم۔

भी उसका इन्कार करता है।

मेरे चमत्कारों में से एक चमत्कार वे पुस्तकें हैं जिन्हें मैंने कथित अवधि के दौरान अरबी भाषा में लिखा और अल्लाह ने हुज्जत के तौर पर उन्हें मेरा चमत्कार बना दिया। उनमें से पहली किताब 'एजाज़ुल मसीह' है। उसके बाद 'अलहुदा वत्तब्सिरतु लिमन्यरा' और फिर 'अल-एजाज़ुल अहमदी' है जो एक बहुत बड़ा चमत्कार है और इसके लिए मैंने विरोधियों के लिए दस हज़ार रुपया बतौर इनाम निर्धारित किया था कि अगर वे 'अल एजाज़ुल अहमदी' का उदाहरण अविलम्ब 20 दिन में प्रस्तुत करें। लेकिन उत्तर देने के लिए कोई मैदान में न आया मानो कि वे गूंगे हैं या जानवर। इस इनाम के साथ ही मैंने मौन रहने वालों और पर्दे में छुपे रहने वालों पर लानत की थी। इस लानत के द्वारा मैंने उन्हें रोष दिलाया ताकि वे पुस्तक का उत्तर लिखने के लिए कुछ हरकत करें परन्तु वे सब घरों में छुप गए। हमें ज्ञात नहीं कि उन्हें मेरी ओर से लालच और गुस्सा दिलाने के बावजूद अल्लाह ने उनके दिलों के साथ क्या किया।

मेरे चमत्कारों में से एक चमत्कार सर्वज्ञानी और नीतिवान ख़ुदा की ओर से वह सूचना है जो उसने एक कमीने व्यक्ति और उसके भयानक आरोप के

ومن آياتي ما أنبأني العليم الحكيم، في أمر رجل لئيم وبهتانه العظيم، وأوحى إلى أنه يريد أن يتخطف عِرضك، ثم يجعل نفسه غرضك. وأراني فيه رؤيا ثلاث مرات، وأراني أن العدو أعدَّ لذالك ثلاثة حُمّاةٍ لتوهين وإعنات. ورأيت كأني أُحضرتُ محاكمة كالمأخوذين، ورأيت أن آخر أمري نجاة بفضل ربّ العالمين، ولو بعد حين. وبُشِّرتُ أن البلاء يرد على عدوي الكذّاب المهين. فأشعت كل ما رأيت وأُلهمت قبل ظهوره في جريدة يسمى «الحَكَم»، وفي جريدة أخرى يسمى «البدر»، ثم قعدت كالمنتظرين. وما مرّ على ما رأيت إلّا سنة فإذا ظهَر قدر الله على يد عدو مبين اسمه «كرم الدين». وإنه هو الذي رغِب لإحراقي في نار تضرم،

बारे में मुझे दी और उसने मेरी ओर वह्यी की कि वह तेरे सम्मान को हानि पहुंचाना चाहता है फिर वह स्वयं को तेरा निशाना बना देगा। उसके बारे में उसने मुझे तीन बार स्वप्न दिखाया और मुझे दिखाया कि उस शत्रु ने तुझे अपमानित करने और कष्ट पहुंचाने के उद्देश्य से तीन सहायकों को तैयार किया है और स्वप्न में मैंने देखा कि मानो गिरफ़्तारों की तरह मैं अदालत में हाज़िर किया गया और मैंने यह भी देखा कि अंततः रब्बुल आलमीन (समस्त ब्रह्मांड के पालनहार) की कृपा से मैंने रिहाई पाई है यद्यपि यह रिहाई कुछ समय के बाद होगी। साथ ही मुझे यह खुशख़बरी दी कि यह आपदा मेरे इस झूठे और अपमान करने वाले शत्रु पर लौटा दी जाएगी। अतः मैंने रो'या (तन्द्रावस्था) में जो कुछ देखा और जो मुझे इल्हाम हुआ था उसे, उसके प्रकटन से पहले 'अल्हकम' और 'अल्बदर' नामक अख़बार में प्रकाशित कर दिया। फिर मैं प्रतीक्षा करने लगा और मैंने रोया (तन्द्रावस्था) में जो दृश्य देखा था उस पर अभी संभवतः एक साल ही गुज़रा था कि अल्लाह की तक़दीर ने उस खुले खुले शत्रु को जिसका नाम करमदीन है, पकड़ लिया। यह (करमदीन) वही व्यक्ति है जो मुझे भड़कती आग में जलाए जाने और अत्यंत

وضرار يعزم، وأراد أن يسلب أمننا ، وطمع في عرضنا، لنُعدَم كل العدم. وأراد أن يجعل نهارنا أغسى من ليلة داجيةِ الظُلَم، فاحمةِ اللمم. فنَحَتَ من عنده استغاثة، وأعدَّ لافراس الوكالة أثاثة، وجُمِعت الاحزاب وشُمِّرَ الثياب، ليرمى كلّهم من قوسٍ واحدٍ السهامَ، ونسوا القدير العادل العالم المقسط الذى لا يجهل أو صاف الإنصاف، ومن ذا الذى يرضع عنده أخلافَ الخِلاف؟ وإنه هو معنا فكيف نتأذى من شرير؟ و كيف يولّى عيشٌ نضير؟ وقد بشّرنا أنا لن نقتحم مَخوفة، ولن نجوب تَنوفة، وننتظر وعد ربّ العباد، والله لا يخلف الميعاد. وقد ظهر بعض أنبائه تعالٰى من أجزاء هذه القضية، فيظهر بقيّتُها كما وعد من

हानि पहुंचाने का इच्छुक था और उसने इरादा किया कि वह हमारा अमन छीन ले और हमारा अपमान करे ताकि हम पूर्णत: नष्ट हो जाएं और उसने हमारे प्रकाशित धर्म को काले बालों वाली अंधेरी रात से भी अधिक अंधकारमय करने का प्रयत्न किया। अत: उसने अपनी ओर से झूठा दावा दायर किया और वकालती घोड़ों के लिए चारा उपलब्ध कराया। कई जत्थे इकट्ठे किए और विरोध में लंगर लंगोट कस लिए ताकि वे सब एक ही कमान से तीर चलाएं और उस सर्वशक्तिमान, न्यायवान, सर्वज्ञानी और न्याय प्रिय ख़ुदा को भूल गए जो इंसाफ की विशेषताओं से अपरिचित नहीं है। और कौन है जो विरोध में उसके सामने दम मार सके और वास्तविकता यह है कि वह ख़ुदा हमारे साथ है। अत: हम किसी उपद्रवी से कैसे कष्ट उठा सकते हैं और हम से खुशहाली कैसे मुंह फेर सकती और ख़ुदा ने हमें खुशख़बरी दी है कि हम कभी भयानक स्थान में प्रवेश न करेंगे और हमारा मार्ग कभी जंगलों में से न होगा और हम ख़ुदा के वादे के प्रतीक्षक हैं और अल्लाह वादा ख़िलाफी नहीं करता। इस मामले के कुछ हिस्सों के बारे में अल्लाह तआला की भविष्यवाणी पूरी हो चुकी है और शेष भी निस्सन्देह वादे के अनुसार पूरी हो जाएंगी। यह मेरी उन

غير الشك والشّبهة.هذا حقيقة إنبائى الذى لم تستطيعوا عليه صبرا، وكتب الله ليغلب رسله ولو يمكر العدا مكرا. وليس إنكاركم إلا من شِقْوتكم، فيا أسفا على جهلكم وغباوتكم! أردنا أن نعطف عليكم فغِظْتم، ورُمْنا أن ننبِط فغِضْتم۔

ثم بعد ذالك نكتب جواب ما أشعتَ، وظلمتَ نفسك والوقت أضعتَ. أمّا ما أنكرتَ فى كتابك بلاغة قصيدتى، وما أكلتَ عصيدتى، فلا أعلم سببه إلا جهلك وغباوتك وتعصّبك ودناء تك.أيها الجهول! قُمْ وتصفَّحْ دواوين الشعراء، ليظهر لك منهاج الادب والادباء ۔ أتُغلّط صحيحا وتظن الحَسَن قبيحا، وتأكل النجاسة وتعاف النفاسة؟ ليس فى جُعْبتك منزَع، فظهر

भविष्यवाणियों की वास्तविकता है जिन पर तुम सब्र न कर सके। अल्लाह ने मुक़द्दर कर रखा है कि अपने रसूलों को विजयी करेगा चाहे शत्रु कितने ही षडयंत्र करें और तुम्हारा इन्कार तुम्हारे दुर्भाग्य से ही है। तुम्हारी मूर्खता और मंदबुद्धि पर अत्यंत खेद! हमने तो चाहा था कि तुम पर कृपा और उपकार करें परन्तु तुम क्रोधित हो गए और हमने चाहा था कि तुम्हारे लिए पानी खोद निकालें परन्तु तुमने उसे और गहरा कर दिया।

अत: इसके बाद हम तुम्हारे उस बयान का उत्तर लिखते हैं जिसे प्रकाशित करके तुमने अपनी जान पर अत्याचार किया और समय नष्ट किया और यह जो तुमने अपने लेख में मेरे कसीदे की श्रेष्ठता से इन्कार किया है जबकि तूने मुझे आज़माया ही नहीं तो मैं इसका कारण तुम्हारी मूर्खता, मंदबुद्धि, पक्षपात और कमीनगी के सिवा कुछ नहीं पाता। हे निपट मूर्ख! उठ और शायरों के लिखे दीवानों को पढ़ ताकि साहित्य और साहित्यकारों की लेखनशैली तुझ पर प्रकट हो। क्या तुम सही को ग़लत ठहराते और अच्छे को बुरा समझते हो, गंदगी खाते हो और अच्छाई से घृणा करते हो। तुम्हारे तरकश में कोई तीर नहीं रहा। अत: लांछन लगाने में तुम्हारी रुचि बढ़ गई है और ऐसा ही हमेशा से मूर्खों

لـك فی التـزرّی مطمـع، و کذالـك جـرت عـادة السـفهاء ، أنـهم
یخفـون جهلـهم بـالازدراء۔ ویـل لـك! مـا نظـرتَ إلی غـزارة المعـانی
العالیـة، ولا إلی لطافـة الالفـاظ الغالیـة، واسـتقریتَ القَـذَرَ کَالْاَذِبَّـةِ.
مـا فکّـرت فی حسـن أسـالیب الـکلام، ولا فی المنطـق ونظامـه
التّام. أیهـا الغبیّ! علِمتُ مـن هٰـذا أنـك مـا ذقت شـیئا مـن اللسـان،
ولا تعلـم مـا حسـن البیـان، ونـزَوت کالسَّـرْحان قبـل الفـهم
والعرفـان. أبهـذا تُبارینـا فی المیـدان وتُبارزنـا کالفتیـان؟ أتتّـکأُ
علی الاصغـر الذی کتـب منـه الجعفـرُ إلیـك و کنـتَ قد فـررتَ مـن
هـذه القریـة مـع لعـن نـزل علیـك۔ فاعلـم أنـهم یکذبـون ولیسـوا
رجـال المصارعـة ولا قِبَـلَ لاحـد فی هـذه المناضـلة. دَعْ تصلّفـك یـا

का काम रहा है कि वह हमेशा दूसरों में कमियाँ निकाल कर अपनी मूर्खता को छुपाते हैं और धिक्कार है तुझ पर कि न तो तुमने उच्चकोटि के अर्थों की अधिकता की ओर निगाह की और न ही गूढ़ शब्दों की सूक्ष्मता की ओर रुचि दिखाई और मक्खियों की तरह गंदगी पर जा पड़े। तुमने न तो भाषाशैली के सौन्दर्य पर और न ही भाषा और उसकी पूर्ण प्रक्रिया पर विचार किया। हे झूठे व्यक्ति! इससे मुझे मालूम हुआ कि तुमने इस भाषा का कोई आनंद नहीं लिया और न तुम यह जानते हो कि अच्छी वर्णन शैली क्या है और तू समझ-बूझ और विवेक से पहले ही भेड़िए की तरह झपटा है। क्या इस बलबूते पर तुम हमारा इस उत्तम भाषा शैली के मैदान में मुकाबला करते हो और जवांमर्दों के समान हमारा सामना करते हो? क्या तुम उस असगर अली पर भरोसा करते हो जिसकी ओर से जाफर (ज़टली) ने तुम्हें लिखा और तुम इस बस्ती क़ादियान से अपने ऊपर पड़ने वाली लानत के साथ भाग निकले? अत: याद रखो कि वे झूठे हैं और वे मर्दे मैदान नहीं हैं और न किसी को इस मुक़ाबला की ताकत है। हे असहाय! अपने बड़बोलेपन को छोड़ क्योंकि तू मर्द नहीं अगर तुझ में कोई दमखम होता तो तू बहाना बनाकर भाग न जाता। इसके अतिरिक्त

مسكين، فإنك لست من الرجال، ولو كنت شيئا لما فررت من الاحتيال.ثم اعلم أنّى ما رُضْتُ صعابَ الادب بالمشقّة والتعب، بل هذه موهبة من ربّى ونلت منه سِمْطَ الدررِ النُّخَب. هذا أمرى ولكنّكإن بارزتنى فعليك خبيئُك يتجلّى، وسوف أريك بأىّ علوم تتحلّى. إن تغليطك أحقّ بالتغليط، وليس فيه دون السلاطة، لا كبيان السليط. وما جئتَ قريتى هذه إلا لتخدع الناس، وتشيع الوسواس وما كان إتيانك إلا كحِجَّةٍ لا تُقضٰى مناسكها، ولا تحصل بركاتها. ولما عثرتُ على ما احتلتَ، وعلى ما بادرتَ إلىٰ وَكْرك وأجفلتَ، فاضت عينى على شقوتك وخيبتك عند رجعتك. خرجتَ كما دخلتَ، وذهبتَ

तुम्हें याद रहे कि मैंने साहित्य की कठिनाइयों को अपनी किसी मेहनत और परिश्रम से अभ्यास नहीं किया बल्कि यह केवल मेरे रब का दान है और यह कीमती मोतियों की लड़ी मैंने उससे प्राप्त की है, यह मेरा हाल है। लेकिन अगर तुमने मुझसे मुक़ाबला किया तो तुम पर अपना आंतरिक (सामर्थ्य) प्रकट हो जाएगा और मैं तुम्हें अवश्य दिखा दूंगा कि तुम किन ज्ञानों से सुसज्जित हो। तेरा मुझे ग़लत ठहराना स्वयं ग़लत ठहराया जाने के योग्य है। इसमें केवल गाली गलौज ही है उत्तम भाषा शैली नहीं और तू मेरी बस्ती (क़ादियान) में केवल लोगों को धोखा देने और भ्रम फैलाने के लिए आया था। तेरा आना केवल उस हज के समान है जिसकी प्रक्रिया पूर्ण न की गई हो और जिसकी बरकतें प्राप्त न हों। अत: जब मुझे तेरी बहानेबाज़ी और अपने घर की ओर तुरंत लौट जाने की सूचना मिली तो तेरे दुर्भाग्य और असफल वापसी पर मेरी आंखों से आंसू बहे। तुम जैसे खाली हाथ आए थे वैसे ही निकल गए और जैसे आए थे वैसे ही चले गए। ख़ुदा की क़सम अगर तुम मुझे मिलते तो मैं अवश्य तुम्हारा दु:ख दूर करता चाहे तुम मुझसे शत्रुता करते क्योंकि हम अपने किसी भी शत्रु के

كما حللتَ. ووالله لو كنتَ وافيتني لواسيتك ولو عاديتني. وإنّا لا نضمر حِقْد أحد من العدا، وإذا جاء نا عدو فالغِلّ خلا. ولذالك ساء نى لِمَ تبوّأتَ منزل المشركين وما عفت وما اخترتَ طريق المتقين. إنما المشركون نجس وهم أعداؤنا وأعداء رسولنا المصطفٰى، بل أعدى العدا. أتظنّون المشركين أقرب إليكم؟ عجبتُ من نُهاكم! أتظنون فينا ظن السوء فذالكم ظنُّكم الذى أردا كم. لا تطلب البحث إلا كمقامرة، ولا تبغى الجدال إلا كمصارعة، فأين صحة النية كالاتقياء، وأين التدبر كالصلحاء ترون آيات الله ثم تنكرونها، وتؤانسون شمس الحق ثم تكذّبونها. لا توافونى بصحّة النيّة، فلا تنجون من الوسوسة الشيطانية. وتشيعون كلمات يأخذ سعيدا حياءً

बारे में अपने दिल में कोई द्वेष नहीं रखते और जब वह शत्रु हमारे पास आता है तो द्वेष चला जाता है। यही कारण है कि मुझे तुम्हारा मुश्रिकों के बीच में रहना बुरा लगा और तुमने उसे नापसंद न किया और संयमियों का मार्ग न अपनाया। मुश्रिक तो अपवित्र हैं। वे हमारे शत्रु और हमारे रसूल मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के शत्रु हैं बल्कि तमाम शत्रुओं से बढ़कर शत्रु हैं। क्या तुम मुश्रिकों को अपने अधिक निकट समझते हो। मुझे तुम्हारी बुद्धि पर आश्चर्य है क्या तुम हमारे बारे में कुधारणा रखते हो। यही तुम्हारी कुधारणा ही है जिसने तुम्हें तबाह किया। तुम बहस को केवल जूए के समान चाहते हो और शास्त्रार्थ को केवल कुश्ती के समान चाहते हो। तो फिर संयमियों के समान अच्छी नियत कहां रही और नेकों जैसा विचार-विमर्श कहां है? तुम अल्लाह के निशानों को देखते हुए भी उनका इन्कार करते हो और सत्य के सूर्य का दर्शन करते हुए भी उसे झुठलाते हो। तुम अच्छी नियत से मेरे पास नहीं आते इसलिए तुम शैतानी भ्रमों से छुटकारा नहीं पा सकते। और तुम ऐसी बातों का प्रचार-प्रसार करते हो जिन

منها، وتنسبون إليّ أشياء وأنا بريء منها. وتؤذونني بألسنكم في كل حين من الاحيان ونسأل الله أن يلقى علينا جميل الصبر والسلوان. ونصبر على إيذائكم حتى ينزل الله غيث رأفته، ويدركنا بلطفه ورحمته. وكيف نقاومكم مع أتباعنا القلائل، فنشكو إلى الله كالمضطر السائل. كلّ من يؤذيني منكم بأنواع البهتان والتهمة يحسب أنه عمل عملا يُدخله في الجنة، وكل من يسبّني ويكفّرني يظن أنه قطعيّةُ المغفرةِ فيا رَبِّ أَجِبْهم من السماء، وليس لنا من دونك عند هذه الفتنة. رب إن كنتَ وجدتني اخترتُ طريقا غير طريق الفلاح، فلا تتركني من ليلتي هذه إلى الصباح. أيها المعادون! ليس بناء نزاعكم إلا على مسألة واحدة، فَلِمَ لَا تَطمئِنّون بآيات شاهدة؟ وإننا تمسَّكْنا في أمر

से एक अच्छी फ़ितरत को लज्जा आती है और मेरी ओर ऐसी बातें सम्बद्ध करते हो जिनसे मैं बरी हूं और तुम प्रतिपल अपनी ज़बानों से मुझे कष्ट देते हो और हम अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह हमें धैर्य तथा सहनशीलता प्रदान करे और हम तुम्हारे कष्ट पहुंचाने पर सब्र करते चले जाएंगे यहां तक कि अल्लाह अपनी नरमी और रहमत की वर्षा करे और अपनी दया और कृपा से हमारी सहायता करे। हम अपने थोड़े से अनुयायियों के साथ किस प्रकार तेरा मुकाबला कर सकते हैं। इसलिए हम एक पीड़ित सवाल करने वाले के समान अल्लाह के समक्ष फरियाद करते हैं। तुम में से हर वह व्यक्ति जो मुझे भिन्न भिन्न प्रकार के आरोपों के द्वारा कष्ट पहुंचाता है, वह समझता है कि उसने ऐसा काम किया है जो उसे स्वर्ग में ले जाएगा और हर वह व्यक्ति जो मुझे गालियां देता और मुझे झुठलाता है वह विचार करता है कि वह क्षमा किया जाएगा। हे मेरे रब! आसमान से तू ही उन्हें उत्तर दे। ऐसे फित्ने के अवसर पर सिवाय तेरे हमारा कोई नहीं। हे मेरे रब! अगर तू मुझे ऐसा पाता है कि मैंने वह मार्ग अपनाया है जो सफलता का मार्ग नहीं

وفاة عيسٰى بالقرآن، وما تمسّكتم إلا بالهذيان. ولو فرضنا على سبيل التنزل أن المقام محتمل للمعنيين، فالمعنى الذى جاء به الحَكَمُ أحقُّ بالقبول عند ذوى العينين، ودون ذالك جرأة على الله وخروج إلى الكذب والمَين. وقد يوجد استعارات فى بعض الانباء، فلا يغُرَّنَّكم ظاهر بعض الاحاديث بفرض صحتها يا ذوى الدهاء. وأى نظير ألجأكم إلى المعنى الذى تختارونه، ونهجٍ تؤثرونه؟ فليس والله عندكم إلا رسم وعادة ورثتموها من الآباء، وهذا هو سبب الإباء۔

وزعمت أنك تستطيع أن تكتب تفسير بعض سُور القرآن قاعدًا بحذائى وتُملى كإملائى۔ وما تريد من هذا

तो तू मुझे इस रात की सुबह तक (जीवित) न छोड़। हे शत्रुओ! तुम्हारे झगड़े का आधार केवल एक विषय पर है फिर क्यों तुम स्पष्ट निशानों पर संतुष्ट नहीं होते? हमने तो हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की मृत्यु के मामले में क़ुर्आन को दृढ़तापूर्वक पकड़ा है परन्तु तुम्हारे पास केवल बेकार की बातें हैं और अगर हम थोड़ा नीचे आकर यह अनुमान भी कर लें कि यह मुक़ाम दो अर्थों का संशय रखता है तो वह अर्थ जो हकम (निर्णायक) ने प्रस्तुत किया है वह बुद्धिमानों के निकट अधिक स्वीकार करने योग्य है और इसके अतिरिक्त (राय रखना) अल्लाह के मुक़ाबले पर बेबाकी और झूठ एवं धोखे की ओर भागना है। कुछ भविष्यवाणियों में रूपक पाए जाते हैं इसलिए हे बुद्धिमानो! कुछ सही हदीसों के ज़ाहिरी शब्द तुम्हें धोखे में न डालें। और किस उदाहरण ने तुम्हें इन अर्थों पर विवश किया है जो तुम अपना रहे हो और किस तरीके को तुम प्राथमिकता दे रहे हो। ख़ुदा की क़सम तुम्हारे पास उन रस्मो-रिवाज के अतिरिक्त कुछ नहीं जो तुम्हें अपने बाप दादाओं की ओर से विरासत में मिली और यही उद्दंडता का कारण है।

और यह तुम्हारा अनुमान है कि तुम मेरे मुक़ाबले में क़ुर्आन की

الهذيان إلا لتشتبه أمرَ إعجازى على جهلاء الزمان۔ فإن كنت تقدر على هذا النضال، و إبطالِ المعجزة التى أعطيت من الله ذى الجلال، فنقبَل دعوتك و جلالتك، لكن بشرط أن يقبل علماؤك الاكابرو۔ كالتك، بأن يحسبوا هزيمةَ أنفسهم هزيمتَك۔ فلا بد لك أن تأتى بعشرين رقعة مكتوبة مشتملة على ذالك الإقرار، من عشرين علمائك الاكابر المشهورين فى الديار۔ و إن كنت ليس هذا الامر فى قدرتك، فاحلِفْ بالطلاق الثلاث على امرأتك، على أنك إن لم تقدر على إملاء تفسير كمثلى فى المعارف و الفصاحة و البلاغة، فتبايعنى على مكانك من غير نوع من الحيلة، و إلا فلا نكترث بك و لا نبالى، و قد ثقّبْناك من

कुछ सूरतों की तफ़सीर (व्याख्या) लिखने का सामर्थ्य रखते हो और मेरे जैसे लेख लिख सकते हो और इस बकवास से तुम्हारा उद्देश्य केवल यह है कि इस ज़माने के अज्ञानियों पर मेरे चमत्कार का मामला संदिग्ध हो जाए। अगर तुम इस मुक़ाबले का सामर्थ्य रखते हो और इस चमत्कार को झूठा सिद्ध कर सकते हो जो प्रतापी ख़ुदा की ओर से मुझे दिया गया तो हम तुम्हारी (मुक़ाबले की) दावत को केवल इस शर्त के साथ स्वीकार करते हैं कि तुम्हारे बड़े उलमा तुम्हें अपना प्रतिनिधि स्वीकार करें और तुम्हारे अपमान को वे स्वयं अपना अपमान समझें। अत: तुम्हारे लिए आवश्यक है कि तुम देश के 20 प्रसिद्ध बड़े उलमा की ओर से इस इक़रार पर आधारित 20 लिखित पत्र प्रस्तुत करो और अगर ऐसा करना तुम्हारे सामर्थ्य से बाहर हो तो फिर अपनी पत्नी को तीन तलाक देने की क़सम खाओ कि अगर तुम्हें मेरे जैसा अध्यात्मज्ञान तथा सरसता एवं सुबोधता से भरपूर व्याख्या लिखने का सामर्थ्य न हुआ तो फिर तुम तुरंत बिना किसी बहाने के मेरी बैअत कर लोगे अन्यथा हम तुम्हारी कोई परवाह नहीं करेंगे। पहले भी हमने तुम्हें तर्क के भालों से छलनी किया हुआ है।

قبلُ بالعوالی. و کیف نختارك و تقول بلسانك أنا أعلم، و یقول الآخر منکم أنا أعلم، فکیف نؤثرك علی غیرك إلا بعد أن تقضی هذه التناقشَ، و تدفع هذا التهارش و إن عمامة الفضل کالودیعة، فمن غلب سلب، و من رُعِبَ نُهب. و إن الفضیلة لیس کالشیء المجّان، و لا یتأتی إلا بالبرهان، فمن أشرَقَ تِبْرُه، سُلِّمَ حِبْرُه و سِبْرُه. و إن وُکِّلتَ من العلماء و بارزتَنی فی العراء ثم غلبتَ فی المعارف کالعرفاء و فی البلاغة کالأدباء أُعْطِك عطاء جزیلا لا شیئا قلیلا. و لکنی عجبتُ کل العجب من تصلّفك بعد فرارك و تخلّفك. و قد ألفتُ لك کتابی الإعجاز، فتواریتَ و ما أتیت البِراز. فکیف تهذی الآن و تذکر المیدان أنسیت

हम तुम्हें किस प्रकार प्राथमिकता दे सकते हैं जबकि तुम अपनी ज़बान से कहते हो कि मैं अधिक ज्ञान रखता हूं और तुम में से दूसरा भी यही कहता है कि मुझे अधिक ज्ञान है तो फिर हम तुम्हें इस झगड़े का निर्णय होने और यह मामला पूर्ण होने से पहले दूसरों पर कैसे प्राथमिकता दें और प्रतिष्ठा की पगड़ी तो वदीयत के समान है जो विजयी हो गया उसने छीन ली और जो पराजित हो गया वह लूटा गया। प्रतिष्ठा मुफ्त वस्तु के समान नहीं होती यह तो केवल प्रकाशमान तर्क से ही प्राप्त होती है फिर जिसका सोना चमक गया उसका सौंदर्य और शोभा प्रमाणित है। अगर तुझे उलमा की ओर से वकील निर्धारित किया गया और जंग के मैदान में तुमने मेरा मुकाबला किया और उस मुक़ाबले में अध्यात्म ज्ञानियों के समान मआरिफ वर्णन करने और साहित्यकारों के समान सरसता एवं सुबोधता में तुम विजयी रहे तो मैं तुम्हें बहुत बड़ा इनाम दूंगा न कि सामान्य। परन्तु मुझे तुम्हारे भागने और बहाने बनाने के बाद तुम्हारे बड़बोलेपन पर अत्यंत आश्चर्य है। मैंने तुम्हारे लिए अपनी किताब "ऐजाज़ अहमदी" लिखी परन्तु तुम छुप गए और मुक़ाबले पर न आए। अब तू क्यों बकबक करता और

الإفحام الإمسيّ أو جعلته فى المنسيّ لعلك تسُرّ به زمعَ الناس ليحسبوك منوّرا كالنبراس. أأنت تعارضنى أيها المسكين ولا يكذب إلا اللعين. وإن أكل نجاسة الدَقاريرِ أقبح من تمشُّش الخنزير. ويعلم قومك أنك جهول ولا تقرّ بعلمك فحول. وإن كنت تدّعى من صدق البال و لست كالمتصلّف الدجّال، فأت بشهادة على ما أحرزت من الكمال. فأيسَرُ الطرق وأسهلها أن تكتب كمثل هذه الرسالة، إن كنت صادقا ولست كالجَلَّالةِ. فإن كنت أتيت بمثلها فى عشرين يوما فى المعارف والبلاغة والبراعة، فوالله أعطيك مائة درهم فى الساعة، ومع ذالك تبطل معجزتى و كأنى أموت من يديك، وتنثال الصلة عليك، ولا يبقى

मुक़ाबले की बातें करता है? क्या तू भूल गया जो कल तेरा मुंह बंद हुआ था या यह कि तुमने उसे भूला-बिसरा कर दिया है। संभवत: तुम इस तरह तिरस्कृत लोगों को प्रसन्न करना चाहते हो ताकि वह तुझे दीपक के समान प्रकाशमान समझें। हे असहाय! क्या तू मेरा मुक़ाबला करता है? कमीना व्यक्ति ही ग़लत बयानी करता है और झूठ बोलना सूअर खाने से अधिक बुरा है। तुम्हारी क़ौम जानती है कि तुम निपट मूर्ख हो और कोई बहुत बड़ा विद्वान तुम्हारे ज्ञान का इक़रार नहीं करता अगर तुम निश्चित रूप से सच्चे दिल से दावा कर रहे हो और बेकार की बातें करने वाले दज्जाल नहीं हो तो जो कमाल तुमने प्राप्त कर रखा है उस पर गवाही प्रस्तुत करो और उसका आसान और सरल उपाय यह है कि अगर तुम सच्चे हो और गंदगी खाने वाली गाय के समान नहीं तो इस जैसी पुस्तक लिखो। अगर तुमने मेरी इस पुस्तक का उदाहरण 20 दिनों में प्रस्तुत कर दिया जिसमें अध्यात्मिक ज्ञान, सरस्वता और सुबोधता की विशेषताएं मौजूद हों तो ख़ुदा की क़सम मैं तुम्हें तुरंत एक सौ रूपए इनाम दूंगा और साथ ही मेरा चमत्कार झूठा हो जाएगा और मानो में तुम्हारे हाथों मर जाऊंगा और

لی بعده حجّة و تتّضح محجّة، و یُقضی الامر و تتّحد الزمر۔ و کلّ ذالك یُنسَب إلیك و إلیٰ کمالك، و ترتوی القلوبُ من زلالك، و یرتفع الاختلاف من بین الامّة، فقُمْ إن کنت شیئًا وَأْتِ بمثلها فی هذه المدّة، لعلك تتدارك به ما ذقتَ من لعنةٍ، و یُعقبك الله عن ذلّةٍ رأیتَها بعزةٍ. فإن کنت کریمَ النَّجْر طیّبَ الشجر، فلا تعرض عن هذه المقابلة التی هی عظیم الاجر۔ و عند ذالك یتراءی الحق کحوت تسبَح فی الرَّضْراض و یفرغ الصادق من قتل النَّضْناض۔ هٰذا هو السبیل، و بعد ذالك نستریح و نَقیل. و کل ما تتصلّف من دونه فهو صوت کائد من مجونه فأراه أنکَرَ من صوت حمار و أضعَفَ من خَطْوِ حُوار۔ و قلتَ إنی

तुम पर इनाम की वर्षा होगी और उसके बाद मेरे लिए कोई हुज्जत शेष नहीं रहेगी और मार्ग प्रशस्त हो जाएगा और निर्णय हो जाएगा। और समस्त समूह एकमत हो जाएंगे और सब कुछ तुम्हारी ओर तथा तुम्हारी श्रेष्ठता की ओर सम्बद्ध होगा और तेरे स्वच्छ जल से दिल तृप्त होंगे और उम्मत में से मतभेद उठ आएगा। अत: यदि तुम कोई चीज़ हो तो उठो और इस निर्धारित अवधि में इसका उदाहरण प्रस्तुत करो। संभवत: उसके द्वारा तू उस लानत की भरपाई कर सके जिसका मज़ा तू चख चुका है। अल्लाह तुझे उस अपमान के बाद जो तू देख चुका है, सम्मान देगा और अगर तू सहीह सन्तान तथा माता-पिता दोनों ओर से सम्मानित वंश से सम्बन्ध रखता है तो इस मुक़ाबले से न भाग जिसका इनाम बहुत बड़ा है। उस समय सत्य स्वच्छ जल में तैरने वाली मछली की समान प्रकट हो जाएगा और सच्चा इन्सान, साँप के नष्ट करने की ज़िम्मेदारी से बरी हो जाएगा। यही सही मार्ग है और फिर उसके बाद हम आराम की इच्छा तथा विश्राम करेंगे। उसके अतिरिक्त जो भी बकवास तुम करोगे तो वह एक भटके हुए मक्कार की आवाज़ होगी। अत: मैं उसको गधे की आवाज़ से भी अधिक

فسّرتُ القرآن فاتّقِ الله ودَعِ الهذيان. أيها المسكين! ما سرَوتَ عن نفسك جلبابَ النوم وعدوتَ إلى إيقاظ القوم۔ لستَ إلا كالجنين فى الظلمات الثلاث ومن المحجوبين۔ فما لك أن تتكلم كالعارفين وإنك تتقصَّى الزخارف فما تدرى المعارف. أيها الغوى! خُذْ حظا من الطبيعة السعيدة، ولا تحل حَولَ المكيدة۔ فإن المكر يخزى الماكرين۔ وإن الله مع الصادقين. اعلم أنك تخفى شيئا فى قلبك وتبدى شيئا آخر وهذا هو من سِير المنافقين. ولست رجلَ هذا الميدان ثم تدّعى كالمتصلّفين۔ وإن بارزتنى كالكُماة تجدنى مثقِّبَك بالقناة وإن تغلِبْ أُغْنِك بالصِّلات وأُنْجِك فى معاشك من المشكلات۔ وإن عزمت على أن

बुरा समझता हूं और ऊंट के नवजात बछड़े की चाल से भी कमज़ोर समझता हूं। तुमने कहा है कि मैंने क़ुर्आन की व्याख्या लिखी है, अत: अल्लाह से डर और बेकार की बातें छोड़। हे असहाय पुरुष! तू स्वयं तो लापरवाही की नींद से जागा नहीं और चला है क़ौम को जगाने। तेरा हाल तो उस पैदा हुए बच्चे के समान है जो तीन अंधेरों में हो और छुपा हुआ हो। तेरी क्या मजाल कि तू अध्यात्म ज्ञानियों के समान वार्तालाप करे। तू बहानेबाज़ों की चरमसीमा को पहुंचा हुआ है जिसके कारण तुझे अध्यात्म का क्या ज्ञान? हे गुमराह! सच्ची फितरत से हिस्सा ले और धोखेबाज़ी के चक्कर में न पड़। क्योंकि मक्कारी मक्कारों को अपमानित और तिरस्कृत करती है और अल्लाह सच्चों के साथ है। जान ले कि तू अपने दिल में छुपाता कुछ है और प्रकट कुछ और करता है और यही मुनाफ़िक़ों का स्वभाव होता है। तू इस मैदान का पहलवान नहीं फिर भी बकवास करने वालों की तरह दावा करता है। अगर तूने हथियारबंद घुड़सवारों के समान मेरा मुकाबला किया तो तू मुझे भाले से छलनी करने वाला पाएगा। अगर तू विजयी हो गया तो मैं तुझे इनाम से मालामाल कर दूंगा और

تكتب كمثل هذه الرسالة فأعطيك كما وعدت من الجِعالة، وإن شئت أرسل إليك خُمُسَ هذا الوعد قبل إيفائك، ليكون محرِّكا لاهوائك. فعليك أن تأخذ المنقود وتنتظر الموعود وهذا خير لك من حيل أخرى، وأقرب للتقوى والسلام على من اتبع الهدٰى. أيها الناس لم لا تعرفون الذى جاء كم من الرحمٰن، وقد جُمِعَ لكم أول المائة وآخر الزمان. الشمس والقمر خُسِفا فى رمضان وظهرت الدابّة التى تكلّم الناس وهذه هى التى أنبأ بها القرآن. فما لكم لا تعرفون من جاء

तुझे तेरी घरेलू परेशानियों से मुक्ति दिलाऊंगा और अगर तूने इस पुस्तक जैसी पुस्तक लिखने का संकल्प किया तो जैसा कि मैंने वादा किया है मैं तुम्हें निर्धारित इनाम दूंगा और अगर तू चाहे तो मैं तेरे पूरा करने से पहले ही इस वादे का पांचवा हिस्सा तुझे भेज दूंगा ताकि वह तेरी इच्छा के लिए प्रेरित करने वाला हो। अत: तुम्हें चाहिए कि तुम इस राशि को ले लो और शेष निर्धारित राशि की प्रतीक्षा करो और ऐसा करना तुम्हारे लिए दूसरे बहाने बनाने से अधिक उत्तम और संयम के निकट है। सन्मार्ग का अनुसरण करने वाले पर सलामती हो। हे लोगो! तुम इस व्यक्ति को क्यों नहीं पहचानते जो रहमान ख़ुदा की ओर से तुम्हारे पास आ चुका है जबकि तुम्हारे लिए शताब्दी के आरंभ और ज़माने के अंत को एक समान कर दिया गया है। सूर्य और चंद्र को रमज़ान में ग्रहण लग चुका है और लोगों को काटने वाला ज़मीनी कीड़ा अर्थात् प्लेग का कीड़ा भी प्रकट हो चुका है और ये वे निशान हैं जिनकी क़ुर्आन ने भविष्यवाणी की थी। फिर तुम्हें क्या हो गया है कि तुम रहमान ख़ुदा के भेजे हुए को पहचानते नहीं परन्तु शीघ्र तुम मुझे पहचान लोगे। मैं अपना मामला अल्लाह के सुपुर्द करता हूं और उसी की हस्ती पर मेरा भरोसा है। समस्त प्रशंसाएं उसी

كـم مـن الرحمٰـن۔ وسـتعرفوننی وأفـوض أمـری إلی اللّٰہ وعلیـہ التـکلان. الحمـد للّٰہ الذی وھـب لی علـی الکـبر أربعـۃ مـن البنـین وأنجـز وعـدہ مـن الإحسـان وبشّـرنی بخامـس فی حـین مـن الاحیـان۔ وھـذہ کلھـا آیـاتٌ مـن ربّی یـا أھـل العـدوان۔ سُبۡحَانَہٗ وتعـالٰی عَمَّـا تظنـون فاتقـوہ وقـد نـزل وھـو غضبـان۔

★ ★ ★

अल्लाह को शोभनीय हैं जिसने बुढ़ापे के बावजूद मुझे चार बेटे प्रदान किए और उपकार स्वरूप अपना वादा पूरा किया और भविष्य में किसी समय पांचवें बेटे की भी मुझे ख़ुशख़बरी दी। हे शत्रु! यह सब के सब मेरे रब के निशान (चमत्कार) हैं। अल्लाह की हस्ती पवित्र है और तुम्हारी कल्पनाओं से परे है। अत: तुम पर अनिवार्य है कि तुम उस से डरो जबकि वह क्रोधित होकर आया है।

★ ★ ★

पारिभाषिक शब्दावली

अर्श- सिंहासन। वह स्थान जहाँ पर अल्लाह का अधिष्ठान है।

अह्ले किताब- यहूदी और ईसाई जो तौरात नामक ग्रंथ को ईशवाणी मानते हैं।

अज़ाब - अल्लाह की अवज्ञा करने पर मिलने वाला दंड। ईशप्रकोप, कष्ट, विपत्ति।

अलैहिस्सलाम- उनपर अल्लाह की कृपा हो। नबियों, रसूलों और अवतारों के नामों के बाद यह वाक्य कहा जाता है।

आयत- पवित्र क़ुर्आन की पंक्ति अथवा वाक्य।

इस्राईल- अल्लाह का वीर या सैनिक। हज़रत याक़ूब अलै. का एक गुणवाचक नाम, जिस के कारण उनके वंशज को बनी इस्राईल (अर्थात इस्राईल की संतान) कहा जाता है। फ़िलिस्तीन का एक भू-भाग जिस में यहूदियों ने अपना राज्य स्थापित करके उस का नाम इस्राईल रखा है।

ईमान- अर्थात विश्वास और स्वीकार करना। जैसे अल्लाह, फ़रिश्तों, रसूलों, ईश्वरीय ग्रंथों और पारलौकिक जीवन पर विश्वास करना।

उम्मत- संप्रदाय। किसी नबी या रसूल के अनुयायिओं का समूह उसकी उम्मत कहलाता है।

उम्मती नबी- किसी नबी की शिक्षाओं को आगे फैलाने के लिये उसके अनुयायियों में से किसी का नबी पद प्राप्त करना।

उलमा- इस्लामी धर्मज्ञ।

क़यामत- महाप्रलय। मृत्यु के बाद अल्लाह के समक्ष उपस्थित होने का दिन

कश्फ़- जागृत अवस्था में कोई अदृष्ट विषय देखना। स्वप्न और कश्फ़ में यह अंतर है कि स्वप्न सोते में देखा जाता है और कश्फ़ जागते में देखा जाता है। दिव्य-दर्शन। योगनिद्रा, तन्द्रावस्था।

काफ़िर - सच्चाई का इन्कार करने वाला। इस्लाम धर्म का अस्वीकारी।

क़िब्ला - आमने-सामने। जिसकी ओर मुँह करके मुसलमान नमाज़ पढ़ते हैं। ख़ाना काबा मुसलमानों का क़िब्ला है जिसकी ओर सारे संसार के मुसलमान मुँह करके नमाज़ पढ़ते हैं।

कुफ़्र- सच्चाई का इन्कार, इस्लाम का इन्कार करना।

ख़लीफ़ा- उत्तराधिकारी। अधिनायक। नबी और रसूलों के बाद उनका स्थान लेने वाला और उनके काम को चलाने वाला।

ख़िलाफ़त- नबी और रसूल के बाद उनके कामों को आगे चलाने वाली व्यवस्था, जिसका प्रमुख ख़लीफ़ा कहलाता है।

जिब्रील- ईशवाणी लाने वाला फ़रिश्ता।

जिहाद - प्रबल उद्यम करना। स्वयं को सुधारने के लिये या धर्मप्रचार के लिये प्रयत्न करना। सत्यधर्म की रक्षा के लिये प्रतिरक्षात्मक युद्ध करना।

तक़्वा - निष्ठापूर्वक अल्लाह की आज्ञा का पालन करना और हर काम को करते समय अल्लाह का भय मन में रखना। संयम, धर्मपरायणता।

ताबयीन- अनुगमन कारी। वे मुसलमान जिन्होंने हज़रत मुहम्मद सल्ल. को तो नहीं देखा परंतु हज़रत मुहम्मद सल्ल. के साहाबियों को देखा।

तबअ ताबयीन -ताबयीन के अनुगामी। जिन्होंने केवल ताबयीन को देखा।

तौरात - यहूदियों का धर्मग्रंथ।

दज्जाल- झूठा, धोखेबाज, अंत्ययुग में लोगों को धर्मभ्रष्ट कराने के लिए उत्पन्न होने वाला एक समूह।

दुरूद व सलाम -हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिए की जाने वाली दुआ।

नबी- लोगों को सन्मार्ग पर लाने के लिए अल्लाह की ओर से आया हुआ व्यक्ति, जिसे अदृष्ट विषयों से अवगत कराया जाता है। अवतार।

नुबुव्वत- नबी बनने की क्रिया। अवतारत्व।

नूर- अध्यात्म प्रकाश, ज्योति।

नेमत - अल्लाह की देन।

पैग़म्बर - अल्लाह का संदेशवाहक, नबी, रसूल।

फैज़- अध्यात्म लाभ, कृपा, उपकार।

बनी इस्त्राईल- इस्त्राईल की संतान। (इस्त्राईल शब्द भी देखें)

बैअत- बिक जाना, धर्मगुरु के हाथ पर हाथ रख कर उसका आनुगत्य स्वीकार करना।

मुश्रिक - शिर्क करने वाला। अल्लाह के अतिरिक्त अन्य को उपास्य मान कर उसे अल्लाह का समकक्ष ठहराने वाला व्यक्ति।

मुनाफ़िक़- कपटाचारी। वह व्यक्ति जो ईमान लाने का प्रदर्शन तो करे परंतु दिल से उसको अस्वीकार करने वाला हो।

मुत्तक़ी - निष्ठापूर्वक अल्लाह की आज्ञा का पालन करने वाला और हर काम को करते समय अल्लाह का भय मन में रखने वाला व्यक्ति, धर्मपरायण।

मुबाहलः- एक दूसरे को शाप देना। इस्लामी धर्मविधान के अनुसार किसी विवादित धार्मिक विषय को अल्लाह पर छोड़ते हुए एक दूसरे को शाप देना कि जो झूठा है उस पर अल्लाह की लानत हो।

मे'राज - आध्यात्मिक उत्थान। अल्लाह की ओर हज़रत मुहम्मद सल्ल. की अलौकिक यात्रा जो सशरीर नहीं हुई।

मोमिन - अल्लाह, फ़रिश्तों, रसूलों, ईश्वरीय ग्रंथों और पारलौकिक जीवन पर विश्वास करने वाला निष्ठावान् व्यक्ति।

याजूज-माजूज-अंत्ययुग में उत्पन्न होने वाली दो महाशक्तियाँ।

रसूल- अल्लाह का भेजा हुआ अवतार, दूत।

रज़ियल्लाहु अन्हु- अल्लाह उन पर प्रसन्न हो। हज़रत मुहम्मद सल्ल. के पुरुष सहाबियों के लिए प्रयुक्त होता है। अल्लाह उनसे प्रसन्न हुआ।

रहिमहुल्लाहु- उन पर अल्लाह की कृपा हो। यह वाक्य दिवंगत महापुरुषों के नाम के साथ प्रयुक्त होता है।

रूह- आत्मा।

रूह-उल-क़ुदुस-पवित्रात्मा। ईशवाणी लाने वाला फ़रिश्ता।

रूह-उल-अमीन-जिब्रील, जो ईशवाणी लाने वाले फ़रिश्ता हैं।

ला'नत - अभिशाप, अमंगल कामना।

वह्यी - अल्लाह की ओर से प्रकाशित होने वाला संदेश, ईशवाणी। ईश्वरीय ग्रन्थों का अवतरण वह्यी के द्वारा होता है। पवित्र क़ुर्आन हज़रत मुहम्मद सल्ल. पर वह्यी के द्वारा ही उतरा है।

शरीयत- इस्लामी धर्मविधान।

शिर्क- अल्लाह के बदले दूसरे को उपास्य मानना, किसी को अल्लाह का समकक्ष ठहराना।

सलाम - शांति और आशीर्वाद सूचक अभिवादन।

सलीब - सूली, जिस पर लटका कर मृत्युदंड दिया जाता था।

सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम- उनपर अल्लाह की कृपा और शांति अवतरित हो। हज़रत मुहम्मद स० के नाम के साथ यह वाक्य कहा जाता है।

सहाबी - हज़रत मुहम्मद सल्ल. के वे अनुगामी जिन्हें आपकी संगति प्राप्त हुई।

सूरः / सूरत- पवित्र क़ुर्आन का अध्याय। पवित्र क़ुर्आन में 114 अध्याय हैं।

हज़रत - श्रद्धेय व्यक्तियों के नाम से पूर्व सम्मानार्थ लगाया जाने वाला शब्द।

हदीस - हज़रत मुहम्मद सल्ल. के कथन जिन्हें कुछ वर्षों के पश्चात इकट्ठा करके ग्रंथबद्ध किया गया। इन में से छः विश्वसनीय हदीस ग्रंथों को **सहा-ए-सित्ता** कहा जाता है। इनके अतिरिक्त और भी हदीस के ग्रंथ हैं।

हिजरत - देशांतरण। हज़रत मुहम्मद सल्ल. के मक्का से मदीना जाने की घटना हिजरत के नाम से प्रसिद्ध है।

हिदायत- सन्मार्ग प्राप्ति।

* * *